THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

# स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-31 अंक : 132 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) श्रावण अमावस्या 2083 बुधवार, 12 अगस्त-2026

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद ✻ पृष्ठ : 14 मूल्य : 8 रुपये

### अमेरिका-ब्रिटेन-कनाडा के दौरे पर जाएंगे मोहन भागवत

नई दिल्ली, 11 अगस्त (एजेंसियां)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख मोहन भागवत 25 अगस्त से संयुक्त राज्य अमेरिका, कनाडा और यूनाइटेड किंगडम की यात्रा करेंगे। यह जानकारी सूत्रों के अनुसार है। डॉ. भगवत भारतीय प्रवासी समुदाय से जुड़े विभिन्न स्थानीय संघों और संगठनों के निमंत्रण पर विदेश यात्रा करने वाले हैं।

यह दौरा ऐसे अहम समय पर हो रहा है जब आरएसएस अपनी शताब्दी मना रहा है। अपने दौरे के दौरान, भगवत के भारतीय प्रवासी समुदाय के सदस्यों और स्थानीय संगठनों के प्रतिनिधियों से बातचीत करने की उम्मीद है। उनकी यात्रा कार्यक्रम और व्यस्तताओं के बारे में आगे की जानकारी बाद में घोषित किए जाने की उम्मीद है।

# 'वंदे मातरम' बिल को राष्ट्रपति की मंजूरी

## जन गण मन जैसा मिलेगा कानूनी संरक्षण; तीन साल की सजा और जुर्माना

नई दिल्ली, 11 अगस्त (एजेंसियां)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने मंगलवार को एक विधेयक को मंजूरी दे दी, जिसके तहत जानबूझकर राष्ट्रगान 'वंदे मातरम' के गायन में बाधा डालना या उसे रोकना अपराध माना जाएगा। सरकार के एक बयान में कहा गया है कि इस विधेयक के तहत राष्ट्रगान को वर्तमान में प्राप्त कानूनी संरक्षण वंदे मातरम को भी दिया जाएगा।

राष्ट्रपति की सहमति से राष्ट्रीय सम्मान के अपमान की रोकथाम (संशोधन) विधेयक, 2026, कानून बन गया है। लोकसभा ने 30 जुलाई को विधेयक पारित किया था, जबकि राज्यसभा ने इसे एक दिन पहले ही मंजूरी दे दी थी। इस विधेयक के अंतर्गत वंदे मातरम को राष्ट्रगान 'जन गण मन' के समान दर्जा दिया गया है। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने कहा कि स्वतंत्रता दिवस समारोह में पहली बार लाल किले की प्राचीर से वंदे मातरम गाया जाएगा। इससे पहले, राष्ट्रीय सम्मान के अपमान की रोकथाम अधिनियम के तहत जानबूझकर राष्ट्रगान (जन गण मन) गाने से रोकना या ऐसे गायन में लगे किसी भी सभा में अशांति पैदा करना प्रतिबंधित था। इन अपराधों के लिए अधिकतम तीन साल की कैद, जुर्माना या दोनों की सजा हो सकती थी, जबकि दूसरी और उसके बाद की हर सजा के लिए कम से कम एक साल की कैद का प्रावधान था। पूर्ववर्ती कानून में राष्ट्रगान को समान संरक्षण प्रदान नहीं किया गया था। बिल में

कहा गया था, 'अभी 'वंदे मातरम' के गायन के अपमान को रोकने के लिए कोई खास कानूनी प्रावधान नहीं है, जबकि इसे राष्ट्रीय गीत का सम्मान प्राप्त है। इसलिए, किसी व्यक्ति को जानबूझकर राष्ट्रीय गीत गाने से रोकने या ऐसे गायन में लगी किसी सभा में बाधा डालने से रोकने के लिए, उक्त अधिनियम की धारा 3 में संशोधन करके राष्ट्रीय गीत को भी इसके दायरे में लाने का प्रस्ताव है, ताकि ऐसे कार्यों को दंडनीय बनाया जा सके।'

विधेयक में आगे कहा गया है कि संविधान सभा के अध्यक्ष डॉ. राजेंद्र प्रसाद ने 24 जनवरी, 1950 को कहा था कि बंकिम चंद्र चटर्जी द्वारा रचित गीत 'वंदे मातरम', जिसने भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में ऐतिहासिक भूमिका निभाई थी, को राष्ट्रगान 'जन गण मन' के समान सम्मान दिया जाएगा और उसे उसके बराबर दर्जा प्राप्त होगा।

इस वर्ष की शुरुआत में, केंद्रीय गृह मंत्रालय ने निर्देश दिया था कि जब राष्ट्रगान और राष्ट्रीय गीत एक साथ बजाए जाएं तो 'वंदे मातरम' के सभी छह श्लोक पहले गाए जाएं। 28 जनवरी के एक आदेश में, गृह मंत्रालय ने राष्ट्रगान गाने के लिए प्रोटोकॉल का पहला सेट जारी किया, जिसमें निर्देश दिया गया कि इसके छह छंद, जिनकी अवधि 3 मिनट और 10 सेकंड है, राष्ट्रपति के आगमन, राष्ट्रीय ध्वज फहराने और राज्यपालों के भाषण जैसे आधिकारिक समारोहों में गाए जाएंगे।

### घाटी में आतंकी धमकी के बाद बड़ा फैसला

## 20 अगस्त तक कश्मीरी पंडित कर्मचारियों की छुट्टी, स्टेडियम ड्यूटी रद्द

श्रीनगर, 11 अगस्त (एजेंसियां)। कश्मीर घाटी में मौजूदा सुरक्षा परिस्थितियों और कश्मीरी पंडित एवं अन्य अल्पसंख्यक कर्मचारियों की चिंताओं को देखते हुए प्रशासन ने एहतियाती कदम उठाया है।

श्रीनगर में कार्यरत पीएम पैकेज, नॉन-पीएम पैकेज और प्रवासी कर्मचारियों को 20 अगस्त 2026 तक कार्यालयों में भौतिक उपस्थिति से विशेष राहत दी गई है। इसके साथ ही उन्हें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर स्टेडियम में होने वाले आधिकारिक समारोह की ड्यूटी से भी अलग रखा गया है।

श्रीनगर में करीब 2,800 कर्मचारियों को सुरक्षा चिंताओं के बीच फिजिकल अटेंडेंस से छूट और स्वतंत्रता दिवस की स्टेडियम ड्यटी से भी रखा गया दूर। प्रशासन की ओर से इस संबंध में फिलहाल कोई औपचारिक लिखित आदेश जारी नहीं किया गया है।

# सीरिया के अपदस्थ राष्ट्रपति बशर अल असद को मौत की सजा

## > युद्ध अपराधों पर सीरियाई अदालत का फैसला

दमिश्क, 11 अगस्त (एजेंसियां)। सीरिया की एक अदालत ने देश के अपदस्थ राष्ट्रपति बशर अल असद और उनके भाई को मौत की सजा सुनाई है। यह सजा दोनों को युद्ध अपराधों को दोषी ठहराते हुए उनकी अनुपस्थिति में सुनाई गई। ये अपराध सीरिया में 14 साल चले संघर्ष के दौरान किए जाने के आरोप हैं, जिसमें करीब पांच लाख लोगों की जान गई। इसी मामले में असद के मामा के बेटे आतिफ नजीब को भी मौत की सजा सुनाई गई।

नजीब पर दक्षिणी प्रांत दारा में सरकार की कार्रवाई का नेतृत्व करने का आरोप था, जिसके बाद विद्रोह शुरू हुआ और बाद में यह गृहयुद्ध में बदल गया। कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच नजीब जेल की वर्दी पहनकर अदालत में एक पिंजरे के अंदर खड़ा था, जहां न्यायाधीश ने सजा सुनाई। असद और उनके भाई माहेर दिसंबर 2024 में विद्रोहियों के दमिश्क में प्रवेश करने के बाद रूस भाग गए थे। बाद में नजीब को गिरफ्तार कर लिया गया और वह उन सबसे वरिष्ठ अधिकारियों में शामिल हो गए, जिनके खिलाफ मुकदमा चलाया गया। नजीब सीरियाई सेना के पूर्व ब्रिगेडियर जनरल हैं। वह 2011 में असद शासन के दौरान दक्षिणी सीरिया के दारा प्रांत में राजनीतिक सुरक्षा शाखा के प्रमुख थे। सीरिया पर असद परिवार का 50 वर्षों तक शासन रहा। हाफेज अल-असद और फिर उनके बेटे बशर अल-असद ने सीरिया की लंबे समय तक सत्ता संभाली।

'अरब स्प्रिंग' के दौरान, 2011 में सीरिया में बशर अल असद की सरकार और उनके कथित दमनकारी शासन के खिलाफ विद्रोह शुरू हो गया। जो 13 साल तक चले एक भयानक गृहयुद्ध में बदल गया। 'सीरियन ऑब्जर्वेटरी ऑफ ह्यमन राइट्स' के अनुसार, इस गृह युद्ध में पांच लाख से ज्यादा लोग मारे गए। इसी युद्ध अपराध के लिए अब बशर अल असद और उनके भाई को मौत की सजा सुनाई गई है।

## 'कॉकरोच जनता पार्टी' से जुड़ी पीआईएल पर एससी का नोटिस

### कोर्ट की मौखिक टिप्पणियों के कथित दुरुपयोग की होगी जांच

नई दिल्ली, 11 अगस्त (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को 'कॉकरोच जनता पार्टी' से जुड़े मामले में दायर जनहित याचिका पर केंद्र सरकार, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय, बार काउंसिल ऑफ इंडिया और केंद्रीय जांच ब्यूरो को नोटिस जारी किया। याचिका में अदालत की मौखिक टिप्पणियों के कथित व्यावसायिक इस्तेमाल और उनके दुरुपयोग की जांच की मांग की गई है। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली बेंच ने मामले की सुनवाई के लिए 10 सितंबर की तारीख तय की है।

याचिकाकर्ता अधिवक्ता राजा चौधरी ने अदालत से मांग की है कि न्यायाधीशों की मौखिक टिप्पणियों के कथित व्यावसायिक उपयोग, ट्रेडमार्क, कमाई के उद्देश्य से प्रसार और अनधिकृत इस्तेमाल की जांच कर कार्रवाई की जाए। याचिका में विशेष रूप से 'कॉकरोच जनता पार्टी' (सीजेपी) से जुड़ी गतिविधियों का जिक्र किया गया है।

# एससी-एसटी आरक्षण में क्रीमी लेयर नियम की मांग सुप्रीम कोर्ट पहुंची

नई दिल्ली, 11 अगस्त (एजेंसियां)। अनुसूचित जाति (एससी) और अनुसूचित जनजाति (एसटी) के आरक्षण में क्रीमी लेयर लागू करने की मांग को लेकर सुप्रीम कोर्ट में चल रही सुनवाई के बीच केंद्र सरकार ने अपना रुख साफ कर दिया है।

केंद्र ने कहा है कि एससी/एसटी के आरक्षण में क्रीमी लेयर का सिद्धांत लागू नहीं है। सरकार ने इस मांग का विरोध करते हुए कहा कि एससी/एसटी के आरक्षण में आय के आधार पर बदलाव करने से पहले व्यापक समीक्षा, सामाजिक-आर्थिक आंकड़ों और ठोस अध्ययन की जरूरत होगी। ऐसे में सवाल उठता है कि ताजा मामला क्या है? एससी/एसटी में क्रीमी लेयर लागू करने की मांग क्यों उठी? केंद्र सरकार ने इसका विरोध क्यों किया? आरक्षण नीति बनाने का अधिकार किसके पास है? क्रीमी लेयर है क्या? क्रीमी लेयर को लेकर क्या फैसला हो चुका है? भारत में आरक्षण को लेकर क्या

व्यवस्था है? संविधान इस पर क्या कहता है? सुप्रीम कोर्ट में दाखिल जनहित याचिकाओं में एससी/एसटी आरक्षण में क्रीमी लेयर लागू करने की मांग की गई। केंद्र सरकार ने इन याचिकाओं का विरोध किया है। सरकार ने अपने हलफनामे में कहा कि कहीं भी विशेष रूप से यह नहीं कहा गया है कि क्रीमी लेयर का सिद्धांत एससी और एसटी पर लागू होता है। केंद्र के मुताबिक, सुप्रीम कोर्ट के फैसलों में क्रीमी लेयर का जिक्र मुख्य रूप से ओबीसी यानी अन्य पिछड़ा वर्ग और एसईबीसी यानी सामाजिक एवं शैक्षणिक रूप से पिछड़े वर्गों के आरक्षण के संदर्भ में हुआ है।

सरकार ने अशोक कुमार ठाकुर बनाम भारत संघ मामले के संविधान पीठ के फैसले का हवाला देते हुए कहा कि आरक्षण के लिए क्रीमी लेयर का सिद्धांत एससी और एसटी पर लागू नहीं है। इस मामले में अलग-अलग जनहित याचिकाएं दाखिल की गई हैं।

## 'राहुल गांधी अब क्यों भाग रहे हैं'

नई दिल्ली, 11 अगस्त (एजेंसियां)। केंद्रीय संसदीय मंत्री किरेन रिजिजू ने मंगलवार को लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी पर निशाना साधा और कहा कि अब जब गृह मंत्री अमित शाह उनके द्वारा उठाए गए सवालों के जवाब देने के लिए तैयार हैं तो राहुल गांधी को संसद से नहीं भागना चाहिए। किरेन रिजिजू की ये टिप्पणी हालिया छात्र प्रदर्शनों और प्रदर्शनकारियों के खिलाफ पुलिस कार्रवाई को लेकर हुए हंगामे के बीच आई है। इस मुद्दे पर संसद के मानसून सत्र में जमकर हंगामा हुआ और विपक्ष ने सरकार को इस मुद्दे पर घेरा हुआ है।

विपक्ष इस पर गृह मंत्री अमित शाह की प्रतिक्रिया चाहता है और गृह मंत्री के संसद सत्र में शामिल नहीं होने पर सवाल उठा रहा है। किरेन रिजिजू ने सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में लिखा, 'राहुल गांधी कई दिनों से अमित शाह से जवाब मांग रहे थे। अब जब गृह मंत्री हर मुद्दे का विस्तार से जवाब देने के लिए तैयार हैं तो उन्हें भागना नहीं चाहिए।' इससे पहले सोमवार को राहुल गांधी ने कहा था कि विपक्ष अमित शाह की राय सुनने में दिलचस्पी नहीं रखता है और वह सिर्फ यह जानना चाहता है कि पुलिस की जंतर-मंतर पर कार्रवाई के पीछे कौन था।

# तमिलनाडु ने फिर उठाई नीट परीक्षा खत्म करने की मांग, विधानसभा में पारित हुआ प्रस्ताव

नई दिल्ली, 11 अगस्त (एजेंसियां)। तमिलनाडु विधानसभा ने मंगलवार को नीट के अस्तित्व के ही खिलाफ एक प्रस्ताव पारित किया। बता दें कि नीट एक मेडिकल प्रवेश परीक्षा है, जो पेपर लीक विवाद के केंद्र में रही, जिसके चलते पिछले महीने कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के नेतृत्व में विरोध प्रदर्शन हुए। इस बीच भाजपा नेता धर्मेंद्र प्रधान को केंद्रीय शिक्षा मंत्री पद से इस्तीफा देना पड़ा था। वहीं, तमिलनाडु में सत्ताधारी टीवीके और कांग्रेस समेत उसके सहयोगियों के अलावा, मुख्य विपक्षी दल डीएमके, एआईएडीएमके और अन्य दलों ने भी नीट विरोधी प्रस्ताव का समर्थन किया, जबकि एकमात्र भाजपा विधायक ने सदन से वॉकआउट कर दिया।

राज्य के स्वास्थ्य मंत्री के.जी. अरुणराज की ओर से पेश किए गए प्रस्ताव में भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार से स्नातक चिकित्सा पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए राष्ट्रीय पात्रता-सह-प्रवेश परीक्षा (नीट) को समाप्त करने का आग्रह किया गया है। अरुणराज ने आरोप लगाते हुए कहा, 'नीट ने छात्रों का ध्यान स्कूली पाठ्यक्रम से हटाकर केवल कोचिंग पर केंद्रित कर दिया है। इसके कारण अधिक फीस वसूलने वाले कोचिंग केंद्रों की संख्या में वृद्धि हुई है।' मुख्यमंत्री सी जोसेफ विजय के नेतृत्व वाली टीवीके पार्टी के वरिष्ठ नेता अरुणराज ने आगे तर्क दिया, 'यह परीक्षा ग्रामीण, सामाजिक-आर्थिक रूप से वंचित छात्रों के लिए चिकित्सा शिक्षा के अवसरों को गंभीर रूप से कमजोर करती है।' उन्होंने कहा कि तमिलनाडु में लगातार सरकारों ने इस बात पर जोर दिया है कि 'नीट सामाजिक न्याय, समानता और राज्यों के अधिकारों के खिलाफ है'। इस प्रस्ताव में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार से संबंधित केंद्रीय कानूनों में संशोधन करने और स्नातक चिकित्सा प्रवेश के लिए एकसमान नीट प्रणाली को समाप्त करने का आग्रह किया गया है। विजय सरकार ने प्रस्ताव दिया है कि राज्य में मेडिकल पाठ्यक्रमों में प्रवेश कक्षा 12 की परीक्षा के अंकों के आधार पर होगा।

## विपक्ष के विरोध के बीच लोकसभा में केरल (नाम परिवर्तन) बिल पास

### अब केरलम नाम से जाना जाएगा

नई दिल्ली, 11 अगस्त (एजेंसियां)। लोकसभा में विपक्ष के सांसदों की लगातार नारेबाजी के बीच मंगलवार को 'केरल (नाम परिवर्तन) बिल, 2026' को ध्वनि मत से पास कर दिया गया। इस बिल में केरल राज्य का नाम बदलकर 'केरलम' करने का प्रस्ताव है।

केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने सदन में यह बिल पेश किया, जबकि विपक्षी सांसद 20 जुलाई को नीट प्रदर्शनकारियों के खिलाफ पुलिस कार्रवाई पर गृह मंत्री अमित शाह की मौजूदगी और बयान की मांग करते हुए नारेबाजी करते रहे। सदन की अध्यक्षता कर रहे कृष्णा प्रसाद टेनेटी ने विपक्षी सांसदों से सदन को सुचारू रूप से चलने देने का आग्रह किया। हालांकि, हंगामा जारी रहा। नित्यानंद राय और संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने केरल का नाम बदलने वाले बिल पर चर्चा न करने के लिए विपक्ष की आलोचना की।

रिजिजू ने कहा, यह दुखद है कि केसी वेणुगोपाल जैसे वरिष्ठ कांग्रेस नेता भी इस बिल पर नहीं बोलेंगे। जब हंगामा नहीं थमा, तो बिना चर्चा के ही ध्वनि मत से बिल पास कर दिया गया। इससे पहले इस साल फरवरी में, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 'केरल' का नाम बदलकर 'केरलम' करने के प्रस्ताव को मंजूरी दी थी। गौरतलब है कि केरल विधानसभा ने 24 जून, 2024 को 'केरल' का नाम बदलकर 'केरलम' करने का प्रस्ताव पास किया था। इस प्रस्ताव में कहा गया, मलयालम भाषा में हमारे राज्य का नाम 'केरलम' है। पास प्रस्ताव में कहा गया था, 1 नवंबर 1956 को भाषा के आधार पर राज्यों का गठन किया गया था। 1 नवंबर को 'केरल पिरवी दिवस' भी मनाया जाता है। देश की आजादी की लड़ाई के समय से ही मलयालम भाषा बोलने वाले लोगों के लिए 'संयुक्त केरल' के गठन की जोरदार मांग रही है।

# सुभाष चंद्र बोस की बेटी पहुंचीं सुप्रीम कोर्ट तो केंद्र को नोटिस

### ✻ नेताजी की मौत से जुड़ा है मामला

नई दिल्ली, 11 अगस्त (एजेंसियां)। 18 अगस्त को नेताजी सुभाष चंद्र बोस की 81वीं पुण्यतिथि है। इससे ठीक पहले नेताजी की बेटी अनीता बोस फाफ ने सुप्रीम कोर्ट का रुख किया है। उन्होंने याचिका में अपने पिता के पार्थिव अवशेषों को जापान से वापस लाने की अपील दोहराई है। सुप्रीम कोर्ट ने नेताजी सुभाष चंद्र बोस की अस्थियों के मामले में केंद्र सरकार से जवाब मांगा है। बताया जाता है कि ये अस्थियां टोक्यो के रेनकोजी मंदिर में रखी हुई हैं। अगस्त 1945 में नेताजी के गायब होने को लेकर कई तरह की बातें कही जाती रही हैं। अब सुप्रीम कोर्ट में याचिका जाने के बाद शीर्ष अदालत ने इस मामले में जवाब के लिए केंद्र सरकार को नोटिस जारी किया है।

प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस वी. मोहना की पीठ ने नेताजी सुभाष चंद्र बोस की बेटी अनीता बी. फाफ की ओर से दायर याचिका पर सुनवाई की। इस दौरान

अदालत ने केंद्र सरकार को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। याचिकाकर्ता की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक सिंघवी पेश हुए। मामले पर सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार को नोटिस जारी किया है। यह नोटिस नेताजी सुभाष चंद्र बोस की बेटी अनीता फाफ की याचिका पर जारी किया गया है। इससे पहले अनीता बोस ने केंद्र सरकार ये मांग उठाई थी कि टोक्यो के रेंकोजी मंदिर में उनके पिता नेताजी सुभाष चंद्र बोस के रखे पार्थिव अवशेषों का डीएनए टेस्ट होना चाहिए। जिससे उनकी मृत्यु को लेकर चल रहे विवाद को खत्म किया जा सके। उन्होंने कहा था कि अब अनिश्चितता के इस अध्याय को समाप्त करने का समय आ गया है। उनका मानना है कि वैज्ञानिक प्रमाणों से सभी अटकलों पर विराम लग जाएगा और उनके पिता को सम्मान मिलेगा। ऐसा भी कहा गया है किसुभाष चंद्र बोस के अवशेषटोक्यो के रेनकोजी मंदिर में संरक्षित हैं। नेता जी सुभाष चंद्र बोस की बेटी लगातार सरकार को जापान के रेनकोजी मंदिर से नेताजी की अस्थियां वापस लाने की अपील करती रही हैं।

## धोखाधड़ी और लोन के नाम पर ठगी सहित 3718 मोबाइल एप ब्लॉक

नई दिल्ली, 11 अगस्त (एजेंसियां)। केंद्रीय गृह मंत्रालय के 'इंडियन साइबर क्राइम कोऑर्डिनेशन सेंटर' (आई4सी) द्वारा साइबर अपराधियों के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है। देश में सभी तरह के साइबर अपराधों से तालमेल बैठाकर और व्यापक तरीके से निपटने के लिए 'इंडियन साइबर क्राइम कोऑर्डिनेशन सेंटर' को एक अटैच्ड ऑफिस के तौर पर स्थापित किया गया है। इसके एक हिस्से के रूप में 'सहयोग' पोर्टल लॉन्च किया गया है, ताकि आईटी एक्ट, 2000 की धारा 79 की उप-धारा (3) के खंड (b) के तहत संबंधित सरकार या उसकी एजेंसी द्वारा आईटी मध्यस्थों को नोटिस भेजने की प्रक्रिया को तेज किया जा सके। इसका मकसद किसी गैर-कानूनी काम के लिए इस्तेमाल की जा रही जानकारी, डेटा या कम्युनिकेशन लिंक को हटाने या उसके एक्सेस को बंद करने में मदद करना है।

## ईडी का बड़ा एक्शन : 2,000 करोड़ के चिटफंड घोटाले में करोड़ों की संपत्ति जब्त, 182 बैंक खाते हुए फ्रीज

भुवनेश्वर, 11 अगस्त (एजेंसियां)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने 2,000 करोड़ रुपये के बहु-राज्यीय चिट फंड घोटाले के सिलसिले में छापेमारी के दौरान 182 बैंक खाते फ्रीज कर दिए हैं। इसके साथ ही 1 करोड़ रुपये से अधिक नकद और छह महंगी कारें जब्त की हैं। यह जानकारी अधिकारियों ने मंगलवार को दी है। एक्स पर एक पोस्ट में, ईडी ने कहा कि उसके भुवनेश्वर क्षेत्रीय कार्यालय ने चिट फंड घोटाले की जांच के सिलसिले में **विशाखापत्तनम और हैदराबाद** में वेलफेयर बिल्डिंग्स एंड एस्टेट्स प्राइवेट लिमिटेड (डब्ल्यूबीईपीएल) और उसके निदेशकों से जुड़े पांच परिसरों पर 5 अगस्त को धन शोधन निवारण अधिनियम, 2002 (पीएमएलए) के तहत तलाशी अभियान चलाया। इसमें कहा गया है कि पूर्व आंध्र प्रदेश विधायक मल्ला विलाया प्रसाद, वराह रामकृष्ण सत्य सिनिवास राव अल्ला और अन्य के परिसरों पर छापे मारे गए। केंद्रीय एजेंसी ने बताया कि छापेमारी के दौरान, डब्ल्यूबीईपीएल, उसके निदेशकों और संबंधित संस्थाओं से विभिन्न चल और अचल संपत्तियों, आपत्तिजनक सामग्री/दस्तावेजों (संपत्ति दस्तावेज, विभिन्न डिजिटल उपकरण) के साथ-साथ 1.01 करोड़ रुपये की भारतीय मुद्रा नकद बरामद कर जब्त की गई।

# अपना सबसे सुरक्षित विमान छोड़ा, खाने वाले कंटेनर में छिपे, फिर यूएस पहुंचे ट्रंप

वाशिंगटन, 11 अगस्त (एजेंसियां)। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अब तक कई बार ईरान को पूरी तरह तबाह करने की धमकी दे चुके हैं। खासकर ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामनेई और कई और सैन्य-राजनीतिक नेताओं और अफसरों पर हमलों के बाद अमेरिका अपनी खुफिया क्षमताओं को लेकर काफी बड़े दावे करता रहा है।

हालांकि, ईरान की तरफ से अमेरिकी राष्ट्रपति को दी गई एक धमकी के बाद हालिया समय में ऐसा घटनाक्रम हुआ, जो अमेरिकी सुरक्षा दायरे की मजबूती के दावों की पोल खोलता है। दरअसल, बीते महीने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को तुर्किये में हुए नाटो सम्मेलन के बाद जिस तरह से छिपाकर निकाला गया, वह न सिर्फ दुनिया के सबसे सुरक्षित विमान, उसके बेड़े और अमेरिका की सैन्य क्षमताओं के लिए बड़ा सवाल है, बल्कि उसकी खुफिया व्यवस्थाओं के लिए भी प्रश्नचिह्न के तौर पर उभरा है। तुर्किये में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से जुड़े एक बेहद गुप्त और असाधारण सुरक्षा ऑपरेशन की चर्चा हो रही है, जिसे पिछले महीने अंकारा में आयोजित नाटो शिखर सम्मेलन के दौरान अंजाम दिया गया था।

अमेरिका और ईरान के बीच जारी तनाव के बीच खुफिया अधिकारियों की ओर से राष्ट्रपति ट्रंप की जान को ईरान से गंभीर खतरा होने की बात कही गई थी। सुरक्षा चिंता के चलते ट्रंप सम्मेलन में हिस्सा लेने के लिए कतर की तरफ से उपहार में दिए गए एयर फोर्स वन विमान में पहुंचे थे, लेकिन उनकी सुरक्षित रवानगी के लिए एक गुप्त चकमा देने वाली योजना बनाई गई।

**बयान कुछ, योजना कुछ और...**

इस पूरे घटनाक्रम का सबसे पहले अमेरिकी अखबार 'द वॉशिंगटन पोस्ट' ने खुलासा किया। अखबार की रिपोर्ट के मुताबिक, व्हाइट हाउस और राष्ट्रपति ट्रंप ने सार्वजनिक रूप से घोषणा की थी कि वे तुर्किये से निकलने के लिए कतर की तरफ से उपहार में दिए गए नए विमान के बजाय पुराने एयर फोर्स वन विमान का इस्तेमाल करेंगे। हालांकि, पर्दे के पीछे खुफिया एजेंसियों ने उन्हें पुराने विमान से भेजने की योजना भी नहीं बनाई थी।

## मंगल मिलन : पीएम मोदी ने एनडीए सांसदों के साथ लहराया तिरंगा

### ✻ झारखंड मुद्दे पर सत्ता पक्ष का प्रदर्शन

नई दिल्ली, 11 अगस्त (एजेंसियां)। राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) के सांसदों की मंगल बैठक 'वंदे मातरम' नारे के साथ शुरू हुई। इस दौरान

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन और एनडीए के अन्य नेता तिरंगा लहराते नजर आए। उधर, संसद परिसर में झारखंड में छात्रों के प्रदर्शन के मुद्दे पर एनडीए के सांसदों ने प्रदर्शन किया। संसद पुस्तकालय में आयोजित 'मंगल मिलन' बैठक के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तिरंगा ध्वज के साथ नजर आए। सांसद हाथ में पोस्टर लेकर सदन में प्रवेश करेंगे, जिनमें लिखा होगा- सरकार छात्रों के प्रदर्शन पर चर्चा चाहती है, लेकिन कांग्रेस इसे चाहकर भी अब इससे भाग रही है। सांसदों के हाथों में झारखंड सरकार को लेकर भी पोस्टर होंगे। उन पोस्टरों पर झारखंड में प्रदर्शन कर रहे छात्रों पर अत्याचार का मुद्दा उठाया जाएगा। पिछले सप्ताह 'मंगल मिलन' बैठक के बाद भाजपा सांसदों ने पत्रकारों से बातचीत की थी। उन्होंने सरकार की उपलब्धियों, रोजगार, खेल, आर्थिक विकास और संसद की कार्यवाही को लेकर अपनी बात रखी थी। साथ ही, विपक्ष पर संसद की कार्यवाही को बाधित करने का आरोप भी लगाया था।

# अब बीजेपी में संगठनात्मक फेरबदल के बाद बगावती सुर

## > नाराज टकसाली नेताओं को मनाने की मिली जिम्मेदारी

जालंधर, 11 अगस्त (एजेंसियां)। पंजाब भाजपा में संगठनात्मक फेरबदल के बाद बगावती सुर उठे हैं। जिला अध्यक्षों की नियुक्तियों से पुराने और वरिष्ठ नेताओं में नाराजगी है। दिल्ली ने इस पूरे मामले में सीधे हस्तक्षेप किया है। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष केवल सिंह ढिल्लों को दिल्ली बुलाया गया है। उन्हें संगठन में बढ़ते असंतोष को तत्काल नियंत्रित करने के निर्देश दिए गए हैं। केंद्रीय नेतृत्व 2027 के विधानसभा चुनाव से पहले इसे बड़ा संगठनात्मक संकट नहीं बनने देना चाहता।

प्रदेश नेतृत्व को नाराज नेताओं से संवाद बढ़ाने को कहा गया है। सभी पक्षों को साथ लेकर चलने की रणनीति पर काम करने के संकेत दिए गए हैं। ढिल्लों के पंजाब लौटते ही नाराज नेताओं से बातचीत का दौर शुरू होने की संभावना है।

**होशियारपुर में 111 पदाधिकारियों के सामूहिक इस्तीफे**

पार्टी इस्तीफे देने वालों को दोबारा संगठन से जोड़ना चाहती है। होशियारपुर, लुधियाना, फरीदकोट, खन्ना, मुक्तसर और संगरूर में विरोध शांत करना प्राथमिकता है। सुखमिंदर ग्रेवाल और मनिंदर सिंह के इस्तीफों से नेतृत्व पर दबाव बढ़ा है। होशियारपुर में 111 पदाधिकारियों ने सामूहिक इस्तीफे दिए हैं।

टकसाली नेताओं की नाराजगी

भाजपा नेतृत्व के सामने पुराने और टकसाली नेताओं की नाराजगी सबसे संवेदनशील मुद्दा है। इन नेताओं का आरोप है कि संगठनात्मक नियुक्तियों में उनकी अनदेखी की जा रही है। नए चेहरों को प्राथमिकता दी जा रही है। स्थिति संभालने के तहत हाईकमान अब वरिष्ठ नेताओं को विश्वास में लेना चाहता है। उन्हें यह संदेश दिया जाएगा कि पार्टी में उनकी भूमिका और सम्मान बरकरार है।

नियुक्तियों में बदलाव से असंतोष

संगठनात्मक नियुक्तियों में तेजी से किए गए बदलाव भी असंतोष का बड़ा कारण बने हैं। महज दो सप्ताह के भीतर छह जिला अध्यक्षों को बदलने के फैसले ने सवाल खड़े किए हैं। अब संभावना है कि नेतृत्व आगे की नियुक्तियों में व्यापक सलाह-मशविरा करेगा। वरिष्ठ नेताओं की भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी ताकि भविष्य में ऐसा विवाद न हो।

पंजाब विधानसभा चुनाव से पहले भाजपा और शिअद के बीच गठबंधन की चल रही अटकलों पर भाजपा ने सोमवार को विराम लगा दिया। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने चंडीगढ़ में कहा कि पंजाब में भाजपा का गठबंधन किसी राजनीतिक दल से नहीं, बल्कि प्रदेश की जनता से है। वहीं, पंजाब भाजपा अध्यक्ष केवल सिंह ढिल्लों ने रोपड़ में कहा कि पार्टी सभी 117 विधानसभा सीटों पर चुनाव लड़ने की तैयारी कर रही है और हाईकमान की ओर से गठबंधन को लेकर कोई संदेश नहीं आया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और शिअद अध्यक्ष सुखबीर की हालिया मुलाकात के बाद दोनों दलों के फिर करीब आने की अटकलें तेज हुई थीं। इस पर सैनी ने कहा कि प्रधानमंत्री देश के 140 करोड़ लोगों का प्रतिनिधित्व करते हैं और किसी से भी मुलाकात कर सकते हैं। केवल मुलाकात को भाजपा-अकाली गठबंधन से जोड़ना उचित नहीं है। उन्होंने कहा कि भाजपा का गठबंधन पंजाब की जनता से है और प्रदेश का विकास डबल इंजन सरकार से ही संभव है। रोपड़ में तिरंगा यात्रा के दौरान पत्रकारों से बातचीत में ढिल्लों ने भी गठबंधन की संभावनाओं को खारिज किया।

## सीएम शुभेंदु अधिकारी के हेलीकॉप्टर की इमरजेंसी लैंडिंग

**खराब मौसम के कारण कोलाघाट में उतारा गया विमान**

कोलकाता, 11 अगस्त (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी के हेलीकॉप्टर की मंगलवार को खराब मौसम के कारण कोलाघाट में आपात लैंडिंग कराई गई। अधिकारियों के मुताबिक, क्षेत्र में मौसम खराब होने के चलते हेलीकॉप्टर को एहतियातन उतारा गया। घटना में किसी के घायल होने या अन्य नुकसान की तत्काल कोई सूचना नहीं है।

अधिकारियों ने बताया कि खराब मौसम की वजह से हेलीकॉप्टर को कोलाघाट में उतारना पड़ा। इसके बाद मुख्यमंत्री सड़क मार्ग से पश्चिम मेदिनीपुर जिले के केशपुर के लिए रवाना हुए। केशपुर में उन्हें क्रांतिकारी स्वतंत्रता सेनानी खुदीराम बोस की पुण्यतिथि पर आयोजित एक सभा को संबोधित करना था। केशपुर के कार्यक्रम के बाद मुख्यमंत्री को बांकुड़ा जिले जाना है। वहां उनकी एक प्रशासनिक बैठक पहले से तय है। अभी यह साफ नहीं है कि वह बांकुड़ा की यात्रा सड़क मार्ग से करेंगे या हवाई मार्ग से। सुबह केशपुर में तेज बारिश के कारण अस्थाई हेलीपैड पर जलभराव हो गया था। इसी वजह से हेलीकॉप्टर को कोलाघाट में ही उतारना पड़ा। इससे पहले कोलकाता के नेताजी सुभाष चंद्र बोस अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर भी समस्या आई थी। सूत्रों के अनुसार मुख्यमंत्री के सवार होने से पहले हेलीकॉप्टर में कुछ तकनीकी खराबी देखी गई थी। हालांकि तकनीकी टीम ने उसे तुरंत ठीक कर दिया था। इसके बाद मुख्यमंत्री उसी हेलीकॉप्टर से रवाना हुए थे लेकिन मौसम ने उनकी यात्रा में बाधा डाल दी।

**4 साल की बच्ची पर कुत्तों का हमला**

### 7 कुत्तों ने 43 सेकेंड तक काटा, सिर में 80 टांके, चीख सुनकर लोगों ने बचाया

पुणे, 11 अगस्त (एजेंसियां)। पुणे जिले के पिंपरी-चिंचवाड़ में सात आवारा कुत्तों ने चार साल की बच्ची पर हमला कर दिया। बच्ची गंभीर रूप से घायल हो गई। उसके सिर पर 80 से ज्यादा टांके लगे हुए हैं। घटना चिखली इलाके में रविवार दोपहर की है। बच्ची के पिता गिरधर मिश्रा के मुताबिक, बच्ची पास के पेड़ से कुछ पत्तियां लेने के लिए घर से बाहर निकली थी। पेड़ के पास पहुंचते ही कुत्तों के झुंड ने उस पर हमला कर दिया। उन्होंने बताया कि कुत्तों के झुंड ने करीब 43 सेकेंड तक बच्ची को काटा। उसके हाथों और जांघों पर चोटें आई हैं।

संसद में सियासी घमासान

## 'राहुल अपना रहे दोहरा रवैया'

**अनुराग ठाकुर ने कसा तंज तो प्रियंका ने संभाला मोर्चा**

नई दिल्ली, 11 अगस्त (एजेंसियां)। राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) के सांसदों ने मंगलवार को विपक्ष के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। इसके साथ ही उन्होंने विपक्ष पर आरोप लगाया कि वे संसद में चर्चा से भाग रहे हैं। वहीं, कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी ने एनडीए के प्रदर्शन पर तंज कसा।

भाजपा सांसद अनुराग ठाकुर ने कहा,'झारखंड के युवाओं को न्याय मिलना चाहिए। उन पर जिस तरह से लाठीचार्ज किया गया और ज्यादतियां हुईं, उससे राहुल गांधी की सोच का पता चलता है। इससे साफ होता है कि उनके समर्थकों की सरकार वाले राज्य में युवाओं के साथ कैसा बुरा बर्ताव हो रहा है।' उन्होंने आगे कहा कि उन्हें न्याय से कैसे वंचित रखा जा रहा है। फिर भी, दूसरी तरफ, वे खुद तो सदन में आते नहीं, लेकिन गृह मंत्री से जवाब मांगते हैं। गृह मंत्री जवाब देने के लिए तैयार हैं, लेकिन राहुल गांधी और कांग्रेस पार्टी सिर्फ सुर्खियों में बने रहने के लिए झूठ फैला रहे हैं और गैर-जिम्मेदाराना बयान दे रहे हैं।

**प्रियंका गांधी ने क्या पलटवार किया?**

वहीं, कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने एनडीए के सांसदों पर तंज कसा। उन्होंने कहा,' मैंने पहली बार सत्ताधारी पार्टी के सांसदों को विरोध करते देखा है। हमने उन्हें ऐसा करने पर मजबूर किया है। अब उन्हें आगे आकर बयान देना चाहिए।'

दरअसल, एनडीए के सांसदों ने मंगलवार को संसद परिसर में झारखंड में छात्रों के प्रदर्शन के मुद्दे पर प्रदर्शन किया। भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने मंगलवार को लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस नेता राहुल गांधी की दोहरी मानसिकता की कड़ी आलोचना की।

## 'ममता पर हमला लोकतंत्र पर सीधा आघात'

**शिवसेना यूबीटी ने केंद्र पर बोला हमला, बंगाल के हालात को बताया चिंताजनक**

मुंबई, 11 अगस्त (एजेंसियां)। शिवसेना यूबीटी ने मंगलवार को दावा किया कि पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी पर हुआ हमला केवल एक व्यक्तिगत राजनीतिक हस्ती पर हमला नहीं है, बल्कि यह हमारे गणतंत्र के लोकतांत्रिक ताने-बाने पर सीधा प्रहार है। पार्टी ने अपने मुखपत्र 'सामना' में कहा, 'पत्थरों, लाठियों और लोहे की छड़ों से लैस एक भीड़ ने उनके वाहन को घेर लिया, जिसका साफ उद्देश्य एक सशक्त विपक्षी आवाज को खत्म करना लग रहा था। उनका बच जाना सिर्फ संयोग की बात है, लेकिन इस घटना से एक भयावह सच्चाई सामने आती है, पश्चिम बंगाल में राजनीतिक हिंसा की स्थिति सभी सीमाओं को पार कर चुकी है।'

**सरकार के रवैये को बताया विरोधाभासी**

'सामना' के संपादकीय में कहा गया है कि राज्य में सत्ता परिवर्तन के बाद से ही तृणमूल कांग्रेस के नेताओं को लगातार निशाना बनाया जा रहा है। जिनमें अभिषेक बनर्जी और कल्याण बनर्जी जैसे सांसद और विधायक शामिल हैं, सत्ताधारी दल के रवैये में यह विरोधाभास साफ तौर पर दिखाई देता है। उन्होंने आगे लिखा कि जहां केंद्रीय नेतृत्व दलबदलुओं का गर्मजोशी से स्वागत करता है, वहीं राज्य में राजनीतिक आधार तैयार करने वाले नेता जानलेवा हमलों के शिकार हो रहे हैं। जब केंद्र सरकार ने पहले पश्चिम बंगाल में कानून व्यवस्था के पतन का हवाला देकर अपने हस्तक्षेपों को उचित ठहराया था, तो यह सवाल उठता है, क्या अनियंत्रित शत्रुता और राज्य द्वारा स्वीकृत मनमानी का यह मौजूदा माहौल ही उनके लिए कानून व्यवस्था की परिभाषा है? संपादकीय में आगे कहा गया कि विधानसभा चुनावों के दौरान, केंद्र प्रशासन ने निष्पक्ष प्रक्रिया सुनिश्चित करने और व्यवस्था बनाए रखने के बहाने लाखों केंद्रीय अर्धसैनिक बलों को तैनात किया था। आज, जब लक्षित राजनीतिक हिंसा बढ़ रही है, तो वह तत्परता स्पष्ट रूप से गायब हो गई है। शांति बहाल करने के लिए आवश्यक केंद्रीय बलों को तैनात करने में अनिच्छा एक चिंताजनक दोहरे मापदंड को उजागर करती है। जब पूर्व मुख्यमंत्री, मौजूदा सांसद और निर्वाचित प्रतिनिधि बार-बार सड़क हिंसा का शिकार होते हैं, तो यह संस्थागत शासन के पूर्ण पतन को दर्शाता है।

**विपक्ष के रवैये पर भी उठाए सवाल**

संपादकीय में आगे कहा कि राज्य में विपक्षी नेतृत्व की आधिकारिक प्रतिक्रिया भी उतनी ही चिंताजनक है। एक वरिष्ठ राजनीतिक हस्ती पर हुए हिंसक हमले को महज 'जनता और एक राजनीतिक दल के बीच की लड़ाई' बताकर पेश करना गैर-जिम्मेदाराना और खतरनाक दोनों है। इस तरह की बयानबाजी भीड़ हिंसा को तर्कसंगत ठहराती है और राज्य की जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ने का संकेत देती है।

## पीजी में असम की युवती की बेरहमी से हत्या

**धारदार हथियार से किए कई वार, नौकरी की तलाश में नोएडा आई थी महक**

नोएडा, 11 अगस्त (एजेंसियां)। नोएडा के सेक्टर-49 बरौला स्थित पीजी में एक युवती की बेरहमी से हुई हत्या ने सनसनी फैला दी है। असम की मूल निवासी, 19 वर्षीय महक अहमद पर धारदार हथियार से कई वार कर मौत के घाट उतार दिया। वारदात के बाद उसी फ्लोर पर रहने वाला एक युवक, जिसकी पहचान रमन के रूप में हुई है, अपना कमरा बंद कर फरार हो गया है। प्रारंभिक जांच में शराब पीने को लेकर हुई कहासुनी को इस जघन्य अपराध की वजह माना जा रहा है।

मृतका और उसकी सहेली नौकरी के सिलसिले में नोएडा आई थी। मृतका की पहचान महक अहमद के रूप में हुई है। वह मूलरूप से असम के डिब्रूगढ़ की रहने वाली थी। महक 12वीं पास थी और करीब तीन सप्ताह पहले ही अपने माता-पिता को बिना बताए नोएडा आई थी। वह अपनी पुरानी सहेली संजना के साथ बरौला गांव स्थित पीजी में रह रही थी। संजना भी असम की रहने वाली है और उसकी उम्र 18 वर्ष है। वह अभी 12वीं की पढ़ाई पूरी नहीं कर सकी है। पुलिस के मुताबिक, दोनों युवतियां तीन मंजिला मकान की पहली मंजिल पर रहती थीं। इसी मंजिल पर बिहार के कटिहार निवासी रमन का कमरा भी था। बताया जा रहा है कि रमन बीटेक कर चुका है और पहले एक आईटी कंपनी में काम करता था। हालांकि मकान में रहने वाले कुछ लोगों ने पुलिस को बताया कि वह पिछले कुछ दिनों से बेरोजगार था। पुलिस उसके रोजगार और पिछले कुछ दिनों की गतिविधियों की भी जानकारी जुटा रही है। प्रारंभिक पूछताछ में सामने आया है कि 8 अगस्त की रात महक और उसकी सहेली संजना अपने कमरे के बाहर लॉबी में टहल रही थीं। इसी दौरान रमन अपने कमरे के बाहर बैठकर शराब पी रहा था।

**'सर्वोच्च बलिदान' भारत-चीन सीमा पर साथियों को बचाने में गई जान**

## शौर्य चक्र विजेता की पत्नी को अलग से दें अनुदान–सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली, 11 अगस्त (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने साल 2000 की एक घटना में अपनी जान गंवाने वाले जेनरल रिजर्व इंजीनियरिंग फोर्स (जीआरईएफ) के एक कर्मचारी की विधवा को अतिरिक्त 10 लाख रुपये देने का केंद्र सरकार को निर्देश दिया है। मरणोपरांत शौर्य चक्र से सम्मानित दिवंगत मोहन सिंह भारत-चीन सीमा पर सड़क निर्माण के दौरान अपने साथियों की जान बचाते हुए अपना 'सर्वोच्च बलिदान' दिया था। सुप्रीम कोर्ट में जस्टिस केवी विश्वनाथन और जस्टिस अरुण पल्ली की बेंच ने केंद्र सरकार को यह निर्देश देने के लिए आर्टिकल 142 के तहत संविधान में मौजूद अपने विशेषाधिकार का इस्तेमाल किया है।

**हाई कोर्ट के फैसले के खिलाफ अपील पर निर्देश**

लाइवलॉ की एक रिपोर्ट के मुताबिक सुप्रीम कोर्ट ने यह निर्देश पंजाब और हरियाणा हाई कोर्ट के जनवरी 2026 के फैसले को चुनौती देने वाली मोहन सिंह की विधवा कुलदीप कौर की अपील पर सुनवाई के बाद जारी किए हैं। कुलदीप कौर के वकील ने रिट याचिका दायर करने से तीन साल पहले तक के बकाए की ही मांग की थी। लेकिन, सुप्रीम कोर्ट ने संविधान के आर्टिकल 142 के तहत अपनी विशेष शक्तियों का इस्तेमाल करते हुए उन्हें उनके पति की 2000 में हुई मौत की तारीख से ही 'एक्स्ट्राऑर्डिनरी फैमिली पेंशन' का लाभ दिया है। मोहन सिंह जेनरल रिजर्व इंजीनियरिंग फोर्स में ओवरसियर के पद पर तैनात थे। अरुणाचल प्रदेश में भारत-चीन सीमा के पास सड़क निर्माण का काम तब उन्हीं की देखरेख में चल रहा था। 57 किलो मीटर लंबी हेलियांग-मेटांगलियांग-चागलोहागोम रोड रणनीतिक तौर पर बहुत ही महत्वपूर्ण है। 10 जुलाई, 2000 को एक खतरनाक पथरीली जगह पर बुलडोजर का इस्तेमाल किया जा रहा था। मोहन सिंह ने देखा कि एक विशाल चट्टान मलबे के साथ पहाड़ की चोटी से मशीनों की ओर बहुत ही तेजी से लुढ़कता आ रहा है। उन्होंने तुरंत बुलडोजर और अन्य मशीनों के ऑपरेटरों को अलर्ट किया और उन्हें सुरक्षित जगहों पर जाने को कह दिया।

लेकिन, खुद मशीनों को नुकसान से बचाने की कोशिश करने लगे और ऐसा करते हुए वह ऊपर से आ रहे बोल्डर की चपेट में आ गया और करीब 70 मीटर गहरी घाटी में गिर पड़े। उनकी बहादुरी को देखते हुए भारत सरकार ने 19 अक्टूबर, 2001 को उन्हें मरणोपरांत शॉर्य चक्र से सम्मानित किया, जो शांतिकाल की तीसरा सबसे बड़ा बहादुरी पुरस्कार है। कुलदीप कौर को तत्काल सामान्य फैमिली पेंशन मिलने लगा।

**सुप्रीम कोर्ट ने आर्टिकल 142 की शक्तियों का किया इस्तेमाल**

दिसंबर, 2005 में कुलदीप कौर ने सीसीएस (एक्सट्राऑर्डिनरी पेंशन) रूल्स, 1939 के तहत स्पेशल फैमिली पेंशन की मांग की। लेकिन, उनकी मांग इस बात पर ठुकरा दी गई कि वह पहले से ही सामान्य पेंशन ले रही हैं और जो पेंशन मांग रही हैं, उसकी हकदार नहीं हैं। फिर वो पंजाब और हरियाणा हाई कोर्ट पहुंचीं। कोर्ट ने माना कि उनकी पति की मौत पेंशन की 'सी'कैटेगरी में आती है और उन्हें एक्स्ट्राऑर्डिनरी पेंशन का आदेश दे दिया। बाद में डिवीजन बेंच ने भी 'सी' कैटेगरी को सही माना, लेकिन उनकी तरफ से दिए गए एक अंडरटेकिंग की वजह से बकाया राशि को रिट याचिका दायर करने से पहले के तीन साल तक सीमित कर दिया। मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंचा तो उसने भी 'सी' कैटेगरी पर मुहर लगाई, लेकिन विधवा को तीन साल तक ही विशेष आर्थिक लाभ सीमित करने पर सवाल उठाया। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि मोहन सिंह ने अपनी जान का 'सर्वोच्च बलिदान' दिया है और इसी वजह से सरकार ने उन्हें शौर्य चक्र दिया है। कोर्ट ने इस बात पर भी चिंता जताई कि 'सर्वोच्च बलिदान' देने वाले के परिवार या विधवा को इस तरह से कोर्ट के चक्कर लगाने पड़ रहे हैं। परिस्थितियों के आधार पर सुप्रीम कोर्ट ने 13 जुलाई, 2000 से लेकर 12 जुलाई, 2015 तक के बीच के समय के लिए 10 लाख रुपये की कुल अतिरिक्त बकाया राशि तय कर दी। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि इसके लिए वह आर्टिकल 142 के तहत अपनी शक्तियों का उपयोग कर रहा है।

## खबरें जरा हटके

### चलती ट्रेन में पहले हनीमून, अब बर्थडे, टीटीई के लिए सजा शताब्दी एक्सप्रेस का कोच

भारतीय रेलवे से जुड़े अनोखे वीडियो अक्सर सोशल मीडिया पर वायरल होते रहते हैं. हाल ही में सामने आए एक वीडियो ने हर किसी को हैरान कर दिया था. एक यात्री ने ट्रेन के फर्स्ट एसी कोच को किसी फाइव स्टार होटल के 'हनीमून सूइट' की तरह गुब्बारों, गुलाब की पंखुड़ियों और एलईडी लाइटों से चमका दिया था. अब एक और वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें एक कोच के अंदर कुछ लोग टीटीई का बर्थडे सेलिब्रेशन करते दिखाई दे रहे हैं. हालांकि, इस वीडियो की प्रमाणिकता, दावों और सत्यता की पुष्टि न्यूज 18 नहीं करता है.

मामला शताब्दी एक्सप्रेस से सामने आया है. वायरल वीडियो में ट्रेन के कोच के अंदर कुछ लोग बर्थडे सेलिब्रेशन करते दिखाई दे रहे हैं. एक व्यक्ति का बर्थडे सेलिब्रेट किया जा रहा है. केक काटा जाता है और आसपास खड़े लोग उसे बधाई देते नजर आते हैं. वीडियो में कुछ लोग फूलों की माला पहनाते हुए भी दिखाई देते हैं. खास बात यह है कि केक काटने और सेलिब्रेशन में शामिल कुछ लोगों की ड्रेस रेलवे के टिकट चेकिंग स्टाफ जैसी नजर आ रही है. इसी वजह से वीडियो सामने आने के बाद सोशल मीडिया पर इस मामले को लेकर चर्चा शुरू हो गई. वीडियो में दिखाई दे रहे कोच के अंदर का डिजाइन शताब्दी एक्सप्रेस के कोच जैसा नजर आता है. दावा किया जा रहा है कि यह वीडियो नई दिल्ली-भोपाल शताब्दी एक्सप्रेस का है और इसमें नजर आ रहे टिकट चेकिंग स्टाफ का संबंध झांसी से है. हालांकि, वायरल वीडियो से जुड़े सभी दावों की स्वतंत्र पुष्टि अभी नहीं हुई है. इससे पहले, एक यात्री ने कोच को 'हनीमून सूइट' की तरह गुब्बारों, गुलाब की पंखुड़ियों और एलईडी लाइटों से चमका दिया था. इस वीडियो के वायरल होते ही जहां एक तरफ सोशल मीडिया पर इस 'रोमांटिक आइडिया' की चर्चा छिड़ गई थी. वहीं, दूसरी तरफ रेलवे प्रशासन ने नियमों के उल्लंघन को लेकर सख्त रुख अपनाते हुए बड़ी कार्रवाई कर दी थी.

### मंगल ग्रह पर टहलता दिखा रहस्यमयी इंसान!

नासा की तस्वीर ने बढ़ाई दिल की धड़कनें, इंटरनेट पर मचा तहलका अंतरिक्ष और दूसरे ग्रहों की रहस्यमयी दुनिया को लेकर इंसानों की उत्सुकता हमेशा से रही है. खासकर जब बात लाल ग्रह यानी मंगल की आती है, तो लोग वहां एलियंस या इंसानी जीवन के सबूत ढूंढने के लिए हर छोटी-बड़ी तस्वीर को ध्यान से देखने लगते हैं. हाल ही में अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा के एक रोवर द्वारा खींची गई पुरानी तस्वीर अचानक इंटरनेट और सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही है. इस तस्वीर को देखकर लोग दावा कर रहे हैं कि मंगल ग्रह पर एक इंसानी आकृति टहल रही है. इस रहस्यमयी साए ने इंटरनेट पर तहलका मचा दिया है और लोग तरह-तरह की बातें कर रहे हैं.

दरअसल, यह फोटो नासा के स्पिरिट रोवर ने नवंबर 2007 में मंगल ग्रह के गुसेव क्रेटर में स्थित होम प्लेट नाम की जगह से खींची थी. इस तस्वीर में चट्टानों के बीच एक अजीब सी आकृति दिखाई देती है, जिसके दोनों हाथ फैले हुए हैं और उसका एक पैर आगे की तरफ है, मानों वह शख्स मंगल ग्रह की लाल धूल पर कदम से कदम मिलाकर टहल रहा हो. इंटरनेट यूजर्स और यूएफओ के शौकीनों ने इसे मार्स बिगफुट और मार्सक्वैच का नाम दे दिया है. इंटरनेट पर कुछ यूजर्स ने कहा कि यह सौ फीसदी किसी एलियन या बिगफुट की ही तस्वीर है, जो धरती के इंसानों से तंग आकर मंगल ग्रह पर चला गया है. वहीं दूसरी तरफ कई यूजर्स का मानना है कि यह किसी चट्टान की परछाई है, लोग बेवजह अफवाह फैला रहे हैं. हालांकि, यह फोटो असली है और इसमें कोई छेड़छाड़ नहीं की गई है, लेकिन वैज्ञानिकों से इस तस्वीर की सच्चाई से पर्दा उठा दिया. वैज्ञानिकों का कहना है कि नासा की मूल फोटो में यह आकृति बहुत ही छोटी है. असल में यह कोई इंसान या एलियन नहीं, बल्कि केवल 6 सेंटीमीटर ऊंची एक छोटी सी चट्टान है. जब फोटो को जूम करके और काटकर बड़ा किया गया, तो देखने के पैमाने का संतुलन बिगड़ गया और वह 2 इंच का छोटा सा पत्थर एक विशालकाय टहलते हुए इंसान जैसा दिखने लगा.

### ऑनलाइन शॉपिंग से मिलता था सुकून, महिला ने कर डाली 258 करोड़ की खरीदारी

**लेकिन एक भी पार्सल नहीं पहुंचा घर!**

कई लोग तनाव कम करने के लिए संगीत सुनते हैं, फिल्म देखते हैं या दोस्तों के साथ समय बिताते हैं. लेकिन जापान में एक महिला ने स्ट्रेस दूर करने के लिए ऐसा तरीका अपनाया, जिसे सुनकर शायद आप भी हैरान रह जाएंगे. महिला ऑनलाइन शॉपिंग साइट पर एनीमे कैरेक्टर्स से जुड़े सामान देखती थी और सामान को ऑर्डर करने से उसे काफी सुकून मिलता था. हैरानी की बात यह है कि उसने करीब दो साल में 258 करोड़ रुपये से ज्यादा के सामान के ऑर्डर कर डाले, लेकिन इनमें से एक भी प्रोडक्ट उसके घर नहीं पहुंचा.

जापान की 32 वर्षीय महिला योशिदा पर आरोप है कि वह ऑनलाइन स्टोर से सामान ऑर्डर करने के बाद अलग-अलग तरीकों से उसे कैंसिल करवा देती थी. कई बार वह डिलीवरी के लिए अपना सही पता देने के बजाय गलत या नकली पता इस्तेमाल करती थी. ऐसे में डिलीवरी एजेंट किसी दूसरे घर तक पहुंच जाता और सामान महिला तक पहुंचने से पहले ही ऑर्डर रद्द हो जाता था. कुछ मामलों में उसने पार्सल की पेमेंट के लिए कन्वीनियंस स्टोर का विकल्प चुना, लेकिन तय समय के अंदर भुगतान नहीं किया. वहीं कुछ ऑर्डर में उसने कैश ऑन डिलीवरी के समय सामान लेने से साफ इनकार कर दिया. इस तरह ऑर्डर करने और फिर उसे कैंसिल कराने का सिलसिला लगातार चलता रहा. रिपोर्ट्स के मुताबिक, यह सिलसिला करीब दो साल तक चला और इस दौरान महिला ने 2,000 से ज्यादा ऑर्डर अलग-अलग तरीकों से कैंसिल किए. बार-बार ऑर्डर कैंसिल होने से सिर्फ ऑनलाइन स्टोर का काम ही प्रभावित नहीं हुआ, बल्कि कंपनी को डिलीवरी और उससे जुड़े खर्चों का भी नुकसान उठाना पड़ा.

**सुविचार:** रिश्ते समय के साथ बदलते है। क्योंकि मतलब की दुनिया में कोई किसी का नहीं होता।

# निषिद्ध भूमि को लेकर जनता चिंतित न हो : मंत्री पोंगुलेटी

## कानूनी रूप से पात्र प्रत्येक व्यक्ति को मिलेगा न्याय

### 14 अगस्त तक सभी दस्तावेज ऑनलाइन अपलोड करने के निर्देश

हैदराबाद, 11 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के राजस्व, आवास एवं सूचना एवं जनसंपर्क मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी ने कहा है कि प्रतिबंधित संपत्तियों की पीओबी/22-ए सूची में शामिल भूमि को लेकर लोगों को किसी प्रकार की आशंका या चिंता करने की आवश्यकता नहीं है। कानूनी रूप से पात्र प्रत्येक व्यक्ति को न्याय दिलाया जाएगा। उन्होंने कहा कि सरकार ने नई जमीनों को प्रतिबंधित सूची में शामिल नहीं किया है, बल्कि पिछली सरकार के समय से चली आ रही कानूनी एवं तकनीकी समस्याओं का समाधान कर प्रभावित लोगों को राहत देने का प्रयास किया जा रहा है। मंत्री ने मंगलवार को सचिवालय स्थित अपने कार्यालय में हैदराबाद, रंगारेड्डी, मेडचल-मलकाजगिरी और संगारेड्डी जिलों के कलेक्टरों तथा जिला सब-रजिस्ट्रारों के साथ 22-ए/पीओबी मामलों की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि भूमि नियमितीकरण से संबंधित सरकार द्वारा जारी सभी शासनादेश, आदेश, मेमो, भूमि अधिग्रहण की कार्यवाही, ले-आउट अनुमतियों सहित सभी संबंधित दस्तावेज 14 अगस्त तक ऑनलाइन अपलोड किए जाएं। उन्होंने कहा कि दस्तावेज ऑनलाइन उपलब्ध होने से फर्जी दस्तावेजों पर प्रभावी रोक लगाई जा सकेगी और पंजीकरण के समय सब-रजिस्ट्रारों को वास्तविक एवं फर्जी दस्तावेजों की पहचान करने में सुविधा होगी। पारदर्शिता बढ़ाने के लिए सब-रजिस्ट्रारों को ऑनलाइन पहानियों तक भी पहुंच उपलब्ध कराने की दिशा में कार्रवाई की जा रही है।पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी ने कलेक्टरों को निर्देश दिया कि प्राप्त आवेदनों की जांच कर वास्तविक और गैर-वास्तविक मामलों को अलग किया जाए तथा वास्तविक मामलों का युद्धस्तर पर शीघ्र निस्तारण किया जाए। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी की सोच और निर्देशों के अनुरूप अधिकारियों को जनहित को प्राथमिकता देते हुए निर्णय लेना चाहिए। मंत्री ने कहा कि समस्या उत्पन्न होने के बाद उसका समाधान करने के बजाय समस्या पैदा ही न हो, यह सुनिश्चित करना जिला कलेक्टरों की जिम्मेदारी है। पीओबी से संबंधित आवेदनों की प्रतिदिन केस-टू-केस समीक्षा की जानी चाहिए।

उन्होंने चेतावनी दी कि 22-ए के नाम पर गरीबों या पात्र लोगों के साथ जानबूझकर अन्याय करने वालों को बख्शा नहीं जाएगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि सब-रजिस्ट्रारों के विवेकाधीन अधिकारों को सीमित किया जाएगा। ऑनलाइन उपलब्ध जानकारी के आधार पर ही निर्णय लेने के निर्देश दिए गए हैं। मंत्री ने कहा कि सरकारी संपत्तियों की सुरक्षा के मामले में किसी भी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा और छोटी सी भी लापरवाही पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। मंत्री ने सब-रजिस्ट्रारों को निर्देश दिया कि पीओबी सूची में शामिल संपत्तियों के पंजीकरण को सीधे अस्वीकार न किया जाए। यदि पंजीकरण से इनकार करना आवश्यक हो तो तीन दिन का समय लेकर उसके कारणों को स्पष्ट रूप से दर्ज किया जाए। पीओबी से संबंधित प्रत्येक आवेदन अब तहसीलदार को भेजने के बजाय सीधे कलेक्टर को भेजा जाएगा।

कलेक्टर और जिला रजिस्ट्रार के बीच ही इस संबंध में पत्राचार करने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि पहले गैर-कृषि, कृषि और पीओबी सूचियां अलग-अलग होने के कारण कई संपत्तियां एकीकृत रिकॉर्ड में प्रतिबंधित सूची में दिखाई दे रही हैं और इस वजह से पंजीकरण रोकने की शिकायतें मिल रही हैं। अब ऑनलाइन अपलोड की जा रही अद्यतन जानकारी से मिलान करने के बाद ही निर्णय लिया जाना चाहिए। मंत्री ने स्टांप्स एंड रजिस्ट्रेशन विभाग के आईजी को

# मल्काजगिरी में प्रॉपर्टी मालिकों को राहत

### वक्फ बोर्ड सर्वे रिकॉर्ड ठीक करने की तैयारी में

हैदराबाद, 11 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। मल्काजगिरी इलाके में लगभग 10,000 प्रॉपर्टी मालिकों के लिए एक बड़ी राहत की बात है। मल्काजगिरी के विधायक मरी राजशेखर रेड्डी के दखल और फ़ॉलो-अप के बाद, कुछ सर्वे नंबरों को गलत तरीके से लिस्ट में शामिल करने से जुड़ा लंबे समय से चला आ रहा मामला अब सुलझने की कगार पर है।

यह समस्या वक्फ प्रॉपर्टी रिकॉर्ड में अधिकार क्षेत्र और गाँव की पहचान से जुड़ी एक स्पष्ट गलती के कारण पैदा हुई थी, जिसमें मल्लापुर गाँव के कई सर्वे नंबरों को रिकॉर्ड में मल्काजगिरी गाँव का दिखाया गया था। नतीजतन, प्रभावित इलाकों में प्रॉपर्टी मालिकों को रजिस्ट्रेशन और प्रॉपर्टी से जुड़े अन्य लेन-देन में दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा था।

मामले की जांच के बाद, तेलंगाना वक्फ बोर्ड ने अब आधिकारिक तौर पर मल्काजगिरी गाँव और मल्लापुर गाँव के सर्वे नंबरों के बीच अंतर को मान लिया है। 29 जुलाई 2026 के अपने कम्युनिकेशन में, वक्फ बोर्ड ने दर्ज किया कि सर्वे नंबर 3, 103, 104, 105, 145, 146, 147 और 148 से 154 मल्लापुर गाँव के हैं, जबकि संबंधित गजट नोटिफिकेशन में बताए गए अन्य सर्वे नंबर मलकजगिरी गाँव के हैं।

# राजीव राजमार्ग के प्रभावितों को उचित मुआवजा मिले : एन. रामचंदर राव

हैदराबाद, 11 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय जनता पार्टी के तेलंगाना प्रदेश अध्यक्ष एन. रामचंदर राव ने राजीव राजमार्ग विस्तार परियोजना में जमीन, मकान और भवन गंवाने वाले प्रभावितों को सरकार से उचित और न्यायसंगत मुआवजा देने की मांग की है। मंगलवार को उन्होंने कारखाना में राजीव राजमार्ग से प्रभावित लोगों द्वारा किए जा रहे आंदोलन में शामिल होकर भाजपा की ओर से उनके प्रति समर्थन जताया।

एन. रामचंदर राव ने कहा कि सड़क विस्तार के लिए अपनी जमीन, मकान और अन्य संपत्तियां गंवा रहे लोग विकास के विरोधी नहीं हैं। जनहित में शुरू की गई इस परियोजना में सभी सहयोग कर रहे हैं, लेकिन अपनी संपत्ति का त्याग करने वाले लोगों को उसका उचित मूल्य मिलना जरूरी है। उन्होंने कहा कि सरकार को प्रभावित परिवारों की समस्याओं को गंभीरता से लेते हुए उन्हें न्यायसंगत मुआवजा देना चाहिए। उन्होंने कहा कि जिस तरह तूमकुंटा क्षेत्र में भूमि अधिग्रहण के लिए मुआवजे में वृद्धि की गई है, उसी प्रकार राजीव राजमार्ग विस्तार से प्रभावित खारखाना क्षेत्र के लोगों के लिए भी मुआवजे की राशि बढ़ाई जानी चाहिए।

उन्होंने कहा कि खारखाना क्षेत्र तूमकुंटा की तुलना में अधिक महंगा शहरी क्षेत्र है। ऐसी स्थिति में यहां प्रभावित लोगों को उससे कम मुआवजा दिया जाना उचित नहीं है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने मांग की कि कांग्रेस सरकार ने तूमकुंटा क्षेत्र में मुआवजे में जितनी वृद्धि की है, उसी आधार पर खारखाना क्षेत्र के प्रभावितों के लिए भी उचित प्रतिशत में मुआवजा बढ़ाया जाए।

उन्होंने कहा कि सरकार को जनहित की परियोजना के लिए अपनी जमीन, मकान और संपत्तियां त्यागने वाले लोगों के योगदान को पहचानना चाहिए और उन्हें उचित मुआवजा देकर न्याय करना चाहिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि प्रभावित लोगों की मांग पूरी तरह न्यायसंगत है और भारतीय जनता पार्टी उनके संघर्ष के साथ पूरी मजबूती से खड़ी है।

सरकार से आग्रह किया गया कि प्रभावितों के साथ बातचीत कर उनकी समस्याओं का समाधान किया जाए और परियोजना के लिए संपत्ति गंवाने वाले प्रत्येक परिवार को उचित मूल्य के आधार पर मुआवजा सुनिश्चित किया जाए।

लोक भवन, हैदराबाद में तेलंगाना के राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल से हैदराबाद स्थित सरदार वल्लभभाई पटेल राष्ट्रीय पुलिस अकादमी के निदेशक सुजीत पांडेय ने शिष्टाचार भेंट की।

# 'इंदिरम्मा हाउस टावर्स' के लिए डेडलाइन

## आवेदन की तारीख 15 अगस्त तक बढ़ाई गई

हैदराबाद, 11 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। हाउसिंग डिपार्टमेंट ने क्योर इलाके में इंदिरम्मा हाउस के लिए आवेदन जमा करने की आखिरी तारीख 15 अगस्त तक बढ़ा दी है। आवेदन जमा करने की आखिरी तारीख पहले 10 अगस्त थी। हाउसिंग मिनिस्टर पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी ने कहा कि 16 विधानसभा क्षेत्रों में अभी पायलट प्रोजेक्ट के तौर पर 7,340 घर बनाए जा रहे हैं।

मंत्री ने बताया कि सरकार ने समाज के अलग-अलग वर्गों के अनुरोधों पर विचार करने के बाद डेडलाइन बढ़ाने का फैसला किया, ताकि लगातार छुट्टियों - जिसमें दूसरा शनिवार और बोनालु त्योहार शामिल हैं - के कारण होने वाली असुविधा से बचा जा सके।

21 जुलाई से मी-सेवा (मी-सेवा) सेंटरों, ऑनलाइन पोर्टलों और मी-सेवा व्हाट्सएप सर्विस के ज़रिए आवेदन स्वीकार किए जा रहे हैं। मंत्री ने बताया कि 10 अगस्त तक कुल 46,121 आवेदन मिले थे।

# CLASSIFIEDS

## CHANGE OF NAME

I, NEERAJAKSHI ,Spouse of HAV (PTA) GURUNADH KOSARA, R/O: H.NO.13-896, BHARAT NAGAR, ARILOVA, SEC-2, HANUMANTHUWAKA, GOVT DAIRY FARM VISAKHAPATNAM, ANDHRA PRADESH – 530040 have changed my name from NEERAJAKSHI to NEERAJAKSHI CHINTAPALLI vide Affidavit dt. 11-08-2026

I, N VANAJA REDDY Spouse of Service No JC-783174H Nb Sub Nmandi Prabhakar Reddy Residing at H.No 5-13, Kakatiya Nagar, Bayyaram, VTC & PO-Kakatiya Nagar, Dist-Mahabubabad, Telangana-507211. I have changed my name from N VANAJA REDDY to NANDI VANAJA and DOB is 11/04/1986 vide Affidavit dated 08 August 2026 before 1. Spl Judicial Magistrate Medchal-Malkajgiri -Dist.

**सावधान**

पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

# आरएमपी के गलत इलाज से 8वीं क्लास की छात्रा की मौत

खम्मम, 11 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। ज़िले के कोनिजेरला मंडल के बसवापुरम में एक रजिस्टर्ड मेडिकल प्रैक्टिशनर (आरएमपी) के गलत इलाज के बाद 8वीं क्लास की छात्रा की मौत हो गई। आरोप है कि डॉक्टर शराब के नशे में था।

छात्रा, चल्ला हेमाश्री (14), जो स्थानीय कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय में पढ़ती थी, उसे सर्दी और बुखार हो गया था; उसके माता-पिता उसे स्थानीय आरएमपी, संपत के पास ले गए। उसने हाथ में आईवी कैनुला के ज़रिए इंजेक्शन लगाया। परिवार वालों ने बताया कि इंजेक्शन लगाने के बाद लड़की को सांस लेने में दिक्कत होने लगी और उसे तुरंत खम्मम के एक प्राइवेट अस्पताल ले जाया गया। वहां डॉक्टरों ने ईसीजी किया और उसकी मौत की पुष्टि की।

लड़की के पिता, चल्ला रमेश ने स्थानीय पुलिस स्टेशन में आरएमपी के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है और आरोप लगाया है कि उनकी लापरवाही के कारण बच्ची की मौत हुई। बताया गया कि लड़की की मौत के बाद पुलिस ने आरएमपी का ब्रेथ एनालाइज़र से टेस्ट किया और पाया कि उसने उस समय शराब पी रखी थी।

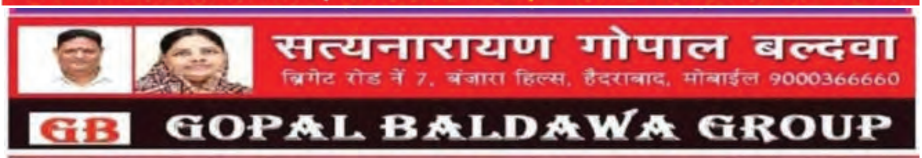

# अपने मुद्दों पर खुद लड़ें युवा

## मायावती की जेन ज़ेड को नसीहत, बोली सत्ता–विपक्ष के कथित षड्यंत्र से रहें दूर

लखनऊ, 11 अगस्त (एजेंसियां)। बसपा प्रमुख मायावती ने देश में चल रहे छात्र-युवा आंदोलनों और जेन ज़ेड की समस्याओं को लेकर सत्ता पक्ष और विपक्ष पर तीखा हमला बोला। उन्होंने देश के युवाओं से अपील की कि वे अपने मुद्दों को लेकर आंदोलन जरूर करें, लेकिन राजनीतिक दलों के हाथों का मोहरा न बनें। मायावती ने आरोप लगाया कि सत्ता और विपक्ष दोनों छात्र-युवाओं की समस्याओं की आड़ में अपने राजनीतिक स्वार्थ साधने में लगे हैं।

मायावती ने कहा कि पिछले कुछ समय से सत्ता पक्ष और विपक्ष, खासकर भाजपा, कांग्रेस और उनके सहयोगी दल किसी न किसी मुद्दे पर संसद में हंगामा कर रहे हैं। इससे जनहित के जरूरी मुद्दे पीछे छूट रहे हैं। उन्होंने आशंका जताई कि केंद्र और राज्यों में अपनी सरकारों की कमियों से जनता का ध्यान हटाने के लिए इन दलों के बीच किसी तरह का अंदरूनी समझौता भी हो सकता है।

उन्होंने कहा कि देश का युवा और खासकर जेन ज़ेड आज पढ़ाई, रोजगार, भर्ती, पेपर लीक और भविष्य को लेकर परेशान है। ऐसे में राजनीतिक दलों को युवाओं की समस्याओं का समाधान करना चाहिए, न कि उनके आंदोलनों को अपने राजनीतिक हितों के लिए इस्तेमाल करना चाहिए। मायावती ने दिल्ली के जंतर-मंतर पर पेपर लीक और बेरोजगारी जैसे मुद्दों को लेकर हुए छात्र-युवा आंदोलन का जिक्र करते हुए आरोप लगाया कि कांग्रेस और उसके सहयोगी दलों ने आंदोलन को अपने राजनीतिक हित में इस्तेमाल करने की कोशिश की।

**बसपा युवाओं के साथ खड़ी**

उन्होंने कहा कि छात्रों और युवाओं की वास्तविक समस्याओं गंभीर हैं और बसपा हमेशा उनके साथ खड़ी रही है। छात्र और युवा अपनी मांगों को लेकर लोकतांत्रिक तरीके से आवाज जरूर उठाएं, लेकिन उन्हें किसी भी राजनीतिक दल के हाथों का मोहरा नहीं बनना चाहिए। उनके मुताबिक, आंदोलन का उद्देश्य युवाओं की समस्याओं का समाधान होना चाहिए, न कि किसी दल को राजनीतिक लाभ पहुंचाना।

बसपा प्रमुख ने झारखंड की राजधानी रांची में चल रहे छात्र-युवा आंदोलन का भी उल्लेख किया। उन्होंने आरोप लगाया कि वहां कांग्रेस और उसके सहयोगी दल छात्रों की समस्याओं पर खुलकर सामने नहीं आ रहे हैं, जबकि भाजपा और उसके समर्थक दल आंदोलन के समर्थन में आगे आ रहे हैं।

मायावती ने कहा कि दिल्ली और रांची दोनों जगह छात्र-युवा आंदोलनों में उनकी समस्याओं के समाधान से ज्यादा राजनीतिक स्वार्थ दिखाई दे रहा है।

## बिजली से 3 महिलाओं की मौत, 2 बच्चे झुलसे

### 5 जिलों में आज बारिश की संभावना अब तक 36% कम हुई बारिश

पटना, 11 अगस्त (एजेंसियां)। बिहार में मानसून सक्रिय है, लेकिन बारिश नहीं होने की वजह से उमस बरकरार है। मौसम विभाग ने आज 5 जिलों में हल्की बारिश की संभावना जताई है, जबकि बाकी 33 जिलों में मौसम सामान्य रहने की उम्मीद है।

वहीं, बांका में आकाशीय बिजली गिरने से 3 महिलाओं की मौत हो गई, जबकि 2 बच्चे झुलस गए। स्थानीय लोगों के अनुसार, महिलाएं खेत में रोपनी करने गई थीं, तभी यह हादसा हुआ। घटना सुईया थाना क्षेत्र की है।

बीते 24 घंटे के दौरान मधेपुरा और समस्तीपुर में बारिश हुई। पटना में हल्के बादल छाए रहे, लेकिन धूप निकलने से उमस बनी रही।

मानसून के दौरान वातावरण में नमी की मात्रा काफी बढ़ जाती है। समुद्र और बंगाल की खाड़ी से आने वाली नम हवाएं बिहार में पहुंचती हैं। बारिश के बाद भी वातावरण में नमी बनी रहती है।

## भाजपा विधायक पर हत्या की साजिश रचने का आरोप

### पूर्व ब्लाक प्रमुख ने एसपी को दी शिकायत, कार्रवाई की मांग

सुल्तानपुर, 11 अगस्त (एजेंसियां)। भाजपा विधायक विनोद सिंह पर पूर्व विधायक चंद्रभद्र सिंह सोनू और उनके भाई पूर्व ब्लाक प्रमुख यशभद्र सिंह मोनू की हत्या की साजिश रचने का आरोप लगा है। मोनू सिंह ने सोमवार को एसपी से मिलकर शिकायती पत्र सौंपा और विधायक के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर कानूनी कार्रवाई की मांग की। उन्होंने वायरल ऑडियो की क्लिप पेन ड्राइव में पुलिस को सौंपी है।

शिकायत के मुताबिक, 6 अगस्त को सोशल मीडिया और मीडिया के माध्यम से एक ऑडियो क्लिप वायरल होने की जानकारी मिली। मोनू सिंह का दावा है कि महिला और विधायक की बातचीत के ऑडियो में विधायक की आवाज में एक महिला से सोनू-मोनू को खत्म करने और उनकी हत्या कराने की बात कही जा रही है।

उन्होंने ऑडियो की आवाज और सत्यता की विधि विज्ञान प्रयोगशाला से जांच कराने की मांग की है। एसपी को दिए शिकायती

पूर्व ब्लाक प्रमुख यशभद्र सिंह 'मोनू' और सफेद घेरे में भाजपा विधायक विनोद सिंह

पत्र में मोनू सिंह ने अपनी और भाई की जान को खतरा बताते हुए पुलिस से मामले की गंभीरता से जांच करने की मांग की है। उन्होंने प्रयागराज और 9 जुलाई 2024 को अयोध्या न्यायालय परिसर में हुए हमलों का भी जिक्र किया है। आरोप लगाया कि अयोध्या की घटना में विधायक विनोद सिंह नामजद आरोपी हैं।

यशभद्र सिंह ने विधायक विनोद सिंह से जान-माल का खतरा बताया है। उन्होंने पुरानी घटनाओं का भी जिक्र किया, जिनमें इलाहाबाद न्यायालय परिसर में हुआ जानलेवा हमला शामिल है। इस हमले में पुलिसकर्मी, अधिवक्ता और प्रार्थी को गंभीर चोटें आई थीं। मोनू सिंह ने पुलिस अधीक्षक को दिए गए प्रार्थना पत्र के साथ वायरल ऑडियो की रिकॉर्डिंग एक पेन ड्राइव में भी सौंपी है। उन्होंने बताया कि यह ऑडियो उनके और उनके भाई चंद्रभद्र सिंह 'सोनू' की हत्या की साजिश से संबंधित है।

यह कथित ऑडियो तीन दिन पहले सोशल मीडिया पर सामने आया था। इसमें विधायक विनोद सिंह और उन पर यौन उत्पीड़न का आरोप लगाने वाली एक महिला के बीच बातचीत होने का दावा किया गया है।

## कांवड़ियों के बीच लाठी–डंडे से मारपीट

### गहरे पानी में जाने से रोका तो एक–दूसरे से भिड़े, शिवगंगा समिति की बैठक में मांगी माफी

बेगूसराय, 11 अगस्त (एजेंसियां)। बेगूसराय के बछवाड़ा प्रखंड स्थित नारेपुर झमटिया गंगा घाट पर रविवार की देर रात कांवड़ियों और स्थानीय युवक के बीच हुई मारपीट की घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वीडियो में घाट परिसर में मची अफरा-तफरी, लाठी-डंडे चलने और स्थिति संभालने का दृश्य स्पष्ट दिख रहा है। मामला तूल पकड़ने के बाद सोमवार को शिवगंगा समिति ने आपात बैठक बुलाकर पूरे घटनाक्रम की पड़ताल की।

शिवगंगा समिति द्वारा आयोजित आपात बैठक में मंदिर परिसर के दुकानदारों, नाविकों, स्थानीय नागरिकों और मारपीट की घटना में शामिल स्थानीय युवक मनीष कुमार को बुलाया गया।

विभिन्न पहलुओं पर विस्तार से चर्चा हुई। चर्चा के दौरान समिति को बताया गया कि रविवार की देर रात करीब 20 कांवड़ियों का एक समूह झमटिया गंगा घाट पहुंचा था। प्रत्यक्षदर्शियों और समिति सदस्यों के अनुसार, मारपीट में शामिल कुछ कांवड़िया नशे की हालत में थे और प्रशासन द्वारा सुरक्षा के लिए लगाए गए बैरिकेडिंग को पार कर गहरे पानी में जाने का प्रयास कर रहे थे।

घाट पर मौजूद स्थानीय युवक मनीष कुमार ने जब डूबने के खतरे को देखते हुए उन्हें मना किया, तो विवाद शुरू हो गया। कांवड़ियों द्वारा कहासुनी के बाद मनीष के साथ मारपीट की गई। इसके बाद आक्रोश में आकर मनीष ने भी लाठी चला दी, जिससे घाट पर भगदड़ और मारपीट की स्थिति उत्पन्न हो गई।

हंगामे की सूचना मिलते ही पुलिस सहायता केंद्र पर तैनात पुलिसकर्मी तुरंत मौके पर पहुंचे और मामला शांत कराने का प्रयास किया। इस दौरान नशे में धुत कुछ कांवड़ियों ने मौके पर मौजूद पुलिसकर्मी पर पानी छिड़क दिया और हाथापाई करने लगे। इसके बाद माहौल और तनावपूर्ण हो गया।

मारपीट के बीच लाउडस्पीकर से लगातार शांति बनाए रखने और बैरिकेडिंग के अंदर ही स्नान करने की घोषणाएं की जाती रहीं, जिसके बाद पुलिस और स्थानीय लोगों ने स्थिति पर काबू पाया।

बैठक के दौरान समिति के सामने आकर युवक ने अपनी गलती स्वीकार की और कहा कि आक्रोश में आकर उससे यह भूल हुई है। उसने सार्वजनिक रूप से माफी मांगते हुए भविष्य में ऐसी घटना दोबारा न दोहराने का वचन दिया।

बैठक में शामिल समिति के सदस्यों ने स्पष्ट किया कि श्रद्धालुओं की सुरक्षा सर्वोपरि है।

घाम पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को देखते हुए पुलिस प्रशासन से अतिरिक्त पुलिस बल और गोताखोरों की तैनाती की मांग की जाएगी।

## राज्यपाल बोलीं-बेटियां आगे बढ़ रही हैं, बेटे क्या कर रहे

### अलीगढ़ की सुहेलदेव यूनिवर्सिटी में टॉपर्स को सम्मानित किया

आजमगढ़, 11 अगस्त (एजेंसियां)। आजमगढ़ में राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने बेटियों की तारीफ की और बेटों से सवाल किए। उन्होंने कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में बेटियां आगे बढ़ रही हैं, बेटे क्या कर रहे हैं?

राज्यपाल मंगलवार को महाराजा सुहेलदेव विश्वविद्यालय के तीसरे दीक्षांत समारोह में शामिल होने आई थीं। इस दौरान उन्होंने स्टूडेंट्स को सफलता के मंत्र भी दिए। कहा कि निरंतर अभ्यास और अनुशासन व्यक्ति को शिखर तक पहुंचा सकता है।

विश्वविद्यालय पहुंचने पर राज्यपाल का भव्य स्वागत किया गया।

कुलपति प्रो. संजीव कुमार ने उनके पैर छूकर आशीर्वाद लिया। इसके बाद राज्यपाल दीक्षांत समारोह के मंच पर पहुंचीं और कार्यक्रम की औपचारिक शुरुआत की। समारोह के मुख्य अतिथि पद्म विभूषण बांसुरी वादक पंडित हरिप्रसाद चौरसिया ने भी अपने जीवन के अनुभव स्टूडेंट्स के साथ साझा किए।

**टॉपर्स को मेडल पहनाकर सम्मानित किया**

राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने मेधावी छात्र-छात्राओं को प्रशस्ति पत्र सौंपे और मेडल पहनाकर सम्मानित किया। समारोह में 74 टॉपर्स को 88 मेडल दिए गए। इनमें 20 कुलाधिपति और 68 कुलपति पदक शामिल हैं। मेडल पाने वालों में 26 छात्र और 48 छात्राएं हैं। इसके अलावा 11 स्नातक और 63 परास्नातक विद्यार्थियों को डिग्री प्रदान की गई।

राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने नागरिकों की जिम्मेदारी समझाने के लिए गुजरात दंगे का संस्मरण भी सुनाया। कहा कि वहां लोगों ने बसें जलाईं, सरकारी आवास तोड़े। आंदोलन होना चाहिए, लेकिन देश की सम्पत्ति का नुकसान नहीं होना चाहिए। इसलिए उस समय सीएम नरेंद्र भाई मोदी ने कहा कि भवन जलाओगे, बसें जलाओगे तो जितना खर्चा होगा सब वसूलेंगे।

## मेरठ–संभल में घरों में घुसा पानी

## मुजफ्फरनगर में सड़कें लबालब

### डीएम–एसएसपी घुटनों तक पानी में चले, 10 शहरों में बारिश, 46 में अलर्ट

लखनऊ/वाराणसी/प्रयागराज/कानपुर, 11 अगस्त (एजेंसियां)। यूपी में मानसूनी बारिश का सिलसिला जारी है। मंगलवार सुबह से मेरठ, संभल, बिजनौर और मुजफ्फरनगर समेत 10 शहरों में रुक-रुक कर बारिश हो रही है। मेरठ और संभल में इतनी बारिश हुई कि गलियां और कॉलोनियां तालाब बन गईं। घरों और दुकानों में एक-एक फीट तक पानी भर गया।

मुजफ्फरनगर में कावड़ रूट और शिव चौक पर 2-3 फीट पानी भर गया। डीएम उमेश मिश्रा और एसएसपी संजय वर्मा बारिश के बीच घुटनों तक पानी में उतरे।

लखनऊ और आसपास के इलाकों में भी बूंदाबांदी हुई। आज 46 जिलों में बारिश का अलर्ट जारी किया गया है, जिसमें आगरा में भारी बारिश होने की संभावना है।

उधर, पहाड़ों पर हो रही जोरदार बारिश से यूपी की नदियां उफान पर हैं। वाराणसी में घाटों की सीढ़ियां डूब गई हैं। सभी 84 घाटों को आपस में जोड़ने वाले रास्ते जलमग्न हो गए हैं। काशी विश्वनाथ मंदिर के 6 द्वारों में से मुख्य काशी विश्वनाथ मंदिर घाट (गंगा द्वार) को बंद कर दिया गया है।

मथुरा में यमुना नदी का पानी घाटों की सीढ़ियों तक पहुंच गया है। वृंदावन में केशी घाट का परिक्रमा मार्ग जलमग्न हो गया है।

## सीएम योगी बोले–कालीबाड़ी बाबा और रवि किशन में टक्कर

### कहा–सांसद ने आज भाषण नहीं दिया

### गोरखपुर में ग्रीन सिटी रोड का उद्घाटन

गोरखपुर, 11 अगस्त (एजेंसियां)। गोरखपुर में सीएम योगी आदित्यनाथ ने एक बार फिर सांसद रवि किशन की चुटकी ली। ग्रीन सिटी रोड के उद्घाटन कार्यक्रम में उन्होंने कहा- आज सांसद जी ने कुछ बोला नहीं है। लगता है इन्होंने कुछ ज्यादा लोगों को भोज दे दिया है। कितने लोग उनके यहां भोज करने गए थे?

इसके बाद सीएम योगी ने लोगों से पूछा- कितने लोगों ने उनकी फिल्म देखी है? और कालीबाड़ी बाबा की फिल्म कितने लोगों ने देखी है?"

इस पर वहां मौजूद लोगों ने हाथ उठाकर जवाब दिया। सीएम योगी ने कहा कि बराबरी है।

सीएम योगी ने गोरखपुर-सोनौली मार्ग से ग्रीन सिटी होते हुए माधोपुर बंधा तक बनी सड़क का लोकार्पण किया। करीब 1.80 किलोमीटर लंबी इस सड़क के निर्माण पर 69.58 करोड़ रुपए खर्च हुए हैं। लोकार्पण के बाद सड़क को आम लोगों के लिए खोल दिया गया।

कालीबाड़ी के महंत रविंद्र दास को सीएम योगी आदित्यनाथ का करीबी माना जाता है। सीएम के कार्यक्रमों में उन्हें अक्सर मंच पर जगह मिलती है। वह लंबे समय से गोरखनाथ मंदिर से भी जुड़े हुए हैं। यही वजह है कि जब भी सीएम योगी का गोरखपुर में कोई कार्यक्रम होता है, महंत रविंद्र दास भी वहां नजर आते हैं।

सीएम योगी ने कहा- ग्रीन सिटी कॉलोनी से पदोनिया होते हुए माधोपुर बंधा तक सड़क का लोकार्पण हो रहा है। इससे अब लोगों को आने-जाने में काफी आसानी होगी। करीब 2 किलोमीटर लंबी यह सड़क 70 करोड़ रुपए की लागत से बनाई गई है। इस इलाके में लोग काफी समय से रह रहे हैं, लेकिन आने-जाने में परेशानी होती थी। रास्ता बहुत संकरा होने की वजह से बस और ट्रक तक नहीं आ पाते थे। इस मार्ग पर सरस्वती और आरपीएम एकेडमी समेत कई स्कूल भी हैं।

सीएम योगी ने कहा- लोगों ने इस इलाके में जमीनें ली हैं, इसलिए इस सड़क का महत्व और बढ़ जाता है। अब क्षेत्र के लोगों को अगर सोनौली, महाराजगंज या उनवलपुर की तरफ जाना है तो उन्हें शहर के अंदर जाने की जरूरत नहीं पड़ेगी। राजघाट पुल के पास ट्रांसपोर्ट नगर से माधोपुर तक फोरलेन सड़क बनाने का काम भी चल रहा है। डोमिनगढ़ में फ्लाईओवर भी बनाया जाएगा।

इससे लखनऊ जाने वालों को ट्रांसपोर्ट नगर होकर जाने की जरूरत नहीं होगी। लोग यहीं से फोरलेन बाईपास पकड़कर लखनऊ जा सकेंगे।

इसी तरह लोग आसानी से सोनौली भी जा सकेंगे। इन सभी कामों के पूरा होने से शहर में आवाजाही आसान होगी। उन्होंने कहा कि पहले यहां रास्ता बहुत संकरा था और जलभराव की भी समस्या रहती थी। गोरखपुर में लगातार विकास के काम हो रहे हैं।

इसी विकास को आगे बढ़ाने के लिए, सांसद, विधायक और महापौर समेत सभी जनप्रतिनिधि यहां मौजूद हैं।

## मेरठ के बार एसोसिएशन में टकराव

### एसएसपी के खिलाफ केस दायर करने वाले वकील की सदस्यता निलंबित

मेरठ, 11 अगस्त (एजेंसियां)। मेरठ में कलक्ट्रेट प्रवेश द्वार पर लाठीचार्ज के मामले में एसएसपी के विरुद्ध अदालत में मुकदमा दायर करने वाले अधिवक्ता अनिल कुमार उर्फ अनिल प्रधान की जिला बार एसोसिएशन की सदस्यता निलंबित कर दी गई है। सोमवार को जिला बार एसोसिएशन की प्रबंध समिति, पूर्व अध्यक्षों और पूर्व महामंत्रियों की बैठक में यह निर्णय लिया गया। अधिवक्ता के खिलाफ लगाए गए आरोपों की जांच के लिए तीन सदस्यीय समिति गठित करने का भी फैसला लिया गया है।

बार एसोसिएशन ने अधिवक्ता को मिलने वाली सभी सुविधाओं पर भी रोक लगाने का निर्णय लिया है। साथ ही पूरे प्रकरण की जानकारी उत्तर प्रदेश बार काउंसिल को भेजने पर सहमति बनी है।

## सावन में चिकन-मटन की दुकानें बंद करने के नोटिस को चुनौती

### हाईकोर्ट ने अधिकारियों से जवाब तलब किया

प्रयागराज, 11 अगस्त (एजेंसियां)। सावन माह में मटन-चिकन आदि नॉनवेज की दुकानें बंद कराए जाने का मामला इलाहाबाद हाईकोर्ट पहुंच गया है। नॉनवेज की दुकानें बंद कराने के लिए, जारी किए गए पुलिस के नोटिस को हाईकोर्ट में चुनौती दी गई है। पुलिस के इस नोटिस में कोई तारीख नहीं है। हाईकोर्ट ने संबंधित अधिकारियों को नोटिस जारी कर स्पष्टीकरण मांगा है।

अमरोहा के नासिर फारूकी ने इलाहाबाद हाईकोर्ट में एक जनहित याचिका (पीआईएल) दाखिल की है। इसमें सावन के महीने में चिकन और मटन की दुकानों को बंद कराए जाने के नोटिस को चुनौती दी गई है। याचिका में इस नोटिस की वैधानिकता को चुनौती देते हुए इसे गैरकानूनी बताया गया है। याचिका में आरोप लगाया गया है कि कांवड़ मार्गों से अलग स्थानों पर चल रहीं नॉनवेज की दुकानें को भी बंद कराया गया है। पुलिस

ने उन्हें भी अनडेटेड नोटिस देकर बंद कराया है। याचिका में अदालत से गुहार लगाई गई है कि इससे सैकड़ों लोगों की आजीविका पर संकट आ गया है। याचिकाकर्ता ने हाईकोर्ट से इस मामले में हस्तक्षेप करने की मांग की है। उन्होंने यह नोटिस रद्द करने की मांग की है।

अमरोहा के नासिर फारूकी ने जनहित याचिका में कहा है कि कांवड़ मार्ग से दूर गली-मोहल्लों की दुकानों को भी बिना तारीख के नोटिस देकर बंद कराने से बहुत लोगों की आजीविका पर संकट आ गया है। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने इस याचिका पर सुनवाई करते हुए अमरोहा में पुलिस प्रशासन और प्रमुख सचिव से इस कार्रवाई के आधार पर जवाब तलब किया है।

अमरोहा शहर कोतवाली की पुलिस ने शहरी क्षेत्र में चलने वाली नॉनवेज की 21 दुकानों को नोटिस जारी किया था।

इस नोटिस में मीट की दुकानें 30 दिन तक बंद रखने के निर्देश दिए गए हैं। पुलिस के इस नोटिस के चलते मांस की बिक्री करने वाली दुकानें ही नहीं नॉनवेज भोजन के रेस्टोरेंट भी बंद हो गए हैं। इससे मीट विक्रेताओं के साथ-साथ होटल, रेस्टोरेंट चलाने वाले व्यापारियों का भी व्यवसाय ठप हो गया है। याचिकाकर्ता नासिर फारूकी ने कहा है कि नोटिस में सिर्फ चार सोमवार का जिक्र किया गया है, लेकिन पुलिस पूरे सावन माह में चिकन और मटन की शॉप नहीं खुलने दे रहे है।

## अबकी बार आंदोलन में हंसुआ लेकर आएंगे, 1–2 को रेतकर जाएंगे

### लाठीचार्ज के बाद फूटा महिला अभ्यर्थी का गुस्सा

रांची, 11 अगस्त (एजेंसियां)। ये लोग अगर तानाशाही करेगा तो हम भी झांसी की रानी बनेंगे और अबकी बार आंदोलन में आएंगे तो हसुआ लेकर आएंगे। हसुआ लेकर आएंगे, हम फूलो झानो बनने के लिए तैयार हैं।

एक दूगो को रेतकर जाएंगे... जेपीएससी-जेएसएससी अभ्यर्थियों में रात में हुए लाठीचार्ज को लेकर महिला अभ्यर्थी का गुस्सा फूट पड़ा। महिला अभ्यर्थी ने कहा कि केस करना है कर दीजिए। जब आप लोग नहीं छीनिएगा तो हम कैसे छीनेंगे। ये लोग वर्दी के नाम पर हेमंत सोरेन के गुलाम है।

आक्रोशित युवती ने आरोप लगाते हुए कहा कि लाठीचार्ज करने वाले बहुत सारे पुलिस और महिला पुलिसकर्मी की वर्दी पर नेम प्लेट तक नहीं थी। ये पुलिसवाले कहां से आए थे, कितने बुलाए थे, जो वर्दी पर नेमप्लेट तक नहीं थी। पुलिसवालों पर सवाल उठाते हुए महिला अभ्यर्थी ने कहा कि ये पुलिसवाले जो प्रदर्शनकारियों को घेर रहे थे, इन्हीं पुलिसवालों के सामने से अवैध कोयला गाड़ी, बालू गाड़ी भर-भर कर पास होती है, तब नहीं घेर पाते हैं। जब यही पुलिसवाले पहरेदार है तो चोरिया कौन करवाएगा?

गुस्से से 'लाल' महिला अभ्यर्थी ने जमकर भड़ास निकाली

इस दौरान महिला अभ्यर्थी ने तंज करते हुए कहा कि जेपीएससी के सिलेबस में एक और बुक होनी चाहिए, जिसमें बस सर सर सर लिखा हो। जी सर, हां सर, सर सर सर सर...। ये लोग वर्दी पहनते हैं, इनके मुंह में इन शब्दों के अलावा और कोई शब्द नहीं रहता है, जो ये सरकार के खिलाफ एक शब्द भी बोल सकें।

## राम मंदिर की धार्मिक व्यवस्थाओं की जिम्मेदारी अब आचार्य इंद्रदेव मिश्र के जिम्मे

अयोध्या, 11 अगस्त (एजेंसियां)। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने राम वेद विद्यालय, कारसेवकपुरम के प्रधानाचार्य आचार्य इंद्रदेव मिश्र को व्यवस्था प्रमुख नियुक्त किया है। वह दिसंबर 2026 तक राम मंदिर में होने वाले नित्य पूजन, यज्ञ आदि वैदिक अनुष्ठानों और धार्मिक समिति के निर्देशानुसार विभिन्न उत्सवों एवं कार्यक्रमों की व्यवस्थाओं का कार्यभार संभालेंगे। हालांकि, मंदिर के समग्र संचालन एवं प्रबंधन की जिम्मेदारी पहले से ही नरपत डुकिया के पास है और आचार्य इंद्रदेव मिश्र उनके सहयोगी के रूप में कार्य करेंगे।

श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र के अंतरिम महासचिव कृष्णमोहन की ओर से जारी पत्र में कहा गया है कि आचार्य इंद्रदेव मिश्र लंबे समय से वेद नारायण की सेवा में समर्पित भाव से कार्य कर रहे हैं। उन्होंने

श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र के वैदिक अनुष्ठानों की निर्विघ्न और सुचारु व्यवस्था में भी महत्वपूर्ण दायित्व निभाया है। ट्रस्ट ने उनकी विद्वता, योग्यता और कार्यकुशलता को देखते हुए उन्हें दिसंबर 2026 तक व्यवस्था प्रमुख का दायित्व सौंपा है। इस दौरान वह मंदिर में होने वाले नित्य पूजन, यज्ञ आदि वैदिक अनुष्ठानों के साथ-साथ धार्मिक समिति के निर्देशानुसार विभिन्न उत्सवों और कार्यक्रमों के सफल संचालन से जुड़ी व्यवस्थाओं को देखेंगे। पत्र में स्पष्ट किया गया है कि मंदिर संचालन एवं प्रबंधन का कार्य नरपत डुकिया को सौंपा जा चुका है। ऐसे में आचार्य इंद्रदेव मिश्र इस व्यवस्था में उनके सहयोगी के तौर पर काम करेंगे। उनका दायित्व मुख्य रूप से धार्मिक अनुष्ठानों और उनसे जुड़ी व्यवस्थाओं पर केंद्रित रहेगा।

आचार्य इंद्रदेव मिश्र वर्तमान में राम वेद विद्यालय के प्रधानाचार्य का दायित्व भी संभाल रहे हैं। इसलिए ट्रस्ट ने स्पष्ट किया है कि वह मंदिर की अतिरिक्त जिम्मेदारी का निर्वहन विद्यालय के नियमित कार्य समय के अतिरिक्त करेंगे, जिससे विद्यालय की नियमित गतिविधियां प्रभावित न हों। ट्रस्ट के इस निर्णय को राम मंदिर में नित्य होने वाले धार्मिक अनुष्ठानों, वैदिक कार्यक्रमों और विभिन्न उत्सवों की व्यवस्थाओं को अधिक व्यवस्थित एवं सुचारु बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

## आईआरसीटीसी के पूर्व अधिकारी को तीन साल की जेल और 14.75 लाख का जुर्माना

लखनऊ, 11 अगस्त (एजेंसियां)। लखनऊ की एक सीबीआई अदालत ने आय से अधिक संपत्ति (डीए) के मामले में जांच के बाद आईआरसीटीसी के एक पूर्व सीनियर अधिकारी को दोषी ठहराते हुए तीन साल की जेल और 14.75 लाख रुपए का जुर्माना लगाया है।

लखनऊ की सीबीआई कोर्ट ने आईआरसीटीसी के लखनऊ रीजनल ऑफिस के तत्कालीन चीफ रीजनल मैनेजर कृष्ण मोहन त्रिपाठी को अपनी ज्ञात आय के स्रोतों से कहीं ज्यादा संपत्ति रखने का दोषी ठहराया।

31 अक्टूबर 2009 को किए गए एक ट्रैप ऑपरेशन से जुड़ा है, जब त्रिपाठी को कथित तौर पर 70,000 रुपए की अवैध रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों पकड़ा गया था। बाद में हुई जांच में ऐसे सबूत मिले जिनसे पता चला कि उन्होंने अपनी ज्ञात आय के स्रोतों से ज्यादा संपत्ति जमा की थी। सीबीआई ने 24 फरवरी 2010 को आय से अधिक संपत्ति का मामला दर्ज किया। जांच पूरी करने के बाद एजेंसी ने 13 दिसंबर 2011 को त्रिपाठी के खिलाफ चार्जशीट दाखिल की। ट्रायल के दौरान, अभियोजन पक्ष ने साबित किया कि त्रिपाठी के पास 1.44 करोड़ रुपए की आय से अधिक संपत्ति थी। इस संपत्ति का आकलन उस अवधि के दौरान उनकी कुल ज्ञात आय से 102.53 प्रतिशत अधिक पाया गया। ट्रायल के दौरान पेश किए गए सबूतों की जांच के बाद कोर्ट ने उन्हें दोषी ठहराया और सजा सुनाई।

यह सजा ऐसे समय में सुनाई गई है जब सीबीआई उन सरकारी कर्मचारियों के खिलाफ लगातार कार्रवाई कर रही है जिन पर अपनी वैध आय से कहीं ज्यादा संपत्ति जमा करने का आरोप है।

### तिरंगे को लेकर सरकार सख्त

# कागज का झंडा फेंका तो होगी बेअदबी

## फ्लैग कोड पर राज्यों को निर्देश मिले

नई दिल्ली, 11 अगस्त (एजेंसियां)। केंद्र सरकार ने सोमवार को सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को राष्ट्रीय ध्वज से जुड़े नियमों का पालन करने का निर्देश दिया। गृह मंत्रालय ने राज्यों के मुख्य सचिवों को भेजे संदेश में कहा कि लोगों के साथ-साथ सरकारी संस्थाओं और संगठनों में भी राष्ट्रीय ध्वज को प्रदर्शित करने से जुड़े कानून, परंपराओं और नियमों की जानकारी की कमी दिखाई देती है। मंत्रालय ने कहा कि तिरंगा देश के लोगों की उम्मीदों और आकांक्षाओं का प्रतीक है। इसलिए उसे हमेशा सम्मान का स्थान मिलना चाहिए। राज्यों से कहा गया है कि वे इस संबंध में बड़े स्तर पर जागरूकता अभियान चलाएं और प्रिंट तथा इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के जरिए इसका व्यापक प्रचार करें।

**क्या कागज का तिरंगा इस्तेमाल करना गलत है?**

सरकार ने साफ किया है कि महत्वपूर्ण राष्ट्रीय, सांस्कृतिक और खेल आयोजनों के दौरान आम लोग कागज से बने तिरंगे को लहरा सकते हैं। लेकिन कार्यक्रम समाप्त होने के बाद ऐसे झंडों को जमीन पर फेंकना या इधर-उधर छोड़ना नहीं चाहिए। इसका मकसद राष्ट्रीय ध्वज के सम्मान को बनाए रखना है। फ्लैग कोड के अनुसार राष्ट्रीय ध्वज को हमेशा सम्मानजनक स्थान पर रखा जाना चाहिए। किसी भी हालत में फटा, क्षतिग्रस्त या अस्त-व्यस्त तिरंगा प्रदर्शित नहीं किया जाना चाहिए। यानी तिरंगा इस्तेमाल करने के बाद उसके सम्मान का भी ध्यान रखना जरूरी है।

**तिरंगे को लेकर कौन-कौन से नियम लागू हैं?**

फ्लैग कोड के अनुसार राष्ट्रीय ध्वज हाथ से काता और हाथ से बुना हुआ या मशीन से बनाया हुआ हो सकता है। इसके लिए कपास, पॉलिएस्टर, ऊन, रेशम या खादी बंटिंग का इस्तेमाल किया जा सकता है। कोई आम नागरिक, निजी संस्था या शैक्षणिक संस्थान सभी दिनों और अवसरों पर तिरंगा फहरा या प्रदर्शित कर सकता है, लेकिन उसे तिरंगे की गरिमा और सम्मान का ध्यान रखना होगा। 19 जुलाई 2022 के आदेश के जरिए फ्लैग कोड में संशोधन किया गया था। खुले में या किसी नागरिक के घर पर प्रदर्शित तिरंगा दिन-रात फहराया जा सकता है।

### क्या तिरंगे के साथ दूसरा झंडा भी लगाया जा सकता है?

मंत्रालय ने तिरंगे को दूसरे झंडों के साथ लगाने को लेकर भी स्पष्ट नियम बताए हैं। राष्ट्रीय ध्वज को एक ही मस्तूल के शीर्ष पर किसी दूसरे झंडे के साथ एक साथ नहीं फहराया जा सकता। इसके अलावा किसी दूसरे झंडे या सजावटी पट्टी को तिरंगे से ऊपर या उसके बराबर नहीं रखा जा सकता। तिरंगे को किसी वाहन पर भी नहीं लगाया जा सकता, सिवाय उन विशिष्ट संवैधानिक पदों पर बैठे लोगों के वाहनों के, जिनका उल्लेख फ्लैग कोड में किया गया है। इनमें राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति, प्रधानमंत्री और राज्यपाल जैसे पद शामिल हैं। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने लोगों से हर घर तिरंगा अभियान में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेने की अपील की है। उन्होंने तिरंगा यात्राओं, तिरंगा रैलियों और सामूहिक रूप से वंदे मातरम गाने के जरिए अभियान में भाग लेने को कहा। उन्होंने लोगों से घरों पर तिरंगा फहराने और हर घर तिरंगा अभियान की वेबसाइट पर अपनी तस्वीर साझा करने की भी अपील की।

शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पहल से शुरू हुआ यह अभियान देश की सामूहिक शक्ति को दर्शाता है। इस साल वंदे मातरम की 150वीं वर्षगांठ भी है। ऐसे में सरकार चाहती है कि देशभर में तिरंगे के सम्मान और राष्ट्रीय भावना से जुड़े कार्यक्रमों के साथ नियमों की जानकारी भी लोगों तक पहुंचे।

# 'भारत ने चीन को चखाया उसी का कड़वा स्वाद'

### अरुणाचल प्रदेश पर एक्सपर्ट का तीखा सवाल-क्या शी जिनपिंग आएंगे भारत?

नई दिल्ली, 11 अगस्त (एजेंसियां)। अरुणाचल प्रदेश के 27 स्थानों और भौगोलिक विशेषताओं को आधिकारिक भारतीय मानचित्र पर उनके मानक भारतीय नामों के साथ दर्ज किए जाने के फैसले का स्वागत किया जा रहा है। सेना से सेवानिवृत्त लेफ्टिनेंट जनरल देवेंद्र प्रताप पांडे ने भारत सरकार के इस कदम का स्वागत किया है। उन्होंने कहा कि ब्रिक्स समिट से पहले अरुणाचल प्रदेश के 27 स्थानों के नाम मैप पर दर्ज किए जाने का भारत सरकार का फैसला साहस भरा है। कहा कि यह दूसरी बार है जब इस सरकार ने साहस दिखाया है। चीन के लिए भारत की तरफ से एक बात तो साफ हो गई है कि पंगा मत लो।

**चीन की हरकतों विदेश मंत्रालय हड़बड़ा जाता है**

लेफ्टिनेंट जनरल (रिटायर्ड) देवेंद्र प्रताप पांडे ने X पोस्ट में लिखा, 'ब्रिक्स समिट से एक महीने पहले भारत ने अरुणाचल प्रदेश में 27 जगहों के नाम आधिकारिक तौर पर तय किए। ऐसा कर पाने के लिए बधाई। यह संतोषजनक कदम है। भारत ने चीन को उसी की भाषा में जवाब दिया है; चीन हमेशा अहम द्विपक्षीय बैठकों से पहले ऐसी हरकतें करता रहा है, जिससे भारतीय विदेश मंत्रालय को हड़बड़ी में आना पड़ता था और सत्ताधारी पार्टी को अंदरूनी तौर पर मामला शांत करना पड़ता था।'

**भारत ने बताया पंगा मत लो**

लेफ्टिनेंट जनरल (रिटायर्ड) देवेंद्र प्रताप पांडे ने कहा, यह दूसरी बार है जब इस सरकार ने पहले से कदम उठाने की हिम्मत दिखाई है। देखते हैं शी जिनपिंग (ब्रिक्स समिट में) आते हैं या नहीं। जो भी हो, एक बात तो साफ हो गई है। पंगा मत लो। असल में, चीन द्वारा अरुणाचल प्रदेश के कुछ स्थानों के नाम बार-बार बदले जाने के जवाब में भारत ने पिछले सप्ताह औपचारिक रूप से राज्य के 27 स्थानों और भौगोलिक विशेषताओं को आधिकारिक भारतीय मानचित्र पर उनके मानक भारतीय नामों के साथ दर्ज किया था।

**बौखलाया चीन, भारत के कदम को अमान्य बताया**

चीन के नागरिक मामलों का मंत्रालय 2017 से समय-समय पर अरुणाचल प्रदेश के विभिन्न स्थानों के लिए चीनी नाम जारी करता रहा है, ताकि उस क्षेत्र पर चीन के दावे को मजबूत किया जा सके। इस वर्ष अप्रैल में भी नामों की एक नई सूची जारी की गई थी। बहरहाल, चीन ने सोमवार को भारत द्वारा अरुणाचल प्रदेश के 27 स्थानों और भौगोलिक विशेषताओं को आधिकारिक भारतीय मानचित्र पर उनके मानक भारतीय नामों के साथ दर्ज किए जाने के फैसले को लेकर विरोध जताते हुए अवैध और अमान्य करार दिया।

## विमान हादसा टला : टेकऑफ से ठीक पहले प्लेन के इंजन में आई खराबी, नकुलनाथ-हरीश चौधरी सुरक्षित

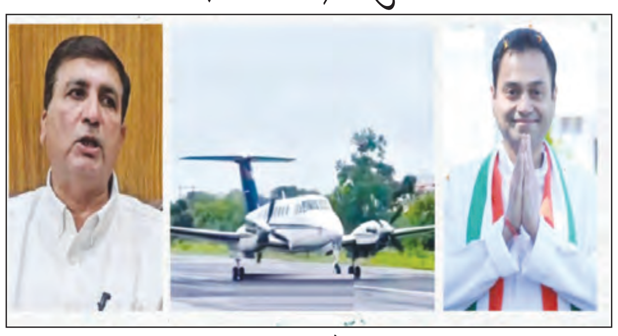

छिंदवाड़ा, 11 अगस्त (एजेंसियां)। छिंदवाड़ा एयर स्ट्रिप पर मंगलवार सुबह बड़ा विमान हादसा टल गया। पूर्व सांसद नकुलनाथ और मध्य प्रदेश कांग्रेस प्रभारी हरीश चौधरी को लेकर भोपाल के लिए उड़ान भरने वाला विमान इंजन में तकनीकी खराबी आने के कारण उड़ान नहीं भर सका। घटना के समय दोनों नेता विमान में सवार थे। जानकारी के अनुसार, नकुलनाथ और हरीश चौधरी को भोपाल में आयोजित कांग्रेस की बैठक में शामिल होना था। दोनों नेता मंगलवार सुबह छिंदवाड़ा एयर स्ट्रिप पहुंचे और विमान में सवार हुए। विमान को उड़ान के लिए तैयार किया गया और इंजन भी चालू हुआ।

इसी दौरान विमान में तकनीकी खराबी सामने आई। विमान रनवे पर ही खड़ा रहा और उड़ान नहीं भर सका। इंजन में खराबी की जानकारी मिलते ही पायलट ने तत्काल विमान को उड़ाने का फैसला रोक दिया। इसके बाद नकुलनाथ और हरीश चौधरी समेत विमान में मौजूद स्टाफ को सुरक्षित नीचे उतार लिया गया।

पायलट की सूझबूझ और समय रहते तकनीकी खराबी का पता चलने से बड़ा हादसा होने से बच गया। विमान के उड़ान भरने के बाद इंजन में खराबी आती तो स्थिति गंभीर हो सकती थी। हालांकि, विमान ने उड़ान भरने से पहले ही समस्या के संकेत दे दिए। विमान में आई तकनीकी खराबी के बाद दोनों नेताओं ने अपनी यात्रा का माध्यम बदल दिया। प्रदेश कांग्रेस प्रभारी हरीश चौधरी सड़क मार्ग से भोपाल के लिए रवाना हुए। वहीं, पूर्व सांसद नकुलनाथ नागपुर के लिए रवाना हो गए। घटना के बाद एयर स्ट्रिप पर विमान की तकनीकी जांच की गई।

## कार पलटकर ट्रक से टकराई, हादसे में चार युवकों की मौके पर ही मौत

पुणे, 11 अगस्त (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के सतारा जिले में मंगलवार तड़के एक कार डिवाइडर से टकराने के बाद पलट गई और फिर दूसरी लेन में जाकर ट्रक से भिड़ गई। हादसे में कार सवार चार युवकों की मौत हो गई, जबकि दो अन्य घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के मुताबिक, हादसा रात करीब 1:10 बजे खंडाला तहसील के शिरवल में पुणे-बंगलूरू राष्ट्रीय राजमार्ग-48 के सतारा-पुणे मार्ग पर हुआ। दुर्घटना के कारण इस व्यस्त मार्ग पर यातायात भी प्रभावित हुआ। हाईवे पुलिस के एक अधिकारी ने बताया, 'एक कार पुणे से सतारा की ओर जा रही थी, तभी चालक ने वाहन पर नियंत्रण खो दिया। कार डिवाइडर से टकराकर पलट गई और इसके बाद दूसरी लेन में चली गई, जहां उसकी ट्रक से टक्कर हो गई।'

# हिमाचल, उत्तराखण्ड जम्मू और लद्दाख में भारी बारिश का अलर्ट जारी

### भूस्खलन और अचानक बाढ़ का खतरा

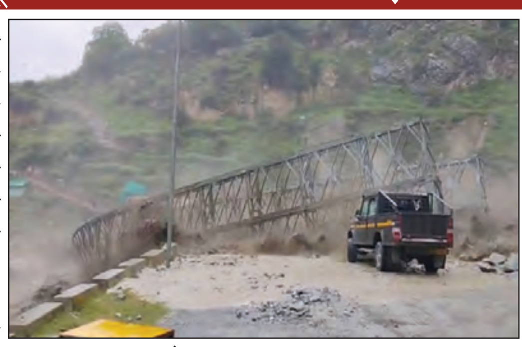

नई दिल्ली, 11 अगस्त (एजेंसियां)। हिमाचल प्रदेश के कई हिस्सों में सोमवार रात से तेज बारिश का दौर जारी है। खासकर जिला कांगड़ा में देर रात हुई भारी बारिश के कारण नदी-नाले उफान पर आ गए हैं। मौसम विभाग ने मंगलवार को कांगड़ा, मंडी और सिरमौर जिले में भारी बारिश को लेकर ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। इन जिलों में कुछ स्थानों पर भारी से बहुत भारी बारिश होने की संभावना जताई गई है।

वहीं ऊना, बिलासपुर, हमीरपुर, चंबा, शिमला और सोलन जिलों के लिए भारी बारिश का यलो अलर्ट जारी किया गया है। मौसम विभाग के अनुसार मंगलवार को कांगड़ा और सिरमौर में कई स्थानों पर भारी से बहुत भारी बारिश हो सकती है। मंडी जिले में भी भारी से बहुत भारी बारिश की संभावना है। इसके अलावा बिलासपुर, हमीरपुर, चंबा, शिमला और सोलन में अलग-अलग स्थानों पर भारी बारिश होने का अनुमान है। भारी बारिश के चलते पहाड़ी और संवेदनशील क्षेत्रों में भूस्खलन तथा मलबा खिसकने का खतरा बढ़ गया है। निचले इलाकों में जलभराव की स्थिति बन सकती है, जबकि नदी-नालों का जलस्तर अचानक बढ़ने की आशंका है। कुछ स्थानों पर अचानक बाढ़ की स्थिति भी पैदा हो सकती है। बारिश के कारण पहाड़ी सड़कों पर फिसलन बढ़ने और कई जगह दृश्यता कम होने से यातायात प्रभावित होने की संभावना है।

मौसम विभाग ने लोगों को भूस्खलन, मलबा खिसकने और अचानक बाढ़ की आशंका वाले संवेदनशील क्षेत्रों में जाने से बचने की सलाह दी है। लोगों से नदी, नालों और अन्य जल निकायों से सुरक्षित दूरी बनाए रखने तथा प्रशासन और यातायात विभाग की ओर से जारी निर्देशों का पालन करने को कहा गया है। मौसम विभाग के पूर्वानुमान के मुताबिक 12 और 13 अगस्त को भी प्रदेश के कई हिस्सों में हल्की से मध्यम बारिश के साथ कुछ स्थानों पर भारी बारिश हो सकती है। इसके बाद 14, 15 और 16 अगस्त को भी हिमाचल के अलग-अलग हिस्सों में भारी बारिश का दौर जारी रहने की संभावना है। लगातार बारिश को देखते हुए प्रशासन और स्थानीय लोगों को सतर्क रहने की जरूरत है।

पहाड़ी क्षेत्रों में अनावश्यक यात्रा से बचने, मौसम की ताजा जानकारी लेते रहने और नदी-नालों के आसपास जाने से परहेज करने की सलाह दी गई है। वहीं उत्तराखंड में भी पहाड़ से मैदान तक बारिश का दौर जारी है। देहरादून और हरिद्वार में भारी बारिश के कारण जनजीवन प्रभावित हुआ है जबकि देहरादून में नदी से सटे दो भवन धराशायी हो गए। वहीं, पर्वतीय क्षेत्रों में जगह-जगह भूस्खलन से यातायात प्रभावित हो रहा है। मौसम विभाग ने मंगलवार भी प्रदेश के कई जिलों में भारी बारिश की संभावना जताते हुए यलो अलर्ट जारी किया है।

# उड़ान भरते ही फटा चीन का लॉन्ग मार्च 7ए रॉकेट, सैटेलाइट भी हुआ नष्ट

बीजिंग, 11 अगस्त (एजेंसियां)। चीन का लॉन्ग मार्च 7ए रॉकेट हैनान के वेनचांग लॉन्च साइट से उड़ान भरने के कुछ ही समय बाद फट गया। इस हादसे में रॉकेट के साथ जा रहा सैटेलाइट भी नष्ट हो गया। चीनी सरकारी मीडिया के अनुसार, रॉकेट में हुए इस विस्फोट की जांच की जा रही है। लॉन्ग मार्च 7ए रॉकेट का यह अब तक का पहला असफल मिशन है। रॉकेट ने अपने पहले चरण की उड़ान वेनचांग से भरी थी। लेकिन उड़ान भरने के करीब 85 सेकंड बाद ऊपर जाने के शुरुआती चरण में इसमें कुछ खराबी दिखाई दी। इस घटना के कारण मिशन विफल हो गया। इससे चीन की लगातार बढ़ रही रॉकेट लॉन्च गतिविधियों को झटका लगा है। लॉन्ग मार्च 7ए एक मध्यम से भारी वजन वाले सैटेलाइट को अंतरिक्ष में ले जाने वाला रॉकेट है। इसे चाइना एकेडमी ऑफ लॉन्च व्हीकल टेक्नोलॉजी ने बनाया है। इसे मुख्य रूप से सैटेलाइट को जियोस्टेशनरी ट्रांसफर ऑर्बिट यानी जीटीओ तक पहुंचाने के लिए बनाया गया है। यह चीन के रॉकेटों के परिवार का एक अहम हिस्सा है।

सीजेड-7ए, लॉन्ग मार्च 7 से बनाया गया है। इसमें लिक्विड-फ्यूल इंजन वाला एक मुख्य हिस्सा और उसके साथ बूस्टर लगे हैं। इसका डिजाइन चीन को

ज्यादा भारी पेलोड को पृथ्वी से ज्यादा ऊंचाई की अंतरिक्ष कक्षाओं तक पहुंचाने में मदद करता है। रॉकेट में विस्फोट क्यों हुआ, इसका कारण अभी स्पष्ट नहीं चला है। जांचकर्ता रॉकेट से मिले टेलीमेट्री और दूसरे डेटा का विश्लेषण करेंगे। इसका मकसद यह पता लगाना है कि पहले चरण में रॉकेट के ऊपर जाने के दौरान आखिर क्या गड़बड़ी हुई।उड़ान का शुरुआती चरण अहम होता है। इस दौरान रॉकेट पर हवा का दबाव तेजी से बदलता है। रॉकेट में तेज कंपन होता है। साथ ही, उसे जमीन से उड़ान भरने के बाद वातावरण में बहुत तेज गति से आगे बढ़ने के कठिन बदलाव से गुजरना पड़ता है। चीन ने हाल के वर्षों में रॉकेट लॉन्च करने की रफ्तार काफी बढ़ाई है। लॉन्ग मार्च रॉकेटों का परिवार उसके ऑर्बिटल कार्यक्रम की रीढ़ बना हुआ है। वेनचांग भी चीन के कुछ सबसे शक्तिशाली रॉकेटों और भविष्य के अंतरिक्ष अभियानों के लिए एक बड़ा लॉन्च सेंटर बन गया है।

इस असफलता के बावजूद चीन के बड़े अंतरिक्ष लॉन्च कार्यक्रम में कोई बुनियादी बदलाव होने की संभावना कम है। हालांकि, अंतरिक्ष उद्योग इस जांच पर करीब से नजर रखेगा। इंजीनियर यह पता लगाने की कोशिश करेंगे कि खराबी की वजह क्या थी और भविष्य के सीजेड-7ए मिशनों में ऐसी घटना दोबारा न हो।

# 'चीन से सीखो', भारतीय सेना से रिटायर्ड लेफ्टिनेंट जनरल डीपी पांडे ने कहा

नई दिल्ली, 11 अगस्त (एजेंसियां)। भारतीय सेना के लेफ्टिनेंट जनरल देवेंद्र प्रताप पांडे (सेवानिवृत) ने चीन से सीखने की बात कही है। उन्होंने अपने सोशल मीडिया अकाउंट से पोस्ट करते हुए लिखा है कि भारत को पश्चिमी शिक्षा प्रणाली की नकल करने की जरूरत नहीं है। लेफ्टिनेंट जनरल ने इसके नुकसान के बारे में भी बताया है।

अगर हम अपनी सभ्यता-आधारित शिक्षा प्रणाली से इसलिए नफरत करना चाहते हैं, क्योंकि उसमें धार्मिक विचारधारा के शामिल होने का डर है, तो पश्चिमी शिक्षा प्रणाली की नकल करने से बचना ही बेहतर है। और चीन से सीखना चाहिए।

**लैटिन अमेरिका-चीन की तुलना**

दरअसल, लेफ्टिनेंट जनरल डीपी पांडे (सेवानिवृत) ने पश्चिमी सभ्यता को हद से ज्यादा अपनाने के जोखिम भी गिनाए हैं। लेफ्टिनेंट जनरल डीपी पांडे ने एक सोशल मीडिया पोस्ट को शेयर करते हुए यह बात कही है। जिस पोस्ट को उन्होंने शेयर किया है, उसमें लिखा है कि पहला स्कूल लैटिन अमेरिका में है। दूसरा, यानी आखिर वाला, चीन का स्कूल है। शिक्षा से बहुत कुछ पता चलता है। भले ही इससे सब कुछ पता न चले।

शिक्षा के मुद्दे पर हुआ आंदोलन लेफ्टिनेंट जनरल डीपी पांडे ने शिक्षा को लेकर यह पोस्ट ऐसे समय की है, जब हाल ही में नीट पेपर लीक के मुद्दे को लेकर देश की राजधानी दिल्ली में कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) का बड़ा आंदोलन हुआ। विरोध-प्रदर्शन का परिणाम यह हुआ कि भारत के शिक्षा मंत्री रहे धर्मेंद्र प्रधान को अपने पद से इस्तीफा देना पड़ा। प्रदर्शन के दौरान हजारों छात्र दिल्ली के जंतर-मंतर पर इकट्ठा हुए थे और उन्होंने 20 जुलाई को संसद का घेराव भी किया था। प्रसिद्ध सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक भी छात्रों के प्रदर्शन का हिस्सा थे। उन्होंने पूरे 26 दिनों तक भूख हड़ताल की थी।

## सिर पर समाजवादी टोपी और हाथों में लाल छाता

### संसद में दिखी डिंपल यादव और जया बच्चन की जबरदस्त केमिस्ट्री

नई दिल्ली, 11 अगस्त (एजेंसियां)। संसद का मॉनसून सत्र जारी है। लोकसभा और राज्यसभा दोनों में ही सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच जमकर बहस देखने को मिल रही है। हंगामे के कारण सदन की कार्यवाही सही तरह से नहीं चल पा रही है। इस बीच संसद परिसर में समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव की पत्नी और सांसद डिंपल यादव की सपा की ही सांसद जया बच्चन के साथ जबरदस्त केमिस्ट्री नजर आई है। दोनों संसद परिसर में एक ही छाते के नीचे प्रेस फोटोग्राफर को पोज देती नजर आई हैं।

वीडियो में नजर आ रहा है कि डिंपल यादव और जया बच्चन एक साथ संसद भवन से पैदल बाहर निकलती हैं। संसद परिसर में ही दोनों बारिश के बीच लाल रंग के छाते से खुद को बचाने की कोशिश करती हैं। छाता डिंपल यादव के हाथ में नजर आता है। संसद परिसर में संसद भवन के बाहर जया बच्चन सुर्ख लाल रंग की साड़ी पहनी दिखीं। उनके सिर पर समाजवादी टोपी लगी हुई थी। वहीं, डिंपल यादव काले रंग की साड़ी में नजर आईं। डिंपल के हाथ में लाल रंग का एक छाता था, जिसकी मदद से जया और डिंपल दोनों खुद को बारिश से बचा रही थीं। संसद भवन के बाहर ही एक मजेदार वाकया भी सामने आया। जिस समय दोनों संसद भवन से निकलकर संसद परिसर में जा रही थीं, उस समय ही एक प्रेस रिपोर्टर ने रिपोर्टिंग शुरू कर दी। इस दौरान पत्रकार ने कहा कि वह इस समय संसद परिसर में है और उनके साथ डिंपल यादव हैं। इसी दौरान रिपोर्टर को मजाकिया लहजे में टोकते हुए जया बच्चन ने कहा कि नहीं वो (डिंपल यादव) आपके साथ नहीं हैं।

# 'इन्हें झूठ फैलाकर घड़ियाली आंसू बहाना है'

### धर्मेंद्र प्रधान ने राहुल गांधी पर साधा निशाना

नई दिल्ली, 11 अगस्त (एजेंसियां)। भाजपा सांसद और पूर्व केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर निशाना साधा है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट कर उन्होंने लिखा, छात्रों के हितों को लेकर कांग्रेस लगातार झूठ फैला रही है। राहुल गांधी के पास तथ्य नहीं है। आदतन झूठ बोलने वाले नेता प्रतिपक्ष को न संसद में आना है और न जवाब सुनना है। इन्हें तो बस अपना झूठ फैलाकर घड़ियाली आंसू बहाना है।

धर्मेंद्र प्रधान ने 'एक्स' पोस्ट में आगे लिखा, ₹गृहमंत्री अमित शाह पर बेवजह बिना किसी तथ्य के झूठे आरोप लगाना राहुल गांधी और कांग्रेस की राजनीतिक हताशा को दिखाता है। सरकार हर मुद्दे पर संसद में चर्चा के लिए तैयार है, मगर कांग्रेस लोकतंत्र के मंदिर 'संसद भवन' को बाधित कर देश और युवाओं के हितों को कुचलने का काम कर रही है, क्योंकि इनकी मंशा देशहित नहीं, स्वयं के हितों को पहले प्राथमिकता देने की है। जब सदन में चर्चा होती है तो ये लोग बाहर हंगामा करते हैं, क्योंकि सदन में जवाब सुनने की इतनी क्षमता नहीं है। धर्मेंद्र प्रधान ने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा, कांग्रेस का लोकतंत्र भी 'सेलेक्टिव' है, जहां अपनी सरकार हो, वहां युवाओं पर हिंसा और जहां राजनीति चमकानी हो, वहां झूठ और हंगामा। झारखंड में छात्रों के साथ जो बर्बरता हुई है, उसे पूरे देश ने देखा है। लेकिन, सवाल ये है कि हर मुद्दे पर प्रेस कॉन्फ्रेंस करने वाले राहुल गांधी आज चुप्पी क्यों साधे हुए हैं? देश का युवा कांग्रेस के इस दोहरे चरित्र को अच्छी तरह समझ चुका है। लोकतंत्र में तानाशाही के लिए कोई जगह नहीं, ये राहुल गांधी और आपातकाल वाली सोच से चलने वाली कांग्रेस पार्टी को अच्छी तरह समझ लेना चाहिए। हाल ही में धर्मेंद्र प्रधान ने 9 अगस्त को संबलपुर के गंगाधर मेहर विश्वविद्यालय में आयोजित एक कार्यक्रम में बोलते हुए कहा था, मेरा मानना है कि कुछ लोगों ने हमारे जेन-जी को गुमराह करने की कोशिश की। उन्होंने कहा था, मंत्री के तौर पर उनके लिए यह प्रतिष्ठा का सवाल नहीं था। उन्होंने कहा कि देश के करीब 20 करोड़ जेन-जी ही वो ताकत हैं जो भारत को 'विश्वगुरु' बनाने में मदद करेंगे।

स्वतंत्र वार्ता

बुधवार, 12 अगस्त - 2026

# बागी संग्राम सिंह की शहादत आज भी रहस्य है

सुरेश गांधी

इतिहास के विशाल आकाश में कुछ नक्षत्र ऐसे होते हैं, जो राजसिंहासनों की चमक से नहीं, अपने आत्मबल की दीप्ति से पहचाने जाते हैं। जौनपुर के नेवढ़िया गांव के बागी संग्राम सिंह ऐसा ही एक नक्षत्र हैं। वे किसी साम्राज्य के सेनापति नहीं थे, परंतु उनके नाम से अंग्रेजी सत्ता कांपती थी। वे किसी दरबार के गौरव नहीं थे, किंतु पूर्वांचल की लोकस्मृति ने उन्हें अपने हृदय का सबसे उज्ज्वल स्थान दिया। उनका जीवन एक ऐसी कथा है, जिसमें मिट्टी की गंध है, स्वाभिमान की आग है और स्वतंत्रता की वह तड़प है जो मनुष्य को साधारण से असाधारण बना देती है। संग्राम सिंह का जन्म वर्ष 1822 में एक समृद्ध जमींदार परिवार में हुआ। नेवढ़िया का उनका कोट दूर-दूर तक प्रसिद्ध था। विशाल हवेली, खेत, तालाब और प्रतिष्ठा-जीवन में किसी अभाव का नाम न था। परंतु नियति ने उन्हें वैभव का उत्तराधिकारी नहीं, प्रतिरोध का प्रहरी बनाया था। कहते हैं कि वे बारह वर्ष के थे जब उन्होंने अंग्रेज सिपाहियों को एक महिला का अपमान करते देखा। बालक के भीतर जैसे बिजली कौंध गई। उसने निर्भीक होकर गोरे सिपाही का प्रतिकार किया। उस दिन नेवढ़िया की मिट्टी ने एक बागी को जन्म लेते देखा। धीरे-धीरे संग्राम सिंह गांवों की चौपालों का प्रिय नाम बन गए। वे किसानों के दुख सुनते, युवाओं में आत्मसम्मान जगाते और लोगों को बताते कि पराधीनता केवल शासन नहीं, आत्मा की बेड़ियां होती हैं। उनका व्यक्तित्व तलवार से अधिक विश्वास का था। लोग उन्हें अपना समझते थे और यही विश्वास आगे चलकर उनकी सबसे बड़ी शक्ति बना। फिर आया 1857-भारतीय इतिहास का वह उषाकाल, जब गुलामी के अंधकार को चीरती स्वतंत्रता की पहली विराट पुकार सुनाई दी। बनारस से विद्रोह की खबर जौनपुर पहुंची तो पूर्वांचल

की हवा बदल गई। खेतों की मेड़ों, आम के बागों और गांवों की पगडंडियों पर एक अनकहा संकल्प फैल गया। संग्राम सिंह ने अपने साथियों जयलाल तिवारी, जुगुल तिवारी, लखपति गिरी, हाथीराम और अनेक ग्रामीण युवकों के साथ अंग्रेजी सत्ता के विरुद्ध खुला मोर्चा खोल दिया। वे बिजली की तरह आते और तूफान की तरह लौट जाते। अंग्रेजी चौकियां असुरक्षित हो उठीं। प्रशासनिक गतिविधियां बाधित होने लगीं। राजस्व व्यवस्था चरमराने लगी। परंतु संग्राम सिंह की सबसे बड़ी विजय यह थी कि उन्होंने लोगों के मन से भय को हटाना शुरू कर दिया था। वे कहा करते थे-"कोई अंग्रेज मुझे गिरफ्तार नहीं कर सकता।" यह वाक्य केवल चुनौती नहीं था; यह उस मानसिक स्वतंत्रता की उद्घोषणा थी, जो किसी भी क्रांति की आत्मा होती है। अंग्रेजों ने उन्हें पकड़ने के लिए अनेक प्रयास किए। मुखबिर लगाए गए, गांवों की घेराबंदी हुई, जंगलों की तलाशी ली गई, परंतु वे हर बार बच निकले। लोककथाएं कहती हैं कि वे कभी साधु बनकर निकल जाते, कभी किसान का वेश धारण कर लेते, तो कभी रात के अंधेरे में गांव से गांव पहुंच जाते। अंग्रेजों के लिए वे एक व्यक्ति नहीं, एक छाया बन गए थे। उस समय जौनपुर केवल एक जिला नहीं था; वह प्रतिरोध की धरती बन चुका था। माता बादल चौहान ने अंग्रेजों का सामना करते हुए प्राण न्योछावर कर दिए। बदलापुर के बाबू सल्तनत बहादुर सिंह ने विद्रोह का बिगुल फूंका। हौज गांव के वीरों ने अंग्रेजी टुकड़ी पर घात लगाकर हमला किया और फांसी का वरण किया। इस समूचे वातावरण में संग्राम सिंह एक ऐसे दीपक की तरह थे, जिसकी लौ अनेक दिशाओं में प्रकाश फैला रही थी। नेवढ़िया का उनका तालाब आज भी मौन होकर इतिहास सुनाता है। विजयदशमी पर उनके कोट पर लगने वाला मेला केवल उत्सव नहीं था; वह लोकस्मृति का पर्व था। ग्रामीण वहां इकट्ठा होकर उस बागी को याद करते थे जिसने अंग्रेजी सत्ता की आंखों में आंखें डालकर बात की थी।परंतु उनके जीवन का सबसे रहस्यमय अध्याय उनकी शहादत है। उनका जन्म सब जानते हैं, किंतु मृत्यु कब हुई, कहां हुई-यह कोई निश्चित रूप से नहीं बता सका। कुछ लोग कहते हैं कि वे अंतिम समय तक संघर्ष करते रहे। कुछ मानते हैं कि अंग्रेजों ने उनकी मृत्यु की सूचना छिपा दी ताकि जनता में विद्रोह की नई आग न भड़क उठे। इतिहास मौन है, किंतु लोकस्मृति कहती है कि जो व्यक्ति अंग्रेजों की गिरफ्त में नहीं आया, उसकी मृत्यु भी उनकी पकड़ से बाहर रही। यही रहस्य उन्हें अमर बना देता है।विडंबना यह है कि जिन वीरों ने स्वतंत्रता की नींव अपने रक्त से सींची, वे अक्सर इतिहास की मोटी पुस्तकों में नहीं मिलते। संग्राम सिंह का नाम भी लंबे समय तक लोककथाओं, बुजुर्गों की स्मृतियों और गांवों की चौपालों में जीवित रहा। लेखक श्रीनाथ द्विवेदी ने उनके जीवन पर लिखकर इस स्मृति को शब्द दिए, किंतु अभी भी बहुत कुछ अनकहा है। आज जब देश स्वतंत्रता का अमृतकाल मना रहा है, तब यह प्रश्न हमारे सामने खड़ा है कि क्या हमने अपने स्थानीय नायकों को उनका उचित सम्मान दिया है? नेवढ़िया में एक भव्य स्मारक क्यों नहीं है? विद्यालयों में उनके जीवन पर पाठ क्यों नहीं पढ़ाया जाता? नई पीढ़ी को यह कौन बताएगा कि स्वतंत्रता केवल दिल्ली की देन नहीं, गांवों की भी तपस्या है?बागी संग्राम सिंह का महत्व केवल ऐतिहासिक नहीं, सांस्कृतिक भी है।

वे पूर्वांचल की उस आत्मा के प्रतीक हैं जो अन्याय के सामने झुकना नहीं जानती। उनकी कथा हमें सिखाती है कि मनुष्य की सबसे बड़ी शक्ति उसका स्वाभिमान है। सत्ता तलवार से जीत सकती है, परंतु आत्मा को नहीं जीत सकती। जौनपुर की सांझ में जब खेतों से लौटते किसान चौपाल पर बैठते हैं, तो कभी-कभी बागी संग्राम सिंह का नाम अब भी हवा में तैर जाता है। लगता है जैसे इतिहास की धूल हटाकर कोई पुरखा कह रहा हो-"स्वतंत्रता केवल एक दिन का उत्सव नहीं, बल्कि हर पीढ़ी का जागरण है।" और सच यही है। बागी संग्राम सिंह आज भी जीवित हैं-नेवढ़िया के तालाब में झिलमिलाती धूप में, गांव की पगडंडियों पर उड़ती धूल में, लोकगीतों की धुन में और उस हर भारतीय के हृदय में जो अन्याय के विरुद्ध खड़े होने का साहस रखता है।

## झारखंड के छात्रों का आक्रोश

झारखंड में छात्र आंदोलन का तेज होना केवल प्रशासनिक चुनौती नहीं, बल्कि उस व्यवस्था पर गंभीर सवाल है, जिसमें युवाओं की उम्मीदें बार-बार परीक्षा, नियुक्ति और रोजगार की अनिश्चितता से टकराती हैं। छात्र विधानसभा तक अपनी आवाज पहुंचाने की कोशिश करें और उन्हें रोकने के लिए पुलिस को पानी की बौछारों का सहारा लेना पड़े, तो सरकार को यह समझना होगा कि असंतोष की जड़ केवल सड़क पर नहीं, व्यवस्था के भीतर है। छात्रों की आवाज दबाने के बजाय उनकी बेचैनी का कारण समझना ज्यादा जरूरी है। सरकार का कहना है कि छात्रों की करीब 98 प्रतिशत मांगें मान ली गई हैं, लेकिन छात्र बाकी मांगों को लेकर अब भी संतुष्ट नहीं हैं। इनमें परीक्षा से जुड़ी शिकायतें और कुछ परीक्षाओं को रद्द करने की मांग भी शामिल है। यही वह बिंदु है जहां सरकार और छात्रों के बीच संवाद सबसे महत्वपूर्ण हो जाता है। रविवार को हुई लंबी बातचीत में यदि समाधान की राह निकल सकती, तो उसे आगे बढ़ाने में कोई हिचक नहीं होनी चाहिए थी। लोकतंत्र में आंदोलन अधिकार है, लेकिन संवाद समाधान का सबसे प्रभावी रास्ता है। परीक्षाओं को रद्द करने की मांग को भी सरकार को गंभीरता से देखना होगा। यदि परीक्षा में गड़बड़ी, अनियमितता या किसी प्रकार की अव्यवस्था के आरोप हैं तो उनकी निष्पक्ष जांच जरूरी है। युवाओं ने वर्षों मेहनत की है और उनके लिए प्रतियोगी परीक्षा केवल एक परीक्षा नहीं, बल्कि नौकरी और भविष्य की उम्मीद होती है। इसलिए परीक्षा व्यवस्था में पारदर्शिता और विश्वसनीयता सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। जहां गलती या अनियमितता साबित हो, वहां दोषियों पर कार्रवाई हो; लेकिन बिना ठोस आधार के पूरी प्रक्रिया को अनिश्चितता में डालना भी उचित नहीं। यह संकट केवल झारखंड तक सीमित नहीं है। देश के दूसरे राज्यों में भी प्रतियोगी परीक्षाओं, नियुक्तियों में देरी और रोजगार के सीमित अवसरों को लेकर युवाओं में निराशा बढ़ रही है। अनुमान के मुताबिक केंद्र और राज्य सरकारों में करीब 40 लाख पद खाली हैं। शिक्षा, पुलिस, सेना और प्रशासनिक सेवाओं में समय पर भर्ती हो तो लाखों युवाओं को रोजगार मिल सकता है। भर्ती प्रक्रिया शुरू करना ही पर्याप्त नहीं; परीक्षा, परिणाम, नियुक्ति और ज्वाइनिंग तक पूरी प्रक्रिया समयबद्ध होनी चाहिए। सरकारों को यह भी समझना होगा कि युवाओं की बढ़ती संख्या के साथ रोजगार के अवसर भी बढ़ाने होंगे। केवल आर्थिक सहायता या मुफ्त योजनाएं लंबे समय तक रोजगार की कमी से पैदा निराशा दूर नहीं कर सकतीं। निजी क्षेत्र में अवसर बढ़ाने के साथ सरकारी रिक्त पदों को भरना भी जरूरी है। भर्ती कैलेंडर, समयबद्ध परीक्षाएं और पारदर्शी परिणाम युवाओं के भरोसे को मजबूत कर सकते हैं। झारखंड सरकार चाहे तो इस आंदोलन को टकराव की मिसाल बनने से रोककर संवाद और सुधार की मिसाल बना सकती है। छात्रों के प्रतिनिधियों से नियमित बातचीत, मांगों पर स्पष्ट रोडमैप और परीक्षा व्यवस्था की निष्पक्ष जांच इसका रास्ता हो सकते हैं। छात्रों को भी आंदोलन को शांतिपूर्ण और लोकतांत्रिक बनाए रखना होगा। आखिरकार सड़क पर उठी आवाज तब ही वास्तविक सफलता बनेगी, जब वह व्यवस्था में सुधार तक पहुंचे। झारखंड के युवाओं को सिर्फ आश्वासन नहीं, अपने भविष्य पर भरोसा चाहिए। यह भरोसा कायम करना अब सरकार की सबसे बड़ी जिम्मेदारी बन गई है।

## कौडियों के भाव खरीदी जा रही है जमीन

पुरुषोत्तम भदौरिया

मध्य प्रदेश सरकार के मंत्री और अधिकारी सरकारी जमीनें और किसानों को डराकर उनकी जमीनें सस्ते में खरीद रहे हैं यह जमीनें बाजार कीमत से कम कीमत में खरीदी जा रही है इस कारोबार में प्रदेश के मुखिया के परिजन भी लगे हैं। म प्र के पूर्व मुख्यमंत्री से लेकर वर्तमान मुख्यमंत्री ने अपने क्षेत्र में सैकड़ों एकड़ जमीनें अपने परिजनों नजदीकी रिश्तेदारों तथा विश्वसनीय कर्मचारियों के नाम खरीद ली है। इन जमीनों की रजिस्ट्री मूल कीमत में न कराकर कम कीमत दिखाकर की गई है जिससे सरकार को करोड़ों रुपए के राजस्व की हानि हुई है। सूत्र बताते हैं यह कारोबार इंदौर में एक अपनी विशेष कार्यशैली से पहचान रखने वाले और एक पूर्व महिला मंत्री ने पचीस एकड़ से अधिक की महत्वपूर्ण जमीन औने-पौने में नियम कायदे कानून ताक पर रखकर खरीदी है। सागर जिला और आसपास पास भी यह गोरखधंधा पिछले कुछ वर्षों से चल रहा है। ग्वालियर के एक प्रभावशाली नेता ने मुरैना मार्ग में पचास एकड़ से अधिक जमीन फर्जी तरीके से अपने चहेतों के नाम करवा ली है।

इसके अलावा नेता जी ने वन विभाग की विवादास्पद जमीन जिसका प्रकरण न्यायालय में चल रहा था सरकारी वकील को मैनेज किया और फैसला कराकर उस कैंसर पहाड़ी के नीचे स्थित जमीन को खरीद लिया। इसी तरह ग्वालियर के एक पूर्व मंत्री ने ग्वालियर आगरा हाईवे के पास सैकड़ों एकड़ जमीन कम कीमत में खरीदी थी कमोवेश इसी तरह भिंड के पूर्व मंत्री ने ग्वालियर रियासत के पूर्व सरदार की भिंड जिले के लहचूरा गांव की हजार बीघा से अधिक कृषि भूमि अपने परिजनों और रिस्तेदारो के नाम करा ली। इस जमीन के कब्जे के दौरान चली गोली से एक युवक की मौत भी हो गई थी।

इस जमीन पर खरीददारों का कब्जा कराने भिंड जिले के तात्कालिक कलेक्टर ने भूमिका निभाई थी। जमीन और महत्व पूर्ण स्थानों पर स्थिति मकानों को जबरदस्ती खरीदने का कार्य भी इदौर उज्जैन और भोपाल तथा आसपास के जिलों में धडल्ले से चल रहा है। इस कारोबार को करने वाले मुख्यमंत्री पूर्व मुख्यमंत्री और मंत्री के परिजन या कृपा पात्र दिन-रात इसी काम में जुटे हैं। हद तो तब हो जाती है जब पीड़ितों की सुनने की बजाय पुलिस उन्हें डपट कतर थाने से भगा देती है।पुलिस भी पीडितों का सहयोग करने से कतराती है। इंदौर उज्जैन में जो जमीन और मकान या दुकान असरदार लोगों को अच्छी लगी तो असर दार व्यक्ति जमीन दुकान या मकान मालिक को किसी जगह बुला लेते हैं और उसका मोबाइल छीन लेते हैं बंधक तक बना लेते हैं। अच्छा खाना और रहने की सुविधा देते हैं लेकिन संपत्ति की रजिस्ट्री कराए बिना उन्हें उनके घर नहीं जाने देते हैं। इसी तरह का कारोबार लालू सरकार के दौरान बिहार में और अखिलेश यादव की सरकार में उत्तर प्रदेश में फला-फूला करता था।

वहीं कारोबार अब मप्र में सरकार की कृपा से जड़ें जमा चुका है। यह स्थिति तब है जब प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी नारा देते हैं न खाऊंगा न खाने दूगा। स्थिति यह कि व्यवसायी घर से निकलने से डरने लगे हैं। सूत्र बताते हैं लूट के इस कारोबार में राजनीतिक व्यक्ति के अलावा ब्यूरोक्रेट भी शामिल हैं। इस धंधे में सब मिलकर एक साथ काम करते हैं। शासकीय जमीनों के अलावा विवादास्पद जमीनो के विवाद सुलझाकर उनको विश्वसनीय कर्मचारियों के नाम खरीदकर बांट रहे हैं। सूत्र बताते हैं नगर निगम के पूर्व आयुक्त मुक्तेश कुमार वार्ष्णेय ने करीब बीस करोड़ की अवैध संपत्ति कर्मचारी के नाम खरीदी थी जब मुक्तेश मरणासन्न स्थिति में थे तब वह कर्मचारी मुक्तेश कुमार के पास सम्पत्ति अपने नाम कराने के लिए गया तो उन्होंने कहा वह सम्पत्ति मेरे किस काम की है और दोनों बेटियों ने बाद में आने की कहकर कर्मचारी को वापस भेज दिया। इसी तरह की ब्यूरोक्रेट की अनामी सम्पत्ति ग्वालियर में है। देश के सामाजिक कार्यकर्ता और राजनैतिक विश्लेषक योगेन्द्र यादव ने एक साक्षात्कार में मप्र के मुख्यमंत्री और उनके परिजनों पर अवैध तरीके से महत्वपूर्ण जमीनें और अन्य संपत्तियां बाहुबल से कम कीमत में खरीदने का आरोप लगाया है।

## छात्र आंदोलनों में दोहरा मापदंड क्यों?

महेन्द्र तिवारी

राजधानी दिल्ली के जंतर मंतर पर जब देश भर के छात्रों की आवाज गूंज रही थी, तब पूरे भारत में शिक्षा व्यवस्था की खामियों, परीक्षा प्रणाली की पारदर्शिता और कथित रूप से प्रश्नपत्र के अवैध तरीके से सार्वजनिक होने को लेकर एक बड़ी बहस छिड़ गई थी। उस समय दिल्ली में चले उस आंदोलन ने बहुत जल्द राष्ट्रीय विमर्श का रूप ले लिया था। सत्ता के गलियारों से सीधे और तीखे सवाल पूछे गए, शिक्षा व्यवस्था की पूरी जवाबदेही तय करने की मांग उठी और देश के भविष्य को लेकर बड़े और आदर्शवादी बयान सामने आए। उस आंदोलन के समर्थन में देश के कई नामी, प्रतिष्ठित और प्रभावशाली चेहरे भी दिखाई दिए, जिन्होंने छात्रों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़े होने का दावा किया। समाचार पत्रों के मुख्य पृष्ठों से लेकर हर वैचारिक मंच पर केवल युवाओं के अधिकारों की बात हो रही थी। ऐसा प्रतीत हो रहा था मानो पूरा देश छात्रों के दर्द को अपना दर्द मान चुका है।

लेकिन आज जब वही सवाल, वैसी ही विसंगतियां और वैसा ही दर्द रांची की सड़कों पर खुले आसमान के नीचे खड़ा है, तो वह राष्ट्रीय आक्रोश कहीं खोया हुआ सा लगता है। झारखंड की राजधानी रांची में राज्य लोक सेवा आयोग और राज्य कर्मचारी चयन आयोग की परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं के खिलाफ छात्र बहुत लंबे समय से कड़ाके की ठंड और तमाम प्रशासनिक दुश्वारियों के बीच लगातार आंदोलन कर रहे हैं। उनका यह संघर्ष 17 दिनों का लंबा सफर तय कर चुका है। राज्य सरकार के प्रतिनिधियों और छात्रों के बीच बातचीत के कई दौर भी आयोजित हुए हैं, लेकिन विवाद पूरी तरह से समाप्त नहीं हो सका है और छात्रों का गहरा असंतोष जस का तस बना हुआ है। झारखंड जैसे राज्य में जहां अधिकतर छात्र ग्रामीण और अत्यंत सामान्य पृष्ठभूमि से आते हैं, उनके लिए सरकारी नौकरी केवल रोजगार नहीं बल्कि पूरे परिवार के सामाजिक और आर्थिक उत्थान का एकमात्र साधन होती है।

ऐसे गंभीर समय में यह सवाल उठना पूरी तरह से स्वाभाविक है कि राजधानी दिल्ली में छात्रों के साथ हुए अन्याय पर अपनी आवाज बुलंद करने वाले वे तमाम नामी लोग और विचारक अब कहां छिपे हैं? क्या किसी छात्र की पीड़ा और उसका दर्द दिल्ली की सीमा समाप्त होते ही अचानक से कम हो जाता है? क्या परीक्षा प्रक्रिया की शुचिता का सवाल केवल देश की राजधानी में ही अधिक महत्वपूर्ण होता है और रांची या किसी अन्य प्रांतीय शहर तक पहुंचते ही उसका महत्व पूरी तरह से शून्य हो जाता है? यह एक ऐसा कड़वा विरोधाभास है जो हमारी बौद्धिक और सामाजिक चेतना पर एक बहुत बड़ा प्रश्नचिह्न लगाता है। प्रसिद्ध अभिनेता पीयूष मिश्रा ने रांची पहुंचकर इस पूरी बहस को एक नई और अत्यंत तीखी धार दे दी है। उन्होंने रांची में आंदोलन कर रहे छात्रों के बीच जाकर न केवल उनका खुला समर्थन किया, बल्कि दिग्गज अभिनेता नसीरुद्दीन शाह की एक पुरानी टिप्पणी के संदर्भ में बहुत ही तीखा कटाक्ष भी किया।

अभिनेता की भाषा, उनके तेवर और उनके शब्दों के चयन पर अलग से एक लंबी बहस हो सकती है और शायद एक स्वस्थ व लोकतांत्रिक समाज में यह बहस होनी भी चाहिए। लेकिन उन्होंने जिस मूल सवाल को पूरे देश के सामने लाकर खड़ा कर दिया है, उसे किसी भी स्थिति में नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। अब यह सवाल केवल इस बात तक सीमित नहीं रह गया है कि कौन सा अभिनेता या कौन सा प्रसिद्ध चेहरा किस वैचारिक गुट के साथ खड़ा है। असल और सबसे बड़ा सवाल यह है कि क्या देश में छात्र आंदोलन भी अब केवल किसी राजनीतिक सुविधा का विषय बन गए हैं? क्या अब केवल यह देखा जाएगा कि सत्ता के सिंहासन पर कौन बैठा है और उसी के आधार पर यह तय होगा कि किस राज्य के छात्र के लिए आंसू बहाने हैं और किस राज्य के छात्र को उसके हाल पर बेसहारा छोड़ देना है?

जब दिल्ली में आंदोलन सत्ता के शीर्ष केंद्र के ठीक सामने हो रहा था, तब उसकी गूंज राष्ट्रीय समाचार माध्यमों तक बहुत आसानी से और तेज गति से पहुंच गई थी। हर तरफ निरंतर चर्चा हो रही थी। लेकिन हमें यह बिल्कुल नहीं भूलना चाहिए कि रांची के छात्र भी इसी देश के उतने ही महत्वपूर्ण नागरिक हैं। वे भी अपने जीवन के कई बहुमूल्य वर्ष छोटी छोटी कोठरियों में बंद रहकर पढ़ाई करते हुए गुजारते हैं। वे भी प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी में अपना खून पसीना एक करते हैं। उनके माता पिता भी अपनी गाढ़ी कमाई का एक एक पैसा, और कई बार तो कर्ज लेकर भी, अपने बच्चों के भविष्य को संवारने में लगाते हैं। यदि उन्हें अपनी परीक्षा प्रक्रिया में किसी भी प्रकार की अनियमितता, भ्रष्टाचार, पक्षपात या धांधली दिखाई देती है, तो उनके सवालों का और उनके आक्रोश का महत्व दिल्ली के छात्रों के आक्रोश से एक प्रतिशत भी कम कैसे आंका जा सकता है? अन्याय का पैमाना भौगोलिक स्थान के आधार पर नहीं बदला जा सकता। यहां दिल्ली के आंदोलन का नेतृत्व करने वाले संगठन और उसके संयोजक अभिजीत दिपके को लेकर भी कई सामाजिक मंचों पर सवाल उठाए जा रहे हैं। कुछ आलोचकों का कहना है कि वे रांची के मुद्दे पर मौन साधे हुए हैं। लेकिन उपलब्ध ताजा सूचनाएं और जमीनी तथ्य स्पष्ट रूप से बताते हैं कि वे पूरी तरह से चुप नहीं बैठे हैं। उन्होंने रांची के छात्रों के समर्थन में सार्वजनिक रूप से अपनी एकजुटता जताई है और उनके संगठन का एक प्रतिनिधिमंडल भी स्थिति का जायजा लेने तथा समर्थन देने के लिए रांची पहुंच चुका है। इसलिए बिना पूरे तथ्य जाने केवल यह कह देना कि वे पूरी तरह से गायब हो गए हैं या उन्होंने इस प्रांतीय मुद्दे से अपनी आंखें मूंद ली हैं, पूरी तरह से न्यायसंगत नहीं होगा। फिर भी एक बहुत बड़ा और समाज को चुभने वाला प्रश्न हमारे सामने खड़ा रहता है। दिल्ली के आंदोलन में जिस आक्रामकता, व्यापक दृश्यता और राष्ट्रीय स्तर की लामबंदी का अभूतपूर्व प्रदर्शन देखने को मिला था, क्या वही ऊर्जा और वही उत्साह रांची के छात्रों के लिए भी दिखाई दे रहा है?

यदि इसका उत्तर नहीं है, तो हमें रुककर इसके मूल कारणों पर बहुत गहराई से विचार करना होगा। यहीं से यह सवाल भी जन्म लेता है कि क्या दिल्ली का वह चर्चित आंदोलन किसी विशेष राजनीतिक उद्देश्य से प्रेरित था या क्या यह कोई षड्यंत्र था? लेकिन किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था में षड्यंत्र का आरोप हमेशा ठोस प्रमाण मांगता है। केवल किसी आंदोलन की तीव्रता में अंतर होने या किसी प्रसिद्ध चेहरे की अनुपस्थिति को सीधे तौर पर किसी बड़े षड्यंत्र का अकाट्य प्रमाण मान लेना सर्वथा अनुचित होगा। लोकतांत्रिक विमर्श में किसी की नीयत पर संदेह अवश्य किया जा सकता है, व्यवस्था से कड़े सवाल भी पूछे जा सकते हैं, लेकिन अंतिम निष्कर्ष हमेशा तथ्यों और ठोस सबूतों के आधार पर ही निकाला जाना चाहिए। छात्रों का दर्द न तो किसी सत्ताधारी दल की बपौती हो सकता है, न ही किसी विपक्षी दल की जागीर है और न ही किसी अन्य क्षेत्रीय दल का राजनीतिक हथियार हो सकता है। यह विशुद्ध रूप से भारत के युवाओं का और देश के भविष्य का दर्द है। परीक्षा चाहे राष्ट्रीय स्तर की हो या राज्य स्तर की, न्याय की गुहार और अन्याय का पैमाना पूरे देश में एक समान होना चाहिए। किसी भी युवा के साथ

## स्वराज से सुराज की ओर बढ़ने का संकल्प दिवस

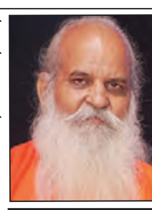

डा. विनोद बब्बर

स्वतंत्रता अर्थात स्व का तंत्र यानी कि अपना तीर, अपनी कमान, अपनी कमांड। उच्च शिक्षा के सीमित अवसर, बेरोजगारी, आर्थिक मंदी, राजनीति में धन-बल बढ़ते प्रभाव, वैश्विक दबावों की घुटन और उमस भरे माहौल में आजादी की बात करना शीतल सुगंध समीर के सुखद झोंके के समान है। स्वधर्म, स्वराज, सुराज और स्वतंत्रता पर्यायवाची माने जा सकते है क्योंकि यह श्रृंखला प्रकृति का सिद्धांत है। इनमें से किसी एक की अनुपस्थिति परतंत्र बना सकती है। इस अर्थ में कहे तो 15 अगस्त 1947 को हमें केवल स्वराज्य मिला, स्वतंत्रता के शेष लक्षण अप्राप्त थे। देश का शासन भारतीयों के हाथों में आया, लेकिन शासन तंत्र का भारतीयकरण होना शेष था। स्वदेशी, स्वभाषा और स्वाभिमान ही किसी भी राष्ट्र की स्वतंत्रता के मुख्य स्तम्भ हैं। जब तक इनके आधार पर हम अपना शासन-तंत्र नहीं बदलते, तब तक स्वराज्य को सुराज्य में बदलना असंभव है।

स्वराज की प्राप्ति स्वधर्म है। योगेश्वर भगवान श्रीकृष्ण गीता में कहते हैं, 'दूसरे के धर्म का पालन करने से बेहतर है स्वधर्म का पालन करते हुए नष्ट हो जाना।' स्वतंत्रता के 79 वर्ष बाद आज भी भारतीय भाषाओं की अस्मिता खतरे में है। शासन से प्रशासन तक, कानून से शिक्षा तक विदेशी भाषा हावी है। प्रशासनिक सेवाओं में हिंदी सहित भारतीय भाषाएं जानने वालों का अनुपात लगातार कम हो रहा है। अपनी भाषाओं के सम्मान की आवाज उठाने की आवश्यकता का अर्थ है कि कि प्राप्त स्वतंत्रता आज भी अपर्याप्त है। यह केवल तथ्य नहीं, सत्य है कि जो नियम व्यवस्थाएं अंग्रेजों के काल में थी, उनमें से अधिकांश यथावत रहे। पुलिस व्यवस्था हो, शिक्षा व्यवस्था हो, शासन व्यवस्था हो, न्याय, कृषि, चिकित्सा हो या फिर समाज व्यवस्था हो। खंडित आजादी के बाद स्वतंत्र भारत की सबसे बड़ी त्रासद नेतृत्व की मानसिकता का खंड़ित होना रहा है। जो देश का 'सरदार' बनने की सर्वश्रेष्ठ योग्यता रखते थे उनसे अवसर छीन लिया गया लेकिन अल्प समय में ही उन्होंने राष्ट्र को एकसूत्रता में बांधने का संकल्प पूरा कर दिखाया लेकिन बाद वालों ने क्या किया?

निसंदेह वर्तमान सरकार ने आप्रसंगिक हो चुके अंग्रेजों के काल के अनेक नियमों को रद्द करने से इण्डियन पैनल कोड को भारतीय न्याय संहिता में बदलने का साहस दिखाया है। मैकाले की शिक्षा व्यवस्था के बदले नई शिक्षा नीति भी आई है लेकिन उसे पूरी तरह से लागू किया जाना अभी शेष है। नई शिक्षा नीति प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा का माध्यम मातृभाषा अनिवार्य करने की बात करती है लेकिन आज भी राजधानी सहित लगभग हर नगर-महानगर में प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा का माध्यम डंके की चोट पर अंग्रेजी ही है और दुखद यह कि आज तक एक भी स्कूल प्रबंधक पर कोई कार्यवाही नहीं की गई। ऐसे में हम सिर उठाकर कैसे कह सकते हैं कि हम अपनी भाषा, अपनी संस्कृति की रक्षा के लिए स्वतंत्र हैं? हमने न जाने क्यों इस बात पर चिंतन भी छोड़ दिया है कि हमारी पीढ़ी को विदेशी वस्तु, विदेशी संस्कृति, विदेशी भाषा और विदेशी जीवन शैली अपनाने के लिए विवश क्यों किया जा रहा है? क्यों विदेशीकरण की ओर क्यों धकेला जा रहा है? युवावस्था का अर्थ बल, बुद्धि एवं विद्या होना चाहिए, वहाँ धूम्रपान, मद्यपान और ड्रग्स जैसे नशीले पदार्थों बढ़ रहे हैं। जीवन में संयम, धैर्य तथा शान्ति का स्थान स्वच्छंदता, उन्मुक्त जीवन शैली तथा विवेकहीन उन्माद ले रहा है। आखिर क्यों आजादी के लिए आत्म बलिदान देने वाले सेनानियों की कम परंतु सट्टे वाले क्रिकेट दलालों की जानकारी ज्यादा है? स्कूल-कालेजों में शारीरिक गतिविधियां लगभग गायब क्यों? यदि खेलकूद हैं भी तो महंगा क्रिकेट हावी क्यों? कम से कम साधनों में अधिक ऊर्जा प्रदान करने वाले अपने खेलों के साथ भेदभाव क्यों?

आज सभी को नौकरी तो सरकारी चाहिए परंतु सुविधाएं प्राईवेट । दोहरी शिक्षा प्रणाली वर्ग विभाजन का कारण बन रही है। अपने बच्चे की शिक्षा पर भारी भरकम खर्च करने वालों के लिए ही अफसर का पिता कहलाने का अधिकार सुरक्षित है। अधिकांश सरकारी स्कूलों में शिक्षा का स्तर क्या है, उस पर चर्चा बेमानी है। ऐसे कुछ कारण अवश्य हैं तभी तो देश के दुर्घटना क्षेत्र केराज्य की विद्यालयों में न कोई पढ़ाना चाहता है और न ही कोई पढ़ना। जिनका काम पढ़ाना है उनके जिम्मे मतदाता बनाने से जनगणना तक हजारों काम हैं। मतदान से मतगणना तक लोकतंत्र उन्हीं के कंधों पर टिका है। क्या यह उचित नहीं होगा कि स्वतंत्र की परिभाषा में तंत्र के भाग्य विधाता यानि हर सरकारी कर्मचारी, अधिकारी, विधायक, सांसद, मंत्री से संतरी तक सभी के आश्रितों के लिए सरकारी स्कूल, सरकारी अस्पताल, सार्वजनिक परिवहन का उपयोग आवश्यक किया जाए। जिसे सरकारी व्यवस्था पर विश्वास नहीं तो उसे सरकारी पद क्यों मिलने चाहिए? स्वतंत्रता दिवस इस बात पर चिंतन का अवसर है कि अनेक सरकारें बदलने के बाद भी समान नागरिक संहिता लागू करने के मामले में 'कछुआ धर्म' स्थाई क्यों बना रहा? एक पिद्दी सा शरारती पड़ोसी इतने वर्षों हमारे आंगन में आतंक कैसे फैलाता रहा? उससे सहानुभुति करने वाले भारत के नागरिक क्यों?

## समर्पण .. सच्चाई और सत्ता सुख

डॉ टी महादेव राव

चुनाव से पहले पार्टी बदल कर पुरानी पार्टी पर दांत पीसते हुए गालियां देने के मूड के नेता की तरह धीर गंभीर बैठे हो क्या बात है भाई।

चुनाव में एक चिन्ह पर जीत कर बाद में दूसरी पार्टी में कूदने वाले कूदफांदी मेंढकी नेताओं को भगवान किस तरह के दंड दे सकेगा, उन दृश्यों की कल्पना कर रहा हूं।

इस तरह के दंड की बात होती तो हमारे देश में तो नेताओं का अकाल पड़ जाता। लंबे समय तक पदों पर आसीन परम पवित्र अनुभवी नेता तो लंबी कूद में हमारे खिलाड़ियों को प्रशिक्षण देने योग्य हो गए हैं न।

जिस तरह पत्नीव्रत पति होता है, होना चाहिए, जिस तरह पतिव्रता पत्नी होती है, होनी चाहिए, ठीक उसी तरह पार्टी के प्रति वफादार होना चाहिए नेता को। अब यह मत कहना राजनीति में नीति, न्याय, वफादारी, समर्पण, प्रतिबद्धता जैसे शब्दों का कोई मूल्य नहीं वर्तमान में। पार्टी चाहती है कि विजयी प्रत्याशी कम से कम पार्टी के प्रति वफादारी निभाए, इसलिए यह पार्टीव्रती कसम उनके आस्थानुसार मंदिर, मस्जिद, गिरजाघर में दिलाई जाने चाहिए।

भोले भाई! तुम तो नादान के नादान ही ठहरे! मौका देख कर कसम खाना, शपथ लेना वफादारी की और बाद में उस शपथ से कन्नी काट लेना हमारे देश में नेताओं के लिए सहज बात है। उस पर राजनीति में घुले मिले नेताओं के आश्वासनों, शपथों, कसमों के बारे में और क्या खास बोलें? अगर वही अपनी बात पर अड़े रहते, वचन के पक्के होते तो क्या देश में गरीब मतदाताओं की हालत ऐसी होती?

तुम सही कह रहे हो। नेताओं से ढेला भर का फायदा न होने की हालत में ही तो जनसामान्य अपना सारा भार भगवान पर डाले दिन गुजार रहे हैं। धार्मिक स्थानों पर लिए जाने वाले कसमों के कारण भगवान की दृष्टि गरीबों पर कम तो नहीं पड़ेगी, सोच कर मैं परेशान हुआ जा रहा हूं।

अरे भाई राजनीति का मतलब ही है जनसेवा का मुखौटा ओढा हुआ कारोबार या व्यापार। उसे छोड़कर अगर नेता कसम और प्रतिज्ञा पर ध्यान देने लगे तो उनका असली कारोबार ठप हो जाएगा। स्विस बैंकों का दिवाला निकल जाएगा।

यह भी तुमने ठीक कहा! पार्टी बदलना अब तो गूगल पे करने जितना आसान हो गया है। सत्ता पक्ष पता नहीं कहां उनके गुप्त धन की तरफ ई डी टॉर्च डालेगा, या कहां-कहां आयकर छापे पड़ेंगे या किस मामले में सी बी आई कहां फंसा देंगे....।सोचकर विपक्ष का हर नेता मन में डर पाले हुए है। उस डर के आगे दिखाई न देने वाले भगवान का डर तो कुछ भी नहीं। सही कहा तुमने! चुनावी सर्वेक्षणों के हिसाब से राजनेता अपने-अपने पक्ष बदलते रहते हैं। सत्ता पक्ष के पास नेताओं को अपने पास में बिठाने की सारी सुविधाएं हैं। इस बात का ध्यान रखा जाना चाहिए। अब ऐसे में हर नेता से कसम की जद्दोजहद से गुजरना पड़ेगा।

सत्ता पक्ष हमेशा से ही उम्मीदवारी वाले नेताओं के आकर्षण का केंद्र रहा है। काफी समय से शुरू हुई दलबदल प्रक्रिया आज अपने विकराल रूप में सुरसा काया बनी हुई है। ऐसे में कोई हनुमान ही आए और सुरसा बनी इस कुरीति का खात्मा करें वरना बरसाती मेंढक की दलदली दलों के गड्ढों में राजनीति के योद्धा नेता कूद-फांद करते रहेंगे। न उन्हें मंदिर, मस्जिद या गिरजे में खाई गई कसम रोक पाएगी और न नैतिकता या वफादारी जैसे शब्द उनके रास्ते में रोड़े अटका सकेंगे। अब राखो लाज हरि।

# शिव-पार्वती से क्यों नाराज हुए कार्तिकेय स्वामी

## रिश्तों में गुस्से के पीछे निराशा, उपेक्षा, असुरक्षा या बात न सुने जाने की भावना हो सकती है, इसे समझेंगे, तो रिश्ते सुधरेंगे

रिश्तों में कभी-कभी गुस्सा और मनमुटाव होना स्वाभाविक है। जब किसी अपने को लगता है कि उसके साथ न्याय नहीं हुआ या उसकी भावनाओं को समझा नहीं गया, तो वह खुद को सबसे दूर कर सकता है। ऐसे समय में अक्सर लोग सोचते हैं कि सामने वाला जब शांत होगा, तब खुद ही वापस आ जाएगा, लेकिन हर नाराजगी को समय के भरोसे छोड़ देना सही नहीं होता। कई बार उस व्यक्ति को सबसे ज्यादा जरूरत इसी बात की होती है कि कोई उसके दुख को समझे और उसे यह भरोसा दिलाए कि वह अकेला नहीं है। भगवान शिव, माता पार्वती और कार्तिकेय स्वामी से जुड़ी एक पौराणिक कथा रिश्तों को संभालने की इसी बात को समझाती है। पढ़िए यह कथा...

पौराणिक कथा के अनुसार, एक दिन शिव जी और माता पार्वती ने विचार किया कि अब गणेश-कार्तिकेय का विवाह कर देना चाहिए। उन्होंने दोनों से कहा कि जो पूरे संसार की परिक्रमा करके पहले वापस आएगा, उसका विवाह पहले किया जाएगा।

यह सुनते ही कार्तिकेय स्वामी अपने वाहन मोर पर सवार होकर संसार की परिक्रमा के लिए निकल पड़े। वे पूरी दुनिया का चक्कर लगाने के लिए आगे बढ़ गए। दूसरी ओर, गणेश जी ने अपने माता-पिता की परिक्रमा की और कहा कि उनके लिए माता-पिता ही पूरा संसार हैं।

गणेश जी की यह भावना देखकर भगवान शिव और माता पार्वती प्रसन्न हुए और उनका विवाह कर दिया गया।

जब कार्तिकेय स्वामी संसार की परिक्रमा पूरी करके वापस लौटे, तब तक गणेश जी का विवाह हो चुका था। पूरी बात जानकर कार्तिकेय स्वामी को बहुत दुख हुआ। उन्हें लगा कि उनके साथ न्याय नहीं हुआ और उनकी मेहनत का उचित सम्मान नहीं मिला। इसी भाव के कारण वे क्रोधित होकर दक्षिण दिशा में क्रौंच पर्वत चले गए।

शिव जी और माता पार्वती ने उन्हें समझाने की बहुत कोशिश की, लेकिन कार्तिकेय स्वामी का गुस्सा शांत नहीं हुआ। तब शिव-पार्वती यह नहीं सोचा कि कार्तिकेय नाराज हैं, तो कुछ समय अकेले रहने देते हैं, इसके बजाय माता-पिता ने स्वयं उनके पास जाने का निर्णय लिया।

मान्यता है कि शिव जी अमावस्या और माता पार्वती पूर्णिमा के दिन कार्तिकेय स्वामी से मिलने श्रीपर्वत जाते हैं। इसी क्षेत्र में मल्लिकार्जुन ज्योतिर्लिंग स्थित है।

**कथा की सीख**

**गुस्से के पीछे छिपी भावना समझें**

घर-परिवार में हर बार गुस्सा केवल गुस्सा नहीं होता। उसके पीछे चोट, निराशा, उपेक्षा, असुरक्षा या अपनी बात न सुने जाने की भावना हो सकती है। इसलिए सामने वाले के व्यवहार पर तुरंत प्रतिक्रिया देने के बजाय यह समझने की कोशिश करें कि उसे वास्तव में दुख किस बात से हुआ है।

**पहले सुनें, बाद में अपनी बात रखें**

नाराज व्यक्ति को सबसे पहले यह महसूस होना चाहिए कि उसकी बात सुनी जा रही है। उसकी बात पूरी होने से पहले अपनी सफाई देना या अपनी गलती साबित न होने की दलील देना स्थिति को और बिगाड़ सकता है। कई बार ध्यान से सुन लेना ही आधी समस्या हल कर देता है।

**गलती हो, तो अहंकार छोड़कर माफी मांगें**

माफी मांगना हार नहीं है। अगर आपकी गलती है, तो उसे स्वीकार करने में देर न करें। एक माफी रिश्ते में जमा हुई नाराजगी को कम कर सकती है। रिश्ते में यह साबित करना जरूरी नहीं कि कौन सही है; जरूरी यह है कि दोनों के बीच भरोसा बना रहे।

**गलतफहमी को बढ़ने न दें**

कई रिश्तों में असली समस्या घटना से ज्यादा उसकी गलत व्याख्या होती है। इसलिए अनुमान लगाने के बजाय सामने वाले से शांत होकर बात करें। प्यार और धैर्य के साथ पूछें कि उसे किस बात से चोट पहुंची, इसके बाद उसकी गलतफहमी दूर करें।

**हर बार दूरी को समाधान न मानें**

किसी को थोड़ा समय देना और उसे पूरी तरह अकेला छोड़ देना, दोनों अलग बातें हैं। अगर सामने वाला अभी बात नहीं करना चाहता, तो उसे समय दें, लेकिन यह एहसास जरूर दिलाएं कि जरूरत पड़ने पर आप उसके साथ हैं।

**रिश्ते में जीत से ज्यादा जरूरी अपनापन है**

हर बहस में अपनी बात मनवा लेना सफलता नहीं है। कई बार रिश्ते को बचाना अपनी बात साबित करने से ज्यादा महत्वपूर्ण होता है। अगर अहंकार कम करके एक कदम पीछे हटने से किसी अपने का मन हल्का हो सकता है, तो ऐसा करना रिश्ते की मजबूती का संकेत है।

# हरियाली अमावस्या और सूर्य ग्रहण

## ग्रहण का नहीं रहेगा सूतक, सुबह करें सूर्य पूजा, दोपहर में करें पितरों के लिए धूप-ध्यान, छायादार पेड़ का पौधा लगाएं

बुधवार, 12 अगस्त) सावन मास की अमावस्या यानी हरियाली अमावस्या है। इस बार सावन अमावस्या पर सूर्य ग्रहण भी होने जा रहा है, लेकिन यह ग्रहण भारत में दिखाई नहीं देगा, इसलिए ग्रहण का सूतक भी नहीं होगा। पूरे दिन हरियाली अमावस्या से जुड़े सभी धर्म-कर्म किए जा सकेंगे।

ज्योतिषाचार्य पं. मनीष शर्मा के मुताबिक, हरियाली अमावस्या प्रकृति के प्रति आभार व्यक्त करने का पर्व है। इसके साथ ही इस दिन सार्वजनिक जगहों पर छायादार और फलदार पेड़ों के पौधे लगाने की भी परंपरा है। पौधे लगाने के साथ ही पेड़ बनने तक इनकी देखभाल करने का संकल्प भी लेना चाहिए।

भारत में नहीं दिखेगा सूर्य ग्रहण

कल होने वाला सूर्य ग्रहण भारत में नहीं दिखेगा। अगर कोई ग्रहण किसी स्थान पर दिखाई नहीं देता है, तो वहां उस ग्रहण का सूतक मान्य नहीं होता है। इसलिए 12 अगस्त को मंदिरों के कपाट बंद नहीं होंगे और पूजा-पाठ सहित सभी धार्मिक गतिविधियां नियमित रूप से की जा सकेंगी। श्रद्धालु भगवान शिव का अभिषेक, रुद्राभिषेक, बिल्व पत्र अर्पण, दान-पुण्य, पितरों के तर्पण और अन्य धार्मिक अनुष्ठान कर सकेंगे।

**सूर्य ग्रहण का समय और कहां-कहां दिखेगा**

भारतीय समय अनुसार सूर्य ग्रहण 12 अगस्त की रात करीब 9:04 बजे शुरू होगा और 13 अगस्त की रात करीब 1:28 बजे तक रहेगा। यह ग्रहण उत्तरी प्रशांत महासागर, पश्चिमी यूरोप, पश्चिमी अफ्रीका, उत्तरी अमेरिका में दिखेगा।

**पानी में गंगाजल मिलाकर करें स्नान**

अमावस्या तिथि को पितरों की पूजा और तर्पण के लिए भी विशेष माना जाता है। इस दिन पवित्र नदियों और तीर्थस्थलों में स्नान करके पितरों के निमित्त तर्पण करने की परंपरा है। धार्मिक मान्यता है कि श्रद्धापूर्वक किए गए तर्पण और दान से पितरों को संतुष्टि मिलती है।

जो लोग किसी तीर्थ या पवित्र नदी तक नहीं जा सकते, वे घर पर भी स्नान की धार्मिक विधि कर सकते हैं। इसके लिए पानी में गंगाजल मिलाकर स्नान किया जा सकता है। इसके बाद पितरों को याद करते हुए अपनी सामर्थ्य के अनुसार अन्न, जल, वस्त्र या जरूरत की अन्य वस्तुओं का दान करना किया जाता है।

सूर्य पूजा से करें दिन की शुरुआत

अमावस्या पर दिन की शुरुआत सूर्य पूजा के साथ करनी चाहिए। इसके लिए तांबे के लोटे में जल भरें, जल में कुमकुम, फूल, चावल डालें। इसके बाद ऊँ सूर्याय नमः मंत्र का जप करते हुए सूर्य को जल चढ़ाएं। घर के मंदिर में स्थापित बाल गोपाल का केसर मिश्रित दूध से अभिषेक करें। दक्षिणावर्ती शंख में केसर मिश्रित दूध भरें और बाल गोपाल को अर्पित करें। कृं कृष्णाय नमः मंत्र का जप करें। दूध के बाद शुद्ध जल चढ़ाएं। सुंदर और कोमल लाल-पीले चमकीले वस्त्र भगवान को पहनाएं। हार-फूल से श्रृंगार करें। चंदन का तिलक लगाएं। तुलसी के साथ माखन-मिश्री का भोग लगाएं। धूप-दीप जलाएं। कर्पूर जलाकर आरती करें।

किसी गौशाला में हरी घास और आर्थिक सहायता भी दे सकते हैं। दान करते समय सेवा और श्रद्धा की भावना को महत्व देना चाहिए। अमावस्या पर पशु-पक्षियों को भोजन कराने की भी परंपरा है। इस दिन गायों के अलावा कुत्तों और कौवों को भी रोटी या अन्य भोजन करा सकते हैं। इसे जीव सेवा और पितरों के प्रति श्रद्धा से जोड़कर देखा जाता है।

सावन अमावस्या होने के कारण इस दिन भगवान शिव की आराधना का विशेष महत्व रहेगा। श्रद्धालु शिवलिंग पर जल और अपनी परंपरा के अनुसार अन्य पूजन सामग्री अर्पित कर सकते हैं। बिल्व पत्र चढ़ाकर भगवान शिव के मंत्रों का जप करना चाहिए। इस दिन महामृत्युंजय मंत्र का जप या भगवान शिव के नाम का स्मरण भी कर सकते हैं। श्रद्धालु अपनी आस्था के अनुसार रुद्राभिषेक और जलाभिषेक भी कर सकते हैं। भारत में सूर्य ग्रहण दिखाई नहीं देने के कारण इन धार्मिक गतिविधियों पर ग्रहण संबंधी कोई बाधा नहीं मानी जाएगी।बुधवार और अमावस्या के योग में प्रथम पूज्य भगवान गणपति का विधिवत पूजन करना चाहिए। विधिवत पूजा नहीं कर पा रहे हैं, तो दूर्वा चढ़ाएं, मोदक का भोग लगाएं। धूप-दीप जलाएं और आरती करें। पूजा में ऊँ गं गणपतये नमः मंत्र का जप करना चाहिए।

# हरियाली अमावस्या: आज जरूर लगाएं ये 4 पौधे, भाग्य कभी नहीं छोड़ेगा साथ

हिन्दू पंचांग के अनुसार अमावस्या तिथि का विशेष महत्व होता है। सावन महीने में पड़ने वाली अमावस्या को हरियाली अमावस्या के रुप में मनाया जाता है। इस बार यह अमावस्या 23 जुलाई यानि रविवार को है। इस दिन पेड़-पौधों के संरक्षण का विशेष महत्व होता है। इस दिन पेड़ लगाने से शुभ फल की प्राप्ति होती है। इस दिन पेड़ लगाने से आपकी किस्मत बदलने लगती है। आइए जानते हैं कि इस दिन कौन से कौन पेड़ लगाने से शुभ फल की प्राप्ति होती है।

हिन्दू धर्म में पीपल के पेड़ की विशेष पूजा-अर्चना की जाती है।

मान्यता के अनुसार पीपल के वृक्ष में ब्रह्मा, विष्णु और महेश का निवास स्थान माना जाता है। इसलिए इस दिन पीपल के पेड़ लगाने से भाग्य का साथ मिलता है।

पीपल के पेड़ के अलावा बरगद का पेड़ लगाने को भी सौभाग्यशाली माना जाता है। इसलिए इस दिन बरगद का पेड़ लगाना चाहिए।

केले के पेड़ में भगवान विष्णु और गुरु वृहस्पति का निवास स्थान माना जाता है। केले के पेड़ को भगवान विष्णु की पूजा के लिए अच्छा माना जाता है तो वहीं देवताओं के गुरु बृहस्पति की पूजा में केले का पूजन करना आवश्यक माना जाता है। इसलिए हरियाली तीज के मौके पर केले का पेड़ लगाना शुभ होता है।

हिन्दू धर्म में तुलसी के पौधे की विशेष पूजा अर्चना की जाती है। पुराणो के अनुसार जिस घर में तुलसी का पौधा होता है वह घर तीर्थ के समान माना जाता है इसलिए हरियाली अमावस्या पर तुलसी का पौधा लगाना चाहिए।

# अपनी राशि के अनुसार करें शिवलिंग पर जलाभिषेक

**मेष राशि** के जातकों को सावन शिवरात्रि पर शिवलिंग पर लाल चंदन लगाना चाहिए। साथ ही गंगाजल से अभिषेक करें। इससे आत्मविश्वास बढ़ता है।

**वृषभ राशि** के लोगों को भगवान शिव का दूध से अभिषेक करना चाहिए। माना जाता है कि इससे जीवन में स्थिरता आती है।

**मिथुन राशि** के जातकों को शिवलिंग पर गन्ने का रस अर्पित करना चाहिए। इससे सुख-समृद्धि के योग बनते हैं।

**कर्क राशि** के लोग शिवलिंग पर दही और चीनी से अभिषेक कर सकते हैं। इससे मन को शांति मिलने के योग बनते हैं।

**सिंह राशि** वालों को भगवान शिव का गुड़ और जल से अभिषेक करना चाहिए। मान्यता है कि, इस उपाय से आत्मविश्वास मजबूत होता है।

**कन्या राशि** के जातकों को सावन शिवरात्रि पर शिवलिंग पर भांग अर्पित करनी चाहिए। इससे मानसिक शांति प्राप्त होती है।

**तुला राशि** के लोगों को शिवलिंग का दूध और दही से अभिषेक करना चाहिए। माना जाता है कि, इससे जीवन में संतुलन बना रहता है और सुख-शांति के योग मजबूत होते हैं।

**वृश्चिक राशि** वालों को शिवलिंग पर शहद मिश्रित जल से अभिषेक करना चाहिए। इससे क्रोध और तनाव कम करने में मदद मिलती है।

**धनु राशि** के जातकों को सावन शिवरात्रि पर भगवान शिव को पीले फूल और गंगाजल से उनका अभिषेक करना चाहिए।

**मकर राशि** के लोगों को शिवलिंग का गंगाजल से अभिषेक करना चाहिए। इससे भगवान शिव की कृपा प्राप्त होती है।

**कुंभ राशि** वालों को सावन शिवरात्रि पर शिवलिंग पर नारियल पानी से अभिषेक कर सकते हैं।

**मीन राशि** के जातकों को भगवान शिव का पंचामृत से अभिषेक करना चाहिए। इससे सफलता के योग बनते हैं।

# हरियाली तीज : सावन की भीगी सांसों में भारतीय संस्कृति का हरित उत्सव

सुरेश गांधी

हरियाली तीज का मूल शिव और पार्वती की दिव्य कथा से जुड़ा है। मान्यता है कि माता पार्वती ने भगवान शिव को पति रूप में पाने के लिए कठोर तपस्या की थी। अनेक जन्मों के उपरांत श्रावण शुक्ल तृतीया के दिन शिव ने उनकी तपस्या से प्रसन्न होकर उन्हें स्वीकार किया। इसीलिए यह तिथि स्त्री के अखंड सौभाग्य, अटूट प्रेम और आत्मिक समर्पण की प्रतीक मानी जाती है। इस कथा का गूढ़ संदेश यह है कि प्रेम केवल आकर्षण नहीं, साधना है; संबंध केवल सामाजिक व्यवस्था नहीं, आत्मिक अनुबंध है। भारतीय नारी ने इस कथा में अपने जीवन का सांस्कृतिक प्रतिरूप देखा—धैर्य, निष्ठा, त्याग और विश्वास का प्रतिरूप। यही कारण है कि विवाहित महिलाएँ पति की दीर्घायु और सुख-समृद्धि के लिए व्रत रखती हैं तथा अविवाहित कन्याएँ मनोवांछित वर की कामना करती हैं।

### प्रकृति और संस्कृति का अद्भुत संगम

हरियाली तीज का सबसे बड़ा वैशिष्ट्य इसका प्रकृति से जीवंत संबंध है। यह पर्व उस समय आता है जब वर्षा ऋतु धरती को नवजीवन देती है। खेतों में धान की रोपाई पूरी हो चुकी होती है, वृक्ष नए पत्तों से लद जाते हैं और वातावरण में मिट्टी की सोंधी गंध व्याप्त रहती है। भारतीय संस्कृति में हरियाली केवल रंग नहीं, जीवन का प्रतीक है। हरा रंग उर्वरता, आशा, समृद्धि और नवसृजन का द्योतक माना गया है। इसलिए इस दिन हरे वस्त्र धारण करने की परंपरा है। स्त्रियाँ हरी चूड़ियाँ पहनती हैं, हरी चुनरी ओढ़ती हैं और मेहंदी से हथेलियों पर हरियाली के अलंकार रचती हैं। यह सज्जा केवल श्रृंगार नहीं, प्रकृति के साथ आत्मीय तादात्म्य की सांस्कृतिक अभिव्यक्ति है। आज जब पर्यावरण संकट विश्वव्यापी चिंता बन चुका है, हरियाली तीज हमें स्मरण कराती है कि भारतीय पर्व मूलतः प्रकृति संरक्षण की लोकपद्धति रहे हैं। वृक्षों पर झूले डालना, पौधों की पूजा करना, वर्षा के स्वागत में गीत गाना—ये सब पर्यावरण के प्रति संवेदनशील जीवन-दृष्टि के प्रतीक हैं।

**स्त्री उत्सव का लोकपक्ष**

हरियाली तीज भारतीय स्त्री जीवन का अत्यंत आत्मीय उत्सव है। अनेक स्थानों पर विवाहित बेटियों को मायके बुलाने की परंपरा है। यह परंपरा केवल सामाजिक रस्म नहीं, भावनात्मक पुनर्संपर्क का माध्यम है। मायके पहुँचकर बेटी बचपन की स्मृतियों, सहेलियों और पारिवारिक स्नेह से पुनः जुड़ती है। सावन के झूले इस उत्सव का प्राण हैं। झूला केवल खेल नहीं, मन की उड़ान है। लोकगीतों में स्त्री का विरह, मिलन, प्रेम, हास्य और जीवनानुभव अद्भुत सहजता से व्यक्त होता है। कजरी की पंक्तियाँ सावन की भीगी संवेदनाओं को स्वर देती हैं। बनारस, मिर्जापुर और भदोही अंचल की कजरियाँ तो भारतीय लोकसंगीत की अमूल्य धरोहर मानी जाती हैं। हरियाली तीज स्त्रियों को सामूहिकता का अवसर भी प्रदान करती है। वे एकत्र होकर पूजा करती हैं, गीत गाती हैं, पारंपरिक व्यंजन बनाती हैं और अपने सुख-दुख साझा करती हैं। आधुनिक समाज में जहाँ पारिवारिक संवाद सीमित होता जा रहा है, यह पर्व स्त्री समुदाय के भावनात्मक स्वास्थ्य का भी आधार बनता है।

### काशी में हरियाली तीज : भक्ति और लोक की संगमधारा

काशी में हरियाली तीज का विशेष महत्व है। श्रावण मास स्वयं शिवनगरी का प्रिय काल माना जाता है। काशी विश्वनाथ मंदिर में विशेष पूजा-अर्चना होती है और अनेक शिवालयों में पार्वती-परमेश्वर का श्रृंगार किया जाता है। घाटों पर वर्षा की फुहारों के बीच शिवभक्ति और लोकगीतों का अद्भुत वातावरण बनता है। पुरानी काशी में आज भी महिलाएँ समूह बनाकर तीज गीत गाती हैं। घरों में घेवर, मालपुआ, पूड़ी-कचौड़ी और विविध पकवान बनाए जाते हैं। कई परिवारों में बहुओं को 'सिंदारा' भेजने की परंपरा है जिसमें वस्त्र, श्रृंगार सामग्री, मिठाइयाँ और उपहार सम्मिलित होते हैं। यह परंपरा रिश्तों में स्नेह और सम्मान की निरंतरता का प्रतीक है।

### आस्था का अनुशासन

हरियाली तीज का व्रत प्रातः स्नान से आरंभ होता है। महिलाएँ स्वच्छ वस्त्र धारण कर शिव-पार्वती की प्रतिमा या चित्र स्थापित करती हैं। बिल्वपत्र, पुष्प, धूप, दीप, फल और नैवेद्य अर्पित किए जाते हैं। अनेक स्थानों पर तीज कथा सुनने और सुनाने की परंपरा है। व्रत का आध्यात्मिक पक्ष अत्यंत महत्वपूर्ण है। उपवास केवल भोजन त्याग नहीं, इंद्रियनिग्रह और मन की एकाग्रता का अभ्यास है। दिन भर भक्ति, जप और पूजा में समय व्यतीत कर साधक अपने भीतर संयम और श्रद्धा का संस्कार विकसित करता है। भारतीय व्रत परंपरा का यही मनोवैज्ञानिक और आध्यात्मिक पक्ष इसे केवल धार्मिक कर्मकांड से ऊपर उठाता है।

### लोकगीतों में सावन की आत्मा

यदि हरियाली तीज से लोकगीतों को अलग कर दिया जाए तो उत्सव अधूरा रह जाएगा। कजरी, झूला, सावन और तीज गीतों में भारतीय स्त्री हृदय की सबसे कोमल अनुभूतियाँ सुरक्षित हैं। कहीं पिया के आने की प्रतीक्षा है, कहीं सखी-संवाद, कहीं बादलों से संदेश, कहीं मायके की स्मृति। लोकगीतों की विशेषता यह है कि वे जीवन के छोटे-छोटे अनुभवों को सांस्कृतिक स्मृति में बदल देते हैं। लिखित इतिहास राजाओं का वृत्तांत देता है, किंतु लोकगीत समाज की आत्मा को सुरक्षित रखते हैं। हरियाली तीज इस लोकधरोहर के संरक्षण का जीवंत माध्यम है।

अर्थव्यवस्था और लोकशिल्प से जुड़ा पर्व

हरियाली तीज का एक आर्थिक पक्ष भी है। मेहंदी, चूड़ियाँ, वस्त्र, आभूषण, मिठाइयाँ, पूजन सामग्री और हस्तशिल्प की मांग इस अवधि में बढ़ जाती है। ग्रामीण और कस्बाई बाजारों में विशेष रौनक दिखाई देती है। अनेक कारीगरों और छोटे व्यापारियों की आय का यह महत्वपूर्ण अवसर बनता है। विशेषकर बनारसी साड़ी, हरी चुनरी, कांच की चूड़ियाँ और लोकश्रृंगार सामग्री से जुड़े कुटीर उद्योगों को इस पर्व से प्रत्यक्ष लाभ मिलता है। इस दृष्टि से हरियाली तीज सांस्कृतिक अर्थव्यवस्था का भी एक महत्वपूर्ण अंग है।

### आधुनिकता की चुनौती और उत्सव का रूपांतरण

समय के साथ हरियाली तीज के स्वरूप में परिवर्तन आया है। महानगरों में अपार्टमेंट संस्कृति, सीमित पारिवारिक ढाँचे और व्यस्त जीवनशैली ने सामूहिक उत्सवों की परंपरा को प्रभावित किया है। कई स्थानों पर तीज उत्सव होटल, क्लब या सामुदायिक सभागारों तक सीमित होता जा रहा है। सोशल मीडिया ने उत्सव को दृश्यात्मक आकर्षण तो दिया है, किंतु कभी-कभी उसका आध्यात्मिक और लोकपक्ष पीछे छूट जाता है। फोटो और प्रदर्शन की प्रवृत्ति के बीच व्रत, कथा, गीत और पारिवारिक संवाद की मूल भावना को बचाए रखना आवश्यक है। फिर भी यह कहना गलत होगा कि परंपरा समाप्त हो रही है। वस्तुतः वह नए रूपों में स्वयं को ढाल रही है। अनेक युवा महिलाएँ आज तीज को सांस्कृतिक पहचान और स्त्री समुदाय के उत्सव के रूप में पुनः अपनाती दिखाई देती हैं।

# सुनील शेट्टी के बर्थडे पर अजय देवगन व जैकी श्रॉफ समेत कइयों ने दी बधाई

अभिनेता सुनील शेट्टी आज अपना 65वां जन्मदिन मना रहे हैं। इस खास मौके पर परिवार समेत कई बॉलीवुड सेलेब्स ने उन्हें विश किया। जहां अजय देवगन ने उन्हें दिलवाला बताते हुए एक पुरानी तस्वीर साझी की, वहीं जैकी श्रॉफ ने भी उन्हें दिल से मुबारकबाद दी।

**अजय ने बताया 'दिलवाला'**

एक्टर अजय देवगन ने सुनील के जन्मदिन पर इंस्टाग्राम पर एक स्टोरी शेयर की। उन्होंने 1994 में रिलीज हुई फिल्म 'दिलवाले' के दौरान ली गई फोटो शेयर कर लिखा- 'हैप्पी बर्थ डे सुनील अन्ना, एक दिलवाले की तरफ से दूसरे दिलवाले को।'

**जैकी श्रॉफ ने लगाई स्टोरी**

जैकी श्रॉफ ने भी सोशल मीडिया के माध्यम से सुनील शेट्टी को जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने अपनी और सुनील की मस्तीभरे अंदाज में ली गई फोटो को स्टोरी पर लगाया। इसके साथ ही अपने अंदाज में लिखा, 'हमेशा के लिए असली भिड़ू।'

**दोस्तों ही नहीं, परिवार से भी मिली बधाई**

इस खास मौके पर सुनील शेट्टी के बच्चे कहां पीछे रहने वाले थे? उन्होंने भी पापा को सोशल मीडिया पर विश किया। बेटी अथिया शेट्टी ने अपने बचपन की फैमिली फोटो स्टोरी पर शेयर करते हुए लिखा, 'हैप्पी बर्थ डे पापा, मैं आपसे बहुत प्यार करती हूं।'

वहीं बेटे अहान शेट्टी ने भी अपने पापा को मुबारकबाद दी। अपनी और पापा की फोटो को स्टोरी पर शेयर करते हुए अहान ने लिखा, 'आपको जन्मदिन की शुभकामनाएं पापा।'

**सोनू सूद ने दी बधाई**

अभिनेता सोनू सूद ने भी सोशल मीडिया के जरिए सुनील शेट्टी को बधाई दी। उन्होंने एक्टर की तस्वीर स्टोरी पर लगाई। साथ ही कैप्शन में लिखा, 'जन्मदिन की बधाई अन्ना, आपका आने वाला साल अच्छा जाए।'

**निधि दत्ता बोलीं- 'आपके जैसा कोई नहीं'**

वहीं फिल्म निर्माता और निर्देशक जेपी दत्ता की बेटी निधि दत्ता ने अन्ना के लिए सोशल मीडिया पर स्पेशल स्टोरी लगाई। उन्होंने अपनी और सुनील की कई तस्वीरें शेयर करते हुए लिखा, 'हैप्पी बर्थ डे सुनील अंकल, मैं हमेशा आपकी बच्ची रहूंगी। हमेशा साथ देने के लिए शुक्रिया, आपके जैसा कोई नहीं।'

# रश्मिका को लगी चोट से 'रणबाली' मूवी पर कितना पड़ेगा असर?

रश्मिका मंदाना इन दिनों घर पर आराम कर रही हैं। बीते दिनों उन्हें एक फिल्म की शूटिंग के दौरान सेट पर चोट लग गई थी, जिससे वह धीरे-धीरे उबर रही हैं। हालांकि, अभी भी बड़ा सवाल यह है कि क्या रश्मिका की इस चोट से उनकी फिल्म 'रणबाली' की रिलीज पर फर्क पड़ेगा? जानें फिल्म रिलीज होगी यह फिल्म।

**क्या 'रणबाली' के सेट पर लौटेंगी एक्ट्रेस?**

रश्मिका को बीतें दिनों फिल्म 'मैसा' के सेट पर एक डांस सीन फिल्माने के दौरान चोट लगी थी। इसके बाद से ही वे बेड रेस्ट पर हैं। अब गुल्टे की एक रिपोर्ट के मुताबिक, रश्मिका जल्द से जल्द सेट पर लौटकर 'रणबाली' में अपने बचे हुए हिस्से की शूटिंग पूरी करना चाहती हैं, जिससे फिल्म की शूटिंग को समय से पूरा किया जा सके।

**शूटिंग में घायल हुईं थीं एक्ट्रेस**

बीते दिनों एक्ट्रेस ने अपनी चोट की जानकारी सोशल मीडिया के जरिए फैंस को दी थी। उन्होंने पोस्ट में चोट लगने का कारण और स्थिति बताई थी। इसके साथ ही उन्होंने बताया था कि वह घर पर आराम कर रही हैं। क्या लिखा था एक्ट्रेस ने? जानिए...

हमारी हिप के दोनों तरफ 4-4 टेंडन होती हैं। जो हिप को पैरों से जोड़ती हैं।

मेरी राइट हिप का एक टेंडन अपनी जगह से अलग हो गया है।

इसके दोबारा जुड़ने के बाद ही मैं अपने पैर ठीक से उठा पाऊंगी।

ये सब मेरी फिल्म 'मैसा' के एक डांस सीक्वेंस की शूटिंग के दौरान हुआ।

**कब रिलीज होगी फिल्म 'रणबाली'?**

रश्मिका मंदाना की अपकमिंग फिल्म 'रणबाली' को लेकर फैंस काफी उत्साहित हैं।

मेकर्स इस फिल्म को 30 अक्टूबर तक सिनेमाघरों में रिलीज करने की योजना बना रहे हैं।

राहुल सांकृत्यायन के निर्देशन में बन रही इस फिल्म रश्मिका मंदाना के साथ विजय देवरकोंडा भी लीड रोल में हैं।

यह विजय और रशमिका की शादी के बाद साथ में पहली फिल्म होगी।

## लोमड़ी के बजाय कुत्ता कहलाना पसंद करूंगी नसीरुद्दीन शाह के कमेंट पर कंगना रनौत का पलटवार

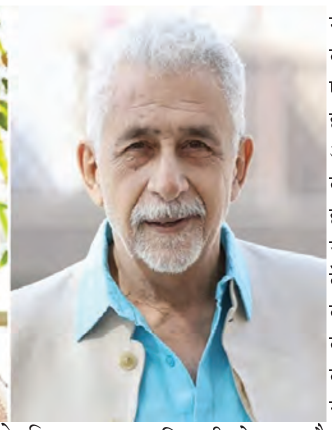

भाजपा सांसद कंगना रनौत ने दिग्गज अभिनेता नसीरुद्दीन शाह पर तीखा हमला बोला है। छात्र आंदोलनों को लेकर बॉलीवुड की भूमिका पर चल रही बहस के बीच कंगना ने अभिनेता की पुरानी टिप्पणी को लेकर उन पर निशाना साधा। कंगना ने अपने सोशल मीडिया पोस्ट में नसीरुद्दीन शाह को 'लोमड़ी' कहा और देश के प्रति उनकी वफादारी पर सवाल उठाए। दरअसल, कंगना ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक खबर साझा की, जिसमें अभिनेता पीयूष मिश्रा के नसीरुद्दीन शाह को लेकर दिए गए हालिया बयान का जिक्र था।

इसमें नसीरुद्दीन शाह उस पुरानी टिप्पणी का भी उल्लेख था, जिसमें उन्होंने बॉलीवुड की बड़ी हस्तियों की चुप्पी पर 'मुंह में हड्डी दबाए कुत्ते' वाली कहावत कही थी। इसी खबर को शेयर करते हुए कंगना ने अपनी बात रखी और नसीरुद्दीन शाह पर सीधे हमला किया।

कंगना ने अपने पोस्ट में लिखा, "सच तो यह है कि हर कोई किसी न किसी का कुत्ता है, लेकिन मुझे इस बात का गर्व है कि मैं जिस घर (देश) की रोटी खाती हूं, उसकी रखवाली करती हूं और उसके लिए लड़ती हूं। नसीर साहब खाते तो इस देश का हैं, लेकिन लड़ते पड़ोसी देश के लिए हैं।"

कंगना ने अपने पोस्ट में कहा, "आज के समय में किसी इंसान को कुत्ता कहना भी एक तरह की तारीफ है, क्योंकि वफादारी और मासूमियत बहुत कम देखने को मिलती है। मैं नसीरुद्दीन शाह जैसे 'लोमड़ी' बनने के बजाय कुत्ता कहलाना पसंद करूंगी।" दरअसल, कंगना का यह हमला नसीरुद्दीन शाह की उस टिप्पणी से जुड़ा है, जिसमें उन्होंने छात्र प्रदर्शनों को लेकर बॉलीवुड के बड़े कलाकारों की चुप्पी पर सवाल उठाया था।

नसीरुद्दीन शाह से पूछा गया था कि देश में चल रहे विरोध प्रदर्शनों और छात्र आंदोलनों के बीच बॉलीवुड की कई बड़ी हस्तियां खुलकर अपनी बात क्यों नहीं रखतीं। इस पर नसीरुद्दीन शाह ने कहा था, "वे ऐसा तब करेंगे जब उनका जमीर उनसे ऐसा करने को कहेगा। एक कहावत है, जिस कुत्ते के मुंह में हड्डी होती है, वह भौंक नहीं सकता। जैसे ही हड्डी उनके मुंह से गिर जाएगी या उनके दांत टूट जाएंगे, तब वे भौंकेंगे।

उनके इस बयान पर अभिनेता पीयूष मिश्रा ने पलटवार किया था। पीयूष मिश्रा ने झारखंड लोक सेवा आयोग (जेपीएससी) से जुड़े मुद्दों को लेकर रांची में प्रदर्शन कर रहे छात्रों के समर्थन में बात करते हुए शाह की इस टिप्पणी का जिक्र किया और कहा, "जिनके मुंह में हड्डियां होती हैं, वे बोल नहीं सकते। लेकिन मैं नसीर साहब से पूछना चाहता हूं कि अभी किसके मुंह में हड्डियां हैं? क्या आप लोग इसलिए चुप रहे क्योंकि आपको पिज्जा और बर्गर की तलब थी या इसलिए कि आप जिस भीड़ का हिस्सा थे, वह खास तरह की थी? माफ कीजिएगा नसीर साहब, लेकिन अब मुझे आपसे डर नहीं लगता।"

## टाइगर श्रॉफ के साथ अपकमिंग एक्शन फिल्म के सेट से पश्मीना रोशन ने शेयर कीं तस्वीर

मुंबई पश्मीना रोशन इन दिनों टाइगर श्रॉफ के साथ अपनी अपकमिंग एक्शन फिल्म को लेकर सुर्खियों में हैं। अभिनेत्री ने हाल ही में सोशल मीडिया पर फिल्म के सेट से कुछ बिहाइंड-द-सीन्स तस्वीरें शेयर कीं, जिनमें उनके शूटिंग रूटीन की झलक देखने को मिली। इन तस्वीरों ने फिल्म को लेकर फैंस की उत्सुकता और बढ़ा दी है।

शेयर की गई तस्वीरों में पश्मीना शूट के बीच अपनी वैनिटी वैन में नजर आ रही हैं। मेकअप रूम के कुछ कैंडिड मोमेंट्स के साथ उन्होंने अपनी स्क्रिप्ट की एक तस्वीर भी शेयर की है, जिससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि वह अपने किरदार और फिल्म की तैयारी में पूरी तरह जुटी हुई हैं। अपनी पोस्ट के साथ पश्मीना ने लिखा है, फिल्म के सेट पर बिताए दिनों से बेहतर कुछ नहीं, लेकिन इस बार का सफर कुछ ज्यादा ही खास है।

फ़िलहाल पश्मीना ने फिल्म या अपने किरदार से जुड़ी कोई जानकारी साझा नहीं की है, लेकिन उनकी इस बात से साफ है कि यह प्रोजेक्ट उनके लिए बेहद खास है। इसी के साथ टाइगर श्रॉफ और पश्मीना रोशन की फ्रेश जोड़ी को लेकर पहले से ही काफी चर्चा है। अपने जबरदस्त एक्शन और दमदार स्क्रीन प्रेजेंस के लिए पहचाने जाने वाले टाइगर के साथ पश्मीना की यह जोड़ी दर्शकों के बीच खासा उत्साह पैदा कर रही है।

फिल्म का निर्देशन मशहूर फिल्ममेकर और कोरियोग्राफर रेमो डिसूजा कर रहे हैं। एक्शन से भरपूर इस प्रोजेक्ट के साथ पश्मीना एक नए जॉनर में कदम रख रही हैं। ऐसे में फिल्म की शूटिंग आगे बढ़ने के साथ सेट से सामने आ रही इन झलकियों ने फैंस की उत्सुकता को और बढ़ा दिया है।

## अभिनेता प्रकाश राज का दावा, 'एसआईआर के बाद वोटिंग लिस्ट से कटा नाम'; बोले- 'बढ़िया मजाक है'

अभिनेता प्रकाश राज ने अपने हालिया सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए एक बड़ा दावा करते हुए एसआईआर प्रक्रिया पर तंज कसा है। वोटर लिस्ट से उनका नाम कट गया है। प्रकाश राज का दावा है कि बंगलूरू निर्वाचन क्षेत्र से उनका वोटिंग राइट डिलीट कर दिया गया है और ऐसा एसआईआर की प्रक्रिया के बाद हुआ है।

**प्रकाश राज ने क्या कहा?**

प्रकाश राज ने एक्स (पूर्व में ट्विटर) से एक पोस्ट साझा किया है। उन्होंने वोटर लिस्ट से नाम कटने का दावा करते हुए कहा कि यह बढ़िया मजाक है। एक्टर ने पोस्ट के साथ लिखा है, 'फ्रेंड्स..., आप कुछ नागरिकों के वोटिंग अधिकार चुन सकते हैं या उन्हें नकार सकते हैं, जो शायद आपको दोबारा सत्ता में ना लाएं। लेकिन, क्या आप हमें आपको आपकी गद्दी से नीचे गिराने से रोक सकते हैं? 'बस पूछ रहा हूं'।

**बोले- 'मैं 65 लाख लोगों में शामिल, जिनका वोट कटा'**

प्रकाश राज का कहना है कि वे उन 65 लाख वोटर्स में से एक हैं, जिनके मतदान अधिकार छिन गए हैं, एसआईआर के बाद। अभिनेता ने एक वीडियो शेयर किया है। इसके साथ लिखा है, 'दोस्तों, साथियों, मैं आपके साथ एक मजाक साझा करना चाहता हूं। मैं उन 65 लाख वोटरों में से एक हूं, जिनका नाम बंगलूरू निर्वाचन क्षेत्र की वोटर लिस्ट से हटा दिया गया है। वाह! क्या ही बढ़िया मजाक हुआ है, है ना?'

प्रकाश राज ने आगे कहा, 'मैं इसी निर्वाचन क्षेत्र में पैदा हुआ, यहीं रहा, यहीं स्कूल और कॉलेज की पढ़ाई की, थिएटर किया।'

'आपकी जानकारी के लिए बता दूं कि मैं इसी निर्वाचन क्षेत्र से सांसद का उम्मीदवार भी रहा हूं'। 'खैर, मजाक तो अच्छा है। अब खेल शुरू'। प्रकाश राज के वर्क फ्रंट की बात करें तो वे फिल्म 'दृश्यम 3' नजर आएंगे।

## सिने एसोसिएशन प्रेसिडेंट पूनम ढिल्लों बोलीं-मुझ पर लगाए आरोप आपत्तिजनक : कहा- कई महत्वपूर्ण फैसलों में मंजूरी नहीं ली

सिने एंड टीवी आर्टिस्ट्स एसोसिएशन की एग्जीक्यूटिव कमेटी के 8 सदस्यों ने हाल ही में अपने पदों और कमेटी से इस्तीफा दे दिया। इन सदस्यों ने आरोप लगाया है कि उन्हें संगठन की मौजूदा लीडरशिप पर कोई भरोसा नहीं है। उन्होंने नए चुनाव कराने की मांग भी की। इस विवाद के बीच, CINTAA की प्रेसिडेंट पूनम ढिल्लों ने सोमवार को अपने और वाइस प्रेसिडेंट पद्मिनी कोल्हापुरे के खिलाफ लगे आरोपों को बहुत आपत्तिजनक बताया।

दरअसल, इस्तीफा देने वाले 8 निर्वाचित सदस्यों में हेमंत पांडे, मुकेश ऋषि, साहिला चड्ढा, हेतल परमार, पुनीत इस्सर, विंदू दारा सिंह, विकास वर्मा और दीपक पाराशर शामिल हैं। उनका आरोप है कि कार्यकारी समिति से सलाह या मंजूरी लिए, बिना महत्वपूर्ण फैसले बार-बार किए गए।

दरअसल, आठों सदस्यों ने संयुक्त इस्तीफा पत्र में आरोप लगाया कि एसोसिएशन का कामकाज पूनम, पद्मिनी और कुछ दूसरे सदस्यों तक सीमित होकर रह गया। उन्होंने सामूहिक फैसले, सलाह-मशवरे और संविधान के नियमों के बार-बार उल्लंघन की बात भी कही।

पूनम ने बताया कि इस विवाद का उन पर इमोशनल असर पड़ा और उन्होंने कई बार कार्यकारी समिति से इस्तीफा देने के बारे में सोचा। उन्होंने कहा कि दो या तीन लोग, जिन्हें उन्होंने पेड प्रवक्ता बताया, इसी तरह की बातें करते थे। उन्होंने कहा कि उनमें से एक या दो CINTAA के सदस्य भी थे। उन्होंने बहुत अनुचित और दुख पहुंचाने वाले बयान दिए। फिर भी हमने चुप रहना चुना।

**पूनम ने आत्मसम्मान को सबसे जरूरी बताया**

पूनम ने कहा कि मैं सिर्फ एक बात कहना चाहूंगी। मेरा आत्मसम्मान और ईमानदारी मेरे लिए बहुत जरूरी है। हमने जो कुछ वर्षों में कमाया है, वह एक-दो साल में नहीं कमाया। हमने अपने व्यवहार, गरिमा, मौजूदगी और लोगों के साथ व्यवहार व बातचीत के तरीके से दशकों में अपनी प्रतिष्ठा और आत्मसम्मान बनाया है। पूनम ने कहा कि वह और पद्मिनी CINTAA के लिए गुडविल बनाने के लिए अपने रिसोर्स और कनेक्शन का इस्तेमाल कर रही हैं। उन्होंने कहा कि इसका मकसद पर्सनल फायदा नहीं है।

पूनम ने कहा कि संगठन के सदस्यों के लिए कुछ करने की पहल कोई और नहीं कर रहा था, इसलिए मैं उनके आरोपों से हैरान हूं। पूनम ने कहा कि इस्तीफा देने वाले सदस्य CAWT को बचाने की कोशिश कर रहे थे। यह ट्रस्ट दिवंगत दिलीप कुमार, अमरीश पुरी, अमजद खान और दूसरे वरिष्ठ कलाकारों ने बनाया था।

उन्होंने कहा कि इस ट्रस्ट ने सदस्यों को मेडिकल सुविधाएं देने की अपनी जिम्मेदारी पूरी नहीं की है। पूनम के मुताबिक, पिछले कुछ दशकों में मौजूदा समिति के किसी सदस्य ने CAWT के लिए रकम नहीं जुटाई। उन्होंने बताया कि हाल में एक कार्यक्रम के जरिए रकम जुटाई गई। कार्यक्रम में प्रस्तुति देने वाली कलाकार कविता कृष्णमूर्ति और मधुश्री को साड़ियां दी गईं, जबकि बिना फीस प्रस्तुति देने वाले नितिन मुकेश को कुर्ता दिया गया।

## सलमान खान और संजय दत्त फिर साथ दिखेंगे

बॉलीवुड स्टार सलमान खान और संजय दत्त की इंटरनेशनल एक्शन थ्रिलर फिल्म '7 डॉग्स' भारत के सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है। सलमान खान ने सोशल मीडिया पर जानकारी दी है कि यह फिल्म 21 अगस्त को भारतीय थिएटर्स में लगेगी।

फिल्म का निर्देशन बिलाल फल्लाह और आदिल एल अरबी ने किया है। इस फिल्म में मिस्र के स्टार्स करीम अब्दुल-अजीज और अहमद एज मुख्य भूमिकाओं में हैं, जबकि सलमान खान और संजय दत्त कैमियो रोल में नजर आएंगे। यह फिल्म इस साल की शुरुआत में मिडिल ईस्ट के देशों में रिलीज हो चुकी है।

**टीजर में दिखा था दोनों अभिनेताओं का अंदाज**

फिल्म '7 डॉग्स' का टीजर पिछले साल जारी किया गया था। टीजर की शुरुआत में संजय दत्त हाथ में बंदूक लिए नजर आए थे। वहीं टीजर के आखिरी हिस्से में सलमान खान सूट-बूट में दिखे थे। दोनों अभिनेताओं के टीजर में आने के बाद से ही भारतीय दर्शकों के बीच इस फिल्म को लेकर चर्चा थी।

**रियाद में हुई थी तीन दिन की शूटिंग**

इस फिल्म को सऊदी अरब की जनरल एंटरटेनमेंट अथॉरिटी के चेयरमैन तुर्की अल-शेख ने प्रोड्यूस किया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, सलमान खान और संजय दत्त के तुर्की अल-शेख के साथ अच्छे संबंध हैं। इसी वजह से दोनों इस फिल्म में कैमियो करने के लिए तैयार हुए थे। इस रोल की शूटिंग के लिए सलमान और संजय पिछले साल फरवरी में सऊदी अरब की राजधानी रियाद गए थे। वहां दोनों ने तीन दिनों के शेड्यूल में अपने सीन शूट किए थे।

**ड्रग सिंडिकेट और इंटरपोल अफसर की है कहानी**

एक रिपोर्ट के मुताबिक, फिल्म की कहानी '7 डॉग्स' नाम के एक ग्लोबल क्राइम सिंडिकेट के इर्द-गिर्द घूमती है। इसमें इंटरपोल अफसर खालिद अल-अज्जाली इस सिंडिकेट के बड़े लीडर घाली अबू दाऊद को गिरफ्तार कर लेता है।

एक साल बाद जब यह सिंडिकेट मिडिल ईस्ट में 'पिंक लेडी' नाम की नई ड्रग्स की तस्करी शुरू करता है, तो खालिद को मजबूरी में घाली की मदद लेनी पड़ती है। घाली ही अकेला ऐसा शख्स है जो इस सिंडिकेट के काम करने के तरीके को अच्छी तरह जानता है।

**'साजन' से लेकर 'ओल्ड मनी' तक साथ काम किया**

सलमान खान और संजय दत्त की ऑनस्क्रीन जोड़ी को दर्शक लंबे समय से पसंद करते रहे हैं। दोनों ने 1991 में आई फिल्म 'साजन' में पहली बार साथ काम किया था। इसके बाद 2000 में आई फिल्म 'चल मेरे भाई' और 2002 की फिल्म 'ये है जलवा' में भी दोनों साथ नजर आए। पिछले साल दोनों इंडो-कनाडियन रैपर एपी ढिल्लों के म्यूजिक वीडियो 'ओल्ड मनी' में भी एक साथ दिखे थे।

## इमरान हाशमी ने ली आवारापन से 10 गुना ज्यादा फीस! दिशा और शबाना आजमी की कमाई भी आई सामने

इमरान हाशमी की कल्ट क्लासिक फिल्म 'आवारापन' का सीक्वल 'आवारापन 2' जल्द सिनेमाघरों में दस्तक देने वाला है। फिल्म में दिशा पटानी और शबाना आजमी भी अहम किरदारों में नजर आएंगी। जानिए इन एक्टर्स ने फिल्म के लिए कितनी फीस चार्ज की है।

**इमरान हाशमी को मिले 12 करोड़ रुपये?**

फिल्म 'आवारापन 2' को लेकर दर्शकों के बीच काफी बज बना हुआ है। फिल्म की रिलीज से पहले अब इसकी स्टारकास्ट की कथित फीस को लेकर भी जानकारी सामने आई है। एक रिपोर्ट के मुताबिक, इमरान हाशमी फिल्म के सबसे ज्यादा फीस लेने वाले एक्टर हैं। इमरान हाशमी को 'आवारापन 2' में अपने आइकॉनिक किरदार शिव पंडित को दोबारा निभाने के लिए करीब 12 करोड़ रुपये फीस दी जा रही है। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि यह फीस उन्हें 2007 में आई पहली फिल्म 'आवारापन' के लिए मिली रकम से करीब 10 गुना ज्यादा है।

**दिशा पटानी की फीस कितनी?**

फिल्म में दिशा पाटनी भी अहम भूमिका में नजर आएंगी। रिपोर्ट के मुताबिक, उन्हें 'आवारापन 2' के लिए करीब 5 करोड़ रुपये फीस मिल रही है।

**शबाना आजमी को मिलेंगे इतने करोड़?**

दिग्गज अभिनेत्री शबाना आजमी भी 'आवारापन 2' का हिस्सा हैं। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि फिल्म में अहम भूमिका निभाने के लिए उन्हें करीब 2 करोड़ से 5 करोड़ रुपये के बीच फीस दी गई है।

फिलहाल ये सभी फीस के आंकड़े रिपोर्ट्स पर आधारित हैं और मेकर्स या कलाकारों की तरफ से इनकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। 'आवारापन 2' में इमरान हाशमी एक बार फिर शिवम पंडित के किरदार में नजर आएंगे। उनके साथ दिशा पटानी, शबाना आजमी, सुविंदर विक्की, विजयंथ कोहली, अनिरुद्ध रावल और अतुल कुमार भी फिल्म का हिस्सा हैं। फिल्म का म्यूजिक मिथुन, जीत गांगुली, अमाल मलिक और अखिल सचदेवा ने दिया है, जबकि डायरेक्शन नितिन कक्कड़ कर रहे हैं। ये फिल्म 14 अगस्त को दुनियाभर में रिलीज होने वाली है।

# शादी के बाद पहली तीज पर नवविवाहित कपल्स बनाएं दिन को यादगार

शादी के बाद आने वाला पहला त्योहार हर कपल के लिए बेहद खास होता है। नई-नई शादी के बाद पहला सावन और पहली तीज सिर्फ पूजा और व्रत तक सीमित नहीं रहती, बल्कि यह पति-पत्नी के रिश्ते में प्यार, अपनापन और नई यादें जोड़ने का खूबसूरत मौका भी बन जाती है। हरी चूड़ियां, मेहंदी, सोलह श्रृंगार, झूले, पारंपरिक कपड़े और परिवार के साथ उत्सव, इन सबके बीच नवविवाहित दुल्हन की पहली तीज का उत्साह अलग ही नजर आता है।

अगर आप भी शादी के बाद पहली बार तीज मनाने जा रहे हैं, तो इस दिन को थोड़ा खास बनाने के लिए कई छोटी-छोटी चीजें कर सकते हैं। दुल्हन पारंपरिक लुक में तैयार हो सकती है, पति पूजा की तैयारियों में साथ दे सकते हैं और दोनों मिलकर इस खास दिन की तस्वीरें और यादें संजो सकते हैं। परिवार के साथ तीज की रस्मों में शामिल होने के अलावा कपल एक-दूसरे के लिए छोटा-सा सरप्राइज भी प्लान कर सकते हैं।

पहली तीज का असली आकर्षण महंगे तोहफों में नहीं, बल्कि साथ, सम्मान और उन छोटी खुशियों में है जिन्हें बाद में याद करके चेहरे पर मुस्कान आ जाए।

### साथ मिलकर तीज की तैयारियां करें

नवविवाहित कपल्स के लिए पहली तीज को खास बनाने का सबसे आसान तरीका है कि इसकी तैयारियां अकेले करने के बजाय साथ मिलकर की जाएं।

दुल्हन अपने लिए हरे रंग की साड़ी, लहंगा या सूट चुन सकती है और पति उसके साथ ज्वेलरी, चूड़ियां या दूसरी एक्सेसरीज चुनने में मदद कर सकते हैं।

घर पर तीज का छोटा-सा डेकोरेशन भी किया जा सकता है।

फूलों, पत्तियों और पारंपरिक सजावट से घर को खूबसूरत लुक दें।अगर घर में झूले की व्यवस्था हो तो उसे फूलों से सजाया जा सकता है।

### पहली तीज पर पारंपरिक श्रृंगार और मेहंदी को बनाएं खास

पहली तीज पर दुल्हन का श्रृंगार इस त्योहार का खास हिस्सा होता है। हरी चूड़ियां, मेहंदी, बिंदी, सिंदूर, पायल और पारंपरिक गहने इस दिन के लुक को और खूबसूरत बना सकते हैं।

दुल्हन अपनी शादी के गहनों में से कोई खास आभूषण भी पहन सकती है।

मेहंदी के लिए हाथों पर पति के नाम या दोनों से जुड़ा कोई छोटा-सा डिजाइन भी पहली तीज की याद को खास बना सकता है।

पति भी इस दिन पारंपरिक कुर्ता-पायजामा या दूसरे एथनिक आउटफिट में दुल्हन के साथ ट्विनिंग कर सकते हैं।

### पूजा और तीज की रस्मों में साथ रहें

तीज का धार्मिक महत्व भी काफी खास है। अलग-अलग क्षेत्रों और परिवारों में तीज की पूजा और परंपराएं अलग हो सकती हैं। इसलिए नवविवाहित कपल को अपने परिवार की परंपरा के अनुसार पूजा और रस्मों में शामिल होना चाहिए।

पति पूजा की तैयारियों में पत्नी का साथ दे सकते हैं। पूजा के लिए जरूरी सामान व्यवस्थित करने से लेकर परिवार के साथ रस्मों में शामिल होने तक, छोटी-सी मदद भी दुल्हन के लिए काफी मायने रख सकती है।

अगर पत्नी व्रत रख रही है, तो उसकी सुविधा और स्वास्थ्य का ध्यान रखना भी जरूरी है। व्रत रखने की परंपरा हर व्यक्ति के लिए एक जैसी नहीं होती, इसलिए अपनी स्वास्थ्य स्थिति और परिवार की परंपरा के अनुसार निर्णय लेना बेहतर है।

### पहली तीज को बनाएं यादों का दिन

पहली तीज दोबारा वापस नहीं आएगी, इसलिए इस दिन की यादों को संजोना अच्छा आइडिया हो सकता है। कपल पारंपरिक आउटफिट में एक छोटा फोटोशूट कर सकते हैं। इसके लिए किसी महंगे स्टूडियो की जरूरत नहीं है। घर की बालकनी, पूजा का स्थान, फूलों से सजा झूला या घर का कोई खूबसूरत कोना भी फोटोशूट के लिए शानदार बैकग्राउंड बन सकता है।

दोनों साथ में कुछ कैंडिड तस्वीरें ले सकते हैं। साथ ही शादी के बाद पहली तीज पर एक-दूसरे के लिए छोटा-सा हाथ से लिखा नोट भी बेहद प्यारा आइडिया है। कुछ साल बाद जब ये तस्वीरें और नोट्स दोबारा सामने आएंगे, तो पहली तीज की यादें और भी खास महसूस होंगी।

### एक-दूसरे के लिए छोटा सरप्राइज प्लान करें

पहली तीज पर पति-पत्नी एक-दूसरे के लिए छोटा-सा सरप्राइज प्लान कर सकते हैं। यह कोई महंगा गिफ्ट होना जरूरी नहीं है।

पति पत्नी के लिए फूल, पसंदीदा मिठाई, चूड़ियां, कोई किताब, छोटी ज्वेलरी या हाथ से लिखा पत्र दे सकते हैं। वहीं पत्नी भी पति के लिए उनकी पसंद की कोई छोटी चीज चुन सकती है।

अगर व्रत और पूजा के बाद समय मिले तो दोनों साथ में घर पर पारंपरिक खाना बना सकते हैं या परिवार के साथ त्योहार का भोजन कर सकते हैं।

सबसे जरूरी बात यह है कि पहली तीज को केवल एक रस्म की तरह न मनाएं। इसे पति-पत्नी के बीच प्यार, बातचीत और साथ का दिन बनाएं।

### पहली तीज पर क्या न भूलें?

अपनी पारिवारिक और क्षेत्रीय तीज परंपराओं का सम्मान करें।

व्रत रखने पर अपनी सेहत का ध्यान रखें। पूजा की सामग्री पहले से तैयार कर लें। मेहंदी और श्रृंगार के लिए पर्याप्त समय रखें। फोटो और वीडियो के साथ त्योहार को जीना न भूलें। एक-दूसरे के साथ समय बिताएं। महंगे उपहार के बजाय भावनात्मक यादों को प्राथमिकता दें।

# स्वतंत्रता दिवस पर बच्चे को बनाएं नन्हा देशभक्त

## ऐसी तैयारी जीत लेगी सभी का दिल

स्वतंत्रता दिवस हर भारतीय के लिए गर्व और सम्मान का पर्व है। 15 अगस्त के अवसर पर देशभर के स्कूलों, कॉलेजों और संस्थानों में सांस्कृतिक कार्यक्रम, देशभक्ति गीत, नृत्य, भाषण और झांकी जैसे आयोजन किए जाते हैं। ऐसे में माता-पिता चाहते हैं कि उनका बच्चा न केवल सुंदर और आकर्षक दिखे, बल्कि पूरे आत्मविश्वास के साथ मंच पर अपनी प्रस्तुति भी दे।

हालांकि, बच्चे की तैयारी केवल अच्छी ड्रेस पहनाने तक सीमित नहीं होती। सही परिधान, आरामदायक जूते, समय पर अभ्यास, संतुलित भोजन और सकारात्मक माहौल बच्चे के आत्मविश्वास को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। यदि बच्चा पहली बार मंच पर जा रहा है, तो उस पर अनावश्यक दबाव डालने के बजाय उसे प्रोत्साहित करना अधिक जरूरी है।

अगर आपका बच्चा भी इस बार 15 अगस्त के कार्यक्रम में भाग लेने जा रहा है, तो कुछ आसान तैयारियां उसके अनुभव को और यादगार बना सकती हैं। आइए जानते हैं ऐसे ही उपयोगी टिप्स।

आरामदायक और आकर्षक ड्रेस चुनें

सफेद कुर्ता-पायजामा, तिरंगा थीम वाली टी-शर्ट या पारंपरिक भारतीय पोशाक अच्छा विकल्प हो सकती है।

ड्रेस ऐसी हो जिसमें बच्चा आसानी से चल-फिर सके।

मौसम के अनुसार हल्के और आरामदायक कपड़े चुनें।

### कार्यक्रम के अनुसार तैयारी करें

यदि बच्चा भाषण, कविता, नृत्य या नाटक में भाग ले रहा है,

रोज 10-15 मिनट अभ्यास कराएं।घर में परिवार के सामने प्रस्तुति देने का मौका दें।

संवाद या कविता याद कराने के साथ उसका सही उच्चारण भी सिखाएं।

मंच पर मुस्कुराने और स्पष्ट बोलने के लिए प्रेरित करें।

### लुक को दें देशभक्ति का स्पर्श

तिरंगा बैज या रिबन लगाएं।

लड़कियों के लिए तिरंगा रंग की हेयर एक्सेसरी चुन सकते हैं।

लड़कों के लिए तिरंगा पॉकेट स्क्वायर या रिस्टबैंड अच्छा विकल्प हो सकता है।

चेहरे पर रंग लगाने वाले उत्पाद केवल त्वचा के लिए सुरक्षित (स्किन-फ्रेंडली) हों।

### कार्यक्रम वाले दिन रखें इन बातों का ध्यान

बच्चे को समय पर उठाएं।

पौष्टिक नाश्ता जरूर कराएं।

पानी की बोतल साथ रखें।

स्कूल समय से पहले पहुंचें ताकि बच्चा सहज महसूस करे।

ड्रेस, पिन, रुमाल और अन्य जरूरी सामान पहले से तैयार रखें।

# परिवार के साथ ऐसे मनाएं 15 अगस्त, बच्चों को भी मिलेगा देशभक्ति का अनोखा अनुभव

स्वतंत्रता दिवस हर भारतीय के लिए गर्व, सम्मान और देशभक्ति का पर्व है। 15 अगस्त 1947 को भारत ने स्वतंत्रता प्राप्त की थी और तभी से हर वर्ष यह दिन पूरे देश में उत्साह के साथ मनाया जाता है। स्कूलों, कॉलेजों, सरकारी संस्थानों और सार्वजनिक स्थानों पर ध्वजारोहण, सांस्कृतिक कार्यक्रम और देशभक्ति गीतों की गूंज सुनाई देती है। लेकिन इस राष्ट्रीय पर्व को सिर्फ औपचारिक कार्यक्रमों तक सीमित रखने के बजाय परिवार के साथ भी अर्थपूर्ण तरीके से मनाया जा सकता है।

आज की व्यस्त जीवनशैली में परिवार के साथ समय बिताने के अवसर कम मिलते हैं। ऐसे में स्वतंत्रता दिवस पूरे परिवार को एक साथ जोड़ने, बच्चों को देश के इतिहास और स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदान के बारे में बताने तथा राष्ट्रीय मूल्यों को अगली पीढ़ी तक पहुंचाने का बेहतरीन अवसर है। छोटी-छोटी गतिविधियां जैसे तिरंगा सजावट, देशभक्ति गीत, पारिवारिक क्विज़, तिरंगा थीम भोजन या किसी ऐतिहासिक स्थल की यात्रा इस दिन को और भी खास बना सकती हैं।

अगर आप इस बार 15 अगस्त को परिवार के साथ अलग अंदाज में मनाना चाहते हैं, तो ये आसान और प्रेरणादायक आइडियाज आपके लिए उपयोगी साबित हो सकते हैं।

### सुबह ध्वजारोहण और राष्ट्रगान के साथ करें शुरुआत

स्वतंत्रता दिवस की शुरुआत ध्वजारोहण समारोह में शामिल होकर करें।

यदि संभव हो तो परिवार के साथ अपने क्षेत्र, स्कूल या सोसायटी के कार्यक्रम में जाएं।

राष्ट्रगान के दौरान सभी सदस्य सम्मानपूर्वक खड़े हों।

बच्चों को राष्ट्रीय ध्वज के सम्मान और उसके महत्व के बारे में बताएं।

इससे उनमें बचपन से ही देश के प्रति सम्मान की भावना विकसित होती है।

### बच्चों को सुनाएं स्वतंत्रता सेनानियों की प्रेरक कहानियां

15 अगस्त बच्चों को इतिहास से जोड़ने का बेहतरीन अवसर है।

परिवार के बड़े सदस्य महात्मा गांधी, भगत सिंह, रानी लक्ष्मीबाई, सुभाष चंद्र बोस, सरदार पटेल और अन्य स्वतंत्रता सेनानियों के संघर्ष की कहानियां साझा कर सकते हैं।

इसे और रोचक बनाने के लिए छोटे क्विज़, चित्रकला प्रतियोगिता या देशभक्ति कविता पाठ भी आयोजित किया जा सकता है।

तिरंगा थीम सजावट और पारंपरिक भोजन तैयार करें

घर को तिरंगे के रंगों से सजाएं।

परिवार के साथ मिलकर तिरंगा थीम वाले व्यंजन जैसे इडली, सैंडविच, सलाद, मिठाई या फ्रूट प्लेट तैयार करें।

साथ मिलकर खाना बनाना न केवल परिवार के साथ समय बिताने का अच्छा तरीका है, बल्कि त्योहार जैसे माहौल का भी आनंद देता है।

### देशभक्ति फिल्में देखें और सांस्कृतिक कार्यक्रम करें

शाम के समय परिवार के साथ प्रेरणादायक देशभक्ति फिल्में, डॉक्यूमेंट्री या स्वतंत्रता संग्राम पर आधारित कार्यक्रम देखे जा सकते हैं।

बच्चे देशभक्ति गीत गा सकते हैं, कविता सुना सकते हैं या छोटा नाटक प्रस्तुत कर सकते हैं।

इससे मनोरंजन के साथ सीखने का अवसर भी मिलता है।

### समाज और पर्यावरण के लिए करें एक अच्छा काम

स्वतंत्रता दिवस केवल उत्सव का नहीं, बल्कि जिम्मेदारी निभाने का भी दिन है।

परिवार के साथ पौधारोपण करें।आसपास की सफाई अभियान में भाग लें।

जरूरतमंद लोगों की सहायता करें।

स्थानीय समुदाय की किसी सकारात्मक पहल में सहयोग दें।

ऐसे छोटे प्रयास राष्ट्रीय भावना को व्यवहार में बदलने का अवसर देते हैं।

# बच्चों को संविधान सिखाने के आसान और मजेदार तरीके

भारत का संविधान केवल कानूनों का दस्तावेज़ नहीं है, बल्कि यह देश के लोकतांत्रिक मूल्यों, अधिकारों और नागरिक जिम्मेदारियों की आधारशिला भी है। बच्चों को कम उम्र से ही संविधान और नागरिक कर्तव्यों के बारे में जानकारी देना उन्हें जिम्मेदार, संवेदनशील और जागरूक नागरिक बनने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम हो सकता है। खासकर स्वतंत्रता दिवस, गणतंत्र दिवस या स्कूल के विशेष कार्यक्रम ऐसे अवसर होते हैं जब माता-पिता और शिक्षक इन विषयों पर सरल भाषा में बातचीत शुरू कर सकते हैं।

बच्चों के लिए संविधान की जटिल कानूनी भाषा समझना आसान नहीं होता, इसलिए उन्हें रोजमर्रा की जिंदगी से जुड़े उदाहरणों, कहानियों और छोटे-छोटे अनुभवों के माध्यम से समझाना अधिक प्रभावी होता है। जैसे घर के नियमों का पालन करना, सार्वजनिक स्थानों को साफ रखना, सभी लोगों का सम्मान करना और पर्यावरण की रक्षा करना, ये सभी नागरिक जिम्मेदारियों की शुरुआती सीख बन सकते हैं।

जब बच्चे यह समझते हैं कि अधिकारों के साथ कर्तव्य भी उतने ही महत्वपूर्ण हैं, तो उनमें अनुशासन, सहिष्णुता और सामाजिक जिम्मेदारी की भावना विकसित होती है। आइए जानते हैं ऐसे 5 आसान और प्रभावी तरीके, जिनकी मदद से बच्चों को संविधान और नागरिक कर्तव्यों के बारे में रोचक ढंग से समझाया जा सकता है।

### रोजमर्रा के उदाहरणों से संविधान की बात समझाएं

बच्चों को बताएं कि जैसे घर, स्कूल और खेल के मैदान में कुछ नियम होते हैं ताकि सभी सुरक्षित और खुश रहें, उसी तरह पूरे देश के लिए भी नियमों का एक ढांचा होता है, जिसे संविधान कहते हैं। यह समझाएं कि संविधान नागरिकों के अधिकारों की रक्षा करता है और सभी के साथ समान व्यवहार की भावना को बढ़ावा देता है।

### कहानियों और स्वतंत्रता सेनानियों के प्रसंग सुनाएं

बच्चे कहानियों के माध्यम से बातें जल्दी समझते हैं। स्वतंत्रता आंदोलन, संविधान निर्माण और देश के महान नेताओं से जुड़े प्रेरक प्रसंग सुनाकर उन्हें लोकतंत्र, समानता और जिम्मेदारी का महत्व समझाया जा सकता है। इससे इतिहास और नागरिकता के बीच संबंध भी स्पष्ट होता है।

### नागरिक कर्तव्यों को दैनिक आदतों से जोड़ें

बच्चों को बताएं कि सार्वजनिक स्थानों पर साफ-सफाई रखना, ट्रैफिक नियमों का पालन करना, पेड़ लगाना, पानी बचाना, सभी धर्मों और संस्कृतियों का सम्मान करना तथा राष्ट्रीय प्रतीकों का आदर करना अच्छे नागरिक की पहचान है। जब ये बातें व्यवहार में शामिल होती हैं, तो बच्चे उन्हें आसानी से अपनाते हैं।

### खेल, क्विज और गतिविधियों के जरिए सीख को मजेदार बनाएं

संविधान और नागरिक कर्तव्यों पर आधारित क्विज़, पोस्टर प्रतियोगिता, रोल प्ले, ड्राइंग या समूह चर्चा जैसी गतिविधियां बच्चों की रुचि बढ़ाती हैं। स्वतंत्रता दिवस या गणतंत्र दिवस पर आयोजित ऐसे कार्यक्रम बच्चों को सीखने के साथ भागीदारी का भी अवसर देते हैं।

### माता-पिता और शिक्षक खुद उदाहरण बनें

बच्चे सबसे ज्यादा वही सीखते हैं जो वे अपने आसपास देखते हैं। यदि बड़े लोग नियमों का पालन करें, सार्वजनिक संपत्ति का सम्मान करें, दूसरों के प्रति विनम्र रहें और जिम्मेदारी से व्यवहार करें, तो बच्चे भी इन्हीं मूल्यों को अपनाने की संभावना अधिक होती है। सकारात्मक व्यवहार सबसे प्रभावी शिक्षा बन सकता है।

### बच्चों को संविधान सिखाते समय ध्यान रखें

सरल और उम्र के अनुसार भाषा का उपयोग करें।

अधिकारों के साथ कर्तव्यों की भी चर्चा करें।

प्रश्न पूछने के लिए बच्चों को प्रोत्साहित करें।

राष्ट्रीय पर्वों को सीखने का अवसर बनाएं।

व्यवहारिक उदाहरणों और सकारात्मक आदतों पर जोर दें।

किसी भी विषय को डर या दबाव की बजाय संवाद के माध्यम से समझाएं।

# रक्षाबंधन पर बहन को क्या गिफ्ट दें?

## 25 यूनिक और बजट-फ्रेंडली आइडियाज

रक्षाबंधन सिर्फ राखी बांधने और मिठाई खिलाने का त्योहार नहीं है, बल्कि भाई-बहन के स्नेह, विश्वास और यादों का उत्सव भी है। इस दिन कई भाई अपनी बहन के लिए ऐसा उपहार चुनना चाहते हैं जो केवल आकर्षक ही नहीं, बल्कि उपयोगी और यादगार भी हो। लेकिन हर साल यही सवाल सामने आता है, इस बार बहन को क्या गिफ्ट दें?

आज के समय में गिफ्ट का मतलब सिर्फ महंगा सामान नहीं है। कई बार एक छोटा-सा, सोच-समझकर चुना गया उपहार भी लंबे समय तक याद रहता है। चाहे आपकी बहन कॉलेज में पढ़ती हो, नौकरी करती हो, शादीशुदा हो या किसी नए शौक को अपनाना चाहती हो, उसकी पसंद के अनुसार चुना गया तोहफा इस त्योहार को और भी खास बना सकता है।

क्षाबंधन पर बहन के लिए बेहतरीन गिफ्ट आइडियाज साझा कर रहे हैं। इनमें बजट-फ्रेंडली विकल्प, पर्सनलाइज्ड गिफ्ट, फैशन और ब्यूटी से जुड़े उपहार, टेक्नोलॉजी एक्सेसरीज़ और अनुभव आधारित सरप्राइज शामिल हैं, ताकि आप अपनी बहन के चेहरे पर मुस्कान ला सकें।

### पर्सनलाइज्ड गिफ्ट

अगर आप ऐसा उपहार देना चाहते हैं जो लंबे समय तक याद रहे, तो पर्सनलाइज्ड गिफ्ट एक अच्छा विकल्प हो सकता है। यहां कुछ लोकप्रिय विकल्प बताए जा रहे हैं,

### फोटो फ्रेम या फोटो कोलाज

नाम या शुरुआती अक्षरों वाला

मग

कस्टम कुशन

फोटो प्रिंटेड डायरी

पर्सनलाइज्ड ज्वेलरी

यादों से भरी स्क्रैपबुक

ऐसे उपहार भावनात्मक जुड़ाव बढ़ाते हैं और खास अवसरों पर अधिक अर्थपूर्ण महसूस होते हैं।

### फैशन और ब्यूटी गिफ्ट्स

अगर आपकी बहन फैशन या ब्यूटी में रुचि रखती है, तो उसकी पसंद के अनुसार उपहार चुन सकते हैं। इसमें कई विकल्प मौजूद हैं, जैसे-

मिनिमल ज्वेलरी

हैंडबैग या स्लिंग बैग

स्किनकेयर हैम्पर

मेकअप ऑर्गेनाइज़र

परफ्यूम

सिल्क स्कार्फ

घड़ी

सनग्लासेस

ध्यान रखें कि स्किनकेयर या कॉस्मेटिक उत्पाद चुनते समय उसकी पसंद और त्वचा की जरूरतों का ध्यान रखें।

### उपयोगी और बजट-फ्रेंडली गिफ्ट्स

हर अच्छा गिफ्ट महंगा हो, यह जरूरी नहीं है। कम बजट में भी कई उपयोगी विकल्प उपलब्ध हैं।

500 रुपये के अंदर बहन के लिए एक कॉफी मग, चॉकलेट बॉक्स, इंडोर प्लांट या नोटबुक ले सकते हैं।

500 से 1000 रुपये में किताब, हैंडबैग, वायरलेस इयरफोन, स्किनकेयर किट गिफ्ट कर सकते हैं।

1000 से 3000 रुपये में स्मार्टवॉच (एंट्री लेवल), प्रीमियम बैग, स्पा वाउचर तोहफे में दे सकते हैं।

3000 से 5000 रुपये में बहन को राखी गिफ्ट के लिए फिटनेस बैंड, ब्लूटूथ स्पीकर, प्रीमियम गिफ्ट हैम्पर दे सकते हैं।

सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि उपहार आपकी बहन की रुचि और जरूरत के अनुरूप हो।

### अनुभव आधारित गिफ्ट

आजकल कई लोग ऐसी चीजें पसंद करते हैं जो यादगार अनुभव दें। इसमें भी आपको अपनी बहन के लिए कई विकल्प मिल जाएंगे। जैसे,

स्पा या वेलनेस सेशन

पसंदीदा रेस्टोरेंट में डिनर

वीकेंड ट्रिप

मूवी डेट

पॉटरी या पेंटिंग वर्कशॉप

म्यूजिक या डांस क्लास का वाउचर

ऐसे अनुभव भाई-बहन के रिश्ते में नई यादें जोड़ सकते हैं।

### गिफ्ट के साथ एक दिल से लिखा संदेश भी दें

कोई भी उपहार तब और खास बन जाता है जब उसके साथ आपकी भावनाएं भी जुड़ी हों।

एक छोटा-सा हाथ से लिखा नोट, बचपन की किसी याद का ज़िक्र या भविष्य के लिए शुभकामनाएं, गिफ्ट की भावनात्मक अहमियत बढ़ा सकती हैं। आप एक छोटा-सा मेमोरी बॉक्स भी बना सकते हैं, जिसमें पुरानी तस्वीरें, छोटे नोट्स और कुछ खास यादगार चीजें रखी जा सकती हैं। कई बार यही सबसे अनमोल तोहफा बन जाता है।

# एमपी-यूपी के जेपी एसोसिएट्स सीमेंट प्लांट अदाणी से खरीदने वाली डालमिया को अच्छा प्रतिकार मिला है

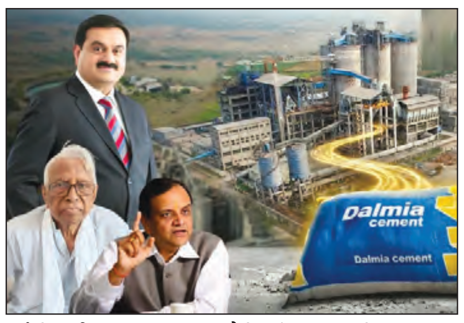


नई दिल्ली, 11 अगस्त (एजेंसियां)। डालमिया भारत को हाल ही में तिमाही के नतीजे में भारी नुकसान हुआ है। कंपनी ने अदाणी से जेपी एसोसिएट्स के यूपी और एमपी के सीमेंट प्लांट खरीदे थे। कंपनी से इसे अदाणी ग्रुप से खरीदा है। डालमिया सीमेंट ने जयप्रकाश एसोसिएट्स और उसकी सहयोगी कंपनियों के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए थे। इस सौदे के तहत डालमिया भारत, जेपी ग्रुप के सीमेंट प्लांट, ग्राइंडिंग यूनिट और थर्मल पावर प्लांट का अधिग्रहण करेगी। मार्केट एक्सपर्ट्स ने सीमेंट सेक्टर की बड़ी कंपनी डालमिया भारत लिमिटेड को लेकर सकारात्मक रुख अपनाया है। जियोजित फाइनेंशियल सर्विसेज की हालिया रिपोर्ट के मुताबिक, कंपनी के शेयरों में मौजूदा स्तर से 25% तक की बढ़त देखने को मिल सकती है। ब्रोकरेज हाउस ने इस स्टॉक पर 'बीयूवाई' रेटिंग बरकरार रखी है और इसका टारगेट प्राइस 2,278 तय किया है। इसका शेयर प्राइस अभी 1,828 रुपये के आस-पास है।

**तिमाही नतीजों पर एक्सपर्ट ने क्या कहा ?**

रिपोर्ट के अनुसार, डालमिया भारत ने वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही (यू1एफवाई27) में रेवेन्यू में सालाना आधार पर 7% की बढ़ोतरी दर्ज की, जिससे यह 3,890 करोड़ हो गया। हालांकि, कंपनी का नेट प्रॉफ़िट (रिपोर्टेड पीएटी) 52% घटकर 188 करोड़ रह गया। प्रॉफ़िट में इस गिरावट की मुख्य वजह जयप्रकाश एसोसिएट्स के अधिग्रहण से जुड़े 182 करोड़ के खर्च और ज़्यादा ब्याज लागत हैं।

**भारत की छठी सबसे बड़ी सीमेंट कंपनी**

डालमिया भारत वर्तमान में 54.7 एमटी (मिलियन टन) की क्षमता के साथ भारत की सबसे बड़ी सीमेंट कंपनियों में से एक है। मार्केट कैप के लिहाज से भारत की छठी सबसे बड़ी सीमेंट कंपनी है। वहीं कैपेसिटी के लिहाज से चौथी बड़ी कंपनी है। जियोजित की रिपोर्ट के अनुसार, जेपी की संपत्तियों के अधिग्रहण से वित्त वर्ष 2027 की तीसरी तिमाही से वॉल्यूम में महत्वपूर्ण योगदान मिलने की उम्मीद है। कंपनी की भौगोलिक विस्तार रणनीति और उद्योग की तुलना में 200-250 बीपीएस अधिक वॉल्यूम ग्रोथ हासिल करने का लक्ष्य इसे लंबी अवधि के लिए एक आकर्षक निवेश बनाता है।

# विजय सिंह ने छोड़ा सर रतन टाटा ट्रस्ट

## टाटा संस की लिस्टिंग के पक्ष में बयान से मचा था घमासान

नई दिल्ली, 11 अगस्त (एजेंसियां)। टाटा ट्रस्ट्स के वाइस चेयरमैन विजय सिंह ने सर रतन टाटा ट्रस्ट के ट्रस्टी पद से इस्तीफा दे दिया है। उनका मौजूदा कार्यकाल 14 अगस्त को खत्म होने वाला था। यह इस्तीफा ऐसे समय में आया है जब ट्रस्ट आंतरिक मतभेदों और रेगुलेटरी जांच का सामना कर रहा है। हालांकि, सिंह सर दोराबजी टाटा ट्रस्ट के ट्रस्टी बने रहेंगे। पूर्व डिफेंस सेक्रेटरी का इस ट्रस्ट में करीब एक साल का कार्यकाल बाकी है। सिंह ने ऐसे समय इस्तीफा दिया है जब सर रतन टाटा ट्रस्ट ने महाराष्ट्र चैरिटी कमिश्नर से अहम बैठक करने की इजाजत मांगी है। ट्रस्ट का कहना है कि लगभग 400 करोड़ का चैरिटेबल खर्च और शेयरहोल्डर्स से जुड़े आगामी फैसले खतरे में हैं। चैरिटी कमिश्नर ने नवाजबाई शेयरों के कथित ट्रांसफर और परपेचुअल ट्रस्टियों (स्थायी ट्रस्टियों) की नियुक्ति से जुड़ी शिकायत पर फैसला आने तक ट्रस्ट को बैठक करने से रोक दिया था।

**टाटा संस की लिस्टिंग की वकालत**

सिंह ने ईटी को बताया कि उन्होंने दोबारा कार्यकाल न लेने का फैसला किया है। उन्होंने कहा, मैंने ट्रस्ट को बता दिया है कि मैं दोबारा नियुक्ति के लिए विचार नहीं किया जाना चाहता। इस साल मई में सिंह और साथी वाइस चेयरमैन वेणु श्रीनिवासन ने टाटा एजुकेशन एंड डेवलपमेंट ट्रस्ट से इस्तीफा दे दिया था। इसकी वजह यह था कि ट्रस्टी मेहली मिस्त्री ने उनकी दोबारा नियुक्ति का विरोध किया था।

सूत्रों का कहना है कि टाटा संस की संभावित लिस्टिंग के पक्ष में सार्वजनिक रूप से बयान देने के कारण एसआरटीटी में अगले कार्यकाल के लिए सिंह को समर्थन मिलने की संभावना कम थी। एसआरटीटी बोर्ड में चेयरमैन नोएल एन. टाटा, वेणु श्रीनिवासन, विजय सिंह, जिमी एन. टाटा, जहांगीर एच.सी. जहांगीर और डेरियस खंबाटा शामिल हैं। सर रतन टाटा ट्रस्ट और सर दोराबजी टाटा ट्रस्ट मिलकर टाटा ग्रुप की होल्डिंग कंपनी टाटा संस में कंट्रोलिंग हिस्सेदारी रखते हैं।

**क्या है मतभेद ?**

विजय सिंह और वेणु श्रीनिवासन दोनों ने सार्वजनिक रूप से कहा था कि टाटा संस को लिस्ट होना चाहिए। उनकी यह राय चेयरमैन नोएल टाटा के नेतृत्व वाले ट्रस्ट्स के मौजूदा रुख से अलग थी, जो टाटा संस को प्राइवेट कंपनी बनाए रखने के पक्ष में हैं। पिछले साल सिंह को टाटा संस के बोर्ड में दोबारा नियुक्त नहीं किया गया था। सूत्रों के मुताबिक ट्रस्ट्स यह सुनिश्चित करना चाहते थे कि टाटा संस के बोर्ड में उनके नॉमिनी कंपनी के ओनरशिप स्ट्रक्चर समेत गवर्नेंस से जुड़े अहम मुद्दों पर संस्थान के रुख को ही आगे बढ़ाएं।

# 20 साल में तिगुना हो गई चीन की रफ्तार

## उससे आधे पर अटके हैं हम .जापान और अमेरिका तो पीछे खिसक गए

नई दिल्ली, 11 अगस्त (एजेंसियां)। चीन दुनिया की दूसरी बड़ी इकॉनमी है। पिछले कुछ दशकों से वह ग्लोबल इकॉनमी का इंजन बना हुआ है। उसने पिछले 20 साल में मैन्युफैक्चरिंग में गजब की प्रोग्रेस की है। 2005 में ग्लोबल मैन्युफैक्चरिंग में चीन की हिस्सेदारी 9 फीसदी थी। ईयू, अमेरिका और जापान उससे आगे थे। लेकिन आज ग्लोबल मैन्युफैक्चरिंग में चीन की हिस्सेदारी 27 फीसदी पहुंच चुकी है। दुनिया के बाजार चीन से आने वाले सस्ते माल से भरे पड़े हैं। ब्यूरो ऑफ इकनॉमिक एनालिसिस और वर्ल्ड बैंक के मुताबिक ग्लोबल मैन्युफैक्चरिंग में चीन की हिस्सेदारी पिछले 20 साल में तिगुनी हो चुकी है। 2005 में ईयू की ग्लोबल मैन्युफैक्चरिंग में सबसे ज्यादा 24 फीसदी हिस्सेदारी थी लेकिन 2025 में यह घटकर 17 फीसदी रह गई। इस दौरान अमेरिका की हिस्सेदारी 22 फीसदी से घटकर 17 फीसदी रह गई। हालांकि वह दूसरे नंबर पर बना हुआ है जबकि यूरोप पहले से तीसरे नंबर पर बना हुआ है।

**भारत का हाल**

20 साल पहले जापान की ग्लोबल मैन्युफैक्चरिंग में 13 फीसदी हिस्सेदारी थी लेकिन 2025 में यह 5 फीसदी रह गई। इसके साथ ही जापान तीसरे से चौथे नंबर पर खिसक चुका है। 2005 में चीन 9 फीसदी हिस्सेदारी के साथ चौथे नंबर पर था और अब वह पहले नंबर पर आ चुका है। साउथ कोरिया तीन फीसदी हिस्सेदारी के साथ पांचवें नंबर पर बना हुआ है। इस दौरान भारत की हिस्सेदारी 2 फीसदी से बढ़कर 3 फीसदी हो चुकी है लेकिन वह अब भी छठे नंबर पर है। 2005 में भी भारत इसी नंबर पर था।

इस बीच मैक्सिको भी 2 फीसदी हिस्सेदारी के साथ सातवीं पोजीशन पर है। रूस की स्थिति में भी 20 साल में कोई बदलाव नहीं आया है। 2005 में वह दो फीसदी हिस्सेदारी की साथ आठवें नंबर पर था और आज भी उसी स्थिति में है।

# दुनिया में 6वें पायदान पर है देश की जीडीपी ?

## सरकार ने संसद में दी हैरान करने वाली जानकारी

नई दिल्ली, 11 अगस्त (एजेंसियां)। मंगलवार को संसद को बताया गया कि इंटरनेशनल मॉनेटरी फंड ने अपनी अप्रैल 2026 की 'वर्ल्ड इकोनॉमिक आउटलुक' रिपोर्ट में 2025-26 के लिए भारत की नॉमिनल जीडीपी 3.92 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर बताई है, जिससे भारत दुनिया की सबसे बड़ी इकोनॉमीज में 6वें पायदान पर आ गया है. वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने राज्यसभा में एक लिखित जवाब में कहा कि आईएमएफ की रैंकिंग मौजूदा अमेरिकी डॉलर एक्सचेंज रेट पर मापी गई नॉमिनल जीडीपी पर आधारित होती है. इसलिए, अर्थव्यवस्थाओं की सापेक्ष रैंकिंग कई वजहों से बदल सकती है. उन्होंने कहा कि सरकार ने भारतीय अर्थव्यवस्था की विकास क्षमता को बढ़ाने के लिए एक व्यापक रणनीति अपनाई है.

**इकोनॉमी को गति देने का प्लान**

उन्होंने बताया कि यह रणनीति कृषि उत्पादकता बढ़ाने, 'प्रोडक्शन-लिंक्ड इंसेंटिव स्कीम' जैसी पहलों और क्वालिटी कंट्रोल ऑर्डर में ढील देकर मैन्युफैक्चरिंग को बढ़ावा देने, एमएसएमई को मजबूत करने, विश्व स्तरीय इंफ्रास्ट्रक्चर का विस्तार करने, पीएम गति शक्ति और नेशनल लॉजिस्टिक्स पॉलिसी के जरिए लॉजिस्टिक्स में सुधार करने और इनोवेशन, डिजिटलीकरण और रिसर्च को बढ़ावा देने पर केंद्रित है.उन्होंने कहा कि सरकार लगातार सरकारी कैपेक्स, उदार एफडीआई पॉलिसी, डायरेक्ट टैक्स और जीएसटी रिफॉर्म्स के जरिए एक कुशल और सरल टैक्स सिस्टम, और 'ईज ऑफ डूइंग बिजनेस' में लगातार सुधार के माध्यम से निवेश को भी बढ़ावा दे रही है. इसके अलावा, मंत्री ने कहा कि सरकार समझदारी भरे राजकोषीय प्रबंधन और मूल्य स्थिरता के जरिए मैक्रो-इकोनॉमिक स्थिरता बनाए रखते हुए, फ्री ट्रेड एग्रीमेंट और व्यापक आर्थिक साझेदारी/सहयोग समझौतों के नेटवर्क का विस्तार करके बाहरी प्रतिस्पर्धात्मकता और व्यापार लचीलेपन को मजबूत कर रही है.उन्होंने बताया कि नेशनल सिक्योरिटीज डिपॉजिटरी लिमिटेड के आंकड़ों के अनुसार, जनवरी से अगस्त 2026 (5 अगस्त, 2026 तक) की अवधि के दौरान विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों द्वारा कुल बिक्री 29.8 लाख करोड़ रुपए रही. एक और सवाल का जवाब देते हुए चौधरी ने कहा कि पब्लिक सेक्टर बैंकों के ग्रॉस नॉन-परफॉर्मिंग एसेट्स पिछले तीन फाइनेंशियल ईयर में कम हुए हैं. ये 31 मार्च, 2024 को 3,39,541 करोड़ रुपए के हाई लेवल से घटकर 31 मार्च, 2026 को 2,45,634 करोड़ रुपए के निचले स्तर पर आ गए हैं.पीएसबीएस का जीएनपीए रेश्यो 31 मार्च, 2024 को 3.47 प्रतिशत से घटकर 31 मार्च, 2026 को 1.93 प्रतिशत हो गया है. मंत्री ने यह भी बताया कि पिछले तीन सालों में पीएसबीएस में रिपोर्ट किए गए फ्रॉड के मामलों की संख्या 2023-24 में 54,850 से घटकर 2025-26 में 5,786 हो गई है.

# 'आलस छोड़ो, काम तुरंत निपटाओ', अनिल अग्रवाल ने शेयर किया कबीर का दोहा, बताया बिजनेस में आगे बढ़ने का मंत्र

नई दिल्ली, 11 अगस्त (एजेंसियां)। वेदांता के चेयरमैन अनिल अग्रवाल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक वीडियो पोस्ट किया है। इस वीडियो में उन्होंने संत कबीर के एक दोहे का जिक्र करते हुए बताया कि यह दोहा उनके जीवन में कितना महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि इस दोहे की सीख पर वह खुद भी अमल करते हैं। अनिल अग्रवाल ने वीडियो में कबीर का प्रसिद्ध दोहा सुनायाः

**काल करे सो आज कर, आज करे सो अब।**
**पल में प्रलय होएगी, बहुरि करेगा कब।**

इस दोहे का मतलब बताते हुए अनिल अग्रवाल ने कहा कि हमें किसी काम को टालना नहीं चाहिए। जो काम आज करना है, उसे कल पर नहीं छोड़ना चाहिए और जो काम अभी किया जा सकता है, उसे तुरंत कर देना चाहिए। यह दोहा बिजनेस में भी आगे बढ़ने की भी सीख देता है।

**'आलस मत करो, काम फटाफट कर दो'**

अनिल अग्रवाल ने वीडियो में कहा कि वह अपने दोस्तों से भी यही कहते हैं कि आलस नहीं करना चाहिए। जिस काम को करना है, उसे फटाफट कर देना चाहिए। उन्होंने कहा कि जब कोई व्यक्ति समय पर अपने काम करता है तो वह जीवन में कितनी तेजी से आगे बढ़ सकता है, इसे खुद महसूस कर सकता है।

**कबीर का दोहा क्यों है पसंदीदा ?**

अनिल अग्रवाल ने वीडियो के साथ अपनी पोस्ट में लिखा कि हमारे पारंपरिक दोहे बहुत ही सरल शब्दों में जीवन की बड़ी बातें समझा देते हैं। उन्होंने कहा कि परिस्थिति कैसी भी हो, ये दोहे इंसान को सही रास्ता दिखाने का काम करते हैं। उन्होंने बताया कि कबीर के दोहों में से यह उनका सबसे पसंदीदा दोहा है और वह खुद भी इसकी सीख को अपनी जिंदगी में पूरी तरह अपनाते हैं।

# 10-20 रुपये के प्लास्टिक नोटों पर बडा कदम उठाया है

## कब से बाजार में आएंगे 1 अरब नए नोट ?

नई दिल्ली, 11 अगस्त (एजेंसियां)। अक्सर बारिश में या गलती से कपड़े धोते समय हमारी जेब में रखे नोट भीग कर गल जाते हैं। कई बार पुराने होने की वजह से ये बीच से फट भी जाते हैं। आम आदमी की इस रोजमर्रा की परेशानी का अब एक पक्का इलाज निकलने वाला है। केंद्र सरकार ने देश में 10 रुपये और 20 रुपये के प्लास्टिक (पॉलीमर) नोट लाने के लिए एक बड़ा कदम उठाया है। संसद में दी गई जानकारी के मुताबिक, फिलहाल फील्ड ट्रायल के तौर पर इन दोनों मूल्यवर्ग के एक-एक अरब नोट बाजार में उतारे जाएंगे। वित्त मंत्री ने राज्यसभा में लिखित जवाब देकर यह अहम जानकारी साझा की है।

रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने नोटों को लेकर एक खास प्रस्ताव सरकार को भेजा था। भारतीय रिजर्व बैंक अधिनियम, 1934 की धारा 25 के तहत भेजे गए इस प्रस्ताव में 10 और 20 रुपये के पॉलीमर नोटों के फील्ड ट्रायल की सिफारिश की गई थी। सरकार ने इस प्रस्ताव को हरी झंडी दिखा दी है। इसका सीधा मतलब है कि अगर बाजार में यह ट्रायल सफल रहता है, तो आने वाले समय में हमें प्लास्टिक के नोट नियमित रूप से इस्तेमाल करने को मिलेंगे। हालांकि, ये नोट आम जनता के हाथों तक कब पहुंचेंगे, इसकी कोई पक्की तारीख अभी तय नहीं हुई है। आरबीआई के मुताबिक, इन नोटों को खरीदने की प्रक्रिया अभी बिल्कुल शुरुआती दौर में है। इसलिए इसके खर्च का भी सटीक अनुमान लगाना बाकी है।

जब भी नए नोट की बात आती है, तो लोगों के मन में सबसे पहला सवाल यही उठता है कि क्या पुराने नोट बंद हो जाएंगे। सरकार ने इस डर को पूरी तरह से दूर कर दिया है। ये नए पॉलीमर नोट किसी भी हाल में पुराने कागजी नोटों की जगह नहीं लेंगे। ये दोनों नोट बाजार में एक साथ चलेंगे। आप खरीदारी या किसी भी तरह के लेन-देन के लिए पुराने कागज वाले नोट भी आसानी से इस्तेमाल कर सकेंगे। यह फैसला सिर्फ नोटों की उम्र बढ़ाने के मकसद से लिया गया है।इस अहम फैसले के अलावा संसद में देश की अर्थव्यवस्था से जुड़े कुछ राहत भरे आंकड़े भी पेश किए गए। आम आदमी के लिए सबसे बड़ी खबर खुदरा महंगाई दर (सीपीआई) में आई भारी गिरावट है। साल 2023-24 में जो महंगाई 5.4 प्रतिशत पर थी, वह 2024-25 में कम होकर 4.6 प्रतिशत और फिर 2025-26 में महज 2.1 प्रतिशत पर आ गई। हालांकि, पश्चिम एशिया में चल रहे तनाव, कच्चे तेल की कीमतों में आए उछाल, अल नीनो के प्रभाव के कारण साल 2026-27 की पहली तिमाही में यह मामूली रूप से बढ़कर 3.9 प्रतिशत हो गई।

# तीन दिन में 6,600 उछला सोना

## चांदी 16,200 महंगी, आज कहां पहुंच गई कीमत ?

नई दिल्ली, 11 अगस्त (एजेंसियां)। सोने और चांदी की कीमत में आज फिर शुरुआती कारोबार में तेजी देखने को मिली। निवेशक फेडरल रिजर्व की ब्याज दरों की चाल के बारे में नए संकेतों के लिए अमेरिका के महंगाई के आंकड़ों का इंतजार कर रहे हैं। पश्चिम एशिया में तनाव बढ़ने और कच्चे तेल की कीमत में तेजी के बावजूद सोने और चांदी की कीमत में बढ़ोतरी हुई है। फेड ने जुलाई बैठक में ब्याज दरों में कोई बदलाव नहीं किया था। कम ब्याज दरें आमतौर पर सोने के लिए फायदेमंद होती हैं क्योंकि इस धातु पर कोई ब्याज नहीं मिलता है। एमसीएक्स पर सितंबर 2026 डिलीवरी के लिए चांदी वायदा शुरुआती कारोबार में 5,132 की तेजी के साथ 2,41,999 प्रति किलो तक गया। इसी तरह अक्टूबर 2026 डिलीवरी के लिए सोना वायदा 2,338 बढ़कर 1,55,437 प्रति 10 ग्राम हो गया। पिछले तीन दिनों में चांदी की कीमत में 16,000 से ज्यादा यानी 7% से अधिक की बढ़ोतरी हुई है जबकि सोने की कीमत में 6,600 या 4% से अधिक तेजी आई है।सर्राफा बाजार में भी सोने और चांदी की कीमत में तेजी आई है। गुड रिटर्न्स के मुताबिक 24 कैरेट वाला सोना 3,160 रुपये की तेजी के साथ 1,55,130 रुपये प्रति 10 ग्राम पर ट्रेड कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट वाला सोना भी 2,900 रुपये की तेजी के साथ 1,42,200 रुपये पर पहुंच गया जबकि 18 कैरेट वाला सोना 2,370 रुपये ऊपर 1,16,350 रुपये पर ट्रेड कर रहा है। चांदी भी 10,000 रुपये की तेजी के साथ 2,55,000 रुपये प्रति किलो पर पहुंच गई।

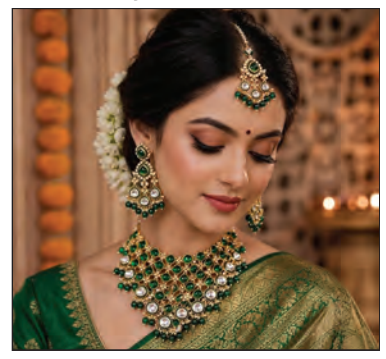

**अंतरराष्ट्रीय कीमतें**

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर स्पॉट गोल्ड 1% बढ़कर $4,432.74 प्रति औंस हो गया, जो 5 जून के बाद का इसका सबसे ऊंचा स्तर है। इसी तरह यूएस गोल्ड फ्यूचर्स 1.7% बढ़कर $4,492.60 हो गया। अन्य कीमती धातुओं में स्पॉट सिल्वर 0.9% बढ़कर $66.30 प्रति औंस हो गया। इस बीच कच्चा तेल आज 0.34 फीसदी तेजी के साथ 88.02 डॉलर प्रति बैरल पर ट्रेड कर रहा है।

## दैनिक पंचांग

**गृह गोचर**

**गृह स्थिति**

| | | |
|---|---|---|
| सूर्य | कर्क | मे |
| चंद्र | कर्क | मे |
| मंगल | मिथुन | मे |
| बुध | कर्क | मे |
| गुरु | कर्क | मे |
| शुक्र | कन्या | मे |
| शनि | मीन | मे |
| राहु | कुंभ | मे |
| केतु | सिंह | मे |

**लग्नारंभ समय**

| | |
|---|---|
| कर्क | 04-11 बजे |
| सिंह | 06-23 बजे |
| कन्या | 08-30 बजे |
| तुला | 10-34 बजे |
| वृश्चिक | 12-45 बजे |
| धनु | 15-00 बजे |
| मकर | 17-04 बजे |
| कुंभ | 18-56 बजे |
| मीन | 20-33 बजे |
| मेष | 22-09 बजे |
| वृष | 23-53 बजे |
| मिथुन | 01-56 बजे |

श्री रौद्र /श्री दुर्मती नामके संवत्सरे-विक्रम संवत्- 2083
शक संवत् -1948, सूर्य दक्षिणायने /उत्तर , ऋतु- वर्षा
महावीर निर्वाण संवत् -2551 , राजा गुरु, मन्त्री भौम
कलियुग अवधि - 432000
भोग्य कलि वर्ष. - 426873
कलियुग संवत् - 5127 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् - 1972949127
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् - 1955885127
सूर्योदय 06-01
सूर्यास्त. 18-42
दिशाशूल - उत्तर - धनिया खाकर घर से निकले
मास - श्रावण कृष्ण पक्ष बुधवार 12 August 2026
तिथि - अमावस्या 23-06 रात्रि तक उपरान्त प्रतिपदा
नक्षत्र - पुष्य 07-59 तक उप आश्लेषा
योग - व्यतिपात 15-25 तक उप वरियान
करण - चतुष्पाद 12-27 तक उप नाग

विशेष: देवपितृकार्ये हरियाली अमावस्या

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका हमें दिखाये व पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति व दशान्तर्दशा को विशेष प्रभावित समझना चाहिए।

**राहुकाल**
12-21 से
13-57 तक

श्री पंचागुल्लि ज्योतिष केन्द्र अतापुर Ph. 9247132654

| दिन का चौघड़िया | | | रात का चौघड़िया | | |
|---|---|---|---|---|---|
| लाभ | 06-01 - 07-35 | शुभ | उत्पात | 18-42 - 20-07 | अशुभ |
| अमृत | 07-35 - 09-10 | शुभ | शुभ | 20-07 - 21-32 | शुभ |
| काल | 09-10 - 10-46 | अशुभ | अमृत | 21-32 - 22-57 | शुभ |
| शुभ. | 10-46 - 12-21 | शुभ | चंचल | 22-57 - 00-21 | शुभ |
| रोग | 12-21 - 13-57 | अशुभ | रोग | 00-21 - 01-46 | अशुभ |
| उत्पात | 13-57 - 15-32 | अशुभ | काल | 01-46 - 03-11 | अशुभ |
| चंचल | 15-32 - 17-07 | शुभ | लाभ | 03-11 - 04-35 | शुभ |
| लाभ | 17-07 - 18-42 | शुभ | उत्पात | 04-35 - 06-01 | अशुभ |

## आपका राशिफल

**मेष** (चू,चे, चो,ला,ली, लू , ले, लो, अ,) — आज आपका नेतृत्व सबसे अलग है, लेकिन आप कार्यस्थल पर दूसरों से थोड़ा दूर महसूस कर सकते हैं। अपने शब्दों से सावधान रहें, क्योंकि ईमानदारी तनाव पैदा कर सकती है। अपने कार्यों पर ध्यान केंद्रित करें और जल्दबाजी से बचें। मजबूत ऊर्जा और तेज सोच आपको साहसिक समाधान खोजने में मदद करती है।

**वृष** (ई, उ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे, वो) — आपका करियर और पढ़ाई आपको पतली रस्सी पर चलने जैसा लग सकता है। आत्मविश्वास आपको आगे बढ़ाता है, लेकिन बदलते मूड आपके ध्यान को भटका सकते हैं। आप कमियाँ जल्दी पहचान लेते हैं, इसलिए शब्दों का चुनाव सोच-समझकर करें। अवसरों का लाभ उठाएँ, लेकिन चिड़चिड़ापन हावी न होने दें।

**मिथुन** (का, की, कू, घ, ङ, छ, के, को, ह,) — आज आपका कार्य जीवन तनावपूर्ण लग सकता है। सिंह राशि में सूर्य आपके आत्मविश्वास को बढ़ाता है, लेकिन मकर राशि में चंद्रमा आपको जमीन से जुड़े रहने की याद दिलाता है। चंद्रमा वर्ग मंगल के कारण आवेगपूर्ण निर्णय हो सकते हैं, इसलिए प्रतिक्रिया करने से पहले रुकें। शनि का विरोध करने वाला मंगल अधिकार के साथ तनाव का संकेत देता है।

**कर्क** (ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,) — आपके करियर और पढ़ाई को आत्मविश्वासी मानसिकता और मज़बूत आत्म-अभिव्यक्ति से फ़ायदा मिलता है। आप मुश्किल परिस्थितियों में भी शांत रहते हैं, अपने आस-पास के प्रभावशाली लोगों से समर्थन प्राप्त करते हैं। सार्थक संबंध और दिल से संवाद करने से टीम वर्क बढ़ता है। खुद को ज़्यादा आगे बढ़ाने या बड़े वादे करने से सावधान रहें।

**सिंह** (मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,) — आज, आपका देखभाल करने वाला स्वभाव कार्यस्थल पर उभरकर सामने आ सकता है, जिससे दूसरों को समर्थन और मूल्यवान महसूस होगा। नए, आविष्कारशील विचार सामने आने की संभावना है, जिससे आपको अंतर्ज्ञान को रचनात्मकता के साथ मिलाने में मदद मिलेगी। यह संतुलन आपकी पढ़ाई या करियर के लक्ष्यों में वास्तविक प्रगति की ओर ले जा सकता है।

**कन्या** (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो) — आपके साहसिक विचार और विस्तार पर ध्यान सफलता के लिए मंच तैयार करते हैं। आपमें रचनात्मक चिंगारी महसूस हो सकती है और प्रभावशाली लोगों के साथ काम करने के अवसर मिल सकते हैं। एकांत में रहने से स्पष्टता आ सकती है, लेकिन दुर्घटनाओं से बचने के लिए सावधान रहें। महत्वपूर्ण कार्यों को सटीकता और आत्मविश्वास के साथ पूरा करने के लिए अपनी ऊर्जा को बुद्धिमानी से लगाएं।

**तुला** (रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,) — आपकी महत्वाकांक्षा प्रबल है, और आप ध्यान केंद्रित करके कार्यों को पूरा करने के लिए प्रेरित हैं। अपने कार्य जीवन में संतुलन बनाए रखें और किसी भी तनाव को धैर्य के साथ संभालें। आज के ज्वलंत अनुभव आपके आत्मविश्वास को चुनौती दे सकते हैं, लेकिन विचारशील प्रयास इसे बहाल कर सकते हैं। सेवा या समर्पण के कार्य आंतरिक संदेह को कम कर सकते हैं और प्रेरणा को बढ़ा सकते हैं।

**वृश्चिक** (तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,) — आप एक शांतिपूर्ण मानसिक स्थिति में हैं और आज अपने काम पर ध्यान केंद्रित करना आसान रहेगा । आज अपने करियर के लिए सर्वश्रेष्ठ निर्णय लेने में आप सक्षम होंगे , लेकिन अपने वरिष्ठ अधिकारियों से समर्थन की कमी की वजह से आप थोड़ा पीछे हटने को मजबूर होंगे इसलिए आप उन्हें मनाने के लिए प्रयास करें ताकि सब अच्छी तरह से पूर्ण हो और आप ख्याति एवं धन प्राप्ति की तरफ अग्रसर हो ।

**धनु** (ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे) — भावनात्मक ध्यान तेज होता है, जिससे आपको कार्यस्थल में सूक्ष्म बदलावों और गतिशीलता को समझने में मदद मिलती है। एक आंतरिक जागरूकता आपको अपनी भावनाओं को स्पष्ट रूप से व्यक्त करने के लिए प्रेरित करेगी। संरेखित सोच और भावना आपको जानकारी को आसानी से आत्मसात करने और स्पष्टता और भावनात्मक जागरूकता के साथ खुद को व्यक्त करने में मदद करती है।

**मकर** (भो, ज, जी, खी, खू, खे, खो, गा, गी) — आज आप मजबूत ऊर्जा और नए विचारों से प्रेरित होकर काम पर बड़ी उपलब्धियाँ हासिल कर सकते हैं। लापरवाह गलतियों से बचने के लिए सतर्क रहें और अकेलेपन की किसी भी भावना को संतुलित करने का प्रयास करें। मूड स्विंग आपके ध्यान को प्रभावित कर सकता है, इसलिए अपनी सेहत का ख्याल रखें।

**कुंभ** (गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा) — आपका आत्मविश्वास और करिश्मा काम के दरवाज़े खोलता है। अपने तरीकों का मूल्यांकन करने और उत्पादकता में सुधार करने के लिए समय निकालें। भावनात्मक तरंगें आपके संतुलन को चुनौती दे सकती हैं, इसलिए गर्व के साथ प्रतिक्रिया करने से बचें। प्रेरणा का एक नया विस्फोट आपको ऊर्जा और उद्देश्य के साथ कार्यों को पूरा करने में मदद करता है।

**मीन** (दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची) — आप पेशेवर बातचीत में अपनी गहरी उपस्थिति दर्ज कराते हैं, जिसका मार्गदर्शन तीव्र अंतर्ज्ञान द्वारा होता है। रचनात्मक प्रतिभाएँ आपके काम को निखारती हैं, खासकर कलात्मक कार्यों में। महिलाओं के साथ मधुर संबंध टीम वर्क को बढ़ावा देते हैं। भावनात्मक उतार-चढ़ाव और अतिशयोक्ति से सावधान रहें।

पं महेशचन्द्र शर्मा फोन : 9167555710

# शेयर बाजार में बिकवाली हावी, सेंसेक्स 388 अंक लुढ़का; निफ्टी 24500 के नीचे बंद

मुंबई, 11 अगस्त (एजेंसियां)। मंगलवार को भारतीय शेयर बाजार में बिकवाली हावी रही। सेंसेक्स और निफ्टी दोनों प्रमुख सूचकांकों में करीब आधा फीसदी की कमी आई। कच्चे तेल के बढ़ते दाम और रुपये में कमजोरी से निवेशकों की धारणा प्रभावित हुई। भारतीय शेयर बाजार मंगलवार को गहरे लाल निशान में फिसल गया। सेंसेक्स 388 अंक से अधिक गिरकर 78,154 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं, निफ्टी 50 में 112 अंक से ज्यादा की गिरावट आई। निफ्टी सत्र के अंत में 24,472 पर समाप्त हुआ, जो 24,500 के महत्वपूर्ण स्तर से नीचे है। सेंसेक्स 0.49 फीसदी की गिरावट के साथ 78,154.25 पर बंद हुआ। निफ्टी 0.46 फीसदी की कमी के साथ 24,471.70 पर समाप्त हुआ। यह दोनों प्रमुख सूचकांकों के लिए एक नकारात्मक सत्र रहा। निवेशकों ने सतर्कता बरती और अपने निवेश में मुनाफावसूली की। भू-राजनीतिक अनिश्चितताओं के बीच वैश्विक कच्चे तेल की कीमतों में तेज वृद्धि के चलते मंगलवार को रुपया डॉलर के मुकाबले 13 पैसे गिरकर 95.43 (अस्थायी) पर बंद हुआ।व्यापक बाजारों में मिला-जुला रुख देखने को मिला। निफ्टी मिडकैप 100 लाल निशान में बंद हुआ। जबकि निफ्टी स्मॉलकैप 100 हरे निशान में रहा। टाटा कंज्यूमर के शेयरों में तीन फीसदी की बड़ी गिरावट दर्ज की गई। अल्ट्राटेक के शेयर भी दो फीसदी नीचे गिरे। भारतीय शेयर बाजार में गिरावट के कई कारण सामने आए हैं। कच्चे तेल की कीमतों में लगातार वृद्धि हो रही है, जिससे चिंताएं बढ़ी हैं। भारतीय रुपये का मूल्य भी डॉलर के मुकाबले कमजोर हुआ है। इन वैश्विक और घरेलू कारकों ने निवेशकों के उत्साह को कम किया। इसके चलते बाजार में बिकवाली का दबाव बढ़ गया और सूचकांक नीचे आए।बाजार में गिरावट का सबसे बड़ा कारण कच्चे तेल की कीमतों में आया तेज उछाल और साप्ताहिक एफएंडओ एक्सपायरी के कारण बाजार में रहा उतार-चढ़ाव था। दरअसल, वैश्विक तेल बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड 2.18 प्रतिशत बढ़कर 89.63 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया, जिसने बाजार का ध्यान फिर से महंगाई के बढ़ते खतरों की ओर खींच लिया।इसके अलावा, हॉर्मुज जलडमरूमध्य में तेल आपूर्ति बाधित होने की आशंका और अमेरिका-ईरान के बीच चल रही वार्ताओं ने भी निवेशकों को सतर्क कर दिया, विशेष रूप से भारत और अमेरिका के आने वाले महंगाई के आंकड़ों से ठीक पहले। बाजार के इस दबाव के बीच अल्ट्राटेक सीमेंट, एक्सिस बैंक, इंटरग्लोब एविएशन, भारती एयरटेल, बजाज फाइनेंस और पावर ग्रिड जैसे बड़े शेयरों में गिरावट दर्ज की गई, जबकि इसके विपरीत इटरनल, इन्फोसिस, टाइटन, एचसीएल टेक और टीसीएस बढ़त बनाने वाले प्रमुख शेयर रहे। हालांकि, इससे पिछले सत्र यानी सोमवार को बाजार में मामूली बढ़त देखी गई थी जब सेंसेक्स 43.27 अंक चढ़कर 78,542.44 पर और निफ्टी 13.15 अंक बढ़कर 24,583.80 पर बंद हुआ था।

# 68 आईएफएस अफसरों के तबादले

## आईएएस और आईपीएस अधिकारियों की बारी, बिना एसपी के चल रहा नागौर जिला

जयपुर, 11 अगस्त (एजेंसियां)। राज्य सरकार ने बीती देर रात को भारतीय वन सेवा के 68 अफसरों के तबादले किए। राज्यपाल के संयुक्त शासन सचिव डॉ. धीरज कुमार सिंह की ओर से ट्रांसफर आदेश जारी किए गए हैं। इनमें 34 वे अफसर हैं जिन्हें 7 महीने पहले पदोन्नति मिल गई थी। साल महीने के इंतजार के बाद उन्हें नई जिम्मेदारी दी गई है। इस ट्रांसफर लिस्ट में 14 अधिकारियों को मूल पद के साथ अतिरिक्त प्रभार की जिम्मेदारी भी दी गई है।

वन सेवा में प्रधान मुख्य वन संरक्षक का पद सबसे बड़ा होता है। पिछले दिनों राजस्थान सहित कई राज्यों में इस पदनाम में बदलाव किया गया है। प्रधान मुख्य वन संरक्षक के साथ हेड ऑफ फोरेस्ट फोर्स भी जोड़ा गया है। वर्ष 1991 बैच के आईएफएस अरिजीत बनर्जी जो कि वर्तमान में इस पद पर थे। उन्हें नवीन पदनाम पर पदस्थापित किए जाने के आदेश जारी हुए हैं। यानी वन विभाग के सबसे वरिष्ठ अधिकारी का कार्य वही है जबकि पदनाम में बदलाव हुआ है।

22 ऐसे आईएफएस अफसर हैं जिन्हें कुछ महीनों पहले भारतीय वन सेवा में पदोन्नत किया गया था। उन्हें अब नई जिम्मेदारी से नवाजा गया है। इनमें नंदलाल प्रजापत, जगदीश प्रसाद दैया, भवानी सिंह, अशोक कुमार जैन, वीर भद्र मिश्र, शैतान सिंह देवड़ा, रेखाराम, पाटिल तेजस विष्णु, आनंद कुमार, बलराम शर्मा, चंद्रपाल सिंह चौहान, इकबाल सिंह, प्रदीप कुमार, सज्जन कुमार, योदवेंद्र सिंह चुंडावत, संदीप कुमार, अमित चौहान, जगदीप सिंह दहिया, प्रशांत गर्ग, आशीष व्यास संदीप कुमार, सुरेश अग्रवाल और राजेश कुमार शर्मा शामिल हैं।

पिछले चार महीने में दो बार आईपीएस अफसरों की ट्रांसफर लिस्ट आई। एक 20 मई को और दूसरी 15 जुलाई को। इन दोनों तबादला सूचियों में 35 आईपीएस अफसरों के तबादले किए गए। अब एक और ट्रांसफर लिस्ट आने वाली है। इसकी एक वजह नागौर जिला एसपी पद का रिक्त होना भी है। 30 मार्च को 65 आईएएस अफसरों के ट्रांसफर हुए थे। इसके बाद कोई ट्रांसफर लिस्ट नहीं आई। हालांकि निकाय चुनाव से पहले कई जिलों में एसपी और कलेक्टर बदले जाने की चर्चाएं हैं। ऐसे में माना जा रहा है कि आईएफएस अफसरों की तबादला सूची के बाद अब जल्द ही आईपीएस और आईएएस अफसरों की ट्रांसफर लिस्ट आने वाली है।

# कांग्रेस में दो सीनियर नेताओं की होगी 'घर वापसी'

## टिकट नहीं मिलने के बाद की थी बगावत

जयपुर, 11 अगस्त (एजेंसियां)। राजस्थान कांग्रेस के सियासी गलियारों में एक बार फिर बड़ी हलचल देखने को मिल रही है। वर्ष 2023 के विधानसभा चुनाव के दौरान पार्टी से बागी होकर बाहर का रास्ता देखने वाले दो प्रमुख नेताओं और पूर्व विधायकों - खिलाड़ी लाल बैरवा और रामचंद्र सराधना की कांग्रेस में 'घर वापसी' की चर्चाएं जोरों पर हैं। मंगलवार को जब दोनों नेता अचानक जयपुर स्थित राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के वॉर रूम पहुंचे, तो इन अटकलों को और अधिक बल मिला कि दोनों की आधिकारिक जॉइनिंग होने वाली है।

दोनों नेताओं ने पीसीसी चीफ गोविंद सिंह डोटासरा से मुलाकात की और फिर से पार्टी के लिए समर्पित भाव से काम करने की इच्छा जताई। जानकारी के अनुसार अनुशासन समिति द्वारा दोनों नेताओं की वापसी को हरी झंडी मिल गई है, लेकिन इसके बावजूद, पार्टी के अंदरूनी विरोध और स्थानीय स्तर पर नेताओं की नाराजगी के कारण उनकी री-जॉइनिंग पर फिलहाल ब्रेक लग गया है।

**खिलाड़ी लाल बैरवा और रामचन्द्र सराधना**

पीसीसी वॉर रूम में डोटासरा से मुलाकात के बाद दोनों नेताओं को औपचारिक रूप से पार्टी में शामिल करने की अटकलें लगने लगीं। लेकिन कांग्रेस के स्थानीय गुटों और मौजूदा नेताओं में नाराज़गी की खबरें भी निकलकर सामने आईं।

कांग्रेस सूत्रों के हवाले से मिली जानकारी के अनुसार विराटनगर से पूर्व विधायक रामचंद्र सराधना की वापसी का सबसे मुखर विरोध विराटनगर क्षेत्र से ही कांग्रेस नेता इंद्राज गुर्जर और उनके समर्थक कर रहे हैं। चुनाव में सराधना के बागी रुख के कारण बने समीकरणों को लेकर उनका गुट असहज है। इधर, खिलाड़ी लाल बैरवा की वापसी को लेकर धौलपुर/बसेड़ी क्षेत्र में कांग्रेस जिलाध्यक्ष संजय जाटव और उनके समर्थक कड़ा ऐतराज जता रहे हैं।

कांग्रेस आलाकमान और प्रदेश नेतृत्व जानता है कि जिला स्तर और स्थानीय नेताओं को भरोसे में लिए बिना जल्दबाजी में ली गई री-जॉइनिंग से पार्टी के स्थानीय संगठन में फूट पड़ सकती है। इसलिए फिलहाल री-जॉइनिंग पर अंतिम मुहर लगाने से पहले नाराज धड़ों को मनाने की कवायद शुरू कर दी गई है।

खिलाड़ी लाल बैरवा का कांग्रेस छोड़ने और वापस आने का राजनीतिक घटनाक्रम काफी चर्चित रहा है। 2023 के विधानसभा चुनाव में पार्टी से टिकट न मिलने से नाराज होकर बैरवा ने बागी तेवर अपना लिए थे। इसके बाद मार्च 2024 में उन्होंने भारतीय जनता पार्टी (BJP) का दामन थाम लिया था।

# 'विवादित बयान' देकर बुरे फंसे बीजेपी प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़, चौतरफा घिरे तो मारा 'यू-टर्न'!

जयपुर, 11 अगस्त (एजेंसियां)। राजस्थान भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ के एक हालिया दिए विवादित बयान के बाद राजनीतिक पारा गरमाया हुआ है। दरअसल, उन्होंने 9 अगस्त को मनाए जाने वाले 'विश्व आदिवासी दिवस' को लेकर एक बयान दिया था। एक इंटरव्यू के दौरान मदन राठौड़ ने इस वैश्विक दिवस की तुलना 'फ्रेंडशिप डे', 'वैलेंटाइन डे' और 'भेड़चाल' से कर दी। इस टिप्पणी के सामने आते ही भारत आदिवासी पार्टी और कांग्रेस ने भाजपा के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। बांसवाड़ा-डूंगरपुर से सांसद राजकुमार रोत और कांग्रेस विधायक इंदिरा मीणा सहित कई आदिवासी नेताओं ने इस बयान को पूरे समाज की अस्मिता और अधिकारों का घोर अपमान करार देते हुए सार्वजनिक रूप से माफी मांगने की मांग की है। वहीं सोशल मीडिया पर भी

भाजपा प्रदेशाध्यक्ष के खिलाफ विरोध की लहर उठ खड़ी हुई है।

भारत आदिवासी पार्टी के बांसवाड़ा-डूंगरपुर सांसद राजकुमार रोत ने भाजपा प्रदेशाध्यक्ष को आड़े हाथों लेते हुए संयुक्त राष्ट्र के दिवसों का उदाहरण पेश किया। राजकुमार रोत ने तर्क देते हुए कहा कि यदि संयुक्त राष्ट्र द्वारा घोषित विश्व आदिवासी दिवस का संबंध भारत से नहीं है, तो फिर यूएन द्वारा ही घोषित 'विश्व योग दिवस' और 'विश्व महिला दिवस' का संबंध भी भारत से नहीं होना चाहिए।

'मुझे अफसोस है...' सांसद हनुमान बेनीवाल ने सार्वजनिक सभा में मांगी माफ़ी, खुद के किए पर जताई शर्मिंदगी, जानें क्या है बड़ी वजह?

रोत ने कहा कि भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने पूरे आदिवासी समाज और आदिवासियों की कद्र करने वाले प्रत्येक व्यक्ति व संगठन को 'भेड़चाल' चलने वाला कहकर घोर अपमानित किया है। सांसद ने चेतावनी भरे लहजे में कहा कि इस तरह के अपमानजनक बयान का जवाब आदिवासी समाज और जागरूक युवा आने वाले समय में जरूर देंगे।

राजस्थान कांग्रेस की वरिष्ठ विधायक इंदिरा मीणा ने भी मदन राठौड़ के इस बयान पर कड़ा ऐतराज जताते हुए सत्ताधारी दल पर तीखा हमला बोला। इंदिरा मीणा ने कहा कि यह बयान भाजपा की आदिवासियों के प्रति असली सोच और नीतियों की हकीकत को बयां करता है। देश के करोड़ों आदिवासियों के ऐतिहासिक दिवस को भारत से बेगाना बताना सीधा अपमान है।

# पति के साथ रिटायर्ड महिला अधिकारी को भेजा जेल

## 272 भूखंड आवंटन घोटाला केस में किया गिरफ्तार

उदयपुर, 11 अगस्त (एजेंसियां)। उदयपुर नगर निगम के बहुचर्चित 272 भूखंड आवंटन घोटाले के मामले में गिरफ्तार रिटायर्ड महिला अधिकारी, उसके पति समेत तीनों आरोपियों को जेल भेज दिया है। एसओजी ने तीनों आरोपियों को पिछले दिनों गिरफ्तार किया था। इसके बाद उन्हें कोर्ट में पेश कर 5 दिन के रिमांड पर लिया गया था। रिमांड अवधि पूरी होने के बाद तीनों को दोबारा कोर्ट में पेश किया जहां से उन्हें जेल भेजने के आदेश दिए गए। एसओजी ने इस मामले में सेवानिवृत्त अल्पसंख्यक अधिकारी हेमलता कांकरिया, उनके पति निरंजन मोगरा और कच्छ गुजरात निवासी, हाल सूरत में रह रहे दिनेश भाई जैन को गिरफ्तार किया था। पूछताछ के दौरान एसओजी ने तीनों आरोपियों से भूखंड की सौदेबाजी, दस्तावेजों और रुपयों के लेनदेन से जुड़े कई बिंदुओं पर जानकारी जुटाई। रिमांड के दौरान एसओजी ने तीनों आरोपियों के बयान दर्ज किए। जांच एजेंसी ने भूखंड आवंटन की प्रक्रिया, तैयार किए गए दस्तावेजों की भूमिका और रुपयों के लेनदेन से जुड़े साक्ष्य जुटाने का प्रयास किया। इसके साथ ही मामले में शामिल अन्य लोगों और संभावित आरोपियों के बारे में भी जानकारी ली गई। जांच में सामने आए तथ्यों के आधार पर एसओजी अब मामले में शामिल अन्य आरोपियों तक पहुंचने की कोशिश कर रही है। एजेंसी की ओर से जल्द ही कुछ और गिरफ्तारियां किए जाने की संभावना जताई जा रही है। मामले के अनुसार वर्ष 2022 में इस संबंध में मामला दर्ज किया गया था। जांच में सामने आया कि नगर निगम के हिरण मगरी सेक्टर-11 स्थित प्लॉट नंबर 546 के फर्जी दस्तावेज तैयार किए गए। इसके बाद एक फर्जी व्यक्ति किशन पटेल के नाम पर लीज डीड और नामांतरण जारी करा दिया गया।

# 'मुझे अफसोस है...' सांसद हनुमान बेनीवाल ने सार्वजनिक सभा में मांगी माफ़ी, खुद के किए पर जताई शर्मिंदगी

चूरू, 11 अगस्त (एजेंसियां)। राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक और नागौर सांसद हनुमान बेनीवाल ने हाल ही में चूरू जिले के तालछापर में एक जनसभा के दौरान मंच पर माइक फेंकने और भाषण अधूरा छोड़कर जाने की चर्चित घटना पर अपनी प्रतिक्रिया दी है। सरदारशहर के दलमान गांव में आयोजित एक जनसभा को संबोधित करते हुए बेनीवाल ने सार्वजनिक रूप से उस वाकये पर गहरा अफसोस जताया और साफ शब्दों में कहा कि उस घटना में सामने बैठे मासूम बच्चों की कोई गलती नहीं थी। उन्होंने घटना के लिए खेद व्यक्त करते हुए वहां मौजूद युवाओं और जनता से हाथ जोड़कर माफी मांगी। इसके साथ ही उन्होंने समर्थकों को खुश करते हुए यह भी घोषणा की कि वे बहुत जल्द फिर से तालछापर जाएंगे और इस बार हेलीकॉप्टर से वहां उतरकर एक और ऐतिहासिक रैली करेंगे। सरदारशहर विधानसभा क्षेत्र के दलमान गांव में आयोजित आरएलपी की सांगठनिक सभा में हनुमान बेनीवाल ने तालछापर के उस पूरे वाकये की परतें खोलीं। उन्होंने समर्थकों को संबोधित करते हुए कहा कि तालछापर का कार्यक्रम ऐतिहासिक था, जहां करीब 20 हजार की संख्या में नौजवान एकत्र हुए थे। बेनीवाल ने स्पष्ट

किया कि उनका गुस्सा सामने बैठे स्कूली बच्चों पर नहीं था, बल्कि पीछे मौजूद कुछ ऐसे तत्वों पर था जो जानबूझकर नारेबाजी और शोर-शराबा करके सभा का माहौल बिगाड़ रहे थे। उन्होंने कहा कि छापर के लोग और वहां के युवा उनसे बेहद प्यार करते हैं, लेकिन उस वक्त ऐसी परिस्थितियां बन गईं कि उन्हें भाषण छोड़कर जाना पड़ा।

तालछापर में हुए 'ड्रामे' के बाद सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल होने पर कई शुभचिंतकों और वरिष्ठ नेताओं ने बेनीवाल को अपना गुस्सा शांत रखने की सलाह दी थी। इस पर अपनी खास शैली में जवाब देते हुए नागौर सांसद ने कहा कि लोगों ने उन्हें गुस्सा न करने की सलाह दी है, लेकिन अगर वे गुस्सा करना पूरी तरह छोड़ देंगे तो जनता के अटके हुए काम कैसे होंगे? हालांकि, उन्होंने यह भी जोड़ा कि अब वे अपना गुस्सा नियंत्रण में रखेंगे और केवल वहीं गुस्सा दिखाएंगे जहां जनता के हक और प्रशासनिक व्यवस्था के लिए उसकी वास्तव में जरूरत होगी। यह पूरा विवाद 2 अगस्त 2026 (रविवार देर रात) को चूरू जिले के तालछापर कस्बे में हुआ था। उस रात करीब 11:30 बजे आरएलपी के नए कार्यालय के उद्घाटन और कार्यकर्ता सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा था।

# नौसेना से रिटायरमेंट के बाद शुरू किया नशे का कारखाना, 389 ग्राम एमडीएमए के साथ पिस्टल और नकदी बरामद

नागौर, 11 अगस्त (एजेंसियां)। नशे के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत नागौर पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए दीप कॉलोनी में रिहायशी मकान में चल रही अवैध एमडीएमए बनाने वाली फैक्ट्री का भंडाफोड़ किया है। कोतवाली थाना पुलिस और डीएसटी की संयुक्त कार्रवाई में पुलिस ने मौके से 389.15 ग्राम अवैध एमडीएमए, पिस्टल, एक जिंदा कारतूस, तीन खाली खोल और 1,80,500 रुपये नकद बरामद किए हैं। पुलिस ने मामले में एक आरोपी को भी गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार दीप कॉलोनी स्थित एक मकान में अवैध रूप से एमडीएमए तैयार करने और उसकी सप्लाई का काम किया जा रहा था। कार्रवाई के दौरान पुलिस ने महावीर पुत्र हनुमान (28) को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से 389.15 ग्राम एमडीएमए के अलावा एक पिस्टल, एक जिंदा कारतूस, तीन खाली खोल और 1,80,500 रुपये नकद बरामद किए। पुलिस को मौके से एमडीएमए तैयार करने में इस्तेमाल होने वाला करीब 25 लीटर केमिकल भी मिला।

इसके अलावा 100 प्रतिबंधित ट्रामाडोल कैप्सूल, अधबनी एमडीएमए वाली कांच की ट्रे, खाली प्लेटें, इलेक्ट्रॉनिक कांटे, प्लास्टिक की थैलियां और अन्य उपकरण बरामद किए गए। पुलिस के अनुसार फैक्ट्री से कुल 22 तरह की सामग्री जब्त की गई है।

# बच्चों से भरी चलती स्कूल बस में आग

## चीख-पुकार के बीच धू-धू कर जली, फिर चालक बना मसीहा!

जैसलमेर, 11 अगस्त (एजेंसियां)। जैसलमेर जिले के धउवा गांव के पास मंगलवार सुबह उस वक्त हड़कंप मच गया, जब बच्चों को लेकर स्कूल जा रही एक बस में अचानक भीषण आग लग गई। हादसे के वक्त बस में एसएम पब्लिक स्कूल के दर्जनों मासूम बच्चे सवार थे। चलती बस से धुआं और आग की लपटें उठते ही मौके पर चीख-पुकार मच गई। हालांकि, चालक और स्थानीय लोगों की सूझबूझ व त्वरित तत्परता से समय रहते सभी बच्चों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया, जिससे एक बड़ा हादसा टल गया। एसएम पब्लिक स्कूल की यह बस सुबह पिथला क्षेत्र से करीब एक दर्जन से अधिक स्कूली बच्चों को लेकर जैसलमेर शहर की ओर आ रही थी। रास्ते में धउवा गांव के पास पहुंचते ही बस के अगले हिस्से से अचानक तेज धुआं उठने लगा और देखते ही देखते आग की लपटों ने वाहन को घेरना शुरू कर दिया।

# कलेक्टर के आश्वासन पर खुश हो गए ग्रामीण

## 'कलेक्टर मैडम जिंदाबाद', नेताओं की तरह लगे टीना डाबी के नाम के नारे

टोंक, 11 अगस्त (एजेंसियां)। राजस्थान के टोंक में जिला कलेक्टर टीना डाबी के लिए नेताओं की तरह नारे लगे। इसका वीडियो अब सोशल मीडिया की सुर्खियों में है। दरअसल, टोंक कलेक्ट्रेट पर पहुंचे कायम नगर के लोगों ने प्रदर्शन किया था। इस दौरान समस्याओं को लेकर टीना डाबी ने जो सकारात्मक रुख दिखाया, उससे ग्रामीण खुश गए और उन्होंने जिला कलेक्टर 'जिंदाबाद' के नारे लगाए।

दरअसल, यह मामला 6 अगस्त का है, जब टोंक जिले के तुर्किया पंचायत के कायम नगर गांव के ग्रामीण अपनी विभिन्न मांगों को लेकर टोंक कलेक्ट्रेट पहुंचे, जहां उन्होंने नारेबाजी करते हुए प्रदर्शन किया। इस बीच कलेक्ट्रेट परिसर में ग्रामीणों की मांगों को लेकर कलेक्टर टीना डाबी प्रतिनिधि मंडल से मुलाकात करने आई। यहां उन्होंने ग्रामीणों को उनके मांगों पर सकारात्मक रुख दिखाया। अपनी मांगों के संबंध में कलेक्टर के आश्वासन पर ग्रामीण खुश हो गए और उन्होंने कलेक्टर मैडम के नारे लगा दिए। जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर शेयर हो रहा है।

कायम नगर ग्रामीणों ने बताया कि गांव में रास्ते का विवाद करीब 20 सालों से लंबित है। इसके कारण ग्रामीणों के साथ-साथ स्कूली बच्चों को भी आने-जाने में काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। इसके अलावा सरकारी स्कूल का भवन एक साल से क्षतिग्रस्त है, लेकिन वह अब तक ठीक नहीं हो पाया है। इसी तरह ग्रामीणों ने कायम नगर को तुर्किया पंचायत में ही यथावत रखने की मांग उठाई। जिस पर कलेक्टर टीना डाबी ने ग्रामीणों को सकारात्मक आश्वासन दिया।

कायम नगर के ग्रामीण अपनी समस्याओं के कारण बुरी तरह आक्रोशित थे। उन्होंने टोंक में छावनी स्थित इंदिरा सर्किल पर पहुंचकर करीब 4 घंटे तक धरना दिया।

इस धरने में गांव के ग्रामीण, बच्चे, महिलाएं भी शामिल थी। बाद में ग्रामीण नारेबाजी करते हुए कलेक्ट्रेट पहुंचे, जहां जिला कलेक्टर टीना डाबी ने प्रतिनिधि मंडल से बातचीत कर ग्रामीणों का गुस्सा पल भर में ही शांत कर दिया। इससे खुश होकर ग्रामीण कलेक्टर मैडम के नारे लगाने लगे।

# कुत्ते छोड़े, दरवाजा तोड़ा; तब पकड़ी गई 'लेडी डॉन'

## व्यापारी से करोड़ों ठगने वाली सुमता गिरफ्तार

जोधपुर, 11 अगस्त (एजेंसियां)। जोधपुर के चित्तौड़गढ़ के व्यापारी से 2 करोड़ 45 लाख रुपए की ठगी के मामले में पुलिस ने कुख्यात तस्कर सुमता बिश्नोई उर्फ 'लेडी डॉन' को उसके दो बेटों विनोद बिश्नोई और मनीष बिश्नोई के साथ गिरफ्तार किया है। तीनों को कोर्ट में पेश किया गया, जहां से उन्हें 14 अगस्त तक पुलिस रिमांड पर भेज दिया गया। पुलिस के अनुसार, सुमता को पकड़ने के लिए टीम को काफी मशक्कत करनी पड़ी। शनिवार को सूचना मिली कि वह अपने घर पर मौजूद है। पुलिस मौके पर पहुंची, लेकिन घर के बाहर कोई नजर नहीं आया। बाहर कुत्ते छोड़े हुए थे। शक होने पर पुलिस ने सुथार को बुलाकर लकड़ी का दरवाजा तुड़वाया। अंदर एक कमरे में सुमता अपने एक बेटे के साथ मिली। एसीपी नरेंद्र पारीक को देखकर उसने 'जय हिंद साहब' कहा। दूसरे बेटे के कमरे का दरवाजा तोड़ने की बात पर सुमता ने पुलिस से कहा कि दरवाजा नहीं तोड़ें, वह खुद उसे बाहर निकालती है। इसके बाद पुलिस तीनों को थाने लेकर आई।

बोरानाडा एसीपी नरेंद्र कुमार पारीक के अनुसार, निम्बाहेड़ा निवासी व्यापारी पर्वत सिंह राजपुरोहित ने शिकायत दी थी। आरोप है कि सुमता ने अपने पुलिस, कोर्ट और नेताओं-अधिकारियों से संपर्क होने का दावा करते हुए सांवलियाजी मंदिर ट्रस्ट में प्रसाद का ठेका दिलाने के नाम पर 1 करोड़ 5 लाख रुपए लिए। वहीं, एक व्यक्ति की हाईकोर्ट से जमानत करवाने के नाम पर 1 करोड़ 40 लाख रुपए लिए गए। दोनों काम नहीं होने पर रकम वापस नहीं की गई।

# हंसी-मजाक में देशी कट्टा दिखा रहा था, दब गया ट्रिगर

## सीने में गोली लगने से नागौर के होटल संचालक की मौत, तस्कर गिरफ्तार

नागौर, 11 अगस्त (एजेंसियां)। नागौर जिले में सदर थाना क्षेत्र के खरनाल गांव के पास नीलकंठ होटल में होटल संचालक की गोली लगने से हुई मौत के मामले में पुलिस ने नामजद आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के अनुसार, आरोपी महिपाल बिश्नोई ने होटल पर देशी कट्टा दिखाते समय फायर किया था, जिससे होटल संचालक रामदास उर्फ रामकुमार के सीने में गोली लग गई थी। बता दें कि घायल को जोधपुर ले जाते समय एंबुलेंस दुर्घटनाग्रस्त हो गई। हादसे में रामदास की मौत हो गई थी। मामले में पुलिस ने तकनीकी अनुसंधान, सीसीटीवी फुटेज और फील्ड इंटेलिजेंस की मदद से आरोपी को नागौर शहर से गिरफ्तार किया।

# दूध में कीटनाशक और रासायनिक अवशेषों की होगी जांच, शुरू होगा विशेष अभियान

जयपुर, 11 अगस्त (एजेंसियां)। राजस्थान में घरों तक पहुंचने वाले दूध की शुद्धता को लेकर खाद्य सुरक्षा एवं औषधि नियंत्रक आयुक्तालय अब दूध में कीटनाशक, उर्वरक और अन्य हानिकारक रसायनों के अवशेषों की जांच करेगा। इसके लिए प्रदेशभर के डेयरी कलेक्शन सेंटरों से दूध के नमूने लेकर प्रयोगशालाओं में जांच कराने का विशेष अभियान चलाया जा रहा है। खाद्य सुरक्षा विभाग का फोकस केवल दूध में सीधे तौर पर होने वाली मिलावट पर नहीं, बल्कि पशुओं के चारे के जरिए दूध में पहुंचने वाले रासायनिक अवशेषों पर भी है। विभाग यह पता लगाएगा कि दूध में ऐसे रसायनों की मात्रा निर्धारित सुरक्षित सीमा से अधिक तो नहीं है। खाद्य सुरक्षा एवं औषधि नियंत्रक आयुक्तालय के संयुक्त आयुक्त डॉ. विजय प्रकाश शर्मा के अनुसार, इस अभियान के तहत अब तक 810 दूध के नमूने लिए जा चुके हैं। वर्ष 2025 में कुल 1174 नमूने जांच के लिए भेजे गए थे, जिनमें 15 नमूने अनसेफ पाए गए थे, जबकि एक नमूने में डिटर्जेंट की मौजूदगी सामने आई थी।

उन्होंने बताया कि हाईकोर्ट में दायर जनहित याचिका के बाद विभाग को दूध की गुणवत्ता की व्यापक जांच की जिम्मेदारी मिली है। इसी के तहत इस साल विशेष अभियान चलाया जा रहा है। विभाग के मुताबिक खेतों में इस्तेमाल होने वाले उर्वरकों और कीटनाशकों के अवशेष कई बार हरे चारे, भूसे और पशु आहार में रह सकते हैं।

# स्कूल के वाटर कूलर से करंट लगने पर 9 साल के छात्र की मौत!

श्री गंगानगर, 11 अगस्त (एजेंसियां)। श्रीगंगानगर के सादुलशहर स्थित बाल भारती स्कूल में दर्दनाक हादसा हो गया। आरोप लगाया जा रहा है कि स्कूल परिसर में पानी पीने के दौरान कक्षा पांचवीं के 9 साल के छात्र देवांश की वाटर कूलर से करंट लगने से मौत हो गई। बच्चे की मौत के बाद परिवार में आक्रोश है। उनका आरोप है कि स्कूल में लगे वाटर कूलर में पहले से करंट आने की समस्या थी और इसकी शिकायत भी की गई थी। वहीं अब परिजनों ने बच्चे के शव को लेने से इनकार कर दिया है। वार्ड 23 के रहने वाले भूपेन्द्र मेहरा का बेटा देवांश बाल भारती स्कूल में कक्षा पांचवीं में पढ़ता था।

# ड्रग्स के पैसों के बंटवारे की सूचना पर मकान में दबिश, 16.25 लाख नकद और 3 लग्जरी कारें जब्त

जोधपुर, 11 अगस्त (एजेंसियां)। पाल रोड के सीताराम नगर में एक मकान में कथित तौर पर मादक पदार्थों के कारोबार से जुटाई गई रकम के बंटवारे की सूचना ने पुलिस को अलर्ट कर दिया । जोधपुर के चौपासनी हाउसिंग बोर्ड थाना पुलिस और डीएसटी पश्चिम की संयुक्त टीम ने मकान पर दबिश दी तो वहां पर मौजूद लोगों में हड़कंप मच गया । पुलिस ने तलाशी के दौरान 16 लाख 25 हजार रुपए नकद बरामद किए । मौके से तीन लग्जरी कारें भी जब्त की गईं । पुलिस ने भूताराम और सुनील को गिरफ्तार किया है । यह कार्रवाई पुलिस कमिश्नर अंशुमन भोमिया और डीसीपी पश्चिम कमल शेखावत के निर्देश पर चौपासनी हाउसिंग बोर्ड थाना पुलिस और डीएसटी पश्चिम की संयुक्त टीम ने की। थानाधिकारी गोविंद व्यास के अनुसार डीएसटी पश्चिम को सूचना मिली थी कि सीताराम नगर स्थित एक मकान में दो से तीन लोग जुटे हुए हैं और उनका संबंध मादक पदार्थों के अवैध कारोबार से बताया जा रहा है । पुलिस को मिली सूचना में यह भी बताया गया कि मादक पदार्थों के कारोबार से जुटाई गई रकम का आपस में बंटवारा किया जाना है । मकान में बड़ी मात्रा में नकदी और अन्य सामान मौजूद होने की भी संभावना जताई गई थी । सूचना के आधार पर पुलिस और डीएसटी की संयुक्त टीम ने मकान पर दबिश दी ।

# बच्चा न होने पर बहू का कत्ल: बाड़मेर में दहेज लोभी पति और सास-ससुर करते थे प्रताड़ित, कोर्ट ने सुनाया कड़ा फैसला

बाड़मेर, 11 अगस्त (एजेंसियां)। बाड़मेर के अपर जिला एवं सेशन न्यायालय संख्या-2 ने दहेज हत्या के एक मामले में सख्त फैसला सुनाते हुए आरोपी पति, ससुर और सास को दोषी ठहराया है। न्यायालय की न्यायाधीश मीनाक्षी मीणा ने तीनों दोषियों को आजीवन कठोर कारावास की सजा सुनाई। इसके अलावा अदालत ने तीनों आरोपियों पर कुल 90 हजार रुपए का अर्थदंड भी लगाया है। जुर्माना न अदा करने की स्थिति में दोषियों को एक माह का अतिरिक्त साधारण कारावास भुगतना होगा। अपर लोक अभियोजक सुरेशचंद्र मोदी के अनुसार, मृतका रवीना के पिता परिवादी खमीशा खां ने 12 जुलाई 2023 को रामसर थाने में मामला दर्ज कराया था। रवीना का निकाह 13 फरवरी 2017 को नजीर के साथ हुआ था। शादी के बाद से ही ससुराल पक्ष उसे 5 लाख रुपए दहेज की मांग और संतान न होने का ताना देकर प्रताड़ित करता था। प्रताड़ना के कारण रवीना कुछ महीनों से अपने पीहर में रह रही थी। 7 जुलाई 2023 को नजीर उसे दोबारा परेशान न करने का विश्वास दिलाकर अपने साथ ले गया। उसी रात नजीर, कमाल खान और सरियत ने मिलकर रवीना के साथ बुरी तरह मारपीट की और उसकी हत्या कर दी। वारदात के बाद आरोपियों ने शव को छिपाने के लिए पानी के टांके में डाल दिया और मायके वालों के पहुंचने से पहले ही शव को दफना दिया। बाद में प्रशासन की मौजूदगी में दफनाए गए शव को बाहर निकालकर पोस्टमॉर्टम कराया गया।

# अग्रवाल समाज तेलंगाना की 'शपथ' पहल के तहत चारमीनार से निकली विशाल ड्रग्स जागरूकता रैली

हैदराबाद, 11 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। युवाओं को नशीले पदार्थों के दुष्प्रभावों से बचाने, उनमें जागरूकता पैदा करने और ड्रग फ्री-यंग इंडिया का संदेश जन-जन तक पहुँचाने के उद्देश्य से अग्रवाल समाज तेलंगाना की विशेष पहल शपथ और मिशन आवर रिस्पांसबिलिटी के अंतर्गत विशाल ड्रग्स जागरूकता रैली का आयोजन किया गया।

यह आयोजन तेलंगाना सरकार, ईगल फोर्स तेलंगाना एवं अग्रवाल शिक्षा समिति के सहयोग से आयोजित किया गया, जिसमें सेंट पॉल्स हाई-टेक हाई स्कूल, बेगम बाजार; शांतिनिकेतन हाई स्कूल, दूधबोली; आरएचवी कॉन्सेप्ट स्कूल; ब्रिलियंट ग्रामर हाई स्कूल सहित विभिन्न शिक्षण संस्थानों के छात्र-छात्राओं, शिक्षकों, अभिभावकों, सामाजिक संस्थाओं के प्रतिनिधियों एवं गणमान्य नागरिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

ऐतिहासिक चारमीनार से प्रारंभ हुई यह जागरूकता रैली शहर के विभिन्न मार्गों से गुजरते हुए अग्रवाल गर्ल्स हाई स्कूल पहुँची। रैली के दौरान विद्यार्थियों ने नशा-विरोधी संदेशों, पोस्टरों और नारों के माध्यम से समाज को नशीले पदार्थों से दूर रहने तथा युवा पीढ़ी को सुरक्षित भविष्य देने का संदेश दिया। कार्यक्रम के दौरान अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पी. कृष्णमूर्ति ने विद्यार्थियों को नशीले पदार्थों से दूर रहने और अपने मित्रों एवं आसपास के लोगों को भी इसके प्रति जागरूक करने का संदेश दिया।

उन्होंने अग्रवाल समाज तेलंगाना द्वारा की गई इस पहल की सराहना करते हुए कहा अग्रवाल समाज द्वारा उठाया गया यह कदम एक बेहद सराहनीय पहल है। इससे प्रेरणा लेकर समाज के अन्य वर्गों और संस्थाओं को भी नशा मुक्ति की दिशा में आगे आकर ऐसे आयोजन करने चाहिए।

अग्रवाल समाज तेलंगाना के अध्यक्ष अनिरुद्ध गुप्ता ने कहा नशीले पदार्थों का दुरुपयोग न केवल किसी व्यक्ति को, बल्कि परिवारों, समुदायों और हमारे देश के भविष्य को भी प्रभावित करता है। युवा पीढ़ी को नशे से बचाना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि जागरूकता, शिक्षा और सामाजिक सहभागिता के माध्यम से ही युवाओं को नशे के खतरे से प्रभावी रूप से बचाया जा सकता है।

शपथ टीम के चेयरमैन रामनिवास बंसल ने समाज के सभी वर्गों से इस अभियान से जुड़ने का आह्वान करते हुए कहा हम शिक्षण संस्थानों, कॉर्पोरेट संस्थाओं, सामाजिक संगठनों, अभिभावकों, युवा समूहों और जिम्मेदार नागरिकों को 'शपथ' के साथ जुड़ने और नशा-मुक्त युवा भारत बनाने में भागीदार बनने के लिए आमंत्रित करते हैं। उन्होंने कहा कि शपथ को केवल एक अभियान तक सीमित न रखते हुए इसे एक व्यापक सामाजिक आंदोलन के रूप में आगे बढ़ाने का प्रयास किया जा रहा है।

शपथ के प्रोजेक्ट डायरेक्टर देवेंद्र शास्त्री ने अभियान की आगामी योजनाओं की जानकारी देते हुए बताया कि आने वाले समय में शपथ के माध्यम से स्कूलों, कॉलेजों, युवाओं, अभिभावकों और विभिन्न सामाजिक एवं कॉर्पोरेट संस्थाओं को जोड़ते हुए नशा-विरोधी जागरूकता कार्यक्रमों की शृंखला आयोजित की जाएगी।

कार्यक्रम का एक महत्वपूर्ण आकर्षण सामूहिक नशा मुक्ति शपथ रही। शपथ की सोशल मीडिया मैनेजर दिव्या अग्रवाल ने छात्र-छात्राओं को जीवनभर नशे से दूर रहने, अपने परिवार एवं मित्रों को जागरूक करने तथा स्वस्थ और जिम्मेदार समाज के निर्माण में योगदान देने की शपथ दिलाई।

अग्रवाल शिक्षा समिति के अध्यक्ष प्रमोद केड़िया ने भी नशे के दुष्प्रभावों के प्रति सदैव सतर्क रहने और जीवन में सकारात्मक एवं स्वस्थ आदतों को अपनाने का संदेश दिया। नशा-विरोधी जागरूकता को विद्यार्थियों की रचनात्मकता से जोड़ने के उद्देश्य से आयोजित चित्रकला प्रतियोगिता के विजेताओं को कार्यक्रम के दौरान सम्मानित किया गया।

प्रथम पुरस्कार शर्मिष्ठा – एलबीएमटी स्कूल। द्वितीय पुरस्कार कृष्णवेणी एलबीएमटी स्कूल एवं डी. विग्नेश शांतिनिकेतन हाई स्कूल, दूधबोली। तृतीय पुरस्कार सुहासिनी सेंट पॉल्स हाई-टेक हाई स्कूल एवं भवानी आरएचवी कॉन्सेप्ट स्कूल को मिला। अन्य प्रतिभागियों को भी उनके प्रयास और नशा-विरोधी संदेश को रचनात्मक रूप से प्रस्तुत करने के लिए सांत्वना पुरस्कार प्रदान किए गए।

कार्यक्रम में विभिन्न सामाजिक, शैक्षणिक एवं प्रशासनिक संस्थाओं के प्रतिनिधियों की उल्लेखनीय उपस्थिति रही। अग्रवाल समाज तेलंगाना से अनिरुद्ध गुप्ता (अध्यक्ष), नरेंद्र गोयल (कार्यकारी अध्यक्ष), सी.ए. राजगोपाल (कोषाध्यक्ष) एवं सुरेश अग्रवाल दिल्लीवाले (सलाहकार)। अग्रवाल शिक्षा समिति से प्रमोद केड़िया (अध्यक्ष) एवं सी.ए. नवीन कुमार अग्रवाल (मानद सचिव)।

पुलिस प्रशासन एवं ईगल फोर्स से पी. कृष्णमूर्ति (अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक), पी. श्रीनिवास राव (इंस्पेक्टर, ईगल फोर्स) एवं टी. रामबाबू (एसएचओ, चारमीनार) भी उपस्थित रहे। लायंस क्लब ऑफ हैदराबाद समर्पण से श्रीमती नंदिनी अग्रवाल (अध्यक्ष), श्रीमती निर्मला संघी (सचिव) एवं श्रीमती ललिता बंसल (कोषाध्यक्ष) भी मौजूद रहीं।

टीम शपथ से रामनिवास बंसल (चेयरमैन), सुनील कुमार अग्रवाल (जनसंपर्क निदेशक), देवेंद्र शास्त्री (प्रोजेक्ट डायरेक्टर), राजीव अग्रवाल (सलाहकार), डॉ. वंदना अग्रवाल, विशाल केड़िया, सुशील अग्रवाल, श्रीमती दिव्या अग्रवाल, शिशिर केड़िया, कन्हैया गाड़िया तथा कार्यक्रम समन्वयक अनिल सिंह, मुकेश अग्रवाल, जितेंद्र अग्रवाल एवं महावीर पित्ती सहित शपथ टीम के अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

रैली के माध्यम से यह संदेश दिया गया कि नशे के खिलाफ लड़ाई केवल पुलिस, सरकार अथवा किसी एक सामाजिक संस्था की जिम्मेदारी नहीं है। परिवार, विद्यालय, शिक्षक, अभिभावक, सामाजिक संगठन और स्वयं युवा सभी की सहभागिता से ही नशा-मुक्त समाज का निर्माण संभव है।

## प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने डॉ. वकुलाभरणम् को सराहा

नई दिल्ली, 11 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग के पूर्व अध्यक्ष और लेखक डॉ. वकुलाभरणम् कृष्ण मोहन राव ने मंगलवार को अपनी पत्नी सुधा श्री के साथ संसद भवन स्थित प्रधानमंत्री कार्यालय में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। करीब 10 मिनट चली इस भेंट में उन्होंने तेलुगु, हिंदी और अंग्रेजी में प्रकाशित त्रिभाषी ग्रंथ 'श्री नरेन्द्र मोदी – भारत को विश्वमंच पर स्थापित करने वाले महान नेता', तेलुगु पुस्तक 'अंत्योदय से विकसित भारत' तथा त्रिभाषी ग्रंथ 'जीएसटी: सामाजिक न्याय, आर्थिक समानता और विकास यात्रा' प्रधानमंत्री को भेंट किया। प्रधानमंत्री ने पुस्तकों को ध्यान से देखा और डॉ. राव से कहा, इन ग्रंथों की रचना में आपने यज्ञ किया है।

उन्होंने डॉ. राव की व्यक्तिगत पृष्ठभूमि, छात्र जीवन से पिछड़ा वर्ग आंदोलन में उनकी भूमिका तथा पिछड़ा वर्ग आयोगों में सदस्य और अध्यक्ष के रूप में किए गए कार्यों की जानकारी ली। प्रधानमंत्री ने कहा, पिछड़े वर्गों के लिए आपका कार्य सराहनीय है।

## शांति, भाईचारा और सद्भाव सामाजिक एकता के लिए महत्वपूर्ण: अज़हरुद्दीन

हैदराबाद, 11 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। अल्पसंख्यक कल्याण और सार्वजनिक उद्यम मंत्री मोहम्मद अजहरुद्दीन ने राज्य की गंगा-जमुनी तहज़ीब की दीर्घकालिक परंपरा को संरक्षित करने का आह्वान किया है, और इस बात पर जोर दिया है कि शांति, भाईचारा और सद्भाव सामाजिक एकता के लिए महत्वपूर्ण बने हुए हैं।

अज़हरुद्दीन ने आध्यात्मिक नेताओं और संतों की सार्वभौमिक शिक्षाओं पर प्रकाश डालते हुए लोगों से धार्मिक और सामाजिक मतभेदों से ऊपर उठकर सांप्रदायिक बंधनों को मजबूत करने और राज्य की सामूहिक प्रगति के लिए मिलकर काम करने का आग्रह किया। अज़हरुद्दीन हनमकोंडा जिले के काजीपेट स्थित दरगाह शरीफ में आयोजित हजरत सैयद शाह अफजल बियाबानी (आरए) के उर्स-ए-मुबारक में मुख्य अतिथि थे।इस आध्यात्मिक और धार्मिक कार्यक्रम में राजस्व मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी और बंदोबस्ती मंत्री कोंडा सुरेखा, स्थानीय विधायक, विभिन्न अध्यक्ष, निर्वाचित प्रतिनिधि, वरिष्ठ अधिकारी, धार्मिक विद्वान, श्रद्धालु और आम जनता के सदस्य उपस्थित थे।

## बच्चों के लिए मुफ्त हृदय शल्य चिकित्सा

हैदराबाद, 11 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। हृदय रोग से पीड़ित बच्चों के अभिभावकों के लिए खुशखबरी है। लंदन के डॉक्टरों के सहयोग से निज़ाम्स इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (एनआईएमएस) में 13 अगस्त से एक सप्ताह तक निःशुल्क हृदय शल्य चिकित्सा की जाएगी।इन दिनों अभिभावक सुबह 8 बजे से दोपहर 2 बजे तक हैदराबाद के पंजागुट्टा स्थित निम्स के पुराने ब्लॉक की पहली मंजिल पर स्थित सीटी सर्जरी यूनिट में संपर्क कर सकते हैं। अभिभावकों को अपने पिछले परीक्षण और चिकित्सा रिकॉर्ड साथ लाने होंगे।

## 40 जातियों को केंद्रीय ओबीसी सूची में शामिल करने की प्रक्रिया तेज हो : निरंजन

हैदराबाद, 11 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष जी. निरंजन ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से तेलंगाना की 40 पिछड़ा वर्ग समुदायों को केंद्रीय अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) सूची में शामिल करने की प्रक्रिया में तेजी लाने का आग्रह किया है। उन्होंने इस संबंध में प्रधानमंत्री को पत्र भेजकर लंबे समय से लंबित मामले का शीघ्र समाधान करने की मांग की।निरंजन ने कहा कि इन 40 समुदायों को केंद्रीय ओबीसी सूची में शामिल करने का मामला लंबे समय से लंबित है। आगामी जनगणना-2027 को देखते हुए इस विषय पर जल्द निर्णय लिया जाना आवश्यक है। उन्होंने बताया कि इस मामले को इससे पहले भी 13 अप्रैल 2026 को प्रधानमंत्री के संज्ञान में लाया गया था।


**दक्षिण मध्य रेलवे**

**ई-निविदा सूचना सं. सी/ई.29/इलेक/एम/एससी/ 29/एसडब्ल्यू/ ओटी/2026-27,दि.07-08-2026**

कृते भारत के राष्ट्रपति की ओर से व के लिए, अधोहस्ताक्षरी द्वारा निम्न कार्यो हेतु दि.31-08-2026 के 15.00 बजे तक ई-निविदाएं आमंत्रित हैं।

**क्रम सं.01,** ई-निविदा संख्याः सी/ई.29/इलेक/एम/एससी/29/एसडब्ल्यू/ओटी/2026-27, ईटेंडर नं.ई-एम-एससी-29-ओटी-2026-27, कार्य विवरणः सिकंदराबाद डिवीजन-बिजली रखरखाव विभाग- (I) एएसएएफ पर 8 नंबर्स टाइप-II क्वार्टर्स & 2 नंबर्स टाइप-III क्वार्टर्स का प्रतिस्थापन या रिप्लेसमेन्ट कार्य। (II) मकुड़ी- एसआर.डीइएन/उत्तर क्षेत्राधिकार में एडीइएन/बीपीए सब-डिवीजन के तहत मकुडी स्टेशन पर टाइप II क्वार्टर्स-6 नंबर्स का निर्माण कार्य। (III) विरुर- संबंधित विरुर पर 6 नंबर्स टाइप-II क्वार्टर्स & 2 नंबर्स टाइप-III क्वार्टर्स का रिप्लेसमेन्ट या प्रतिस्थापन कार्य-बिजली व्यवस्थाएं। निविदा मूल्य रु.1,13,06,140.00, अग्रधन रु.2,26,100.00, सीटीएफ रु. शून्य, कार्य पूरा करने की अवधिः 6 महिने।

आ ई आ र ई पी ए स वेबसाइटः www.ireps.gov.in पर प्रकाशित निविदा दस्तावेजो में निविदा नियम शर्ते/अन्य विवरण उपलब्ध हैं, इसे डाउनलोड किया जा सकता है, इसमें भाग लिया जा सकता है & यदि कोई हो तो, इसके परिवर्तनों को देखा जा सकता है। रेल प्रशासन के पास कोई भी कारण न देते हुए निविदा को निरस्त करने का पूरा अधिकार सुरक्षित है।

–वरिष्ठ विभागीय बिजली अभियंता(एम)/सिकंदराबाद

**निविदा सूचना**

कृते भारत के राष्ट्रपति की ओर से, वरिष्ठ विभागीय सिग्नल & दूरसंचार अभियंता, सिकंदराबाद डिवीजन, दक्षिण मध्य रेलवे-दमरे, सिकंदराबाद द्वारा निम्न कार्यो हेतु टेंडर्स की ई-प्रोक्योरमेंट के माध्यम से ई-निविदाएं आमंत्रित है।

**क्रम संख्याः01,** निविदा सं. & दि.- सी_एसजी_36_614, दि.06-08-2026, बंद करने की तिथिः 29-08-2026, कार्य विवरणः टेलिकामः 1. एसआर. डीइएन/पश्चिम क्षेत्राधिकार में गोडुमगुरा (जीडीक्यू) स्टेशन पर स्टेशन बिल्डिंग की रेहाबिलिटेशन या पुनर्वसन सहित तत्संबंधित दूरसंचार या टेलिकाम व्यवस्थाएं। 2. एसआर. डीइएन/पश्चिम क्षेत्राधिकार में चिटीगिड्डा (सीटीएफ) स्टेशन पर स्टेशन बिल्डिंग की रेहाबिलिटेशन या पुनर्वसन सहित तत्संबंधित दूरसंचार या टेलिकाम व्यवस्थाएं। 3. एसआर. डीइएन/पश्चिम/ एससी क्षेत्राधिकार के तहत चिटीगिड्डा स्टेशन पर पीएफ 1 & पीएफ 2 को रेल स्तर से उच्च स्तर तक उठाना, सीओपी का प्रावधान तथा यात्रियों की सुविधाएं। 4.एसइएम स्टेशनः सेरम स्टेशन पर प्लेटफार्म नं.2 का उच्च स्तर पर उठाने का प्रस्तावित कार्य। 5.एसकेपी स्टेशनः एसकेपी पर पीएफ 1&2 का उच्च स्तर पर उठाना, सीओपी का प्रावधान, पाथवे & यात्रियों की सुविधाएं। 6. आरसीसी बाक्स स्ट्रक्चर स्थित किमी 166/1-2 पर ब्रिज नं.191 के पुनर्निर्माण से संबंधित दूरसंचार व्यवस्थाएं। 7. एसआर. डीइएन/पश्चिम/एससी क्षेत्राधिकार के तहत एसएम गड्ढे प्रदान करते हुए सीओपी के उत्थान से संबंधित दूरसंचार व्यवस्था एवं स्टेशनों पर लोकेशन बॉक्स के रीकायम हेतु नई शीटिंग व्यवस्था। (एसकेपी, एनपीएल, एलपीआई, सीडीएनआर, बीआवीडी, बीटीएनआर, एसएपी, एमएफआर, सीटी)। 8. रनिंग स्टाफ के आराम या रेस्ट लेने हेतु केओके पर मिमल ब्लाक के नई रनिंग रूम के निर्माण कार्य से संबंधित दूरसंचार व्यवस्थाएं। 9. डीइएन/मध्य क्षेत्राधिकार के तहत अतिरिक्त सीओपी के प्रावधान तथा मौजूदा सीओपी के उत्थान एवं नई शीटिंग व गड्ढर सहित मौजूदा सीओपी का उत्थान कार्य। (जीएनपी, आलेर, डब्ल्यूजी, बीएन, एमएलवाय व मौजूदा सीओपी के उत्थान & जीएनपी, आरजीपी, आलेर, बीएन, एमएलवाय स्टेशनों पर नए शीटिंग व गड्ढर सहित मौजूदा सीओपी का उत्थान)। 10. एसएस डिवीजन के 22 स्थानों पर सीओपी सिस्टम्स का उन्नयन कार्य तथा नए स्थानों जैसे घटकेसर, सनतनगर, तेलापुर, रामचंद्रपुरम स्टेशनों पर सीओपी का प्रावधान। सिग्नल 1. चिट्टीगड्डा (सीटीएफ) स्टेशन पर स्टेशन मास्टर रूम के पुनर्वसन या रेहाबिलिटेशन सहित तत्संबंधित सिग्नलिंग व्यवस्थाएं। 2. गोडमगुरा (जीडीक्यू) स्टेशन पर स्टेशन मास्टर रूम के पुनर्वसन या रेहाबिलिटेशन सहित तत्संबंधित सिग्नलिंग व्यवस्थाएं। 3. चिट्टीगड्डा स्टेशन पर सीओपी का प्रावधान & यात्रियों की सुविधाएं। पीएफ 1 & पीएफ 2 के रेल स्तर से उच्च स्तर तक प्रस्तावित उठाने हेतु सिग्नलिंग व्यवस्थाएं। अनुमानित मूल्य रु.28606063.11, बोली सुरक्षा /अग्रधन रु.5,72,100.00

**क्रम संख्याः02,** निविदा सं. & दि.-सी_एसजी_36_615, दि.08-08-2026, बंद करने की तिथिः 31-08-2026, कार्य विवरणः एससी डीवीजन में क्रिटीकल सेफ्टी कम्युनिकेशन एप्लीकेशंस के लिए 6-क्वैड केबुल्स में इन्सुलेशन इंटिग्रिटी की बहाली या रिस्टोरेशन तथा ओएफसी नेटवर्क की क्षमता वृद्धि या केपासिटी एनहान्समेंट। अनुमानित मूल्य रु.3,33,29,011.00, बोली सुरक्षा /अग्रधन रु.6,66,600.00

ज्यादा जानकारी हेतु वेबसाइटःwww.ireps.gov.in पर जाएं। वरिष्ठ विभागीय सिग्नल & दूरसंचार अभियंता, सिकंदराबाद

**ई-निविदा सूचना संख्याएः सी/ई.29/इलेक/एम/एससी/34/डिपाजिट/ओटी/2026-27, दि.07-08-2026**

कृते भारत के राष्ट्रपति की ओर से व के लिए, अधोहस्ताक्षरी द्वारा निम्न कार्यो हेतु दि.01-09-2026 के 15.00 बजे तक ई-निविदाएं आमंत्रित है।

**क्रम संख्याः01,** ई-निविदा संख्याः ईटेंडर नं.सी/ई.29/इलेक/एम/एससी/34/डिपाजिट/ओटी/2026-27, ईटेंडर नं. इ-एम-एससी-34-ओटी-2026-27, कार्य विवरणः सिकंदराबाद डिवीजनः बिजली रखरखाव विभाग- डिपाजिट टर्म्स पर रामगुण्डम तथा जीडीके लाइन के बीच 8-9 किमी पर नई क्रासिन्ग स्टेशन का निर्माण कार्य-बिजली व्यवस्थाएं। निविदा मूल्य रु. 28,85,702.80, अग्रधन रु.57,700.00, सीटीएफ रु. शून्य, कार्य पूरा करने की अवधि 6 महिने।

आ ई आ र ई पी ए स वेबसाइटःwww.ireps.gov.in पर प्रकाशित निविदा दस्तावेजो में निविदा नियम शर्ते/अन्य विवरण उपलब्ध हैं, इसे डाउनलोड किया जा सकता है, इसमें भाग लिया जा सकता है & यदि कोई हो तो, इसके परिवर्तनों को देखा जा सकता है।

रेल प्रशासन के पास कोई भी कारण न देते हुए निविदा को निरस्त करने का पूरा अधिकार सुरक्षित है।

वरिष्ठ विभागीय बिजली अभियन्ता(एम)/सिकंदराबाद

**ई-निविदा आमंत्रण सूचना (http://ireps.gov.in द्वारा)**

भारत के राष्ट्रपति की ओर से, मुख्य बिजली अभियंता, निर्माण, दक्षिण मध्य रेलवे-दमरे, सिकंदराबाद द्वारा निम्न कार्यो हेतु निविदाकरण की दो पैकेट प्रणाली में ई-निविदाएं आमंत्रित है।

**क्रम संख्याः01,** एनआयटी नं.-ई29सीटीआरडीएससी_06_2026-27, दि.06-08-2026, कार्य विवरणः निविदा सं.-ई29सीटीआरडीएससी_06_2026-27, दि.06-08-2026, दक्षिण मध्य रेलवे-दमरे के सिकंदराबाद डिवीजन में डोर्नकल-भद्राचलम रोड पर संबंधित यार्ड परिवर्तनों सहित तडीकलपुडी-बेथमपुडी सेक्शन के बीच प्रस्तावित दोहरीकरण या डबलिंग कार्य के दृष्टिगत मौजूदा ओएचइ का बदलाव या मॉडिफिकेशन्स सहित डिजाइन, आपूर्ति, इरेक्शन, परीक्षण & 65 स्के.एमएम केटेनरी तथा 107/150 स्के.एमएम कम्पोजिट वायर, एलटी सप्लाई ट्रांसफार्मर स्टेशन्स सहित 2x25केवी, 50एचजेड सिंगल फेज ए.सी ट्रैक्शन ओवरहेड उपकरण या इक्विपमेन्ट की कमीशनिंग कार्य। अनुमानित मूल्य रु.16,89,67,169.69, अग्रधन/बोली सुरक्षा रु.33,79,400.00, दस्तावेज मूल्यः आनलाइन में निविदा दस्तावेज को मुफ्त में डाउनलोड कर सकते है, कार्य पूरा करने की अवधिः 09 महिने, बंद करने की तिथिः 03-09-2026 के 15.00 बजे।

बोली दस्तावेज तथा अन्य विवरण हेतु कृपया वेबसाइटः http://ireps.gov.in पर लागिन करें।

बोलीदाता या बिड्डर द्वारा बोली सुरक्षा राशि को http://ireps.gov.in के माध्यम से प्रेषित करना चाहिए अथवा इसे अनुसूचित, कमर्शियल बैंक आफ इण्डिया से बैंक गारण्टी बान्ड के रूप में प्रस्तुत करना चाहिए। बैंक गारण्टी बांड जोकि एपेंडिक्स-VII मुताबिक होना चाहिए एवं बोली वैध अवधि से परे, 90 दिनों तक वैध होना चाहिए। डिमाण्ड ड्राफ्ट, बैंकर्स चेक, डिपाजिट रिसीप्ट्स, एफडीआर आदि के रूप में मैन्युएल पेमेन्ट या भुगतान अमान्य है। निविदाकार अपने प्रस्तावों या आफर्स को आनलाइन में निविदा प्रस्तुति अवधि के दौरान निविदा बंद करने की तिथि से पूर्व पंद्रह दिनों की अवधि में प्रस्तुत कर सकते है। निविदाकार किसी भी शुद्धिपत्र (केवल आनलाइन पर जारी) को निविदा प्रस्तुति की अवधि की प्रारंभिक तिथि से देख सकते है।

मुख्य बिजली अभियंता, निर्माण, सिकंदराबाद

A636

निविदा नियम शर्ते/अधिक जानकारी & निविदा दस्तावेजों की डाउनलोडिंग हेतु कृपया वेबसाइटःhttps://www.ireps.gov.in या www.scr.indianrailways.gov.in देखें।

**दक्षिण तट रेलवे**

**सितम्बर & अक्तूबर-2026 माह के लिए ई-नीलामी कार्यक्रम**

सितंबर ई-नीलामी -2026

| दिनांक | डिवीजन/डिपो |
|---|---|
| 01.09.2026 | विशाखापत्तनम |
| 02.09.2026 | विजयवाडा |
| 03.09.2026 | गुण्टूर |
| 03.09.2026 | गुण्टकल |
| 04.09.2026 | रायनपाडु |
| 05.09.2026 | तिरुपति |
| 07.09.2026 | विशाखापत्तनम |
| 08.09.2026 | विजयवाडा |
| 09.09.2026 | गुण्टूर |
| 10.09.2026 | गुण्टकल |
| 11.09.2026 | रायनपाडु |
| 12.09.2026 | तिरुपति |
| 15.09.2026 | विशाखापत्तनम |
| 16.09.2026 | विजयवाडा |
| 17.09.2026 | गुण्टूर |
| 18.09.2026 | गुण्टकल |
| 19.09.2026 | रायनपाडु |
| 21.09.2026 | तिरुपति |
| 22.09.2026 | विशाखापत्तनम |
| 23.09.2026 | विजयवाडा |
| 24.09.2026 | गुण्टूर |
| 25.09.2026 | गुण्टकल |
| 28.09.2026 | रायनपाडु |
| 29.09.2026 | तिरुपति |

अक्तूबर ई-नीलामी -2026

| दिनांक | डिवीजन/डिपो |
|---|---|
| 01.10.2026 | विशाखापत्तनम |
| 03.10.2026 | रायनपाडु |
| 05.10.2026 | विजयवाडा |
| 06.10.2026 | गुंटूर |
| 07.10.2026 | गुण्टकल |
| 08.10.2026 | तिरुपति |
| 09.10.2026 | विशाखापत्तनम |
| 10.10.2026 | रायनपाडु |
| 12.10.2026 | विजयवाडा |
| 13.10.2026 | गुंटूर |
| 14.10.2026 | गुण्टकल |
| 16.10.2026 | तिरुपति |
| 16.10.2026 | विशाखापत्तनम |
| 19.10.2026 | विजयवाडा |
| 19.10.2026 | रायनपाडु |
| 21.10.2026 | गुंटूर |
| 22.10.2026 | गुण्टकल |
| 23.10.2026 | तिरुपति |
| 26.10.2026 | विशाखापत्तनम |
| 27.10.2026 | विजयवाडा |
| 28.10.2026 | गुंटूर |
| 28.10.2026 | रायनपाडु |
| 29.10.2026 | गुण्टकल |
| 30.10.2026 | तिरुपति |

प्रधान मुख्य सामग्री प्रबंधक/विशाखापत्तनम

SCoR-A185

निविदा नियम शर्तें/ज्यादा जानकारी और निविदा दस्तावेजों की डाउनलोडिंग हेतु कृपयावेबसाइटःhttps://www.ireps.gov.in या www.scor.indianrailways.gov.in देखें।


## राष्ट्रीय जनसंपर्क शिक्षा दिवस पर नैतिक और कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित संचार पर जोर

हैदराबाद, 11 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। जनसंपर्क क्षेत्र में नैतिकता, विश्वसनीयता, सत्यता और पारदर्शिता को मजबूत करने के आह्वान के साथ 19वां राष्ट्रीय जनसंपर्क शिक्षा दिवस मनाया गया। सीवीएन जनसंपर्क फाउंडेशन और पब्लिक रिलेशंस सोसाइटी ऑफ इंडिया की हैदराबाद शाखा के संयुक्त तत्वावधान में रेड हिल्स स्थित एफटीसीसीआई के सुराना सभागार में आयोजित कार्यक्रम में जनसंपर्क के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान देने वालों को राष्ट्रीय पुरस्कारों से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम जनसंपर्क क्षेत्र के अग्रणी डॉ. सी. वी. नरसिम्हा रेड्डी की 93वीं जयंती के अवसर पर आयोजित किया गया। इस वर्ष कार्यक्रम की विषयवस्तु 'विश्वास, सत्य और पारदर्शिता-जनसंपर्क शिक्षा का आधार' रही। तेलंगाना सरकार के श्रम, रोजगार, प्रशिक्षण एवं कारखाना तथा खान एवं भूविज्ञान मंत्री डॉ. गद्दम विवेक वेंकटस्वामी मुख्य अतिथि रहे। जनसंपर्क सोसाइटी ऑफ इंडिया के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. अजीत पाठक विशिष्ट अतिथि, जबकि साइबर सुरक्षा उत्कृष्टता केंद्र के मुख्य कार्यकारी अधिकारी डॉ. श्रीराम बिरुदावोलु ने मुख्य वक्ता के रूप में संबोधित किया। पब्लिक रिलेशंस वॉयस के संपादक वाई. बाबजी तथा सीवीएन जनसंपर्क फाउंडेशन की अध्यक्ष सी. रमा देवी विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद रहीं। कार्यक्रम की मेजबानी जनसंपर्क सोसाइटी ऑफ इंडिया की हैदराबाद शाखा के अध्यक्ष डॉ. कंभमपति यादगिरी तथा सीवीएन जनसंपर्क फाउंडेशन के सचिव श्री सी. रवींद्र रेड्डी ने की। सी. रवींद्र रेड्डी ने अपने उद्घाटन संबोधन में डॉ. सी. वी. नरसिम्हा रेड्डी के निरंतर सीखने, व्यावसायिक विकास और कौशल उन्नयन पर दिए गए जोर को याद किया। डॉ. अजीत पाठक ने डॉ. सी. वी. नरसिम्हा रेड्डी को भारत में जनसंपर्क शिक्षा के क्षेत्र में महान योगदान देने वाले व्यक्तित्व और कई पीढ़ियों के पेशेवरों के लिए आदर्श बताया। मुख्य वक्ता डॉ. श्रीराम बिरुदावोलु ने कहा कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता, स्वचालन और डिजिटल तकनीकों के तेजी से विस्तार के दौर में विश्वास, सत्य और पारदर्शिता कायम करने में जनसंपर्क की भूमिका पहले से कहीं अधिक महत्वपूर्ण हो गई है।

मंत्री डॉ. गद्दम विवेक वेंकटस्वामी ने डॉ. सी. वी. नरसिम्हा रेड्डी को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि वार्षिक आयोजन जनसंपर्क और जनसंपर्क शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए अपना जीवन समर्पित करने वाले व्यक्तित्व के प्रति उचित सम्मान है। दिल्ली स्थित गेल इंडिया लिमिटेड के मुख्य प्रबंधक (कॉरपोरेट संचार) सैकत चक्रवर्ती को डॉ. सी. वी. नरसिम्हा रेड्डी-जनसंपर्क सोसाइटी ऑफ इंडिया वर्ष 2026 का सर्वश्रेष्ठ जनसंपर्क प्रबंधक राष्ट्रीय पुरस्कार प्रदान किया गया। चेन्नई स्थित सीपीसीएल के वरिष्ठ प्रबंधक (जनसंपर्क एवं कॉरपोरेट संचार) डॉ. वी. पलानीअप्पन को निर्णायक मंडल का विशेष सम्मान तथा मुंबई स्थित ब्लूमिंगडेल जनसंपर्क के मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री विक्रम खारवी को जनसंपर्क वॉयस साहित्यिक उत्कृष्टता सम्मान प्रदान किया गया। इसके अलावा उत्कृष्ट जनसंपर्क शिक्षकों के रूप में भुवनेश्वर के प्रो. उपेंद्र पाढ़ी और गाजियाबाद की प्रो. रितु दुबे तिवारी को सम्मानित किया गया। जनसंपर्क शैक्षणिक परामर्शदाताओं के रूप में डॉ. सुजान स्पूर्ति और डॉ. के. राकेश को सम्मान मिला। जनसंपर्क सोसाइटी ऑफ इंडिया की शैक्षणिक पहलों से जुड़ी समितियों के संयोजकों श्री कृष्ण बाजी, लायन के. गोविंदराज और डॉ. फातिमा रहीम को भी सम्मानित किया गया। जनसंपर्क विषय में सर्वोच्च अंक प्राप्त करने वाले 18 शिक्षण संस्थानों के 22 विद्यार्थियों को भी पुरस्कार प्रदान किए गए।

## ड्राफ़्ट वोटर लिस्ट से लाखों वोटर्स के नाम हटाए जा सकते हैं

हैदराबाद, 11 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य में वोटर लिस्ट के 'स्पेशल इंटेंसिव रिविज़न' (एसआईआर) के तहत कम से कम 73 लाख वोटर्स के नाम हटाए जाने हैं। एन्यूमरेशन फ़ॉर्म जमा करने की तारीख 10 अगस्त को खत्म होने के बाद, भारत निर्वाचन आयोग ने 73,39,234 फ़ॉर्म को 'अनकलेक्टेबल' के तौर पर मार्क किया है। इन 'अनकलेक्टेबल' वोटर्स में 45,18,961 ऐसे लोग हैं जो स्थायी रूप से दूसरी जगह शिफ्ट हो चुके हैं, 11,25,546 वोटर्स अपने पते पर नहीं मिल रहे हैं या उनका पता नहीं चल पा रहा है, और 9,22,230 वोटर्स की मौत हो चुकी है। 6,70,203 वोटर्स ऐसे हैं जिन्होंने पहले ही दूसरी जगह रजिस्टर करा लिया है (दोहरी वोटिंग) और 1,02,294 वोटर्स को 'अन्य' कैटेगरी में रखा गया हैं। इन सभी वोटर्स के नाम ड्राफ़्ट वोटर लिस्ट से हटा दिए जाएंगे।

तेलंगाना के मुख्य निर्वाचन अधिकारी सी. सुदर्शन रेड्डी ने हाल ही में वोटर्स को चेतावनी दी थी कि अगर वे एसआईआर के तहत संबंधित बूथ लेवल ऑफिसर को भरा हुआ एन्यूमरेशन फ़ॉर्म जमा नहीं करते हैं, तो ईसीआई की गाइडलाइंस के अनुसार वोटर लिस्ट से उनका नाम हटा दिया जाएगा।

हैदराबाद के एक बीएलओ ने कहा कि उन्होंने पहले ही एएसडी(अनुपस्थित, शिफ्टेड और मृत) कैटेगरी वाले वोटर्स को हटाने के लिए मार्क कर दिया है। बीएलओ ने कहा, जिन वोटरों ने खाली फ़ॉर्म लौटाए हैं, उनके नाम भी वोटर लिस्ट से हटा दिए जाएंगे।

## दिसंबर तक तीन तेलंगाना पब्लिक स्कूल तैयार करने का लक्ष्य

**मंचाल, वंगूर और पोलकंपल्ली स्कूलों के निर्माण कार्यों में तेजी लाने के निर्देश**

हैदराबाद, 11 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना सरकार की महत्वाकांक्षी तेलंगाना पब्लिक स्कूल (टीपीएस) परियोजना के तहत पायलट प्रोजेक्ट में शामिल मंचाल, वंगूर और पोलकंपल्ली स्कूलों के निर्माण कार्यों को दिसंबर तक पूरा कर विद्यार्थियों के लिए उपलब्ध कराने का लक्ष्य रखा गया है। इन स्कूलों में चल रहे कार्यों की प्रगति को लेकर बुधवार को उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में स्कूल शिक्षा निदेशक नवीन निकोलस, शिक्षा आयोग के सदस्य डॉ. चारकोंडा वेंकटेश, जोष्णा शिवा रेड्डी, प्रोफेसर पी.एल. विश्वेश्वर और तेलंगाना एजुकेशन वेलफेयर इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट कॉरपोरेशन के एमडी गणपति रेड्डी सहित संबंधित स्कूलों के प्रधानाध्यापक और ठेकेदार उपस्थित रहे। बैठक में मंचाल, वंगूर और पोलकंपल्ली स्कूलों में पूर्ण हो चुके कार्यों, वर्तमान में चल रहे निर्माण, लंबित कार्यों, निधियों के आवंटन, बुनियादी सुविधाओं और फर्नीचर की व्यवस्था की विस्तृत समीक्षा की गई। कुछ कार्यों के लिए धनराशि जारी होने में हो रही देरी पर भी चर्चा हुई।

## उज्जयिनी महाकाली मंदिर में मंत्री कोंडा सुरेखा ने अर्पित किया मारु बोनम

हैदराबाद, 11 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। आषाढ़ बोनालु उत्सव के तहत तेलंगाना की वन, पर्यावरण एवं देवदाय-धर्मादाय मंत्री कोंडा सुरेखा ने मंगलवार को सिकंदराबाद स्थित ऐतिहासिक उज्जयिनी महाकाली मंदिर में देवी को मारु बोनम अर्पित किया और विशेष पूजा-अर्चना की। मंदिर पहुंचने पर देवदाय विभाग के निदेशक हनुमंतराव, सहायक आयुक्त मनोहर रेड्डी तथा पुजारियों ने ढोल-नगाड़ों और शिवसत्तुलु के पारंपरिक उत्साह के बीच मंत्री का भव्य स्वागत किया।

मंत्री कोंडा सुरेखा ने मंदिर में देवी उज्जयिनी महाकाली के दर्शन कर विशेष पूजा की। इसके बाद मंदिर के प्रधान पुजारी के नेतृत्व में आयोजित मारु बोनम अर्पण कार्यक्रम में उन्होंने भाग लिया और देवी को विधिवत मारु बोनम समर्पित किया। इस अवसर पर बोनम लेकर पहुंची महिलाओं को मंत्री ने साड़ी और सार प्रदान किया। इस अवसर पर मंत्री कोंडा सुरेखा ने कहा कि सिकंदराबाद की उज्जयिनी महाकाली देवी के मारु बोनम कार्यक्रम में शामिल होना उनके लिए बेहद खुशी का अवसर है। उन्होंने कहा कि देवी को अर्पित किए गए चावल से मारु बोनम तैयार कर उसे समर्पित करना तेलंगाना की संस्कृति और परंपराओं में विशेष महत्व रखने वाली धार्मिक परंपरा है। उन्होंने देवी महाकाली से प्रार्थना करते हुए कहा कि उनके आशीर्वाद से तेलंगाना के सभी लोग सुख-समृद्धि, शांति और अच्छे स्वास्थ्य के साथ जीवन व्यतीत करें। मंत्री ने कहा कि तेलंगाना की संस्कृति और परंपराओं का प्रतीक आषाढ़ बोनालु पर्व को श्रद्धा और भक्ति के साथ भव्य रूप से मनाना सभी के लिए गर्व की बात है।


स्वतंत्र वार्ता

Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com

Epaper :
epaper.swatantravaartha.com

For Advertisement :
swadds1@gmail.com

# अच्छी बॉडी के लिए जीएलपी-1 ड्रग का इस्तेमाल कर रहे हैं भारतीय क्रिकेटर ?

## चौंकाने वाला दावा

मुंबई, 11 अगस्त (एजेंसियां)। अच्छी फिटनेस और फुर्तीला शरीर भारतीय क्रिकेट में इस वक्त बेहद जरूरी हो गया है. प्रोफेशनल क्रिकेटर्स के पास ये खूबी तो होनी ही चाहिए. रिपोर्ट है कि कुछ खिलाड़ियों ने इसके लिए ड्रग का इस्तेमाल किया है.

भारतीय खिलाड़ियों की फिटनेस इस वक्त दुनिया में टॉप मानी जाती है. विराट कोहली के बाद काफी खिलाड़ी ऐसे हैं जो अच्छी फिजिकल स्ट्रेंथ के साथ-साथ बेहतरीन बॉडी के मालिक भी हैं. लेकिन इस बीच एक चौंकाने वाला दावा सामने आया है. एक रिपोर्ट के मुताबिक भारत के कई क्रिकेटर खुद को स्लिम और तेज रखने के लिए एक खास तरह के ड्रग का इस्तेमाल कर रहे हैं. इस ड्रग को लेकर उनका वजन काफी कम हो रहा है और उनकी स्ट्रेंथ भी बरकरार रहती है. इन क्रिकेटरों में टीम इंडिया और आ ई पी ए ल खेलने वाले खिलाड़ी शामिल हैं.

क्रिकब्लॉगर की रिपोर्ट के मुताबिक, 'कुछ क्रिकेटर जीएलपी-1 दवाओं का इस्तेमाल करके वजन घटा रहे हैं. ये दवा डॉक्टर बीमारी के वक्त ही देते हैं लेकिन खिलाड़ी वजन कम करने के लिए इनका इस्तेमाल कर रहे हैं. इस दवाई का इस्तेमाल कर खिलाड़ियों को कम भूख लगती है और उनके अंदर कमजोरी भी नहीं आती, नतीजा उनका फैट लॉस भी होता है. जीएलपी-1 एक प्राकृतिक हॉर्मोन है जो छोटी आंत और कोलॉन में पैदा होता है. इस ड्रग को लेने के बाद पेट धीमी गति से खाने को पचाता है और वो दिमाग को सिग्नल भेजता है कि अभी शरीर पूरी तरह फिट है, उसे खाने की जरूरत नहीं है. इस ड्रग को लेने वाले खिलाड़ी किसी डॉक्टर की निगरानी में ये सब काम करते हैं और इसमें हजारों रुपये का खर्च आता है. इसे रेगुलर वर्कआउट के साथ लिया जाता है और तेजी से वेट कम होता है. इसलिए कुछ क्रिकेटर इसका इस्तेमाल कर रहे हैं. बॉलीवुड स्टार्स भी इस ड्रग का इस्तेमाल करते हैं. हालांकि इस ड्रग के साइड-इफेक्ट्स भी हो सकते हैं और खिलाड़ियों का ये इस्तेमाल करना बड़ी चिंता की बात है. उम्मीद है कि बीसीसीआई इस मामले पर ध्यान देगा.बता दें हाल के दिनों में कई खिलाड़ियों ने अपना काफी वेट लॉस किया है.

# आईपीएल क्रिकेटर अभिषेक पोरेल रेप के आरोप में गिरफ्तार

## मेडिकल छात्रा की शिकायत पर कार्रवाई, दिल्ली कैपिटल्स से खेलते हैं

कोलकाता, 11 अगस्त (एजेंसियां)। आईपीएल में दिल्ली कैपिटल्स के लिए खेलने वाले बंगाल के क्रिकेटर अभिषेक पोरेल को रेप केस में गिरफ्तार कर लिया गया। गिरफ्तारी मंगलवार को कोलकाता में हुई। यह मामला एक मेडिकल छात्रा की शिकायत पर दर्ज हुआ था, जिसमें पोरेल पर रेप, धमकी और अन्य आरोप लगाए गए हैं। पीड़ित ने जून में शिकायत दर्ज कराई थी। 23 साल के अभिषेक विकेटकीपर बैटर हैं। वे बंगाल के लिए 116 और आईपीएल टीम दिल्ली कैपिटल्स के लिए 35 मैच खेल चुके हैं। दिल्ली ने उन्हें 4 करोड़ रुपए में रीटेन किया था।

मामला कलकत्ता हाईकोर्ट में चल रहा था। कोर्ट ने 20 जुलाई को गिरफ्तारी का आदेश दिया था। साथ ही आरोपी के इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस जब्त करने के आदेश भी दिए गए थे। अभिषेक सभी आरोपों से इनकार करते आए हैं। शिकायत के मुताबिक, महिला ने कहा कि वह और अभिषेक पिछले तीन साल से रिश्ते में थे। पिछले साल दोनों के बीच मतभेद शुरू हुए, जिसके बाद क्रिकेटर कथित तौर पर उससे दूरी बनाने लगा।

महिला ने आरोप लगाया कि अभिषेक ने उससे शादी करने का वादा किया था, लेकिन अब वह शादी के लिए तैयार नहीं है। शिकायत में उसने कहा कि अभिषेक ने शादी का वादा करके उसके साथ शारीरिक संबंध बनाए।

बाएं हाथ के टॉप ऑर्डर बल्लेबाज अभिषेक पोरेल 2023 से आईपीएल में दिल्ली कैपिटल्स के लिए खेल रहे हैं। पिछले सीजन में उन्होंने दिल्ली कैपिटल्स के लिए चार पारियों में 108 रन बनाए थे। अभिषेक इससे पहले इंडिया A टीम के साथ इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया का दौरा कर चुके हैं। उन्होंने 2021-22 सीजन में बंगाल के लिए फर्स्ट क्लास डेब्यू किया था। उन्होंने अब तक 32 फर्स्ट क्लास और 23 लिस्ट A मैच खेले हैं।

क्रिकेटर अभिषेक पोरेल इन आरोपों को खारिज कर चुके हैं। उन्होंने कहा था कि अगर उनके खिलाफ कोई शिकायत दर्ज की गई है, तो आरोप पूरी तरह से झूठे हैं। यह मामला मोगरा पुलिस स्टेशन में 23 जून 2026 को दर्ज किया गया था। भारतीय न्याय संहिता की धारा 69 शादी का झूठा वादा करके शारीरिक संबंध बनाने के मामलों से जुड़ी है। यह तब लागू होती है, जब आरोपी ने शुरुआत से ही शादी करने का इरादा न रखते हुए महिला को शादी का भरोसा दिया और इसी आधार पर संबंध बनाए। दोषी पाए जाने पर 10 साल तक की जेल और जुर्माने का प्रावधान है। हालांकि, हर टूटा हुआ शादी का वादा रेप नहीं माना जाता। अदालत यह देखती है कि आरोपी की शुरुआत से मंशा क्या थी। अगर दोनों के बीच सहमति से संबंध बने और बाद में किसी वजह से शादी नहीं हो सकी, तो इसे रेप नहीं माना जाता। बीसीसीआई खिलाड़ियों को मैदान के बाहर भी अनुशासन और सावधानी बरतने की सलाह देता है। आईपीएल और अन्य टूर्नामेंटों के दौरान खिलाड़ियों, उनके परिवार और ब्रॉडकास्टर्स के लिए सोशल मीडिया से जुड़ी गाइडलाइंस होती हैं, जिनके तहत ड्रेसिंग रूम, डगआउट और टीम होटल जैसे प्रतिबंधित क्षेत्रों में वीडियो या रील बनाने पर रोक रहती है।

बीसीसीआई की एंटी करप्शन यूनिट खिलाड़ियों को हनी ट्रैप और अनधिकृत लोगों से संपर्क के खतरों को लेकर भी जागरूक करती है। इसके अलावा, खिलाड़ियों और टीम अधिकारियों के लिए आचार संहिता का पालन जरूरी है और नियमों के उल्लंघन पर फटकार, जुर्माना या अन्य अनुशासनात्मक कार्रवाई हो सकती है।

# राज्यस्तरीय ताइक्वांडो में बेगूसराय बना उपविजेता

## खिलाड़ियों ने जीते 18 गोल्ड, 18 सिल्वर और 12 ब्रॉन्ज मेडल; पटना बना स्टेट चैंपियन

बेगूसराय, 11 अगस्त (एजेंसियां)। मोतिहारी में आयोजित 36वीं बीटीए राज्य स्तरीय क्यूरोगी तथा 9वीं बीटीए राज्य स्तरीय पुम्से ताइक्वांडो प्रतियोगिता में बेगूसराय के खिलाड़ियों का प्रदर्शन शानदार रहा।

प्रतियोगिता में शामिल हुए बेगूसराय के खिलाड़ियों ने कुल 48 पदक प्राप्त किए। प्रतियोगिता के फाइनल राउंड में बेगूसराय को ओवरऑल उपविजेता घोषित किया गया।

जिला ताइक्वांडो संघ के सचिव नन्दु कुमार ने बताया कि कोच मो. फुरकान, श्याम कुमार राज, टीम मैनेजर श्याम किशोर सिंह, तकनीकी में मणिकांत एवं अनिल कुमार तांती के मार्गदर्शन में दूसरे एवं अंतिम दिन में बेगूसराय के 31 खिलाड़ियों ने 13 स्वर्ण पदक, 12 रजत पदक एवं 6 कांस्य पदक पदक जीता है। 24 स्वर्ण पदक जीतकर पटना की टीम स्टेट चैंपियन बनी है।

# आईसीसी के खिलाफ उतरे स्कॉटलैंड और नीदरलैंड्स

## 2027 वनडे वर्ल्ड कप के नए फॉर्मेट पर बवाल

दुबई, 11 अगस्त (एजेंसियां)। साल 2027 में साउथ अफ्रीका, जिम्बाब्वे और नामीबिया की मेजबानी में खेले जाने वाले पुरुष वनडे वर्ल्ड कप में 18 महीने से भी कम का समय बचा है. हालांकि, इस महाकुंभ के शुरू होने से पहले ही इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल के नए फॉर्मेट बदलावों को लेकर विवाद गहराता जा रहा है. क्रिकेट स्कॉटलैंड और नीदरलैंड्स क्रिकेट बोर्ड ने आईसीसी की ओर से आखिरी समय में किए गए बदलावों पर कड़ा ऐतराज जताते हुए इसे निराशाजनक और अपमानजनक करार दिया है.

दरअसल, हाल ही में आईसीसी ने 2027 वर्ल्ड कप के फॉर्मेट में अचानक बदलाव करते हुए सुपर सीरीज स्टेज को शामिल किया है.

इस नए नियम के मुताबिक, क्वालिफाई करने वाली 12वीं, 13वीं और 14वीं टीम को आपस में एक ट्राइ-सीरीज खेलनी होगी, जिसमें से सिर्फ एक ही टीम वर्ल्ड कप के मेन टूर्नामेंट में पहुंचेगी, जहां 12 टीमों को दो ग्रुप में बांटा जाएगा. एसोसिएट देशों का मानना है कि इस अचानक किए गए बदलाव से उभरती हुई क्रिकेट टीमों के लिए वर्ल्ड कप में खुद को साबित करने के मौके काफी सीमित हो जाएंगे.

स्कॉटलैंड और नीदरलैंड्स बोर्ड्स की ओर से जारी एक संयुक्त बयान के मुताबिक, फॉर्मेट में हुए इस बदलाव के बाद एसोसिएट सदस्यों ने आईसीसी के साथ दो बैठकें की थीं, जिसमें आधिकारिक लिखित जानकारी और पारदर्शिता की मांग की गई थी. हालांकि, दूसरी बैठक को दो हफ्ते से ज्यादा समय बीत जाने के बाद भी आईसीसी की ओर से कोई जवाब नहीं आया है. संयुक्त बयान में कहा गया, 'मेन क्वालिफिकेशन साइकिल के बीच में नियमों और फॉर्मेट को बदलना किसी भी टीम की सालों की कड़े मेहनत पर पानी फेरने जैसा है. यह कदम एसोसिएट क्रिकेट को पीछे धकेलता है. टूर्नामेंट में 18 महीने से कम का समय बचा है और ऐसे में अचानक बदलाव से टीमों पर गहरा असर पड़ा है.' इससे पहले नामीबिया, नीदरलैंड्स और स्कॉटलैंड के कप्तानों ने भी वर्ल्ड क्रिकेटर्स एसोसिएशन के जरिए इस फैसले पर अपनी नाराजगी जताई थी. बता दें, वर्ल्ड कप लीग-2 के तहत यूएसए, स्कॉटलैंड, नीदरलैंड्स और ओमान ने वनडे वर्ल्ड कप क्वालिफायर के लिए पहले ही जगह पक्की कर ली है. वहीं नामीबिया, कनाडा, नेपाल और यूएई की टीमें क्वालिफायर प्ले-ऑफ खेलेंगी. इन सब के बीच अचानक फॉर्मेट बदल जाने से एसोसिएट टीमों को टेंशन में डाल दिया है.

# अफगानिस्तान वनडे वर्ल्डकप 2027 के लिए क्वालिफाई

## आयरलैंड को तीसरे वनडे में 3 विकेट से हराया, राशिद खान प्लेयर ऑफ द मैच

काबुल, 11 अगस्त (एजेंसियां)। अफगानिस्तान ने तीसरे वनडे में आयरलैंड को 3 विकेट से हरा दिया। इस जीत के साथ टीम ने अफगानिस्तान ने 2027 वनडे वर्ल्ड कप के लिए सीधे क्वालिफाई कर लिया।

बेलफास्ट में अफगानिस्तान ने गेंदबाजी चुनी। उसने आयरलैंड को 46.3 ओवर में 206 रन पर ऑलआउट कर दिया। फिर 44.5 ओवर में 7 विकेट पर लक्ष्य हासिल कर लिया।

राशिद खान ने नाबाद 37 रन की पारी खेली। उन्होंने 3 विकेट भी झटके।

अफगानिस्तान ने एक समय 176 रन पर 7 विकेट गंवा दिए थे। इसके बाद राशिद खान ने नाबाद 37 रन बनाए। उन्होंने 43 गेंदों की पारी में 4 चौके लगाए। राशिद ने यामिन अहमदजई के साथ मिलकर टीम को जीत दिलाई।

यामिन अहमदजई 26 गेंदों पर 4 रन बनाकर नाबाद रहे। दोनों ने अफगानिस्तान को 44.5 ओवर में लक्ष्य तक पहुंचा दिया।

अफगानिस्तान इस समय वनडे रैंकिंग में 8वें नंबर पर है। उसने आयरलैंड पर लगातार दूसरी जीत हासिल की है। इसके सहारे टीम 30 सितंबर 2026 तक वनडे रैंकिंग में खुद को टॉप-8 में कायम रख सकेगी। जोकि वनडे वर्ल्डकप क्वालिफिकेशन की कटऑफ डेट है।

अफगानिस्तान के क्वालिफिकेशन से वेस्टइंडीज का क्वालिफायर खेलना तय हो गया है। उसे भारत के खिलाफ 2 वनडे खेलने है, लेकिन ये मैच जीतकर भी विंडीज वनडे रैंकिंग के टॉप-8 में नहीं पहुंच सकेगी। टीम वर्तमान में नंबर-10 पर है।

2027 का वर्ल्ड कप साउथ अफ्रीका, जिम्बाब्वे और नामीबिया में खेला जाएगा। यह अफगानिस्तान का वनडे वर्ल्ड कप में चौथा प्रदर्शन होगा।

# नेपाल ने संदीप लामिछाने को वनडे कप्तान बनाया

## उन पर रेप के आरोप थे, बरी भी हुए, रोहित पौडेल की जगह लेंगे

काठमांडू, 11 अगस्त (एजेंसियां)। नेपाल ने संदीप लामिछाने को वनडे टीम का कप्तान बनाया है। वे रोहित पौडेल की जगह लेंगे।

26 साल के संदीप एसीसी मेंस प्रीमियर कप में टीम की कमान संभालेंगे। टीम का ऐलान हुआ।

लामिछाने ने 77 वनडे में 154 विकेट लिए हैं। वे 14 वनडे में कप्तानी कर चुके हैं। इसके बाद 2022 में पौडेल ने कप्तानी संभाली थी।

साल 2022 में संदीप पर एक नाबालिग से बलात्कार का आरोप लगा था, जिसके बाद काठमांडू जिला अदालत ने उन्हें 8 साल की सजा सुनाई थी।

हालांकि, मई 2024 में नेपाल की पाटन उच्च न्यायालय ने उन्हें इन आरोपों से बरी कर दिया। इसके बाद उन्होंने क्रिकेट में दोबारा वापसी की।

पौडेल के कार्यकाल में नेपाल ने शानदार सफलता हासिल की। उनकी कप्तानी में नेपाल ने ICC क्रिकेट वर्ल्ड कप लीग-2 के 12 में से 11 वनडे जीते।

# डीपीएल में विराट कोहली के गुरु भाई अनुज रावत का तहलका

## 38 गेंदों में 8 चौकों और 8 छक्कों की मदद से 92 रनों की आतिशी पारी खेली

नई दिल्ली, 11 अगस्त (एजेंसियां)। दिल्ली प्रीमियर लीग 2026 21वें मैच में अनुज रावत की तूफानी पारी के दम पर पुरानी दिल्ली 6 ने आउटर दिल्ली वॉरियर्स के खिलाफ 7 विकेट से एकतरफा और शानदार जीत दर्ज की. पुरानी दिल्ली 6 के स्टार बल्लेबाज अनुज रावत ने मैदान पर चौके-छक्कों की आंधी लाते हुए विरोधी गेंदबाजों की धज्जियां उड़ा दीं. ये इस सीजन में पुरानी दिल्ली 6 की तीसरी जीत है और वो इसी के साथ पॉइंट्स टेबल में दूसरे नंबर पर पहुंच गई है.

इस मुकाबले में आउटर दिल्ली वॉरियर्स ने पुरानी दिल्ली 6 के सामने 166 रनों का टारगेट रखा था. इसके जवाब में पुरानी दिल्ली 6 की शुरुआत काफी खराब रही और टीम ने 9 रन के स्कोर पर ही अपने 2 शुरुआती विकेट गंवा दिए. इसके बाद मैदान पर विराट के गुरु भाई अनुज रावत का जलवा देखने को मिला. अनुज रावत ने आक्रामक रुख अपनाते हुए गेंदबाजों पर करारा हमला बोला. उन्होंने सिर्फ 38 गेंदों में 8 चौकों और 8 छक्कों की मदद से 92 रनों की आतिशी पारी खेली. दूसरे छोर पर आर्यन गौर ने संयम से बल्लेबाजी करते हुए 40 गेंदों पर नाबाद 57 रन बनाए और टीम को 7 विकेट से आसानी से जीत दिला दी. 26 साल के अनुज रावत को भारतीय स्टार विराट कोहली का गुरु भाई कहा जाता है. दरअसल, अनुज रावत ने भी दिल्ली की उसी मशहूर वेस्ट दिल्ली क्रिकेट एकेडमी से क्रिकेट की बारीकियां सीखी हैं, जहां से विराट कोहली ने अपने करियर की शुरुआत की थी. दोनों ही खिलाड़ी द्रोणाचार्य पुरस्कार से सम्मानित मशहूर कोच राजकुमार शर्मा के शिष्य हैं. अनुज रावत आईपीएल में विराट कोहली के साथ भी खेल चुके हैं. वो 2022 से 2024 तक आरसीबी की टीम का हिस्सा रहे थे.

दिल्ली प्रीमियर लीग 2026 में अनुज रावत का बल्ला जमकर चल रहा है. वो 5 मैचों में 86.33 की औसत से 259 रन बना चुके हैं. इस दौरान उन्होंने स्ट्राइक रेट भी 190.44 का रहा है. खास बात ये है कि उन्होंने इस सीजन की शुरुआत एक शानदार शतक के साथ की थी और इस मैच में भी वो 90 के बार पहुंचने में कामयाब रहे.

# 15 के हों या 18 के, वैभव सूर्यवंशी की उम्र पर उठे सवालों पर ब्रेट ली का बड़ा बयान

मेलबोर्न, 11 अगस्त (एजेंसियां)। भारतीय क्रिकेट के नए उभरते सितारे वैभव सूर्यवंशी इन दिनों वर्ल्ड क्रिकेट में चर्चा का केंद्र बने हुए हैं. सिर्फ 15 साल की उम्र में अपनी विस्फोटक बल्लेबाजी से दुनिया भर के गेंदबाजों में खौफ पैदा करने वाले वैभव ने अब इंटरनेशनल क्रिकेट में भी डेब्यू कर लिया है. इंग्लैंड दौरे पर तीन मैचों की टी20 इंटरनेशनल सीरीज में खेलने का मौका मिलते ही वैभव भारत की ओर से सबसे कम उम्र में डेब्यू करने वाले खिलाड़ी बन गए थे. हालांकि, इतनी कम उम्र में उनकी जबरदस्त पावर-हीटिंग को देखकर लगातार उनकी उम्र पर सवाल खड़े किए जा रहे हैं. अब इस विवाद पर ऑस्ट्रेलिया के दिग्गज पूर्व तेज गेंदबाज ब्रेट ली ने अपनी बेबाक राय शेयर की है. ऑस्ट्रेलिया के पूर्व तेज गेंदबाज ब्रेट ली ने वैभव सूर्यवंशी की जमकर तारीफ की है. पोडकास्ट बीयर बाइसेप्स में बातचीत करते हुए ब्रेट ली ने कहा कि लोगों को उम्र का रोना रोने के बजाए खिलाड़ी की क्षमता देखनी चाहिए. ब्रेट ली ने कहा, 'वैभव चाहे 15 साल के हों, 16, 17 या फिर 18 के, इससे क्या फर्क पड़ता है? अहम बात यह है कि वह खेल के सबसे बड़े लेवल पर प्रदर्शन करने का जज्बा रखते हैं. भारत से बाहर के लोग यह सवाल जरूर उठाएंगे कि क्या वह सच में 15 के हैं, लेकिन अगर वह 17-18 के भी हैं, तो भी वह बच्चा शानदार क्रिकेट खेलता है.'

# खिलाड़ी की शिकायत पर पुडुचेरी कोच पर केस

## 8 महीने पुराने विवाद में हमला करने का आरोप, कोर्ट के आदेश पर केस दर्ज

पुडुचेरी, 11 अगस्त (एजेंसियां)। पुडुचेरी के अंडर-19 कोच एस. वेंकटरमन पर केस दर्ज की गई है। यह कार्रवाई खिलाड़ी की याचिका पर कोर्ट के आदेश के बाद हुई।

पुडुचेरी के न्यायिक मजिस्ट्रेट ने पुलिस को कोच के खिलाफ केस दर्ज करने का निर्देश दिया। मामला 8 दिसंबर 2025 को सीएपी परिसर में हुए विवाद से जुड़ा है।

इससे पहले वेंकटरमन की शिकायत पर 3 स्थानीय क्रिकेटरों के खिलाफ केस दर्ज हुई थी। अब उन्हीं में शामिल जयसुंदरम कार्तिकेयन की शिकायत पर कोच के खिलाफ भी केस दर्ज हुआ है। वेंकटरमन ने सेदारापेट पुलिस को दी शिकायत में तीन रणजी प्लेयर्स पर हमले का आरोप लगाया था। उनके नाम जयसुंदरम कार्तिकेयन, ए. अरविंदराज और एस. संतोष कुमारन थे। तीनों पुदुचेरी की ओर से रणजी ट्रॉफी खेल चुके हैं।

हमले में घायल वेंकटरमन को अस्पताल में भर्ती कराया गया था। उन्हें सिर में चोट लगी थी और कंधे में फ्रैक्चर हुआ था। सीएपी के पूर्व संयुक्त सचिव वेंकटरमन ने सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी की टीम में चयन नहीं होने को वजह बताया था।

पुलिस ने खिलाड़ियों के खिलाफ केस दर्ज कर ली थी, लेकिन कार्तिकेयन ने घटना वाले दिन कोच के खिलाफ शिकायत दी थी। इस पर कोई कार्रवाई नहीं हुई।

पुडुचेरी के लिए सभी फॉर्मेट में छह मैच खेल चुके 32 साल के कार्तिकेयन ने आरोप लगाया कि सीएपी के इंडोर ट्रेनिंग सेंटर में अभ्यास के दौरान वेंकटरमन ने विवाद बढ़ाया।

कार्तिकेयन के वकील एम. सबरी सेल्वम ने द इंडियन एक्सप्रेस से कहा, "वेंकटरमन ने उन्हें गालियां दीं और बल्ला उठाकर उन पर हमला किया। हमने जानबूझकर कोई हमला नहीं किया था। खिलाड़ियों को चोट लगी और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में उनका मेडिकल टेस्ट कराया गया।" वकील ने कहा, "हमने हमले वाले दिन ही सेदारापेट एसएचओ और एसपी (नॉर्थ) को शिकायत दी थी। पुलिस ने केवल उस शिकायत पर कार्रवाई की, जो वेंकट्रामन ने बाद में दी थी।"

पुलिस की ओर से कई महीनों तक कार्रवाई नहीं होने के बाद कार्तिकेयन ने पुडुचेरी के न्यायिक मजिस्ट्रेट-4 के सामने याचिका दायर की। वकील ने बताया, 'कोर्ट का निर्देश पिछले महीने सुनाया गया था और सेदारापेट पुलिस ने पिछले हफ्ते वेंकट्रामन के खिलाफ केस दर्ज की। हमने बीसीसीआई और सीएपी में भी औपचारिक शिकायत दी है। इसमें जांच और वेंकटरमन को तुरंत निलंबित करने की मांग की गई है।' अप्रैल 2026 में सीएपी ने तीनों क्रिकेटरों को सभी क्रिकेट गतिविधियों से निलंबित कर दिया था। सीएपी ने इसकी वजह सीएपी के अंडर-19 कोच वेंकटरामन पर हमले से जुड़ा हत्या की कोशिश और हमले के आरोपों वाला गंभीर आपराधिक मामला बताया था।

# 'इन्फेंटिनो को हटाना फीफा की भूल होगी'

## ट्रंप ने किया समर्थन, बोले- उनके बिना फुटबॉल पहले जैसा सफल नहीं रहेगा

वॉशिंगटन, 11 अगस्त (एजेंसियां)। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने फीफा अध्यक्ष जियानी इन्फेंटिनो का खुलकर समर्थन किया है। ट्रंप ने कहा कि अगर फीफा ने इन्फेंटिनो को अध्यक्ष पद से हटाने पर विचार किया तो यह उसकी बहुत बड़ी गलती होगी। उन्होंने 2026 फीफा विश्व कप की सफलता का हवाला देते हुए कहा कि इन्फेंटिनो के जाने के बाद फुटबॉल कभी भी उतना सफल या लाभदायक नहीं रहेगा। ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर पोस्ट करते हुए कहा, 'फीफा बहुत बड़ी गलती करेगा अगर किसी भी कारण से वह अध्यक्ष जियानी इन्फेंटिनो को हटाने पर विचार करता है। वह शानदार हैं और उन्होंने अब तक के सबसे सफल विश्व कप का नेतृत्व किया है। अगर वह चले गए, तो यह फिर कभी इतना सफल या लाभदायक नहीं होगा।' दरअसल, फीफा अध्यक्ष इन्फेंटिनो की स्थिति उस समय से मुश्किलों में है, जब उन्होंने फीफा फॉरवर्ड एंटरप्राइज योजना की घोषणा की थी। इस योजना के तहत फीफा से जुड़े टूर्नामेंटों, खासकर फीफा विश्व कप में निजी क्षेत्र की भागीदारी और निवेश का रास्ता खोलने का प्रस्ताव था। इस प्रस्ताव को लेकर दुनिया की कई प्रमुख फुटबॉल संस्थाओं ने चिंता जताई थी। यूईएफए, सीओएनसीएसीएएफ, इंग्लैंड की एफए और एशियाई फुटबॉल परिसंघ (एएफसी) समेत कई संगठनों ने इसका विरोध किया। व्यापक विरोध के बाद फीफा को इस योजना को वापस लेना पड़ा।

# पुराने शहर में मेट्रो कार्यों में तेजी लाएं : रेवंत रेड्डी

## तेलंगाना वैश्विक सम्मेलन की तैयारियों की समीक्षा

हैदराबाद, 11 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने अधिकारियों को पुराने शहर में प्रस्तावित मेट्रो रेल परियोजना के कार्यों में तेजी लाने और जल्द से जल्द निविदा प्रक्रिया शुरू करने के निर्देश दिए हैं। मंगलवार को उन्होंने हैदराबाद मेट्रो रेल लिमिटेड के अधिकारियों के साथ उच्चस्तरीय बैठक कर मेट्रो के दूसरे चरण तथा पुराने शहर में प्रस्तावित गलियारे की प्रगति की समीक्षा की। मुख्यमंत्री ने कहा कि बढ़ती यात्री संख्या को देखते हुए मेट्रो रेल में अतिरिक्त डिब्बे जोड़ने तथा नए मेट्रो रेल डिब्बों की खरीद की प्रक्रिया भी शुरू की जानी चाहिए। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि मेट्रो के दूसरे चरण के तहत मुसी नदी के निकट स्थित महात्मा गांधी बस स्टेशन से चंद्रायनगुट्टा तक 7.5 किलोमीटर लंबे गलियारे के लिए सड़क चौड़ीकरण का काम जल्द पूरा किया जाए।

उन्होंने इस मार्ग पर मेट्रो निर्माण से संबंधित निविदा प्रक्रिया तत्काल शुरू करने को कहा। मेट्रो विस्तार के लिए लंबित भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया भी जल्द पूरी करने के निर्देश दिए गए। रेवंत रेड्डी ने कहा कि हैदराबाद मेट्रो में प्रतिदिन यात्रियों की संख्या बढ़ रही है। ऐसे में यात्रियों की बढ़ती भीड़ के अनुरूप मेट्रो रेल की क्षमता बढ़ाने के लिए आवश्यक कदम उठाए जाने चाहिए। उन्होंने अधिकारियों को अतिरिक्त डिब्बे जोड़ने के साथ नए मेट्रो रेल डिब्बों की खरीद के लिए आवश्यक कार्रवाई करने को कहा।

पुराने शहर के मेट्रो गलियारे के निर्माण के लिए आधुनिक तकनीक और बेहतर कार्यप्रणाली अपनाने के उद्देश्य से मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को दिल्ली मेट्रो के विशेषज्ञों से संपर्क कर आवश्यक सलाह लेने का निर्देश दिया। बैठक में दिसंबर में प्रस्तावित निवेश तेलंगाना वैश्विक सम्मेलन की तैयारियों पर भी चर्चा हुई। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को सम्मेलन के आयोजन की तैयारियां समयबद्ध तरीके से पूरी करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सम्मेलन में विभिन्न व्यावसायिक क्षेत्रों में पहचान बनाने वाले प्रमुख व्यक्तियों को सम्मानित करने की कार्ययोजना तैयार की जाए। मुख्यमंत्री ने सम्मेलन का आयोजन अंतरराष्ट्रीय स्तर का बनाने पर जोर देते हुए कहा कि इसका उद्देश्य तेलंगाना में अधिक से अधिक निवेश आकर्षित करना होना चाहिए। उन्होंने पिछले वर्ष आयोजित सम्मेलन के दौरान राज्य में आए निवेश और उससे हुई प्रगति का विस्तृत विवरण प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। साथ ही निवेश के क्षेत्र में आगे और प्रगति हासिल करने के लिए ठोस कार्ययोजना तैयार करने को कहा। बैठक में मुख्य सचिव संजय जाजू, विशेष मुख्य सचिव जयेश रंजन, सरकारी सलाहकार रामकृष्ण राव और एनवीएस रेड्डी, मेट्रो रेल के प्रबंध निदेशक सरफराज अहमद, अतिरिक्त प्रबंध निदेशक अजीत रेड्डी सहित अन्य अधिकारी मौजूद थे।

# बोनालू में अपराध रोकथाम के लिए विशेष अभियान, 116 संदिग्ध हिरासत में

हैदराबाद, 11 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। लालदरवाजा बोनालू समारोह-2026 के दौरान अपराधों की रोकथाम और श्रद्धालुओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए हैदराबाद सिटी पुलिस की केंद्रीय अपराध शाखा (सीसीएस), डिटेक्टिव विभाग की विशेष अपराध टीम ने व्यापक अभियान चलाया। 9 और 10 अगस्त को आयोजित बोनालु समारोह के दौरान टीम ने 116 संदिग्ध व्यक्तियों को पकड़कर पूछताछ एवं सत्यापन किया। पुलिस के अनुसार, विशेष अपराध टीम को समारोह क्षेत्र में संपत्ति संबंधी अपराधों को रोकने के उद्देश्य से तैनात किया गया था। टीम ने लालदरवाजा और आसपास के इलाकों में संदिग्ध व्यक्तियों की निगरानी, जांच, तलाशी और पहचान सत्यापन किया। पुलिस ने पुराने एवं आदतन अपराधियों, संपत्ति अपराधों में शामिल रहे लोगों तथा पूर्व आपराधिक रिकॉर्ड वाले संदिग्धों की गतिविधियों पर विशेष नजर रखी। समारोह स्थल के प्रवेश एवं निकास मार्गों, भीड़भाड़ वाले स्थानों और संवेदनशील क्षेत्रों में विशेष निगरानी की गई। संदिग्ध गतिविधियों की पहचान के लिए सादे कपड़ों में पुलिसकर्मियों को भी तैनात किया गया था।

अभियान का मुख्य उद्देश्य चोरी, चेन स्नैचिंग, जेबकतरी और अन्य संपत्ति संबंधी अपराधों पर अंकुश लगाना था।पुलिस ने बताया कि पकड़े गए 116 संदिग्धों का फेशियल रिकॉग्निशन सिस्टम (एफआरएस) कैमरों और विभागीय आपराधिक डाटाबेस के माध्यम से सत्यापन किया गया। जांच में आठ संदिग्धों का पूर्व आपराधिक इतिहास सामने आया। इसके बाद उन्हें आवश्यक कानूनी कार्रवाई के लिए संबंधित स्थानीय पुलिस थानों को सौंप दिया गया। सीसीएस की विशेष अपराध टीम और स्थानीय पुलिस के समन्वित प्रयासों से बोनालु समारोह के दौरान कानून-व्यवस्था बनाए रखने में मदद मिली। पुलिस के अनुसार, कड़ी निगरानी और लगातार तैनाती के कारण समारोह क्षेत्र में मोबाइल फोन चोरी, चेन चोरी या चेन स्नैचिंग की कोई घटना सामने नहीं आई।

# टेसरेक्ट को जमीन आवंटन पर केटीआर ने उठाए सवाल, जांच की मांग

## बीआरएस कार्यकारी अध्यक्ष ने मुख्यमंत्री पर लगाए बड़े आरोप

हैदराबाद, 11 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। भारत राष्ट्र समिति के कार्यकारी अध्यक्ष के. टी. रामा राव ने मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी के भाई अनमुला कोंडल रेड्डी से कथित रूप से जुड़ी कंपनी टेसरेक्ट एडवांस्ड सिस्टम्स को करीब पांच एकड़ सरकारी जमीन आवंटित किए जाने के मामले में व्यापक जांच की मांग की है। मंगलवार को हैदराबाद स्थित भारत राष्ट्र समिति मुख्यालय में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में केटीआर ने आरोप लगाया कि करीब 200 करोड़ रुपये मूल्य की जमीन ऐसी कंपनी को लगभग सात करोड़ रुपये में आवंटित की गई, जिसकी चुकता पूंजी मात्र एक लाख रुपये और कर्मचारियों की संख्या शून्य थी। केटीआर ने कहा कि 31 मार्च 2025 तक कंपनी में एक भी कर्मचारी नहीं था और उसकी चुकता पूंजी केवल एक लाख रुपये थी। इसके बावजूद करीब पांच एकड़ सरकारी जमीन का आवंटन किया गया। उन्होंने सवाल उठाया कि करीब 200 करोड़ रुपये मूल्य की जमीन को लगभग 3,700 रुपये प्रति वर्ग गज की दर से करीब सात करोड़ रुपये में आवंटित करने का आधार क्या था। उन्होंने इसे गंभीर मामला बताते हुए सरकार से सभी संबंधित दस्तावेज सार्वजनिक करने की मांग की। उन्होंने सरकार से जमीन आवंटन संबंधी शासनादेश, जमीन का मूल्यांकन, पात्रता मानदंड, निवेश प्रस्ताव, रोजगार संबंधी वादों तथा निर्णय प्रक्रिया में शामिल अधिकारियों का पूरा विवरण सार्वजनिक करने को कहा। मंत्री डी. श्रीधर बाबू के उस दावे पर भी केटीआर ने सवाल उठाया कि कोंडल रेड्डी का टेसरेक्ट से कोई संबंध नहीं है। उन्होंने कोंडल रेड्डी के व्यावसायिक परिचय और अमेरिकी-भारत रणनीतिक साझेदारी मंच द्वारा उन्हें टेसरेक्ट एडवांस्ड सिस्टम्स का अध्यक्ष बताए जाने का उल्लेख किया। केटीआर ने कहा कि भारत राष्ट्र समिति इस मामले में राज्यपाल से औपचारिक शिकायत करेगी और जरूरत पड़ने पर लोकायुक्त तथा अदालत का दरवाजा भी खटखटाएगी।

उन्होंने मुख्यमंत्री के परिवार से जुड़े अन्य कथित कारोबारी, भूमि और ठेका लेनदेन की भी व्यापक जांच की मांग की। सिंचाई परियोजनाओं के मुद्दे पर केटीआर ने कहा कि यदि तेलंगाना की सात परियोजनाओं की मंजूरी रद्द करने का प्रस्ताव गोदावरी नदी प्रबंधन बोर्ड की बैठक के एजेंडे में रहता है तो राज्य सरकार को बैठक का बहिष्कार करना चाहिए। उन्होंने चेतावनी दी कि ऐसा नहीं होने पर भारत राष्ट्र समिति तेलंगाना में 'जल आंदोलन' शुरू करेगी।

उन्होंने संसद में पालमूरु-रंगारेड्डी लिफ्ट सिंचाई योजना को राष्ट्रीय दर्जा दिलाने के मुद्दे पर तेलंगाना के कांग्रेस और भाजपा सांसदों की कथित निष्क्रियता पर भी सवाल उठाया। केटीआर ने सरकार से नरलापुर और कन्नेपल्ली पंप हाउस तत्काल चालू कर किसानों तक सिंचाई का पानी पहुंचाने की मांग की।

# दया मत दिखाइए : साइबर अपराधियों से रहें सावधान

हैदराबाद, 11 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता) । सावधान रहें! साइबर अपराधी लोगों को ठगने और उनकी मेहनत की कमाई लूटने के लिए तरह-तरह के हथकंडे अपना रहे हैं। अगर कोई, खासकर कोई महिला, मोबाइल पर आकर रोने-धोने लगे और कोई दयनीय कहानी सुनाए, तो उसकी बातों पर विश्वास न करें। अगर आपको उस पर दया आ जाए, आप उसकी बात मान लें और उसकी बात मान लें, तो आप मुसीबत में पड़ जाएंगे और अपने बैंक खातों में जमा सारा पैसा खो देंगे।आपको एक कॉल आ सकती है और एक महिला की आवाज़ आपको बता सकती है कि वह अपनी नौकरी खोने के कारण बहुत मुश्किल में है।

वह रोते हुए बताएगी कि उसने आवेदन में अपना मोबाइल नंबर गलत लिख दिया था, बस एक गलत अंक पर क्लिक करने से। फिर वह आपको बताएगी कि आप उसे नौकरी दिलाने में मदद कर सकते हैं और आपसे बस इतना कहेगी कि आपको अपने मोबाइल पर जो ओटीपी मिलेगा, उसे बता दें ताकि वह गलत नंबर को ठीक कर सके। सावधान रहें: अगर आप अपने मोबाइल पर आया ओटीपी बता देते हैं, तो आप धोखाधड़ी का शिकार हो जाएंगे। ओटीपी बताते ही आपके बैंक खातों से पैसे निकाल लिए जाएंगे। सावधान रहें। कभी भी किसी को ओटीपी नंबर न बताएं।

# जीनोम वैली में अत्याधुनिक रिसर्च एवं इनोवेशन सेंटर स्थापित करेगा एमजेन

हैदराबाद, 11 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। वैश्विक जैव प्रौद्योगिकी कंपनी एमजेन हैदराबाद की जीनोम वैली में अत्याधुनिक रिसर्च एवं इनोवेशन सेंटर स्थापित करेगी। इस पहल से तेलंगाना की पहचान वैश्विक जीवन विज्ञान अनुसंधान और नवाचार के प्रमुख केंद्र के रूप में और मजबूत होगी। मंगलवार को सचिवालय में तेलंगाना सरकार और एमजेन इंडिया के बीच इस संबंध में समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर हुए। इस अवसर पर आईटी एवं उद्योग मंत्री दुद्दिल्ला श्रीधर बाबू मौजूद रहे। एमजेन इंडिया के प्रबंध निदेशक नवीन गुल्लापल्ली और तेलंगाना सरकार के उद्योग विभाग के विशेष सचिव कृष्णा आदित्य ने एमओयू दस्तावेजों का आदान-प्रदान किया। इससे पहले एमजेन के प्रतिनिधिमंडल ने मंत्री श्रीधर बाबू से मुलाकात कर हैदराबाद में कंपनी के विस्तार और तेलंगाना के तेजी से विकसित हो रहे जीवन विज्ञान पारिस्थितिकी तंत्र में अपनी भागीदारी बढ़ाने की योजनाओं पर चर्चा की। मंत्री श्रीधर बाबू ने कहा कि प्रस्तावित रिसर्च सेंटर से अत्यधिक कुशल पेशेवरों के लिए रोजगार के अवसर पैदा होंगे और हैदराबाद के वैश्विक उन्नत जीवन विज्ञान अनुसंधान केंद्र के रूप में उभरने को नई गति मिलेगी। उन्होंने कहा कि तेलंगाना में वैश्विक दवा और जैव प्रौद्योगिकी कंपनियों का लगातार विस्तार राज्य के लिए गर्व की बात है।

# स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर वायुसेना बैंड विशेष प्रस्तुति देगा

सिकंदराबाद, 11 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। देश के 80वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर भारतीय वायुसेना का नंबर-3 बैंड 15 अगस्त को सिकंदराबाद स्थित बाइसन पोलो ग्राउंड में विशेष प्रस्तुति देगा। कार्यक्रम शाम 5 बजे शुरू होगा। वायुसेना बैंड अपनी शानदार संगीत प्रस्तुतियों और अनुशासित वाद्य प्रदर्शन के लिए प्रसिद्ध है।

स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर आयोजित यह कार्यक्रम देशभक्ति, राष्ट्र गौरव और भारतीय रक्षा बलों के प्रति सम्मान की भावना को समर्पित रहेगा। प्रस्तुति के दौरान वायुसेना बैंड सैन्य धुनों, देशभक्ति गीतों और प्रसिद्ध राष्ट्रीय धुनों के माध्यम से देश के गौरवशाली अतीत, वर्तमान और उज्ज्वल भविष्य की झलक प्रस्तुत करेगा। आयोजन का उद्देश्य नागरिकों में राष्ट्रप्रेम की भावना को मजबूत करने के साथ ही देश की रक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले सशस्त्र बलों के प्रति सम्मान व्यक्त करना है। कार्यक्रम आम जनता के लिए खुला रहेगा। इसमें भारतीय वायुसेना के अधिकारी, नागरिक प्रशासन के प्रमुख व्यक्ति और स्थानीय नागरिक शामिल होंगे। कार्यक्रम के माध्यम से रक्षा बलों और आम जनता के बीच मजबूत संबंधों को रेखांकित किया जाएगा। वायुसेना बैंड की प्रस्तुति स्वतंत्रता दिवस समारोह को देशभक्ति और राष्ट्र गौरव से ओतप्रोत बनाएगी।

# अब मंडल स्तर पर हर सोमवार होगा प्रजावाणी कार्यक्रम

हैदराबाद, 11 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना सरकार ने शासन व्यवस्था को अधिक जनोन्मुख बनाने और आम लोगों की समस्याओं के त्वरित समाधान के उद्देश्य से मंडल स्तर पर प्रत्येक सोमवार को प्रजावाणी कार्यक्रम आयोजित करने का निर्णय लिया है। सरकार ने इस संबंध में 4 अगस्त 2026 को शासनादेश जारी किया है। सरकार के आदेश के अनुसार मंडल स्तर पर आयोजित होने वाले प्रजावाणी कार्यक्रम की जिम्मेदारी मंडल नोडल अधिकारियों को सौंपी जाएगी। इस व्यवस्था के प्रभावी संचालन के लिए मंडल विकास अधिकारियों को आवश्यक प्रशिक्षण और जागरूकता प्रदान की जाएगी। इसी क्रम में 13 अगस्त को सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक हैदराबाद के बेगमपेट स्थित प्रजा भवन में प्रशिक्षण एवं जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। इसमें मंडल स्तर पर प्रजावाणी कार्यक्रम के संचालन, शिकायतों के पंजीकरण, संबंधित विभागों तक समस्याएं पहुंचाने और उनके समाधान की प्रक्रिया से संबंधित जानकारी दी जाएगी।

# एसआईआर पर कांग्रेस के दुष्प्रचार को जनता के बीच बेनकाब करेगी भाजपा

## भाजपा कार्यालय में प्रदेश प्रवक्ताओं की हुई महत्वपूर्ण बैठक

हैदराबाद, 11 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण को लेकर कांग्रेस के कथित दुष्प्रचार का मुकाबला करने और जनता के बीच वास्तविक तथ्यों को रखने के लिए भाजपा ने प्रदेश स्तर पर अभियान चलाने का निर्णय लिया है। मंगलवार को नामपल्ली स्थित तेलंगाना भाजपा कार्यालय में प्रदेश मुख्य प्रवक्ता एवं मीडिया प्रभारी एन.वी. सुभाष की अध्यक्षता में प्रदेश प्रवक्ताओं की महत्वपूर्ण बैठक हुई। बैठक में विशेष गहन पुनरीक्षण, संसद में राहुल गांधी और कांग्रेस के रवैये, झारखंड में प्रश्नपत्र लीक मामले, तेलंगाना सरकार की कथित विफलताओं और ताजा राजनीतिक घटनाक्रम पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में भाजपा नेताओं ने आरोप लगाया कि तेलंगाना में विशेष गहन पुनरीक्षण को लेकर कांग्रेस जानबूझकर लोगों में भय और भ्रम पैदा कर रही है। उन्होंने स्पष्ट किया कि 73.52 लाख प्रपत्रों का डिजिटल रूप से दर्ज नहीं होना मतदाताओं के नाम हटाए जाने का मतलब नहीं है, बल्कि ये ऐसे प्रपत्र हैं जिनका भौतिक सत्यापन किया जाना आवश्यक है।

# केबीआर पार्क के आसपास 18 अगस्त से एकतरफा यातायात व्यवस्था

हैदराबाद, 11 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। केबीआर पार्क के आसपास यातायात व्यवस्था को सुचारु और सुरक्षित बनाने के लिए हैदराबाद यातायात पुलिस ने 18 अगस्त 2026 से एकतरफा यातायात व्यवस्था लागू करने का निर्णय लिया है। एच-सीआईटीआई परियोजना के तहत केबीआर पार्क के आसपास फ्लाईओवर और भूमिगत मार्गों का निर्माण कार्य जारी है। निर्माण के कारण सड़क पर उपलब्ध स्थान सीमित हो गया है और वाहनों की संख्या अधिक होने से दोनों दिशाओं में यातायात चलाने पर जाम, देरी तथा दुर्घटना की आशंका बढ़ रही है। इसी को देखते हुए पुलिस ने एकतरफा यातायात व्यवस्था लागू करने का फैसला किया है। यातायात पुलिस के अनुसार नई व्यवस्था लागू करने से पहले इसकी व्यवहारिकता जांचने के लिए दो परीक्षण किए गए। पहला परीक्षण 5 अप्रैल को करीब तीन घंटे तथा दूसरा 21 जून को करीब छह घंटे तक चला। दोनों परीक्षणों के दौरान यातायात प्रवाह, प्रमुख चौराहों की स्थिति, लेन अनुशासन, जाम वाले स्थानों और यात्रियों की आवाजाही का आकलन किया गया। परीक्षणों से मिले अनुभव के आधार पर आवश्यक बदलाव किए गए हैं। नई व्यवस्था के सुचारु संचालन के लिए प्रमुख स्थानों पर लेन चिह्न, दिशा सूचक और यातायात संकेतक लगाए जाएंगे। वाहन चालकों के मार्गदर्शन के लिए यातायात पुलिसकर्मियों की चौबीसों घंटे तैनाती रहेगी। मार्गदर्शन सेवाओं में भी आवश्यक बदलाव किए जाएंगे, ताकि वाहन चालक अपनी यात्रा की पहले से योजना बना सकें। एकीकृत कमान एवं नियंत्रण केंद्र और सीसीटीवी नेटवर्क से यातायात की लगातार निगरानी की जाएगी। आवश्यकता के अनुसार ड्रोन के माध्यम से भी वास्तविक समय में यातायात प्रवाह और जाम की स्थिति पर नजर रखी जाएगी। पुलिस ने वाहन चालकों से नई व्यवस्था के अनुसार यात्रा की योजना बनाने तथा लेन चिह्न और दिशा सूचक संकेतों का अनिवार्य रूप से पालन करने की अपील की है। आपातकालीन वाहनों के लिए लेन-दो में निर्बाध रास्ता उपलब्ध कराने को कहा गया है।

# जीएचएमसी के विशेष मानसून अभियान का पहला दिन

## 136 मीट्रिक टन पुराना कचरा हटाया, 109 गड्ढे भरे

हैदराबाद, 11 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम (जीएचएमसी) की ओर से शहर में शुरू किए गए 10 दिवसीय विशेष मानसून अभियान के पहले दिन 30 वार्डों में व्यापक नागरिक एवं स्वच्छता गतिविधियां संचालित की गईं। अभियान के तहत स्वच्छता सुधार, सड़कों के गड्ढों की मरम्मत, जनस्वास्थ्य उपायों को मजबूत करने और नागरिकों में जागरूकता बढ़ाने पर विशेष जोर दिया गया।अभियान के पहले दिन जीएचएमसी टीमों ने 136 मीट्रिक टन पुराने नगर ठोस कचरे (एमएसडब्ल्यू) तथा 61.5 मीट्रिक टन निर्माण एवं विध्वंस (सीएंडडी) कचरे को हटाया। मानसून की तैयारियों के तहत 109 गड्ढे भरे गए, 105 कैच पिट की सफाई की गई और पांच पुलियों को साफ किया गया। इसके अलावा 16.78 मीट्रिक टन तैरता हुआ कचरा और गाद हटाई गई। बारिश के पानी के संरक्षण और बेहतर प्रबंधन के लिए 19 रेन वाटर हार्वेस्टिंग संरचनाओं का कार्य शुरू किया गया। 30 गैर-आवासीय भवनों का सर्वे किया गया तथा 22 सार्वजनिक शौचालयों का निरीक्षण किया गया। कचरा प्रबंधन को बेहतर बनाने के लिए दुकानों पर 99 वाणिज्यिक कूड़ेदान भी लगाए गए। जनजागरूकता अभियान के तहत 29 बल्क वेस्ट जेनरेटर (बीडब्ल्यूजी) जागरूकता बैठकें आयोजित की गईं और 26 बीडब्ल्यूजी पंजीकरण किए गए। सूचना, शिक्षा एवं संचार (आईईसी) तथा प्रशिक्षण कार्यक्रमों के तहत 18 स्कूलों में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिनमें करीब 700 लोगों ने भाग लिया। जनस्वास्थ्य एवं पशु चिकित्सा गतिविधियों के अंतर्गत 60 आईईसी कार्यक्रम आयोजित किए गए। आवारा कुत्तों की रोकथाम के लिए पाइरेथ्रम का छिड़काव तथा टीकाकरण और शेल्टर स्थानांतरण जैसी गतिविधियां भी की गईं। अभियान के दौरान 1,347 इंदिरम्मा साड़ियां वितरित की गईं। स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं के लिए 16 जागरूकता शिविर आयोजित किए गए, जिनमें 118 महिलाओं ने भाग लिया।

શ્રી ગુજરાતી પ્રગતિ સમાજ

૪-૩-૨૫૯, ગિરીરાજ લેન, બેંક સ્ટ્રીટ, સુલતાન બજાર, હૈદરાબાદ-૫૦૦ ૦૯૫.

વાર્ષિક સામાન્ય સભા સૂચના

માનનીય સમાજના સભાસદ્ ભાઈઓ તથા બહેનો,

સમાજની વાર્ષિક સામાન્ય સભા રવિવાર તારીખ ૧૬-૮-૨૦૨૬ ના રોજ સવારે ૧૦:૩૦ કલાકે વાઇલ્ડ વાટર્સ-વાટર એન્ડ એમ્યુઝમેન્ટ થીમ પાર્ક, સર્વે નં. ૧૨૫, મસાનીગુડા, શંકરપલ્લી, હૈદરાબાદ-૫૦૧૨૦૩, મુકામે રાખવામાં આવેલ છે. આપ સર્વે સભ્ય ભાઈ બહેનોને સમયસર હાજર રહેવા વિનંતી.

કાર્ય-હેતુ

૧. ગત વાર્ષિક સામાન્ય સભા તા: ૨૦-૦૭-૨૦૨૫ ની મિનિટ્સ નું વાંચન અને બહાલી.
૨. માનદ્ મંત્રીશ્રીના વર્ષ ૨૦૨૫-૨૬ ના અહેવાલની રજૂઆત અને બહાલી.
૩. વર્ષ ૨૦૨૫-૨૬ સમાજ તથા પેટા પ્રવૃત્તિઓના ઓડિટ હિસાબોનું વાંચન અને મંજુરી.
૪. વર્ષ ૨૦૨૬-૨૭ માટે ઓડિટરની નિમણુક તથા ઓડિટ ફી નક્કી કરવી.
૫. પ્રમુખશ્રીની પરવાનગીથી આવેલ વિષય ઉપર ચર્ચા-વિચારણા અને નિર્ણય.

રાહુલ કે. છેડા
માનદ મંત્રી

નોંધ :

બસો મુકવાના સ્થળ, પ્રગતિ મહાવિદ્યાલય કોલેજ, કંદાસ્વામીલેન, હૈદરાબાદ. આ સિવાયકોઈ પણ સ્થળેથી ૪૦ થી ઉપરની સંખ્યામાં સભ્યો ગ્રુપ બનાવી આવતા હોય તો ત્યાં થી સ્પેશિયલ બસ આપવામાં આવશે.

બસો મોડા માં મોડી સવારના ૮-૦૦ કલાકે રવાના થઈ જશે વહેલા તે પહેલા નિયમ થી બસ માં સીટો આપવા માં આવશે.

સાંજના બસો ૫-૦૦ વાગ્યે ત્યાંથી રવાના થઈ જશે.

વાટર રઇડ્સ ના કપડા ઘરે થી સાથે લઇ લેવા વિનંતી. જો કોઈ ખરીદી લેવા હોય તો પોતાના ખર્ચે લેવાના રહેશે. લોકર ના પૈસા જાતે ચૂકવાના રહેશે.

૫૦૦ રુપિયા આપી દીપક ભવન, હનુમાન ટેકડી થી વાઇલ્ડ વોટર્સ ના પાસ લેવાના રહેશે.

૫૦૦ રુપિયા તમને વાઇલ્ડ વોટર માં એન્ટ્રી થયા બાદ ટિકિટ જોઇને પાછા આપવામાં આવશે.

છેલ્લામાં છેલ્લા પાસ લેવાની તારીખ ૧૪-૦૮-૨૦૨૬, સમય ૧૧ થી પાંચ વાગ્યા સુધી આપવામાં આવસે. મેમ્બર આઈડિન્ટિટી કાર્ડ બતાવી ને પાસ લેવાનો રહેશે.

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.